

वीर सेवा मन्दिर
दिल्ली

★

४३९५

कम सख्या

काल न०

लण्ड

०५८७ (५४५९)

जे७

from : —

I-COPYER PVT. LTD.

F 3 A Industrial Estate.

INDORE M. P.

Traders of Quality
Sensitized Papers

Phone No 2432

Gram. KOTHARI

जनता की सेवा में सदैव मनमोहक एवं
आकर्षक साड़ियाँ प्रस्तुत करने वाले

कोठारी सन्स
सराफा बाजार, ग्वाल्हियर-१

ग्वालियर जैन निर्देशिका

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक

प्रो. नरेन्द्रलाल जैन

एम. कॉम साहित्यरत्न

सह सम्पादक

श्री कपूरचन्द्र खरया

एम. ए., साहित्यरत्न

सदस्य

श्री रविन्द्र 'मालव'

बी. एम. ई., बी. ए., विशारद

श्री कैलाशचन्द्र गंगवाल

बी. कॉम., एल-एल. बी.

श्री नरेन्द्र कुमार सोनी

बी. ए., एल-एल. बी.

प्रबन्ध-संचालक

श्री केशरीमल पाटनी

एम. कॉम., आर. एम. पी.

GWALIOR JAIN DIRECTORY

प्रकाशक

वर्तमान दि. जैन नवयुवक संघ

डीडवाना मोती, ग्वालियर-१

मुद्रक

साधना प्रेस, ग्वालियर-१

वीर नि. संवत् २४६५

दिनांक १ जुलाई, १९६६

वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ

डीडवाना ओली, ग्वालियर-१

वर्तमान सदस्यों की सूची

पदाधिकारी:—

संरक्षक	:	श्री मानिकचन्द जैन	एम. ए., एल-एल. बी., सेल्स टेक्स काउन्सिलर
अध्यक्ष	:	प्रो. लालचन्द जैन	एम. कॉम., एल-एल. बी., सा० रत्न, एम. बी. ए.
उपाध्यक्ष	:	प्रो. एन. एल. जैन	एम. कॉम., साहित्य रत्न,
„	:	श्री धर्मचन्द दाकसीवाल	बी. कॉम.
सहायक	:	श्री केशरीमल पाटनी	एम. कॉम., आर. एम. पी.
सहस्रचर	:	श्री कैलाशचन्द गंगवाल	बी. कॉम., एल-एल. बी., एडवोकेट
श्रीद्वय	:	श्री चन्द्रमोहन पाटनी	एम. बी. बी. एस.
ललितकर्मी	:	श्री रविन्द्र 'मालव'	डी. एम. ई., बी. ए., विशारद
पुस्तकालय एवं	:	श्री प्रमोदकुमार पाटनी व	
बाचनसमिति	:	श्री कमलकिशोर गोधा डी० टी० टी०	
मानिकचन्द प्रचार मन्त्री	:	श्री अजितकुमार बड़जात्या	एम. ए.
सुदेशचन्द	:	श्री राजेन्द्रकुमार पांछ्या	
जीवाचयक	:	श्री मोतीलाल बज. दानाओली	

कार्यकारिणी सदस्य:—

सर्वश्री नरेन्द्रकुमार सोनी डी० ए०, एल-एल० बी०, प्रमोदकुमार बिन्दायका डी० ई०, कमलचन्द कासलीवाल, तेजकुमार गंगवाल एम० ए०, नरेन्द्रकुमार पाटोदी, अनिलकुमार गोधा, सुरेशचन्द जैन, ऋषभकुमार पापड़ोवाल डी० एस-सी०, कमलचन्द गंगवाल ।

साधारण सदस्य:—

प्रो० ज्ञान्तिचन्द गिरधरवाल एम० कॉम०, सर्वश्री उत्तमचन्द गंगवाल, सुरेन्द्र-कुमार जैन डी० ए०, धर्मकुमार गोधा एम० एस-सी०, होतीलाल जैन एम० कॉम०, निर्मलकुमार गिरधर-वाल डी० ई०, सुरेशचन्द जैन, विजयकुमार पांछ्या, अशोककुमार गंगवाल, पवनकुमार, राजकुमार पाटनी, जसवन्तकुमार गंगवाल, देवेन्द्रकुमार भोंष, विनोदकुमार गंगवाल, नेमीचन्द जैन, अशोककुमार, नरेन्द्रकुमार पाटोदी, चन्द्रकुमार गंगवाल, राजेन्द्रकुमार गंगवाल, रतनचन्द जैन, कपूरचन्द जैन, कृष्णकुमार, कपूरचन्द तिलकनगर, आनन्दकुमार जैन, अशोककुमार, राजेन्द्रकुमार जैन, बालकिशन, देवसूयण जैन, धर्मचन्द जैन, विमलचन्द पाटनी, नरेन्द्रकुमार, विनोदकुमार बिन्दायका, पी० सी० जैन, सुरेशचन्द जैन, प्रो० चतुष्पथ-दास जैन, विजयकुमार अजमेरा, निर्मलकुमार, रत्नचन्द, नेमीचन्द, सुमेरचन्द, पी० के० जैन, प्राणनारा-यण जैन, रमेशचन्द, आशचन्द, नेमीचन्द बरैया, नेमीचन्द जैसवाल, सतीशकुमार पाटनी, सन्तोषकुमार सेठी, मानिकचन्द, जसवन्तकुमार पाटनी, जिनेशचन्द ।

• • •

शुभ-सन्देश

कार्यवाहक राष्ट्रपति—भारत सरकार, नई दिल्ली

“मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आप वर्तमान दिगम्बर जीन नवयुवक सघ, ग्वालियर के सत्वावधान में “जीन डायरेक्टरी ग्वालियर” प्रकाशित करने जा रहे हैं।

मैं आपके प्रयास की सफलता के लिये अपनी हार्दिक शुभकामनाएं भेजता हूँ।”

—वी० वी० गिरि

मन्त्री—श्री अ० भा० दिगम्बर जीन शास्त्री परिषद्, बड़ौत (मेरठ)

“आप जीन डायरेक्टरी बना रहे हैं, जानकर प्रसन्नता हुई। कार्य कांटों से भरा है। पग-पग पर कांटे बिछे हैं। असफलता के इच्छुक बाधा पहुंचाएंगे, पर विन्ता न करना, बढ़ते रहना। आपके साथ प्रभु शक्ति रहेगी।

वीर प्रभु से प्रार्थना है कि आप अपने इस शुभ कार्य में सफलता प्राप्त करें।”

—बाबूलाल जीन जमादार

संचालक—साहित्य शोध विभाग, जयपुर

“यह जानकर प्रसन्नता हुई कि वर्तमान दिगम्बर जीन नवयुवक सघ ग्वालियर ने ग्वालियर जीन डायरेक्टरी के प्रकाशन की एक योजना बनाई है। योजना अतीव सुन्दर है। मुझे सम्बन्धित कार्य में अपेक्षित सहयोग देने में प्रसन्नता होगी।

ग्वालियर जीन साहित्य एवं संस्कृति का केन्द्र रहा है यहाँ की विस्तृत जानकारी प्रकाशित होना आवश्यक है।”

—डॉ० कस्तूरचन्द कासलीवाल

इस्पात, लान और धातु—राज्य मन्त्री

“यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आप “ग्वालियर जीन डायरेक्टरी” नामक पुस्तक का प्रकाशन करने जा रहे हैं। जिसमें ग्वालियर जिले की जीन घणना, मन्दिर एवं अन्य सम्बन्धित बातों का विवरण किया जावेगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पुस्तक के माध्यम से समाज के हर वर्ग के लोगों को लाभ प्राप्त होगा। मैं आपके प्रयास की पूर्ण सफलता की कामना करता हूँ।”

—प्रकाशचन्द सेठी



गवालियर जैन निर्देशिका

विषय-सूची

क्रम	पृष्ठ संख्या	क्रम	पृष्ठ संख्या
प्रारम्भिक:—		२१ समीपवर्तीय तीर्थ स्थल	५२
१ सत्त्वा के सदस्यों की सूची	दो	२२ भारतीय जनगणना में जैन	५६
२ शुभ सन्देश	तीन	२३ दण्डलक्षण जो में शासन में प्राप्त मुविना	५६
३ विषय-सूची	चार	२४ दिगम्बर जैन जातिवार सूची	६१
४ भूमिका	पांच	२५ जनगणना विश्लेषण चाट	७४
५ सम्पादकीय	छह	२६ व्यवसायिक वर्गीकरण	७५
सामान्य विवरण:—		२७ बाबा बाबडी विवरण	८१
६ गवालियर-शरीर की दृष्टि में	१	जनगणना:—	
७ दिगम्बर जैन मन्दिर	१५	२८ दिगम्बर जैन समाज, लखन	१
८ श्वेताम्बर मन्दिर, दादाबाड़ी व स्थानक	२६	२९ दिगम्बर जैन समाज, गवालियर	६७
९ धार्मिक महोत्सव	३२	३० दिगम्बर जैन समाज, मुरार	११३
१० जैन धर्मशालायें	३६	३१ मन्दिर मार्गी, श्वेताम्बर समाज	१२७
११ धार्मिक पाठशालायें	३६	३२ माधु मार्गी श्वेताम्बर समाज	१५८
१२ शिक्षण संस्थाएँ	४१	३३ तेरापथी, श्वेताम्बर समाज	१५८
१३ जैन छात्रावास	४४	३४ छात्रावास के विद्यार्थी	१६२
१४ जैन श्रीवचालय	४४	३५ विस्तृत जनगणना सूची, लखन	१६४
१५ बाचनालय एवं पुस्तकालय	४४	३६ विस्तृत जनगणना सूची, गवालियर	१६५
१६ सांस्कृतिक संस्थायें	४६	३७ विस्तृत जनगणना सूची, मुरार	१६५
१७ प्राचीन वस्तु संग्रहालय	४६	३८ विज्ञापन क्रमिका	१६६
१८ धार्मिक व सामाजिक ट्रस्ट	४७	संस्थागत:—	
१९ धार्मिक व सामाजिक संघ	४८	३९ प्रकाशकीय परिचय	१६७
२० भारतवर्षीय संस्थाओं की शालायें	५१	४० भावी कार्यक्रम	१६८



● भूमिका

इस देश की आर्थिक सामाजिक एवं शैक्षणिक प्रगति इस बात पर आधारित है कि इसके निवासी कितने परिश्रमी, धार्मिक एवं गतिशील हैं। नागरिकों के समूह, जाति एवं सम्प्रदायों में विभाजित होने के कारण उन्हें संगठित करने का एक मात्र उपाय यह है कि हम सीमित क्षेत्र की जनगणना करें एवं उस दिशा में उनकी समस्याओं को हल करने के प्रयत्न करें। आधुनिक युग में संगठन ही शक्ति है। इसी उद्देश्य से श्री बड्डमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ ने ग्रेटर खालियर की जैन जनगणना का कार्य सम्पन्न किया है।

खालियर का जैन समाज उत्साही, महत्वाकांक्षी एवं प्रगतिशील है। योग्य एवं दूरदर्शी व्यक्तियों के नेतृत्व में उसके नवयुवकों ने पिछले २०-२५ वर्षों में अनेक सामाजिक व धार्मिक कार्य सम्पन्न किये हैं। समाज के सदस्यों की व्यक्तिगत प्रगति के लिये जितना कार्य होना चाहिए उतना फिर भी पूरा नहीं किया जा सका है। शिक्षा, स्वास्थ्य, नैतिक, मानसिक आदि स्तर पर संगठन के माध्यम से जितना कार्य उन्नति के लिए किया जाय, समाज व देश दोनों उनसे अधिक मूर्खी, समृद्ध व सन्तुष्ट होगा ऐसा मेरा विश्वास है।

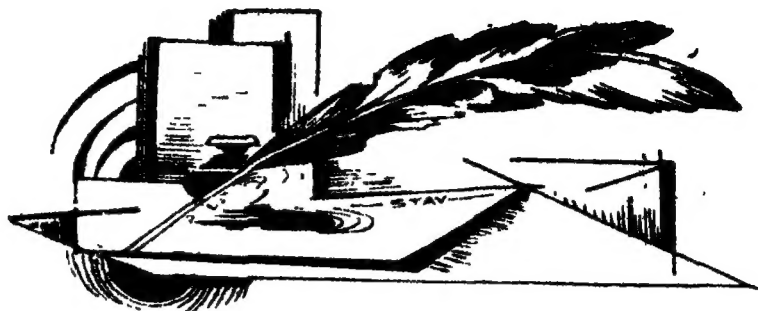
खालियर जैन समाज की जनगणना का यह महत्त्वपूर्ण प्रथम प्रयास है इस कार्य में जिन नवयुवकों व समाज के अन्य महानुभावों ने सहयोग दिया वे बधाई के पात्र हैं। रचनात्मक कार्य की दिशा में उनका यह कार्य आधार स्तम्भ की तरह कार्य करेगा। मुझे आशा है कि इस जानकारी के माध्यम से जैन समाज भविष्य में शिक्षा, सामाजिक कुरोतियों के मुधार, आर्थिक उन्नति आदि का विस्तृत रूप से सर्वेक्षण कर सकेगा तथा अपने लक्ष्य तक पहुँचने में सफल होगा।

तथ्यों व आकड़ों के संग्रहण व सम्पादन में प्रो० एन० एन० जैन, श्री केशरीलाल पाटनी श्री कपूरचन्द बरैया, श्री मिश्रीलाल जी पाटनी, श्री नरेन्द्रकुमार सोनी, श्री कलाशचन्द जैन, श्री धर्मचन्द बाकनीवाल, श्री रविन्द्र 'मालव', श्री प्रमोदकुमार पाटनी, श्री मोहनलाल अग्रवाल, श्री प्रमोदकुमार बिन्दायका श्री कमलकिशोर आदि ने जो योगदान दिया है वह सराहनीय है। समाज सेवा के क्षेत्र में उनका यह सहयोग अन्य युवकों को व समाज की प्रेरणा देगा ऐसा मेरा विश्वास है।

१ जुलाई, १९६६

लालचन्द जैन
अध्यक्ष, बड्डमान दि० जैन नवयुवक संघ

संपादकीय



श्री वर्तमान दिग्दर्शक जैन नवयुवक सघ, ग्वालियर द्वारा जैन निर्देशिका का प्रकाशन कार्य इस बात का प्रमाण है कि यदि हम किसी कार्य को करना चाहते हैं और उसके प्रति हमारी सच्ची लगन है तो वह कार्य प्रारम्भ में साधन न होते हुये भी सम्पन्न हो सकता है।

व्यवसायिक, औद्योगिक, शैक्षणिक आदि कारणों से नगर के विभिन्न भागों और नई बस्तियों में समाज के व्यवसायी, दूकानदार, विद्यार्थी, नोकरी पेशा लोग बसते जा रहे हैं। यह आवश्यक है कि उनका संबंध समाज से रहे और समाज को भी उनके सम्बन्ध में पूरी-पूरी जानकारी रहे उन्हें समय-समय पर होने वाले धार्मिक व सामाजिक उत्सवों से अवगत रखा जाय। समाज के मन्दिरों, धर्मशालाओं और अनेक बातों का इतिहास स्वयम् किसी भी नगर के स्थायी निवासियों को नहीं कहने पाना। इसलिए संघहित रूप में उनकी उपलब्धि अपना महत्व रखती है।

ग्वालियर जैन निर्देशिका का प्रमुख उद्देश्य सम्पूर्ण समाज का संगठन करना है जिसमें प्रत्येक की धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक प्रत्येक दिशा में बिक्रम करने का अवसर मिल सके इसमें समारोहों का सफलता पूर्वक आयोजन, खेलकूद का नियोजन, बाढ़ बिबाद प्रतियोगिताएं, विचार गोष्ठियां, बाहर से आमन्त्रित विद्वानों के भाषण और वैवाहिक सम्बन्धों के लिए समाज को आवश्यक जानकारी आदि ऐसे कार्य होंगे जिससे समाज में जागृति और नवचेतना का संचार हो सके।

बृहत्तर ग्वालियर में तीन उपनगर सम्मिलित हैं। (१) ग्वालियर (पुरानी बस्ती) (२) लखर और (३) मुरार। ग्वालियर: उत्तर पूर्व में पहाड़ी के नीचे बसी हुई प्राचीन बस्ती है, यहाँ किले का प्रमुख द्वार है।

लखर: ग्वालियर उपनगर से २ मील दूर दक्षिण दिशा में है। लखर उपनगर मराठा और विशेष रूप से सिंधिया शासकों के कारण बसा है। महाराजा दौलतराव सिंधिया ने अपनी सेना के कैंप के लिए इस स्थान को चुना था। बीरे-बीरे वह स्थान एक गांव से नगर और सिंधिया की राजधानी होने के कारण नगर से एक सहर बन गया।

बृहत्तर ग्वालियर का तीसरा उपनगर मुरार है। यह ग्वालियर उपनगर से २ मील दूर पूर्व दिशा में मुरार नदी के किनारे स्थित है। मुरार अंग्रेजों की सेना का स्थान (छावनी) था। सन १८४४ में इसे अंग्रेजों

ने बताया था सन १८८५ में अंग्रेजों ने कौंसी के किले के बदले में ग्वालियर दुर्ग और मुरार छावनी मिथिया को ली थी ।

ग्वालियर जैन निर्देशिका में नगर के तीनों भागों में स्थित दिगम्बर व श्वेताम्बर जैन समाज की जानकारी दी गई है । जिसे दो भागों में बांटा गया है:—प्रथम भाग में ग्वालियर के इतिहासिक विवरण मन्दिर, व स्थानक, धर्मशालाएँ, जीवशाला, पुस्तकालय, धार्मिक शिक्षण संस्थाओं, नवयुवक सचो, समीप स्थित तीर्थ क्षेत्रों, धार्मिक महोत्सवों आदि का विवरण दिया गया है । निर्देशिका का द्वितीय भाग जनगणना से सम्बन्धित है । इस भाग में बाजारों के अनुसार जैन परिवारों के १४ वर्ष से व उससे अधिक आयु के सदस्यों के नाम, आयु, शिक्षा, प्रमुख से सम्बंध, वैवाहिक स्थिति व जीवकोपार्जन सम्बन्धित विवरण है । इस कार्य में अत्यन्त उदार दृष्टिकोण रखा है । दिगम्बर, श्वेताम्बर (मन्दिर मार्गी, साधुमार्गी, तेरापन्थी) जैन समाज का विवरण अलग अलग दिया है । जिससे प्रत्येक वर्ग को समाज की पूर्ण जानकारी मिल सके ।

दिगम्बर समाज की उपजातियों के अनुसार सूची दी गई है जिसमें परिवार के पूर्ण सदस्यों की संख्या भी दी है । छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों का पूर्ण विवरण, नाम, शैक्षणिक योग्यता, वैवाहिक स्थिति, स्थायी पता आदि दिया गया है । पेशेवार, शिक्षा, उम्र आदि के अनुसार वर्गीकरण करके संपूर्ण स्थिति को सक्षेप में बतलाने का भी प्रयत्न किया है ।

ग्वालियर पिछले १५०० वर्षों से जैन संस्कृति और साहित्य का केन्द्र रहा है । १४ वीं—१५ वीं सदी में जैन मुनी और आचार्यों के प्रभाव से तोमर बघीय राजा जूगर सिंह, व कीर्ति सिंह के काल में ग्वालियर के विशाल दुर्ग के चारों ओर विशाल और लघु कुल मिलाकर १५०० से भी अधिक जैन मूर्तियों का उत्खनन हुआ । इस तरह ग्वालियर का दुर्ग एक जैन तीर्थ के रूप में परिवर्तित हो गया । इस अवधि में ग्वालियर दुर्ग पर एक जैन विद्यापीठ चला करता था । महाकवि रईधू और अन्य आचार्यों ने इस अवधि में विपुल मात्रा में जैन साहित्य की रचना की है ।

ग्वालियर के आस पास का क्षेत्र जैन पुरातत्व के अवशेषों से भरा हुआ है । दुर्ग पर गुजरी महम्म से स्थित म्यूजियम में सैकड़ों प्राचीन दिगम्बर जैन मूर्तियाँ और अनेक शिलालेख हैं । किले के उरवाई गेट पर कुल मिलाकर ११३० मूर्तियाँ उत्खनित हैं । गोपाचल के बाहरी हिस्से मरीमाता के ऊपर ३०० मूर्तियाँ स्थित हैं । पतिहार, सिंहोनिर्वा, नरवर, ग्योपुर, धुआ में जैन पुरातत्व के खडहर मंत्र दृष्टिगोचर होते हैं ।

ग्वालियर के अनेक मंदिरों में अत्यन्त प्राचीन जिनविम्ब प्रतिष्ठित है । वे सन् १०२४ से १८८३ तक के हैं । जैन साहित्य और पुरातत्व के विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है । नगर के अधिकांश मन्दिर में शास्त्रों का प्रचुर संग्रह है । ग्वालियर में यति जी (भट्टारकों) के मन्दिर का शास्त्र भण्डार प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थों से भरा हुआ है किन्तु अनेक वर्षों से काल कोठरी में बन्द है जिसके निकलवाने का प्रयत्न जैन समाज लक्ष्कर को करना नितान्त आवश्यक है ।

जनसंख्या के सम्बंध में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह सदैव बढ़ती रहती है । ये परिवर्तन जन्म, मृत्यु और प्रवास के कारण होते हैं । इसलिए हमारे द्वारा प्रस्तुत जानकारी का केवल अल्पकालिक महत्व ही है । हमने समाज के सभी परिवारों के विवरण प्राप्त करने का प्रयत्न किया है फिर भी यह सम्भावना है कि कुछ परिवारों का विवरण रह गया हो हमने अत्यन्त उदार एवं विस्तृत दृष्टिकोण से अपने कार्य का सम्पादन किया है । नगर की जैन सभा के इतिहास में किया गया यह प्रथम प्रयास है । मुद्रण और तथ्य सम्बन्धी जो भी भूलें

और तृटिया हों उनकी और सूचन कर पाठक वृन्द हमें अनुग्रहित करें। सम्बन्धित सुझाव भविष्य में सुधार हेतु विनम्र भाव से आमन्त्रित हैं।

ग्वालियर जैन निर्देशिका के सम्बन्ध में संघ के सदस्यों ने बहुत श्रम किया है। यह बृहद कार्य उन्हीं के श्रम, लगन और मेवा का परिणाम है। यदि हम युवावर्ग को उचित मार्ग दर्शन दें तो उनके सहयोग से कोई भी कठिन कार्य सरलता पूर्वक किया जा सकता है। हमने इस कार्य में नवयुवकों की सुप्त-गुप्त शक्ति और योग्यता का उपयोग किया है जो इस कार्य के अभाव में आलस्य; गपशप या आनन्द-प्रमोद में ही समाप्त होती। निर्देशिका प्रकाशन में संघ के अध्यक्ष श्री. लालचन्द जैन के मार्ग दर्शन और संघ के महामन्त्री श्री केशरीमल पाटनी की प्रेरणा व लगन का विशेष मूल्य है। श्री केशरीमल ने फोटो बनाने, प्रैस-कार्य सम्हालने, सम्बन्धित सामग्री एकत्रित करने में दिन रात अथक परिश्रम किया है और निर्देशिका की प्रत्येक आवश्यकता का यथोचित प्रबन्ध किया है। उनसे समाज को अनेक आशायें हैं। इस कार्य में नगर के सुप्रसिद्ध, धर्म प्रेमी वयोवृद्ध, सामाजिक कार्यकर्ता श्री मिथीलाल जी पाटनी के सहयोग को भुलाया नहीं जा सकता। आपने नगर के धार्मिक महोत्सव, आस पाम के जैन तीर्थ, जनगणना, जातिवार सूची, आदि विवरण पर बहुत अधिक सामग्री दी और कार्य की आगे बढ़ाने में हर समय हर तरह की मदद देने में अग्रगण्य रहे हैं। मन्दिर मार्गी श्वेताम्बर जैन समाज की जनगणना कार्य, मन्दिरों का विवरण आदि प्राप्त कराने में श्री मूरजराज जी घारीवाल ने उल्लेखनीय सहयोग दिया है।

डॉ. करनूरचन्द कासनीवाल, जयपुर जैन पुरातत्व अन्वेषक, श्री उरमानन्द शास्त्री, देहली, व प. सत्येन्धर जी सेठी, उज्जैन व श्री बाबूलाल जी जमादार मेरठ, से महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुये हैं (जिन में से कुछ को अलग परिशिष्ट में प्रकाशित करेंगे) उनके प्रति हम आभारी हैं।

इस कार्य में आर्थिक सहयोग देने हेतु हम सभी विज्ञापन दाताओं के आभारी हैं। श्री सरदार सिंह जी चौरहिया जनरल मैनेजर जे. सी. मिल्म, श्री हीरालाल जी श्रीमाल मैनेजर—ग्वालियर रेयन, इन्डो काँपीयर, इन्डोर, कोठारी मन्स के सहयोग के लिये विशेष आभारी हैं। विज्ञापन प्राप्त करने के कार्य में श्री पारसकुमार गगवाल, नरेन्द्रकुमार सोनी, श्री धर्मचन्द वाकलीवाल, श्री कैलाशचन्द गगवाल आदि ने उल्लेखनीय योग दिया है। श्री दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर, डोडवानाओली, नया मन्दिर, दानाओली, चम्पाबाग मन्दिर, दानाओली, बड़ा मन्दिर, मामा का बाजार, आदि मन्दिरों में आर्थिक सहयोग भी प्राप्त हुआ है।

अन्त में हम अपने उन बन्धुओं के प्रति हृदय से आभार प्रगट करते हैं जिन्होंने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप में सूक्ष्म सेवा भाव से सहयोग दिया है परन्तु जिनके नाम का उल्लेख नहीं हो पाया है।

—नरेन्द्रलाल जैन



ग्वालियर



अतीत की दृष्टि में

भारत के हृदय स्थल पर स्थित ग्वालियर नगर का इतिहास अत्यधिक प्राचीन एवं मननशील है। यहाँ के इतिहास के सबंध में पर्याप्त शोध न होने के कारण अनेक ऐतिहासिक तथ्य प्रकाश में नहीं आ पाये हैं। ग्वालियर को ऐतिहासिक महत्व प्रदान करने वाला सबसे महत्वपूर्ण स्थल ग्वालियर का दुर्ग है।

“गोपाद्रि” “गोपागिरी” और “गोपाचल” शब्द यहाँ स्थित उस पहाड़ियाँ, जिस पर कि आज ग्वालियर दुर्ग स्थित है, के लिये प्रयुक्त किये गये हैं। वर्तमान नाम ग्वालियर भी इन्हीं प्राचीन नामों

गोपालगिरी-गवालहरि-ग्वालियर से उत्पन्न हुआ है। “गोपाली खेट” से इसका मराठी नाम “गवालहर” बना है।

ग्वालियर दुर्ग को भारतवर्ष के प्राचीनतम किलों में सबसे उत्तम माना जाता है। जनरल कनिंघम के अनुसार यह विश्वास किया जाता है कि इसकी स्थापना ईसा से करीब ३०० वर्ष पूर्व हुई।

वैसे इस दुर्ग के संबंध में सर्व प्रथम ऐतिहासिक प्रमाण सूर्य कुण्ड पर स्थित हूण और मिहिर कुल के एक शिलालेख द्वारा प्राप्त होता है जिसका काल लग-

भग ५१५ ई० माना जाता है। इस नगर निर्माण के काल से ही शनैः शनैः जैन धर्मावलम्बी इस नगर में आकर बसने लगे थे।

इस समय खालियर पर तोरमन और उसके पुत्र मिहिर कुल का आधिपत्य था। इसका शासन काल बड़ा दुःखदायी रहा। सन् ५२३ ई० में यशोधर्मन द्वारा पराजित किये जाने पर वह काश्मीर भाग गया, पर स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। यशोधर्मन और उसके पुत्र नागधर्मन ने सन् ५५० ई० तक राज्य किया। इस प्रकार इन ८० वर्षों में राज्य की दशा बड़ी ही अस्थिर रही। इनके पश्चात् हर्ष के सम्राट होने पर उसने खालियर पर भी कब्जा कर अपने राज्य में मिला लिया। इसके राज्य में शांति रही यद्यपि वह स्वयं बौद्ध—मत्तावलम्बी था परन्तु वह धर्मान्ध नहीं था।

सन ६४८ में हर्ष की मृत्यु के बाद कन्नौज के परिवार राजा भोजदेव ने भी कुछ समय के लिये इस दुर्ग पर अपना शासन स्थापित किया जिसका प्रमाण किले के बीच, सागर ताल पर स्थित सन् ८७५ तथा सन् ८७६ के चतुर्भुज मन्दिर के शिलालेखों से प्राप्त होता है। इनके शासन काल में श्री वज्रदान नामक जैन साधु द्वारा सन् ९७७ में वंशाख बन्दी पंचमी के दिन जैन मूर्ति स्थापित की गई।^१ इससे लगता है कि भोजदेव के काल में जैन धर्मावलम्बियों की अच्छी दशा थी। इन्होंने १०वीं शताब्दी तक शासन किया। दसवीं शताब्दी में पुनः बरजुमन कछवाहों के नेतृत्व में राजपूतों ने इस क्षेत्र तथा दुर्ग पर अपना शासन स्थापित किया।

सास-बहू का मन्दिर:—

वर्तमान सास-बहू के मन्दिरों का भी निर्माण इसी काल में हुआ। ऐसा माना जाता है कि १०५ फुट लम्बा, ७५ फुट चौड़ा और १०० फुट ऊँचा यह मन्दिर महीपाल नामक राजपूत शासक द्वारा नन्दीश्वर द्वीप अष्टानिका के त्त के उपलक्ष में जिन मन्दिर के रूप

में निर्मित करवाया गया। यही कारण है कि उसमें देव देवागनाओं की नृत्य तथा अन्य मुद्राओं में मूर्तियाँ खुदी हैं। इसकी प्रतिष्ठा में पदमनाभ खुल्लक आदि ने भी भाग लिया था। यह लगभग सन १०३६ में बनकर पूर्ण हुआ। इसके दरवाजों, छत और दीवारों की खुदाई दर्शनीय है। यह सास-बहू के मन्दिर के नाम से प्रसिद्ध है। वर्तमान में कुछ इतिहासकारों ने इसका प्राचीन नाम सहस्त्रबाहु का मन्दिर बताते हुये इसे विष्णु मन्दिर भी कहा है।

खालियर दुर्ग पर स्थित सास-बहू के मन्दिर के निकट अत्यन्त जीर्ण-शीर्ण अवस्था में स्थित ३५ फुट लम्बे तथा १५ फुट चौड़े खडहर कमरे के संबंध में सन १८४४ में किये गये क्रोध कार्य के आधार पर जनरल कनिंघम ने इसे जैनियों के २३ वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ का मन्दिर माना है तथा इसका निर्माण कार्य ११०८ ई० के लगभग सम्पन्न होता माना है। उसके पूर्ण संवर्धन, आसपास किये गये खुदाई के कार्य और स्तम्भों के आधार पर, उसका क्षेत्र पीछे ५० फुट और होना बताया है। उसके अनुसार यह मन्दिर लगभग ६६ फुट लम्बे तथा १५ फीट चौड़े क्षेत्र में फैला था। इसके निर्माण का समय सन् ११०८ इस बात की साक्ष्य देना है कि यह मन्दिर कछवाहों के शासन काल में ही निर्मित किया गया।

उपलब्ध ज्ञान के आधार पर यह कहा जा सकता है कि जैन धर्मावलम्बियों के परिवार मात्र निवास ही नहीं करते थे वरन् यहाँ जैनियों के सच भी संचालित थे जिनमें संचाधिपति, सचपति (सिधई, सधवी) हुआ करते थे। इतना ही नहीं वे एक नियमित विद्यापीठ का भी संचालन करते थे। १५ वीं शताब्दी में बनी मूर्तियों से प्राप्त जानकारी से ये तथ्य और पुष्ट हो जाते हैं।

परिवार वंश:—

सन ११२२ ई० में परिवारों ने इस वंश के अंतिम राजा तेजकरण को निकाल दिया और स्वयं राजा बन

१. खालियर का अतीत, पृष्ठ १४।

बंटे थे। परिहार बंस के कुल ७ राजाओं ने इस दुर्ग पर राज्य किया। इस बीच में एक बार सन ११६६ ई० में कुतुबुद्दीन ने खालियर पर आक्रमण कर दुर्ग पर अपना अधिकार स्थापित किया, परन्तु उसके हाथों में यह दुर्ग अधिक समय तक न रह सका और १६ वर्ष बाद सन १२१२ में परिहारों ने पुनः दुर्ग को वापिस ले लिया और सन १२३२ तक अपने अधिकार में रखा। सन १२३२ में अलतमश ने तत्कालीन परिहार सासक सारंग देव पर आक्रमण किया और ११ मास तक दुर्ग को घेरे रहा। अन्त में सारंगदेव ने स्वयं किले से निकलकर मुसलमानों से युद्ध किया। इस युद्ध में राजा सारंगदेव भी अपने पन्द्रह साथियों के साथ काम आये तब कहीं मुसलमान इस किले में कदम रख सके। इस तरह सन १३६८ तक यह दुर्ग मुसलमानों के अधिकार में रहा। उन्होंने किले को राजकीय कदवाने के रूप में प्रयोग किया। खालियर का यह क्षेत्र करीब १६६ वर्षों तक लूट छसोट और अत्याचार से आतन्त्रित रहा।

सोमर बंसः—

सोमरवंशीय राजाओं ने कुल मिला कर १५० वर्ष खालियर दुर्ग पर अपना अधिकार रखा। इनमें वीरसिंह, उदरगसिंह, वीरमदेव, गनपतिदेव, हूगरसिंह, नांसिंह, (किरणसिंह), कल्याणमल मानसिंह और विक्रमादित्य राजा हुए। वीरसिंह ने सन १३७५ से

सन १४०१ तक और उसके पुत्र उदरगसिंह ने सन् १४०३ तक शासन किया। सन् १४०४ में सत्ता उदरगसिंह के पुत्र वीरमदेव के हाथ में आई।

वीरमदेव बड़ा पराक्रमी था। इसके दरबार में कुशराज नाम का विश्वास पात्र महामन्त्री था। यह जैसवाल जैन कुल में उत्पन्न हुआ था। इसके पिता का नाम जैनपाल और माँ का नाम लोणा देवी था। यह राजनीति में बड़ा ही दक्ष और पराक्रमी था।^१ इसने भट्टारक बिजय कीर्ति के उपदेश से खालियर में चन्द्र प्रभु का एक विष्णु मन्दिर बनवाया था और भारी भूमिदान से उसका प्रतिष्ठोत्सव भमारोह आयोजित किया। महामन्त्री कुशराज ने दरबार के ही एक अन्य कायस्थ विद्वान पद्मनाभ से भट्टारक गुणकीर्ति के आदेशानुसार "यशोधर चरित्र" (यश मन्दिर विधान) नामक काव्य की रचना करवाई। इसके शासनकाल की सन १४०३, १४११, १४१२ और सन १४२२ की लिखी हुई चार ग्रन्थलिपि प्रणस्यायी अर्थात् भी उपलब्ध हैं। सन १४०३ में गोपाल में साहू वर देव के चैत्यालय में भट्टारक हेमकीर्ति के शिष्य भूमि घर्मचन्द ने साध वरी दशमी के दिन "सम्यक्चर कीर्तुर्वा" की प्रति आत्मपठनार्थ निषिद्ध की।^२ सन १४६८ में आपाठ वरी २ शुक्रवार के दिन काष्ठा मघ, माधुरावय के आचार्य श्री भावमेन, महस्त्र कीर्ति और भट्टा० गुणकीर्ति की आम्नाय में साहू मरुदेव की पुत्री

१. वशोःभूजजैसवाले विमलगुणमूलणः साधुरत्नं, साधु श्री जैनपालो भवदुहितयाम्भमृनो दानशीलः। जनेन्द्रः राघनमु प्रभुदित हृदयः सेवकः भद्रगुणा, लोणाख्या सत्यशीला जनि विमलमज्जैनपालस्य भार्या जातः पटनलयास्तयोः सकृत्तिनोः श्री हसरगजोभवत्, नेपामाछासमस्तनन्दनुजः मौराजनामाऽ जनि। रैराजोभवराजकः गमजनि प्रख्यातकीर्तिमहा—माधुखी कुशराजकस्तदनु च श्री देवरात्री सपुः॥६॥ जाताः श्री कुशराज एव सकलक्षमापाल भूडामणेः, श्रीमन्तोमर-वीरमस्य विदिनो विशासपात्र महान्। मन्त्री मन्त्रिचक्षणः क्षणमयः क्षीणाऽपक्षः क्षणानु। दोणीमीक्षनरक्षणमति जेनेन्द्र पूनारनः॥७॥

—यशोधर चरित्र प्रशस्ति

२. सवत् १४६० शाके १३२५ पष्ठाब्दयोर्मध्ये विरोधी नाम मन्त्रसरे प्रवर्तन गापालन दुर्गस्थाने राभा वीरमदेव राज्य प्रवर्तमाने साहू वरदेव चैत्यालय भट्टा० श्री हेमकीर्तिदेव तत्तिष्ठय मुनि घर्मचन्द्रेण आत्मपठनार्थ पुस्तक लिखित साध वरी १० भौमदिने।—तेरापखी मन्दिर जयपुर, शास्त्र भण्डार

खालियर—अतीत की दृष्टि में

देवसिरि ने “पंचास्तिकाय” टीका प्रतिलिपि लिपिबद्ध कराई। जो इस समय कारंजा के शास्त्र भण्डार में उपलब्ध है।^१

सन् १४१२ में आचार्य अमृतचन्द कृत प्रवचन सार्थी की सत्यदीपिका “टीका लिखी गई। सन् १४२२ में आषाढ़ सुदी ५ बुधवार के दिन मड़ोत्पुर के नैमिनाथ चैत्यालय में जीतुका स्त्री सरो ने अपने ज्ञानवर्णी कर्णों के अवार्थ “वट्कर्मोपदेश” की एक प्रति लिखकर जैत श्री की शिष्या विमलमति को पूजा विधान महोत्सव के साथ समर्पित की थी जिसे पंडित रामचन्द्र ने लिखा था। यह प्रति आमेर के भण्डार में सुरक्षित है।

वीरमदेव के पश्चात् उसका पुत्र गणपति देव गद्दी पर बैठा। उसका राज्य काल अल्प रहा।

झुंगरसिंह:—सन् १४२४ में गणपतिदेव के पुत्र झुंगरसिंह तब गद्दी पर आसीन हुए। यह डोमर वंश का सब से प्रतापी राजा था। इसके काल में राज्य में सभी प्रकार की सुख शांति थी। इससे निकटवर्ती राज्यों के शासकों की ललचाई दृष्टि सर्वत्र इसके राज्य पर लगी रहती थी और यहा कदा म्वालियर पर आक्रमण होते रहते थे। राजा झुंगरसिंह ने सभी का डटकर मुकाबला किया और सभी में विजयी रहे। मरवरगढ़ में स्थित विजय स्तम्भ (जैत स्तम्भ) अभी भी इसकी साक्षी दे रहा है।

परन्तु इन सब विजय—अभियानों में व्यस्त रहते हुए भी झुंगरसिंह का ध्यान विद्वानों, धार्मिक समारोहों

और निर्माणों की ओर भी गया। इन्होंने जैन धर्म के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाया। जैन धर्म पर उनका मात्र अनुराग ही नहीं था किन्तु उस पर उनकी परम आस्था भी थी। वे जैन धर्म के प्रबल पोषक थे। जैन विद्वानों एवं सन्तों को बड़े ही आदर की दृष्टि से देखते थे। झुंगरसिंह के राज्य काल में ही म्वालियर गढ़ की चट्टानों में जैन प्रतिमाओं के उत्खनन के कार्य का प्रारम्भ हुआ। सन् १४४० ई० के तीन शिलालेख इस बात के सूचक हैं कि इनके आश्रय में अनेक जैन धर्मावलंबियों ने दुर्ग के चारों ओर जैन प्रतिमाओं के जुदवाने का कार्य प्रारम्भ कर दिया। इन अभिलेखों में जैनाचार्य, देवसेन, यशकीर्ति, जय कीर्ति, आदि भट्टारकों का भी उल्लेख मिलता है। इस कार्य पर करोड़ों रुपये व्यय हुए तथा ३३ वर्ष का समय लगा। झुंगरसिंह अपने जीवन काल में इसे पूरा नहीं करा सके। सब उसके प्रिय पुत्र कीर्तिसिंह ने उसे पूरा कराया।

झुंगरसिंह के राज्य में ग्रंथ निर्माण और मूर्ति प्रतिष्ठा:—

मूर्ति निर्माण के अतिरिक्त राजा झुंगरसिंह के समय में म्वालियर के जैन धर्मानुयायी श्रावकों ने ग्रंथ लेखन, मूर्ति निर्माण और प्रतिष्ठा का भी कार्य सम्पन्न कराया। सन् १४२९ में भट्टारक गुणकीर्ति के शिष्य भट्टा० यशकीर्ति ने आत्म पठनार्थ, “सुकुमाल चरित”^२ और कवि श्रीधर की संस्कृत, “भविष्य दत्त

१. सवत्सरेस्मिन् विक्रमादित्य गताब्द १४६८ वर्ष आषाढ़ वदि २ शुक्ल दिने श्री गोपाचले राजा वीरमेदेव विजय राज्य प्रवर्तमाने श्री काष्ठासंघे मायुरान्वये पुष्कर गणे आचार्य श्री भावसेनदेवाः तत्पट्टे श्री सहस्त्रकीर्ति देवाः तत्पट्टे भट्टारक श्री गुणकीर्तिदेवास्तेषां आम्नाये संघई महाराजवधु साधु भरदेव पुत्री देवसिरि तया इव पंचास्तिकायसार ग्रंथ लिखापिम् ।—कारंजा भण्डार जयपुर

२. संवत् १४८६ वर्ष अश्वणि वदि १३ सोमदिने गोपाचल दुर्ग राजा झुंगरसिंह देव विजय राज्य प्रवर्तमाने श्री काष्ठासंघे मायुरान्वये आचार्य श्री भावसेन देवास्तत्पट्टे श्री सहस्त्रकीर्ति देवास्तत्पट्टे श्री गुणकीर्ति देवास्तत्शिष्येन श्रीयशः कीर्तिदेवेन श्री निजज्ञानावरणी कर्म अवार्थ इव सुकुमाल चरितं लिखापितं। कीयस्थ याजना पुत्र वधु लेखनीयं ।—जयपुर भण्डार

पंचमी" का कथा की प्रतियाँ लिखवाई थीं। इसके अतिरिक्त उन्होंने हरिवंश पुराण, रात्रि भोजन कथा, रविवार व्रत कथा, चन्द्रनाथ चरित्र आदि २३ ग्रंथ भी लिखे थे।

सन १४३५ से पूर्व अग्रवाल बंसज साहू खेमसिंह के पुत्र साहू कमलसिंह ने ११ हाथ ऊँची आदिनाथ की एक विशाल मूर्ति का निर्माण कराया। इसके प्रतिष्ठोत्सव में राजा झुंगरसिंहजी ने शासन से पूरा सहयोग प्रदान किया।^२ संघवी कमलसिंह सन् १४२४ से सन् १४५३ ई० तक झुंगरसिंह के राज्य में वित्त एवम् गृह मन्त्री थे।

सन १४३५ में साहू कमलसिंह ने महा कवि रईछू जो पद्मावती पुरवाल हरीसिंह सिन्धी के पुत्र थे से "सम्मत गुण निधान" नामक ग्रन्थ की रचना करवाई जो भाद्रपद मास के पूर्णिमा के दिन समाप्त हुई। इसके बाद कवि रईछू ने "नेमिनाथ" चरित्र", "पार्श्वनाथ चरित्र" तथा "बलभद्र चरित्र" "राम चरित्र" नामक ग्रन्थों की रचना की। सन १४३६ में रचे गये "सुकौमल चरित्र" नामक ग्रन्थों में इन ग्रन्थों की रचना का उल्लेख किया गया है।

बलभद्र चरित्र में केवल हरिवंश पुराण (नेमिजन चरित्र) के रचे जाने का भी उल्लेख मिलता है। हरिवंश पुराण में त्रिवर्णिशलाका चरित महापुराण,

मेघेश्वर चरित्र, यशोधर चरित्र, हस्तसार और जीवंधर नामक ६ अन्य ग्रन्थों का भी उल्लेख किया गया है। ये सभी सन १४३६ पूर्व के रचे गये हैं। सम्प्रद्विजन चरित प्रशस्ति में मेघेश्वर चरित, त्रिवर्णि महापुराण, सिद्धचक्रविधि, बलहृद् चरित, सुदर्शन चरित और अन्यकुमार चरित नामक ग्रन्थों का भी उल्लेख है। संभवतः ये सभी ग्रन्थ कवि रईछू ने सन १४३५ और सन १४३६ के काल में लिखे हैं। इनमें एक और ग्रन्थ "आत्म संबोध काव्य" की २६ पञ्चात्मक जीर्ण प्रति भी उपलब्ध हुई है।^३ जो सन १३६१ की लिखी हुई है। इससे प्रतीत होता है कि कविवर रईछू दीर्घ जीवी रहे होंगे। उपलब्ध ग्रन्थों से उनका रचनाकाल सन १३६१ से सन १४६० तक का उपलब्ध होता है।

सन १४४० (सं० १४६७) में "परमात्म प्रकाश" ग्रन्थ की सटीक प्रति की रचना की गई।^४ इसी वर्ष पांडु पुराण भी अपभ्रंश भाषा में लिखा गया। सन १४४६ में जनगल की "अविष्यदत्ता पंचमी कथा" तथा सन १४५३ में "समय सार" नामक ग्रन्थों की प्रतिलिपि की गई।^५ उनके अतिरिक्त ज्ञानार्णव, चन्द्र प्रभु चरित्र, परिमाल कवि, आगरा में श्रीपाल चरित्र आदि लिखे। सन १४४० और सन १४५३ (सं० १४६७ और सं० १४९०) में प्रतिष्ठापित मूर्तियों के लेख उपलब्ध हैं।^६

१. सम्बत् १४८६ वर्ष आषाढ़ वदि ६ गुरुदिने गोपाचल दुर्गे राजा झुंगरसिंह राज्य प्रवर्तमाने श्री काष्ठासंधे माधुराण्ये पुष्करगणे आचार्य श्री सहस्रकीर्ति देवास्तरपट्टे आचार्य गुणकीर्ति देवास्ताच्छिष्य दशः कीर्ति देवास्तेन नियमानावरणी कर्म क्षयार्थं एवं अविष्यदत्ता पंचमी कथा लिखापितं।

—लया मन्दिर वर्षपुरा दिस्वी

२. जो देवाहिदेव तित्यंकर, आइणाहु तित्तीय सुहकर। तहु पढिया दुग्गह-गिण्णासणि, जामिच्छत-गिरिद-सारासणि, ज पुणु अम्बह सुहगह-सासणि, जामहिरो-सोय-दुह्णासणि।

३. सम्बत् १४८८ वर्ष फाल्गुण वदि १ गुरो दिने स्वाधन लण्पण कम्पसय विनासायल्लिजितं। जामेर मंडार जयपुर में अभी भी सुरक्षित है।

४. यह अभी भी जयपुर के ठोलिबों के मन्दिर के शास्त्र भण्डार में सुरक्षित है।

५. यह अभी भी कारजा के शास्त्र भण्डार में सुरक्षित है।

६. देखो जनरल एशियाटिक सोसाइटी, भाग ३१, पृ० ४२३ गोपाचल दुर्गे तीमरबखे राजा श्री गणपति देवास्त पुत्रों महाराजाधिराज श्री झुंगरसिंह राज्ये (प्रतिष्ठित) श्रीरासी मथुरा की भूलनायक मूर्ति का लेख।

टोडरमल जी, दीनजी काजलीबाल भी उनके काल में ही मारवाड़ से ग्वालियर आये थे। उस समय तोमर व कछवाय जैन मत पालते थे। उन्होंने पहाड़ी पर गुफा व जैन मन्दिरों के निर्माण भी कराया।

तोमर बंशी राजा जूगरसिंहः—

यह जैन धर्म में बड़ा प्रभावित था। तत्कालीन मट्टा० गुणकीर्ति के प्रति इनके हृदय में असीम श्रद्धा थी। उनके उपदेशामृत से इसने जैन धर्म स्वीकार किया। इस काल में गुणकीर्ति उनके मिष्यो तथा प्रणिष्यो का भी जैन धर्म एवं जैन सस्कृति के प्रचार एवं प्रसार में सर्वाधिक योगदान रहा। इसके काल में अनेकों मन्दिरों व मूर्तियों का निर्माण हुआ तथा प्रतिष्ठाप्य करवाई गई। इसके काल में प्रजा सुखी तथा समृद्धि थी। जूगरसिंह ने कुल ३० वर्ष तक ग्वालियर पर शासन किया।

कीर्तिसिंहः—

जूगरसिंह की मृत्यु के पश्चात् उनका पुत्र कीर्तिसिंह सन १४२४ में गद्दी पर बैठे। यह अपने पिता के समान ही गुणज्ञ, बलवान और राजनीति में चतुर था।^१

यह जैन धर्म में अत्यधिक आस्था रखने के कारण, अपने पिता द्वारा अच्छे छोटे गये मूर्तियों के उत्खनन के कार्य को पूरा कराया। इसके काल में अनेकों नई मूर्तियां प्रच्छिन्न हुईं। जिनमें अहित लेखों में कीर्तिसिंह का उल्लेख मिलता है। उदाहरणार्थ— बाबा (एक पत्थर) की बावड़ी के दहिनी ओर बनी पार्श्वनाथ की मूर्ति पर लिखे अभिलेख में महाराजा कीर्तिसिंह का विवरण दिया है। इस खडगासन मूर्ति के निकट ही नौ अन्य मूर्तियां भी खुदी हैं जिनमें कुछ पदमासन भी हैं। इनके मुख मुसलमानों के शासन काल में खण्डित कर दिये गये हैं।

इन मूर्तियों का निर्माण मूर्ति कला के क्षेत्र में इस प्रदेश के कारीगरों का अभिनव प्रयास था जिसके

अन्तर्गत ३३ वर्ष के छोड़े समय में ही दुर्ग की ये वेडोल और मूक चट्टानें विशालता, वीतरागिता, शान्ति, एवं तपस्या की भाव व्यञ्जना से मुलरित हो उठी। गढ़ के चारों ओर खुदी हुई इन सैकड़ों विशाल मूर्तियों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि इन मूर्तियों के निर्माणकर्ता अपनी श्रद्धा और भक्ति के अनुकूल विशाल प्रतिमाओं का निर्माण करना अथवा कराना चाहते होंगे। अतः इससे प्रेरित होकर उत्कीर्णकों ने निर्माणक की निर्मल भावनाओं को साकार कर प्रदान करने के उद्देश्य से उस विशालता में सौन्दर्य का और समावेश कर, कला की अपूर्व कृतियों का निर्माण किया। इन मारी प्रतिमाओं को ५ समूहों में विभाजित किया जा सकता है।

(१) उरवाई समूहः— उरवाई द्वार पर कुल २२ जैन मूर्तियां हैं। इनमें से ६ मूर्तियों पर सम्मत १४६७ (सन १४४० ई०) से स० १५१० (सन १४५३ ई०) के अभिलेख खुदे हैं। इनमें २० नम्बर की आदिनाथ की मूर्ति स० में विशाल है। बाबर ने अपने 'बाबरनामा' में इसकी ऊंचाई २० गज अनुमान का थी। परन्तु वास्तव में यह ५७ फुट ऊँचा है। इसकी चरण चौकी पर सम्बन् १४६७ लिखा है। वर्तमान में इसके नीचे का कुछ भाग मिट्टी में दब गया है। यह चरणों के पास ६ फुट चौड़ी है। यहाँ २२ नम्बर की नेमिनाथ की पदमासन मूर्ति है। जो ३० फुट ऊँची है। इतनी विशाल मूर्ति शायद ही भारत में अन्यत्र कही हो।

(२) दक्षिण पश्चिम समूहः— यह संबा ताल के नीचे उरवाई द्वार की बाहर की गिला पर है। इसमें ५ मूर्तियां हैं। १ नम्बर के प्रतिमा समूह में एकस्त्री, पुरुष तथा बालक की मूर्तियां हैं। २ नम्बर में एक ६ फुट लम्बी लट्टी हुई स्त्री की प्रतिमा है। प्रारम्भ में लोग इसे बुद्ध की मूर्तियां समझते रहे, परन्तु विशेष शोध करने के पश्चात् इतिहासकार इसी निष्कर्ष पर पहुँचे कि ये मूर्तियां विशाला माता तथा महावीर की मूर्ति हैं।

१. समय सार लिपि प्र० सेनवण भंडार, कारजा।

(३) उत्तर पश्चिम समूह:—इसमें अदिनाथ की एक महत्वपूर्ण मूर्ति बनी है जिस पर स० १५२७ का अभिलेख अंकित है।

(४) उत्तर पूर्व समूह:—इसमें भी छोटी-छोटी मूर्तियां हैं। उन पर भी कोई लेख न होने से ऐतिहासिक दृष्टि में अधिक महत्व नहीं रखती हैं।

(५) दक्षिण पूर्व समूह:—इस समूह की मूर्तियां कला की दृष्टि में अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। ये मूर्तियां फूलबाग के दरवाजे से निकलते ही लगभग आधे मील के क्षेत्र में खुदी हुई दिखाई देती हैं। अन्य मूर्तियों की अपेक्षा कुछ बाद में बनने के कारण ये अत्यंत हाथों द्वारा निर्मित हुई हैं। अतः इनमें कला का रूप निलख उठा है।

इस समूह में लगभग २० प्रतिमाये २० से ३० फुट तक की ऊंचाई की और लगभग इतनी ही चौड़ाई से १५ फुट की ऊंचाई लिये हुए हैं। इनमें अदिनाथ, नेमिनाथ, पद्मप्रभु, चन्द्रप्रभु, सभवनाथ, कुन्धनाथ, और महावीर भगवान की मूर्तियां हैं। इनमें कुछ मूर्तियों पर सम्बत १५२५ से १५३० तक के अभिलेख लगे हुए हैं।

इनके अतिरिक्त तेली की लाट के पास तथा गुजरी महल मण्डपान्त में रखी प्रतिमाये भी इनकी समकालीन प्रतीत होती हैं। इससे प्रतीत होता है कि उपरोक्त समूहों के अतिरिक्त अन्य प्रतिमाओं का भी निर्माण हुआ था।

ग्रन्थ निर्माण व मूर्ति प्रतिष्ठायें:—

कीर्तिसिंह के शासन काल में ही कुशा साह जी जैमवाल वंशज ने गोपाचल पहाड़ी के बाहरी तरफ कुछ गुफाओं में मूर्तियां खुदवाईं, तथा मन्दिर बनवाकर प्रतिष्ठायें करवाईं जिसमें लाखों रुपये व्यय हुये।

अग्रवाल वंशज गोपन गोत्री लल्ला नामक धर्म प्रेमी एतन् आगम्य समस्त सज्जन ने भी गोपाचल के बाहरी ओर गुफा-मन्दिर बनवाकर आचार्य महीचन्द जी महाराज द्वारा प्रतिष्ठा करवाई। सन् १४५८ में बावडी की ओर गोपालारे वंशज कुमुदचन्द ने पार्श्वनाथ की मूर्ति की प्रतिष्ठा भट्टारक सिंहाकीर्ति के सहयोग से करवाई।

सन् १४६८ में ग्वालियर के जैमवाल कुल भूषण उल्हा साहू के जेष्ठ पुत्र साहू पदमसिंह ने अपने चंचल लक्ष्मी का उपयोग करने के लिये २४ जिनालयों को निर्माण करवाया तथा १ लाख ग्रन्थ लिखवाकर भेंट किये।^१ इनके राज्य काल में जैन साहित्य रचना का भी कार्य हुआ। कविवर रईछू ने इनके राज्य काल में 'मच्छरव-कौमुदी' तथा 'भावकावार' की रचना की।

उपरोक्त मन्दिरों में से कुछेक समाप्त हो गये हैं और कुछ का जीर्णोद्धार होकर नये मन्दिर बन गये हैं जो अभी भी ग्वालियर में अपने परिवर्तित रूप में स्थित हैं। साहित्य में अधिकतर भाग नष्ट हो गया है बहुत कम ही शेष है।

सन् १४६४ में 'ज्ञानजंबू' नामक ग्रन्थ की एक प्रतिलिपि, निषिद्ध की गई।^२ भट्टारक गुणभद्र ने भी ग्वालियर निवासी जैन श्रवकों की प्रेरणा से अनेकों कथाओं की रचना की।

कल्याणमल:—

कीर्तिसिंह की मृत्यु के पश्चात् उनके पुत्र कल्याणमल (मल्लसिंह) ने शासन की बागडोर संभाली इन्होंने सन् १४२४ से सन् १४२९ तक ही शासन किया। संभवतः अपने शासन काल के ७ वर्षों में इन्होंने कीर्तिसिंह के कार्यों को 'जो अच्छे थे' पूर्ण किया।

१. विज्जुल चंचलु लच्छीसहाउ, भालोइविहुउ जिणधम्ममाउ। जिणगु लहाउ लखु एकु, सावध लख्खा हारीत रिक्खु। मुणि भोजन भुंजाविय सहासु, चउवीस जिणालउ किउ सुभासु—

—जैन ग्रन्थ प्रशस्ति सं० पृ. १४४ बाराबकी शासन मण्डार।

२. यह ग्रन्थ जैन सिद्धान्त भवन आरा में उपलब्ध है।

ग्वालियर—प्रतीत की दृष्टि में

इनका काल बहुत शान्ति पूर्वक बीता। इनके काल का सं० १५५२ का केवल एक ही मसिलेख उपलब्ध है।^१
मानसिंह :-

सन १४८६ ई० में कल्याणमल की मृत्यु के पश्चात् उनका पुत्र मानसिंह गद्दी पर बैठा। यह राजा बड़ा प्रतापी, संगीत प्रिय और कला प्रिय था। और अपने पूर्वजों द्वारा संरक्षित एवं सम्बन्धित राज्य को स्वतन्त्र रखने में समर्थ रहा।^२

इसके काल में वहाँ एक संगीत विद्यालय भी था। सुप्रसिद्ध गायक तानसेन ने इसी विद्यालय में संगीत शिक्षा ली थी। इसके द्वारा बनवाया गया महल मान मन्दिर (चित्र महल) भारतीय स्थापत्य कला का अद्भुत नमूना है। इसके अतिरिक्त इसने मृग मैत्री गुजरी के लिये गुजरी महल बनवाया। ध्रुपद गीतों का आविष्कार भी सर्व प्रथम महाराजा मानसिंह द्वारा ही हुआ। इन्होंने "मान कुतुहल" के नाम से एक संगीत ग्रन्थ की रचना की।

महाराजा हर्गोबिन्द एवं कीर्तिसिंह का राज्य काल:-

सन १५०१ में चैत्र सुदी १० सोमवार के दिन काष्ठासंघ नन्दिगच्छ विद्यागण के भट्टारक सोमकीर्ति और भट्टा० विजयकीर्ति के सिध्य ब्रह्मकाला द्वारा गोपाचल दुर्ग में आरम्भ पठनार्थ अमर कीर्ति के "षट्कर्मोपदेश" की प्रति लिखवाए जाने का उल्लेख मिलता है।^३ इसके अतिरिक्त सन १५१२ में गोपाचल में श्रावक श्रीमल के पुत्र चतक ने ४४ पद्यों के

"नेमीश्वर गीत" की रचना की। इसमें जीनियों के २३ वें तीर्थंकर नेमिनाथ का जीवन परिचय अंकित है।^४

बिक्रमादित्य :-

उपर सिकंदर लोदी की मृत्यु के पश्चात् इब्राहीम लोदी ने शासन संभालते ही अपने पूर्वजों की महत्वाकांक्षा को साकार करने के उद्देश्य से ग्वालियर दुर्ग पर पुनः आक्रमण कर दिया। इसी बीच सन १५११ ई० में महाराणा मानसिंह की मृत्यु हो गई और तलवारों की छाया में उनके पुत्र बिक्रमादित्य गद्दी पर बैठे। उनके नेतृत्व में राजपूत जी तोड़कर लड़े पर अपने से अनुपात में कई गुनी अधिक लोदियों की सेना पर विजय न पा सके और लोदियों के सेनापति हुमायूँ से संधि करना पड़ी। वे अब शमशाबाद के एक जागीदार मान रह गये और उन्हें लोदियों की ओर से पानीपत में बाबर के विरुद्ध युद्ध करने भेजा गया। इस बीच तबर जग के एक दूसरे नेजस्वी राजकुमार रामसिंह तोमर ने ग्वालियर दुर्ग पर आक्रमण कर किले के अफगान अधिकारी तातार खा को परास्त कर दुर्ग पर अपने झंडे गाड़ दिये, परन्तु तातार खा दुर्ग में ही छिपा रहा और जैसे ही बाबर दिल्ली का सम्राट बना तातार खा ने उसे गुप्त संदेश भेजकर उससे सहायता प्राप्त की और मोहम्मद ग़ोस साहब की कृपा से क्वाजा रहीम और शेख गोरन के नेतृत्व में विजान सेना ने दुर्ग पर आक्रमण कर उसे अपने आधिपत्य में

३. जीन लेख समग्र पूर्णचन्द्र नाहर भाग २।

४. एक सोबनकी लका निधि, तो वरू राउ सबल बरबोर। भुयबल आयु जु साहस वीर, मानसिंह जग जानिये। ताके राज सुखी सब लोग, राज समान करहि दिनभोग। जीन धर्म बहुनिधि कलें, श्रावगदिन जु करैषट्कर्म।—नेमीश्वर गीत

१. अर्थ नृपति बिक्रमादित्य सम्वत् १५५८ वर्ष चैत्र सुदी १० सोमवासरे अश्लेषा नक्षत्रे गोपाचल यद् दुर्ग महाराजाधिराज श्री मानसिंह राज्ये प्रवर्त्तमाने श्री काष्ठासंघे सदियच्छे विद्यागणे भट्टा० श्री सोमकीर्ति देवरास्तपट्टे भट्टा० श्री विजय सेन देवास्तत सिध्य ब्रह्मकाला ६ षट्कर्मोपदेशास्त्र लिखाप्ये आरम्भ पठनार्थ।—प्रकाशित सं० आमेर पृ० १७३

२. यह ग्रन्थ अभी भी आमेर महार में सुरक्षित है।

"सवत पग्रह से दो गनें, गुनहकारि ताउपर भने। आदों बदि पंचमीवार, स्पेम नबिनु रेवती सार॥"

ले लिया और राजा रामसिंह तोमर सेबाड़ की ओर भाग गये। इस प्रकार सन १५५६ में दुर्ग पुनः मुगलों के हाथ में चला गया। उधर विक्रमादित्य पानीपत युद्ध में बौरगति पा गये और इसके साथ ही तोमर वंश का सूर्य भी सदा के लिये अस्त हो गया। इसके साथ-साथ ही धार्मिक, साहित्यिक एवं कलात्मक गतिविधियाँ समाप्त हो गई। विक्रमादित्य का परिवार अब हुमायूँ के आधीन हो गया। उसकी सद्भावना पाने के उद्देश्य से उन्होंने तबरोँ द्वारा माझू के मुल्लानों पर प्राप्त विजय की निशानी रत्नों का मरताज (कोहिनूर) नामक विश्व प्रसिद्ध हीरा, हुमायूँ को भेंट कर दिया।

मुगलों के काल में ग्वालियर दुर्ग-बनाम बन्दोगृहः—

मुगलों का पूर्ण अधिकार हो जाने के बाद जब बादशाह बाबर स्वयं ग्वालियर आया तब इस दुर्ग का अवलोकन करते समय सन १५२७ में उसकी कुदृष्टि दुर्ग पर स्थित जैन मूर्तियों पर भी पड़ी। कहा जाता है कि एक रात्रि को वह और उसके सैनिक इतने विनाश आकार की दिगम्बर मूर्तियों को देखकर चकित एवं भयभीत हो गये। उसके क्रोध की सीमा न रही, वह जैन धर्म से इतना क्रुद्ध हुआ कि अगले दिन ही उनमें अपनी सेना को दुर्ग पर स्थित सभी मूर्तियों को समूल रूप से नष्ट कर देने का आदेश दे दिया परन्तु यह कोई आसान कार्य नहीं था अतः मुगल सैनिक प्रनिमाओं को समूल रूप से तो नष्ट न कर सकें उन्हें खण्डित कर गये। इस प्रकार कुशल कारीगरो की ३३ वर्षों के कठिन परिश्रम से बनी मूर्तियों के सौन्दर्य को कुछ ही दिवसों में नष्ट कर दिया गया। क्रूर बाबर ने इस क्रूर कार्य को अपनी आत्म कथा (बाबरनामा) में बड़े गौरव के साथ उल्लेख किया है। इस प्रकार यदि सच पूछा जाये तो इस सारी घटना में जैन ही उसके सर्वाधिक कोष भाजन रहे। इस थोड़े काल में, उसने दुर्ग पर स्थित इन मूर्तियों को ध्वस्त करने के अतिरिक्त नगरों में स्थित मन्दिरों को भी ध्वंस किया जहाँ उनको यह संभव न दिखा बहाँ

मूर्तियों और वेदियों को ही नष्ट कर अपनी सन्तुष्टि कर ली।

शेरशाह सूरीः—

परन्तु बाबर भी अधिक काल तक इस दुर्ग का उपयोग न कर सका और सन १५५० में यह दुर्ग मुगलों के हाथ से निकलकर शेरशाह सूरी के हाथों में आ गया। उसने इसे राजधानी के रूप में प्रयोग किया और यहाँ से वह शेष राज्य पर शासन करता रहा। सन १५५६ ई० में अकबर ने सूरी बग को हरा कर ग्वालियर को अपने अधिकार में ले लिया।

उसके बाद लगभग २०० वर्षों तक ग्वालियर पर मुगलों का ही अधिकार रहा। इस कार्यकाल में दुर्ग का प्रयोग केवल बंदी गृह के रूप में ही किया गया। मुगल शासकों द्वारा अनेकों ऐसे महजादे, जागीरदार, बड़े सरदार तथा अन्य महत्वपूर्ण व्यक्ति जिन्हें जनता के समक्ष मृत्यु दण्ड देना अहितकर प्रतीत होता था, इस दुर्ग में लाये जाते थे तथा उन्हें यहाँ यातों मन्द जहर दे दिया जाता था या तेसी यातनायें दी जाती थी जिनसे पीड़ित होकर स्वयं प्राणान्त कर लेते थे।

मोहम्मद गोस का मकबराः—

लगभग इसी काल के बारे में प्रचलित किंवदन्ती के अनुसार यह कहा जाता है कि मोहम्मद गोस साहब नामक फकीर की मृत्यु के बाद अकबर ने ग्वालियर दुर्ग में उनकी सहायता का उपकार चुकाने हेतु उनकी स्मृति को चिरम्बाई बनाने के उद्देश्य से उनका भव्य स्मारक बनवाने की इच्छा प्रकट की। चूँकि यह अल्पकाल में संभव नहीं था अतः उनके जव को वर्तमान ग्वालियर नगर में स्थित पूर्व निर्मित एक कलात्मक भव्य भवन में ही दफना दिया गया। कहा जाता है कि इससे पूर्व इसमें भी एक जैन मन्दिर स्थित था जिसकी वेदी और मूर्तियाँ बाबर के सैनिकों द्वारा नष्ट कर दी गई थी। इसकी बनावट से भी ऐसा प्रतीत होता है कि यह प्रारम्भ में जैन मन्दिर ही रहा होगा।

जहांगीर:—

अकबर की मृत्यु के बाद जब जहांगीर दिल्ली के तख्त पर बैठा तब यह दुर्ग उसके अधिकार में आ गया। उसने लिखा है कि तख्त पर बैठने के अवसर पर उसने मुगल साम्राज्य के समस्त कंदियों की बन्दी गृह से मुक्त करने की आज्ञा दी। उस समय ग्वालियर दुर्ग से ७ हजार कैदी छोड़े गये।

परन्तु बाद में बादशाह जहांगीर ने भी इस दुर्ग को बन्दीगृह के रूप में ही प्रयोग किया। इसके अतिरिक्त जहांगीर ने अन्य सरदारों को भी यहाँ बन्दी बनाकर रखा था। सिक्खों के छठवें गुरु श्री हरगोविन्द सिंह जी भी इसी दुर्ग में बन्दी बनाकर रले गये थे। इसके बाद बादशाह बीमार पड़ा तो कुछ लोगो ने यह सलाह दी कि गुरु हरगोविन्द सिंह को छोड़ दी परन्तु गुरु जी ने कहा कि गहिले मेरे माथियों को रिहा किया जावे। जहांगीर की बीमारी बढ़नी ही गई। अंत में विषम होकर उसने गुरुजी की बात मान ली। इस दौरान जो भी सिक्ख लोग गुरुजी के दर्शन करने को यहाँ आते थे वे दरवाजे पर ही साये को टेक कर चले जाते थे। गुरु जी की मुक्ति पर जिन लोगों ने भी गुरु का दामन पकड़ा वे सब रिहा कर दिये गये। इस कारण ग्वालियर किला सिक्खों का भी तीर्थ स्थल बन गया।

जहांगीर के शासन काल में एक बार भट्टारक ब्रज भूषण के शिष्य पदमावती पुरवाल बशीय, टागू निवासी श्री दहगुलाल जी मुनि होने के बाद भ्रमण करते हुये ग्वालियर भी पवारे। मुनि के साथ-साथ वे उरुच कोटि के कवि भी थे। सन १६१८ ई० में उन्होंने यहाँ पर “त्रेपन क्रिया” नामक ग्रन्थ की रचना की। इसमें आठवों की त्रेपन क्रियाओं का सरल व सुन्दर भाषा में वर्णन किया गया है।

जहांगीर के बाद औरंगजेब उसका उत्तराधिकारी बना। उसने भी इस दुर्ग को बन्दीगृह के रूप में प्रयोग किया। अपने भाई, पुत्र और नातिवों को इसी दुर्ग में कैद रखा। इस प्रकार दो शताब्दियों के इस काल में

ग्वालियर दुर्ग बन्दी घर के रूप में ही प्रयुक्त होता रहा। मगर, क्षेत्र तथा उसके विकास के ऊपर कोई ध्यान नहीं दिया गया और बादशाह के द्वारा नियुक्त नुमा-यन्दे ही राज्य की देखभाल करते रहें। इस काल में शासकों द्वारा धार्मिक स्वतन्त्रता का खुल कर हनन किया गया।

फिर भी जैन धर्मावलम्बियों की गतिविधियां पूर्णतः समाप्त न की जा सकी। यदा कदा अवसर प्राप्त होने पर जैन धर्मावलम्बी अपनी धार्मिक गतिविधियों को संचालित करते रहे। मंदिर निर्माण, मूर्ति उत्खनन, प्रतिष्ठा-महोत्सव आदि कार्य यथा-विधि चालू रहे।

मराठों का उत्कर्ष—महादजी सिंधिया:—

१८ वीं शताब्दि के उत्तरार्द्ध के प्रारम्भ से ही मराठे लोग अत्याधिक शक्तिशाली हो उठे और दिल्ली तक हमले करने लगे। बाजीराव पेशवा ने राणोजी सिन्धिया का, मालवा राज्य की कमान सौंप दी। उन्होंने उत्तर भारत में राज्य विस्तार करने का अभियान प्रारम्भ कर दिया और ग्वालियर को इसका केन्द्र बनाया। राणोजी की मृत्यु के पश्चात् उनसे पुत्र जयप्पा और माधोजी ने उनका कार्यभार सम्भाला। इसी बीच सन १७६१ में पानीपत में युद्ध विभीषिका प्रज्वलित हो उठी और भारत भर में विभिन्न पक्षों के वीरों की तलवारें खिंच गई। माधव जी इसमें घायल हो गये। इस बीच भरतपुर के जाटों ने लोकेन्द्रसिंह के चाचा के नेतृत्व में दुर्ग पर अधिकार कर लिया। तब उरार भारत का और भी तमाम भाग मराठों के हाथ से निकल चुका था। पर हीम्र ही पानीपत से लौटकर मराठा वीरों ने महादजी के नेतृत्व में पुनः उरार भारत में विजय अभियान प्रारंभ कर दिया और ग्वालियर दुर्ग को अपने अधिकार में ले लिया। इन्होंने इसे फौजी केन्द्र के रूप में प्रयोग करने के उद्देश्य से ग्वालियर दुर्ग के दक्षिण में १ लाख सैनिकों को बड़ी फौजी छावनी का कैंप लगाया और इसे लखर नाम दिया।

युद्ध के इस वातावरण के मध्य भी धार्मिक गति-विधियाँ यथाकदा संचालित होती रहीं। सन १७६८ के लगभग लखर क्षेत्र में श्री दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर, पुरानी सहेली और श्री दिगम्बर जैन २० पंथी मन्दिर चम्पाबाग का निर्माण कार्य संपन्न हुआ। इन दिनों खालियर में महादजी का ही अधिकार था। उन्होंने उज्जैन को अपनी राजधानी के रूप में प्रयोग किया। यह बड़े प्रतापी शासक थे इनका सारा जीवन युद्धों में बीता।

अंग्रेजों का आक्रमण:—

बारन हैस्टिंग्स ने ३ अगस्त सन १७६० को आधी रात के समय किले की पश्चिमी दीवार से चढ़कर उमने अपनी फौजी को दुर्ग में पविष्ट करा दिया। दुर्ग का यह भाग अभी भी 'फिरगी-पहाड़ी' के नाम से प्रसिद्ध है। इस प्रकार दुर्ग अंग्रेजों के हाथ में चला गया। १३ अक्टूबर सन १७८१ को पुनः एक संधि में यह दुर्ग राणा लोकेन्द्रसिंह को मिला।

लगभग इसी काल में खालियर नगर में "जनी जो के मन्दिर" के नाम से कह जाने वाले जैन मन्दिर का निर्माण कार्य सम्पन्न हुआ।

सन १७८३ में सिन्धिया शासकों ने अंग्रेजों की मदद प्राप्त कर एक पहरेदार की सहायता से इस दुर्ग में पुनः प्रवेश किया। राणा को मालूम पड़ने ही उसने गुलामी से बचने के लिये आत्म-हत्या कर ली। इस बीच महादजी ने लखर नामक फौजी छावनी के पास मोरली पर कचहरी स्थापित की। वे दक्षिण के राज्य को भी इसी राज्य में मिलाकर एक बड़ा हिन्दू राज्य स्थापित करना चाहते थे। इसी बीच १२ फरवरी सन १७९४ ई० को पूना से २ कोस दूर स्थित बानोडी नामक ग्राम में इनका देहान्त हो गया।

दीलतराव:—

महादजी के कोई पुत्र न था अतः इनकी मृत्यु के पश्चात् तुकोजी राव के १४ वर्षीय पुत्र आनंद राव

इनके उत्तराधिकारी बनाये गये और उनका नाम दीलतराव रखा गया। कार्य भार सम्हालने के एक वर्ष बाद ही इन्हें निजाम से युद्ध करना पड़ा जिसमें वे विजयी हुये और इन्हें करोड़ों रुपयों की संपत्ति का लाभ हुआ। इसके बाद वे अन्य राजाओं के सहयोग में कार्य चलाते रहे। किन्तु इन्हीं दिनों उत्तर भारत में फिर से अशांति फैल गई। अतः महाराजा दीलतराव पूना से उत्तर भारत की ओर आये। रास्ते में इन्होंने इन्दौर के होकर राजा को परेश कर उनके राज्य को लूट लूटा। परन्तु अंत में आपको अंग्रेजों से युद्ध करना पड़ा। इस लड़ाई में दक्षिण भारत में स्थित अहमदनगर और अमीरगढ़ (अलीगढ़) के बड़े बड़े किले इनके हाथ से निकल गये। इधर उधर भारत में भी लड़ाई लेक ने घावा बोल दिया। जिसमें दिल्ली, अलीगढ़, मथुरा और आगरा के इलाके इनके हाथ में जाते रहे। सन १८०२ में खालियर दुर्ग भी इनके हाथ में चला गया। इनके अधिकांश सैनिक युद्ध में काम आ चुके थे। कोई रास्ता न देखकर इन्हें सन १८०५ में मजबूरी में अंग्रेजों से सन्धि करनी पड़ी जिसमें इन्हें खालियर और आसपास का क्षेत्र वापिस कर दिया गया। सन १८१२ में इन्होंने अपने पिताजी द्वारा स्थापित फौजी कैम्प वाले मैदान लखर पर पुनः छावनी डाली। सन १८१२ में यहाँ नगर बसा कर इसी को खालियर राज्य की राजधानी बनाया तथा इसका नाम लखर ही रखा।

कहा जाता है कि इसी फौजी छावनी में एक जैन ओवरसियर भी कार्य करते थे। जब मुरार में छावनी स्थापित की गई तो वे वहाँ रहने लगे। इनकी माँ बड़ी धार्मिक प्रवृत्ति की थी तथा तिर्यप्रति दर्शन करने के पश्चात् ही अन्न ग्रहण करती थी। पुत्र ने अपनी माँ की सुविधा की दृष्टि से मुरार में एक कमरे के अन्दर मूर्ति प्रतिष्ठा कराकर मन्दिर की स्थापना की, जो आज अपने बड़े रूप में बना हुआ है। लखर में कसेरा ओमी में स्थित राजा जी का चैत्यालय भी इसी काल का बना हुआ है।

जनकीजीराव:—

इस प्रकार इस काल में महाराजा वीलत राव अंग्रेजों के सहयोग से राज्य कार्य चलाते रहे सन १८२७ में इनका स्वर्गवास हो गया। इनके पश्चात् उनकी पत्नी ने एक ११ वर्षीय नाबालिग लड़के को गोद लिया और उसका नाम जनकीजीराव रखा। उनके युवा होने तक महारानी ने ही राज्य संचालन का कार्य किया। युवा होने पर उन्होंने स्वयं शासन भार संभाल लिया। दिनांक ७ फरवरी १८४३ ई० को अक्यायु में ही इनका स्वर्गवास हो गया।

नया बाजार लश्कर में स्थित दिगम्बर जैन मंदिर, ग्वालियर नगर में स्थित गोकुलचन्द्र का मंदिर इन्हीं के काल में निर्मित हुये थे।

जयाजीराव:—

महाराज जनकीजीराव की मृत्यु होने पर महारानी ताराबाई ने उनका पुत्र न होने के कारण एक ८ वर्षीय बालक को गोद लिया। उसका नाम जयाजीराव सिधिया रखा गया। महाराजा की नाबालिगी में ६ वर्ष तक राज्य का सारा प्रबन्ध कौमिल ने किया।

इस कौमिल के शासन काल में भी लश्कर दानाओली में जैसवालों के मन्दिर का निर्माण कार्य संपन्न हुआ।

सन १८५४ में महाराज के बालिग होने पर वे स्वयं अंग्रेजों के मार्ग दर्शन में कार्य करने लगे। ३ वर्ष पश्चात् ही सन १८५७ में भारत के राष्ट्र भक्त वीरो द्वारा स्वतन्त्रता संग्राम छेड़ दिया गया। महाराजा अंग्रेजों के परम भक्त थे। २८ मई को स्वतन्त्रता प्रेमी सैनिकों ने विद्रोह कर दिया। उसपर महाराज अंग्रेजों की सुरक्षा का प्रबंध करने में जी जान लगाकर जुट गये। परन्तु समूह एक भक्ति होता है। १४ जून १८५७ की रात्रि को कन्स्टिन्जेन्ट फौज ने श्री राष्ट्र प्रेमियों के समर्थन में विद्रोह कर दिया। अनेकों अंग्रेज अफसर मौन के घाट उतार दिये गये। महाराजा ने अपनी

भक्ति का परिचय देते हुए शेष सभी जीवित अंग्रेज पुरुषों को, महिलाओं व बच्चों सहित आगरा पहुँचा दिया। दिनांक २८ मई सन १८५८ ई० को नाना पेशवा, तात्या टोपे और महारानी लक्ष्मीबाई के नेतृत्व में स्वतन्त्र वीरों की सेना राष्ट्र द्रोहियों को रोदती हुई ग्वालियर की छाती पर चढ़ आई और १ जून से भयकर रूप में युद्ध शुरू हो गया। ग्वालियर के सारे राष्ट्र प्रेमी स्वतन्त्र वीरो ने उनका साथ दिया जिनसे भयभीत होकर जयाजीराव युद्ध स्थल से पीठ दिखाकर भाग खड़े हुये और अंग्रेजों की शरण में आगरा जा पहुँचे। इधर स्वतन्त्र वीरो ने सभी शासकीय केन्द्रों पर कब्जा कर लिया और ग्वालियर पर अपने झंडे गाड़ दिये। गोरजी में स्थित शासकीय खजाने को लूट लिया गया। वीर पुत्रों का संरक्षण या ग्वालियर की भूमि निहान हो उठी। परन्तु दूसरी ओर सर फिहरोज ने वीरो से अनुपात में कई गुनी सेना लाकर उन्हें चारों ओर से घेर लिया। दिनांक १८ जून को भयकर युद्ध हुआ। जिनमें अनेकों वीरो सहित बीरागना लक्ष्मीबाई भी शहीद हुईं। अक्सर पाकर अंग्रेज पुनः सत्ताबद्ध हो गये। भक्ति स्थापित होने पर महाराजा जयाजीराव सिधिया भी ग्वालियर वापिस लौट आये। ग्वालियर आने के पश्चात् उन्होंने स्वतन्त्र प्रेमी निवासियों को दंड देने का अभियान चालू किया। बाद में महाराजा जयाजीराव सिधिया के इन भक्ति पूर्ण कृत्यों से प्रसन्न होकर दिनांक ३० नवम्बर सन ५८ को आगरा में एक समारोह आयोजित कर गवर्नर जनरल लार्ड कैनिंग ने पुराने ग्वालियर राज्य में तीन लाख रुपये का राज्य और शामिल कर उन्हें पुनः औपचारिक रूप में राज्य भार सौंपते हुये अंग्रेजों की भक्ति के लिये उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की और साथ ही महाराजा की ओर बकाया लाखों रुपये की रकम भी छोड़ दी। और उन्हें अनेकों पदवियों से विभूषित कर ब्रिटिश सेना का आनरेरी जनरल नियुक्त किया। परन्तु दुर्ग पर अभी भी अंग्रेजों का ही आधिपत्य रहा सन १८८६ में अंग्रेजों ने भांसी के दुर्ग को

लेकर बस्से में खालियर दुबें और मुठार छात्रों सिधिया को बे दी ।

इनके काल में अज्ञाति पूर्ण बातावरण होते हुए भी अनेकों मन्दिरों आदि के निर्माण-कार्य संपन्न हुये । सन १८६४ के लगभग रामकुई पर नसिया जी के मन्दिर की स्थापना हुई और दानाओली में श्री नया मंदिर जी का निर्माण कार्य आरम्भ हुआ और लगभग १ वर्ष बाद ही क्षत्री बाजार स्थित मन्दिर का निर्माण हुआ । खालियर खच्चाराम मोहल्ला में स्थित मन्दिर भी इसी काल का बना हुआ है । सन १८७८ में माया के बाजार में एक जैन मन्दिर का निर्माण कार्य संपन्न कराया गया ।

सन १८८५ के लगभग महाराजा की जलोघर रोग हो गया जिसकी पीडा ने दिनांक २० जून १८८६ के दिन उनका प्राणांत हो गया ।

माधोराव:—

इनकी मृत्यु के समय इनके पुत्र माधोराव केवल १० वर्ष के थे । परन्तु परम्परा के अनुसार पिता की मृत्यु के पश्चात् उनका ही राज्याभिषेक कर दिया गया । अवयस्कता के काल में अर्थेजों द्वारा नियुक्त एक कौंसिल द्वारा सरदारों और अधिकारियों के सहयोग से राज्य कार्य का सञ्चालन किया गया । सन १८८८ में माया के बाजार में, एक और जैन मन्दिर का निर्माण कराया गया ।

दिनांक १५ दिसम्बर १८९४ के दिन इस क्षेत्र के गवर्नर जनरल ने एक समारोह में ३० हजार वर्ग भोल में फैले ३२ लाख की आबादी और १॥ करोड़ रु की आय वाले तत्कालीन खालियर के शासन का कार्य भार माधव राव सिधिया को सौंप दिया । अर्थेजों का सरक्षण होने के कारण, ये सारे शासन काल में युद्ध आदि के भय से भ्रिष्टिन्त रहे । अतः प्रजा के लाभ के कार्यों में अपना काफी समय दिया । इनके काल में क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की ओर काकी ध्यान दिया गया । आपने सभी धर्मों की प्रगति का समुचित अव-

सर दिया । ये स्वयं सभी धर्मों के विशेष उत्सवों में भाग लेते थे ।

इनके शासन काल में अनेकों जैन मन्दिरों का निर्माण कार्य सरू हुआ । सन १९०३ में माया के बाजार में एक और जैन मन्दिर का निर्माण कराया गया । जो बड़ा मन्दिर माया के बाजार के माथ से जाना जाता है । इसके अतिरिक्त इनके काल में भूमि का बंदोबस्त और सर्वेक्षण हुआ । सन १९१२ में प्रशासन मुघार के हेतु पंचायतों का गठन किया गया । इन्होंने सड़कों के निर्माण कार्य में भी रुचि ली । सिवाई के माधन बढ़ाये । हवीं बांध का निर्माण-कार्य इन्होंने ही प्रारम्भ करवाया । सन १९२५ में इनका स्वर्गवास हो गया, और महाराजा जीवाजी राव सिधिया ने राज्य भार सम्हाला । इस अवसर पर खालियर के जैन सभठन के रूप में कार्यरत संस्था खालियर स्टेट दिव-इडर जैन ऐथोलिजेशन द्वारा उनका अभिनन्दन करते हुये मानपत्र भेंट किया गया । इनके काल में राष्ट्रीय आन्दोलन प्रबल होता गया, लोक तान्त्रिक सरकार की मांग बढ़ती गई । सन १९३६ में लोकतान्त्रिक सत्ता की स्थापना हेतु प्रजासभा, राज्यसभा नामक विधान सभायें स्थापित की गईं ।

स्वतंत्रता काल:—

१५ अगस्त सन १९४७ को भारत वर्ष स्वतन्त्र हुआ । भारत सरकार के गृहमन्त्री के रूप में आसीन सरदार बल्लभ भाई पटेल ने देशी रियासतों को भारतीय गणतंत्र में विलीन करने की दिशा में अत्यन्त दृढ़ता से काम लिया । २८ मई १९४८ को महाराजा जीवाजीराव सिधिया ने राज्य विलय करने के प्रपत्र पर हस्ताक्षर किये और खालियर रियासत मध्यभारत राज्य में विलय हो गई । स्वतंत्र भारत के स्वछन्द बातावरण में भारतीय संविधान के अनुसार भारत को धर्मनिर्पक्ष प्रजातान्त्रिक गणराज्य घोषित किया गया । इस कारण जन साधारण में राष्ट्रीय एवं सामाजिक चेतना का उदय हुआ । और इन क्षेत्रों की धार्मिक गतिविधियों में तीव्रता आई । जैन धर्मावलम्बी इस

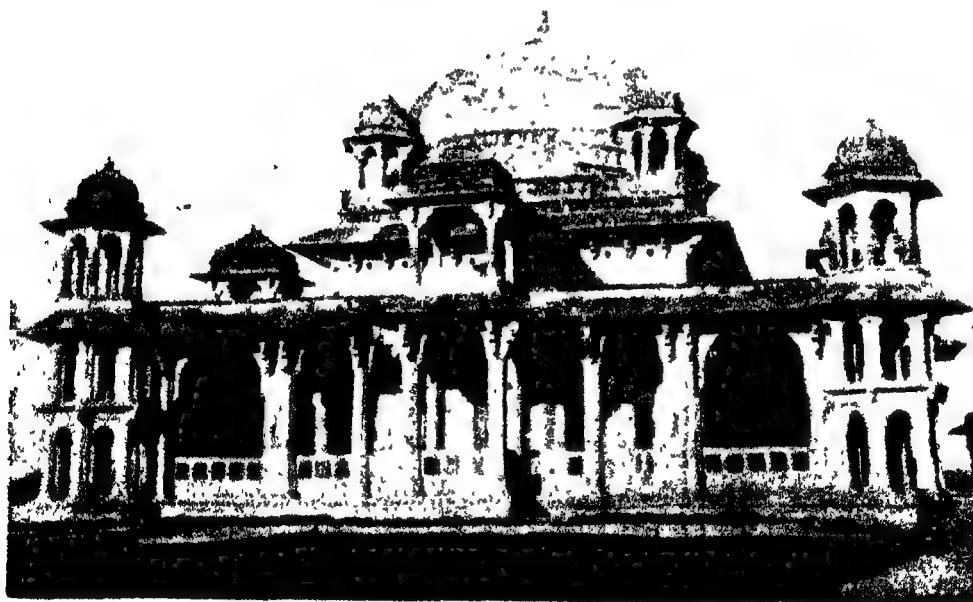
क्षेत्र में कभी किसी से पीछे नहीं रहे। अनेकों जैन अनुयाइयों ने अपने क्षेत्र की जनता का कुशल प्रतिनिधित्व किया। इस प्रकार अनेकों जैन धर्मावलम्बियों ने मंत्रियों, सचिवों, विधायकों और अनेक उच्च पदों पर रह कर क्षेत्र की बिना किसी भेद-भाव के अमूल्य सेवा की।

सन १९५६ में इस नगर की पुण्य भूमि पर आचार्य श्री देवभूषण जी महाराज की प्रेरणा से सेठ राजाराम जी जैसवाल (मे. हरलाल मूलचन्द जी) ने मेला साऊथ पर विशाल जैन-पंच-कल्याणक महात्सव का आयोजन करवाया, जिसमें नगर के अतिरिक्त विभिन्न प्रदेशों के जैन लोग सम्मिलित हुये।

१ नवम्बर सन १९५६ को पुराने मध्यप्रदेश, मध्यभारत, विन्ध्य प्रदेश एवं ओपाल राज्य को मिला कर नये मध्यप्रदेश का गठन हुआ। जुलाई सन १९६१ में अकस्मात महाराजा जीवाजी राव सिधिया का निधन हो गया। उसी राज्य वंश की राजमाता विजयाराजे सिधिया का मध्य प्रदेश की राज्यनीति में इस समय भी महत्व पूर्ण (सचिव-नेत्री के रूप में) योग है।

इस तरह ग्वालियर का अतीत अत्यन्त गौरव लाली रहा है। हम भविष्य के प्रति भी आशावान हैं और मंगल कामना रखते हैं कि यह वीर भूमि सर्व धर्म प्रेरणा का केन्द्र बनी रहे।

—रवीन्द्र 'मालव'



मोहम्मद गोस का मकबरा
(जिसके संबंध में यह कहा जाता है कि वह पहिले एक जैन मंदिर था
जिसे बाबर के शासन काल में नष्ट किया गया)

बृहत्तर ग्वालियर में स्थिति दिगम्बर जैन मंदिर

नगर के विभिन्न मोहल्लों में स्थित जैन परिवारों की सुविधानुसार लक्ष्कर, ग्वालियर और मुरार में ३५ दिगम्बर जैन मन्दिर, और ६ श्वेताम्बर जैन मन्दिर हैं। ग्वालियर, जैन पुरातत्व और संस्कृति का गढ़ है। अनेक मन्दिर अपनी विमलता और उत्कृष्ट स्थापत्य कला के कारण सहसा आकर्षण के केन्द्र हैं। इनमें प्राचीन मनोज्ञ जिनविम्ब विराजमान हैं। मन्दिरों के सरस्वती भण्डार प्राचीन शास्त्रों से भरे हुए हैं। प्रत्येक जैनी का यह कर्तव्य है कि वह प्रतिदिन देव दर्शन शास्त्र स्वाध्याय कर आत्म धुाँड़ करे।

दिगम्बर जैन मन्दिर, लक्ष्कर:—

१. श्री दि० जैन तेरापन्थी पंचायती बड़ा मन्दिर, पुगानी-सहेली, डोडवाना ओली
२. श्री दि० जैन चम्पाशाय बीसपन्थी पंचायती मन्दिर, दाना ओली
३. श्री दि० जैन जैसवाल मन्दिर, दाना ओली
४. श्री दि० जैन नया मन्दिर, ज़डेलवाल पंचायती नई-सहेली, दाना ओली
५. श्री दि० जैन नागोरा का मन्दिर, दाना ओली
६. श्री दि० जैन तेरापन्थी मन्दिर, भाऊ का बाजार
७. श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, जनकगंज
८. श्री दि० जैन जैसवाल मन्दिर, छत्री बाजार
९. श्री दि० जैन मन्दिर, चाबड़ी बाजार
१०. श्री दि० जैन ते० म०, चितौराओली, माधवगंज
११. श्री दि० जैन बी० म०, चितौराओली, माधवगंज
१२. श्री दि० जैन चैत्यालय, मामा का बाजार
१३. श्री दि० जैन बरैया प० म० मामा का बाजार

बृहत्तर ग्वालियर में स्थित दिगम्बर जैन मन्दिर

१४. श्री दि० जैन बरैया पंचायती बड़ा मन्दिर, मामा का बाजार
१५. श्री दि० जैन बरैया पंचायती मन्दिर, गुड़ी-गुडा का नाका
१६. श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, नया बाजार
१७. श्री पार्वर्णाय दि० जैन तेरा० म० दीलतगंज
१८. श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, दीलत गंज
१९. श्री दि० जैन चैत्यालय कसेरा ओली
२०. श्री दि० जैन तेरापन्थी मन्दिर, फालका बाजार
२१. श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, जयेंद्र गंज
२२. श्री दि० जैन चैत्यालय, जिन्हे की छावनी
२३. श्री दि० जैन बीस० नलियाजी म०, रामकुई

दिगम्बर जैन मन्दिर, ग्वालियर:—

२४. श्री दि० जैन गोकुलचन्दजी मन्दिर, लोहा मण्डी
२५. श्री दि० जैन चैत्यालय, कोटा वाला मोहल्ला
२६. श्री दि० जैन चैत्यालय, लच्छाराम मोहल्ला
२७. श्री दि० जैन बांसपूज्य पंचायती मन्दिर
२८. श्री दि० जैन यती जी का मन्दिर
२९. श्री दि० जैन नानकरामजी की बगीची, मन्दिर
३०. श्री दि० जैन मुनीमजी का म०, लसेरा गली
३१. श्री दि० जैन चैत्यालय, चासमण्डी

दिगम्बर जैन मन्दिर, मुरार:—

३२. श्री दि० जैन मन्दिर गुलाबचन्द की बगीची, ठाठोपुर
३३. श्री दि० जैन चैत्यालय, दीना नाथ की बगीची
३४. श्री दि० जैन पंचायती मन्दिर, जैन सतर
३५. श्री दि० जैन ब्रह्मचारी चैत्यालय, ठण्डी सड़क

सड़कर में स्थित दि० जैन मन्दिर:—

(१) श्री दि० जैन तेरापंची, पंचायती बुरानी सहैली- बड़ा मंदिर, डीडवाना ओली :— सन १७६८ में ~~संस्थापित~~ समाज के उरसाही एवं दानशील व्यक्तियों के प्रयत्न से, इस अत्यन्त भव्य एवं कलात्मक विशाल मन्दिर का निर्माण कार्य सम्पन्न हुआ है। यहाँ ४१ पाषाण, १ मृगा, ७१ चातु, ६ स्फटिक मणी व १ चाँदी की प्रतिमाएँ प्रतिष्ठित हैं। पीतल के तीन विशाल मेक व २ मानसम्भों की बनावट अत्यन्त आकर्षक एवं दर्शनीय है। यहाँ के सरस्वती मण्डार में १०० हस्तलिखित और ३०० मुद्रित ग्रन्थ विद्यमान हैं। इस मन्दिर द्वारा एक जैन पाठशाला संचालित की जाती है जिसके सुयोग्य अध्यापक श्री लाला भईया जी हैं। मन्दिर के अन्तर्गत दो भग्नांशालाएँ तेरापंची धर्मशाला, नई मन्दक व नवनिर्मित पाषवनाय धर्मशाला, डीडवाना ओली, जैन मंदिर भाऊ का बाजार, सोनागिर तलहटी के ज. १, २ व ६ मन्दिर, तेरापंची धर्मशाला, सोनागिर की व्यवस्था सम्मिलित है। इस मंदिर के लम्बो, दीवारों व छतों पर पच्चीकारी बसोने का काम है उनपर बने दृश्य प्राचीन, आकर्षक व कलात्मक है। मंदिर सम्बन्धित कार्य की व्यवस्था मंदिर कमेटी द्वारा की जाती है जिसके अध्यक्ष श्री मानिक चन्द जी पाड़्या, मंत्री श्री उभयचंद जी मनवाल व कोषाध्यक्ष श्री रतनचंद जी गिरधरवाल हैं।

(२) श्री दि० जैन बीसपंची मन्दिर चम्पाबाग, दानाओली:— इस भव्य एवं विशाल मन्दिर की स्थापना सन १७६८ में हुई। यहाँ दीवारों व छतों पर अत्यन्त आकर्षक कलात्मक जड़ाऊ काम है, जो दर्शनीय है। मंदिर में २२६ जिनविम्ब, १२५ हस्तलिखित और १५० मुद्रित ग्रन्थ ग्रंथ हैं। इस मन्दिर के अन्तर्गत श्री दि० जैन मंदिर, इन्दरगंज, श्री दि० जैन मन्दिर नसिया जी, बीस पंची कोठी सोनागिर, बीस पंची चम्पाबाग धर्मशाला एवं मन्दिर में संचालित जैन पाठशाला की व्यवस्था, सम्मिलित है।

मन्दिर प्रबन्ध समिति के वर्तमान अध्यक्ष श्री मान सेठ कुचमलजी गंगवाल, मंत्री श्री केशरीमल जी गोषा व कोषाध्यक्ष श्री पारस कुमार गंगवाल हैं।

(३) श्री दि० जैन जैसवाल पंचायती मन्दिर, दानाओली:— दानाओली में सड़क के किनारे दूसरी मजिल पर स्थित उक्त मंदिर की स्थापना सन १८४८ में हुई। यहाँ मेक सहित तीन वेदियों पर ११ चातु और २० पाषाण के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर के भास्त्र मण्डार में १२५ ग्रन्थ व धार्मिक पुस्तकें हैं। प्रतिवर्ष बवार सुदी चतुर्थी के दिन गंगाचल दुर्ग स्थित एक पत्थर की बावड़ी पर जहाँ सोमर राजाओं के समय में उत्सवित अनेको विशाल जैन मूर्तियाँ हैं, एक मेला आयोजित किया जाता है। इसके अतिरिक्त प्रतिवर्ष कार्तिक सुक्ल सप्तमी के दिन यहाँ से रथ-यात्रा निकाली जाती है। इस मन्दिर की पंचायत के अन्तर्गत नवनिर्मित जैसवाल पंचायती धर्मशाला, दानाओली की व्यवस्था सम्मिलित है। जिनके अध्यक्ष श्री मोहनलालजी, मंत्री श्री मुन्शीलाल जी व कोषाध्यक्ष श्री मण्यूलालजी जैन भी बाले हैं।

(४) श्री दि० जैन लखेलवाल पंचायती, नया मन्दिर, दानाओली:— नया मंदिर, दानाओली का निर्माण सन १८६६ में श्री पन्नालाल जी गंगवाल व श्री रक्खीलाल जी पाटनी द्वारा हुआ। अत्यन्त भव्य एवं विशाल मंदिर की पाँच वेदियों पर २० पाषाण, २५ चातु, २ स्फटिक मणी, १ पन्ना, ३ पुनराज के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। यहाँ श्री आदिनाथ भगवान की श्वेत पाषाण की मूर्ति वि. सं. १५६ की व श्री चन्द्रा प्रभू भगवान की मूर्ति वि. सं. १६८ की प्रशस्ति की है। प्राचीन जिन विम्बों के अतिरिक्त साढ़ पत्र पर लिखे हुए 'सन्दूर-प्रकरण-ग्रन्थ', तत्त्वार्थ सूत्र, आदिनाथ ओत, जमोकार मन्त्र, एकचावल पर लिखे हुये ३५ अक्षरी जमोकार मन्त्र, पंच परमेष्ठी देखने योग्य प्राचीन वस्तुएँ संग्रहीत हैं। यहाँ सरस्वती-मण्डार में ६२५ हस्तलिखित, २०० मुद्रित ग्रन्थ ग्रंथ व ५०० धार्मिक पुस्तकें हैं। धार्मिक सामाजिक कार्य हेतु वर्तन,

विद्यालय भी उपलब्ध है। मन्दिर के क्षेत्र में एक धर्म-शाला है जिसका उपयोग बद्धमान विद्यालय के अतिरिक्त स्थानीय प्रतिष्ठों को ठहराने, व अन्य धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रमों के लिये होता है। व्यवस्था कार्य निर्वाचित कार्य करिणी द्वारा किया जाता है जिसके अध्यक्ष श्री मिथीलाल जी पाटनी, मन्त्री श्री रूपचन्द जी पाटनी व कोषाध्यक्ष श्री मनोहरलाल जी पांड्या हैं।

(५) श्री हि० जैन बीसपंथी नागार्जी मंदिर, बानाओली:—बानाओली के प्रारम्भ में आकर्षक कलात्मक खुदाई से सुशोभित गेट के अन्दर द्वितीय मंजिल पर स्थित तीन वेदियों में २५ धातु और ८ पाषाण के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। इस मन्दिर की व्यवस्था जयपुरयान पंचायत-कमेटी द्वारा की जाती है जिसके मुख्य कार्यकर्ता श्री गुलाबचन्द जी पसारी, व श्री मूलचन्द जी नंके बाले हैं।

(६) श्री हि० जैन तेरापंथी, मंदिर, भाऊ का बाजार:—भाऊ के बाजार में द्वितीय मंजिल पर स्थित मंदिर की स्थापना सन १८६६ में की गई। यहाँ दो वेदियों पर ८ पाषाण व ८ धातु की मूर्तियाँ प्रतिष्ठित हैं। इनके अतिरिक्त दो पीतल के आकर्षक मेरुस्तम्भ हैं। बड़ा मंदिर, पुरानी-सहंजी-कमेटी द्वारा इस मन्दिर की व्यवस्था संचालित की जाती है। मंदिर की साधारण व्यवस्था श्री मथुरा दास जी नरपत्या करते हैं।

(७) श्री हि० जैन बीसपंथी मंदिर, जनकगंज:—श्री प्यारेलाल जी टोंग्या द्वारा इस मंदिर का निर्माण कार्य सन १९१७ में स्थापित कर सन १९२७ में सम्पन्न किया गया। द्वितीय मंजिल पर स्थित इस मन्दिर में ८ पाषाण, २ धातु के जिनविम्ब व २५ शाख विद्यमान हैं। मन्दिर की प्रबन्ध संचालन बीसपंथी चम्पाबाग मन्दिर कमेटी द्वारा किया जाता है। वर्तमान में व्यवस्था कार्य श्री चूपचंद जी टोंग्या करते हैं।

(८) श्री हि० जैन जैसवाल बंघायती मन्दिर, छत्री बाजार:—छत्री बाजार में द्वितीय मंजिल पर

स्थित मंदिर की स्थापना सन १८६५ में हुई। वहाँ २५ धातु, २ पाषाण के जिनविम्ब और २० शाख विद्यमान हैं। मंदिर की प्रबन्ध-व्यवस्था श्री प्यारेलाल जी जैसवाल कटि बाने करते हैं।

(९) श्री हि० जैन मंदिर, बाबड़ी बाजार:—द्वितीय मंजिल पर स्थित बाबड़ी बाजार के मन्दिर में मुनहरी आकर्षक जडाऊ वेदी पर ३ पाषाण, ७ धातु व १ पत्ता के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर का प्रबन्ध संचालन श्री नन्नेलाल जी प्यारेलाल जी करते हैं।

(१०) श्री हि० जैन तेरापंथी मंदिर, चितेरा ओली, माधवगंज:—चितेरा ओली, माधवगंज में स्थित विद्यालय मंदिर का निर्माण कार्य सन १८४० में सम्पन्न हुआ। समोसरण महित शांख वेदियों व भोहरा में २६ पाषाण ३० धातु, १ स्फटिक मणी व १ मृगा के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। जिसमें से २ विद्यालय प्राचीन मूर्ति शौजना ग्राम व एक मूर्ति मनिहार ग्राम में लाकर विराजमान की गई है। यहाँ के सरस्वती भण्डार में १५० शाख ग्रंथ व पुस्तकालय में ३०० धार्मिक पुस्तकें हैं। मंदिर द्वारा धार्मिक पाठशाला, पुस्तकालय, बाबलालय व नवनिर्मित धर्मशाला संचालित है। धर्मशाला मन्दिर क्षेत्र में स्थित है। सम्बन्धित व्यवस्था कार्य श्री मुगनचन्द जी पाटनी, श्री नानूलाल जी चौधरी व कपूरचन्द जी पाटनी द्वारा किया जाता है।

(११) श्री हि० जैन बीसपंथी मंदिर, चितेरा ओली, माधवगंज:—चितेराओली, माधवगंज स्थित बीसपंथी आमनाथ के इस मंदिर में द्वितीय मंजिल पर तीन वेदियों में ५५ जिनविम्ब, जिनमें ३६ पाषाण व १६ धातु के हैं प्रतिष्ठित हैं। स्वाध्याय हेतु कुछ शास्त्र की उपलब्ध है। यहाँ की व्यवस्था श्री ललमी चन्द जी बोहरा द्वारा की जाती है।

(१२) श्री हि० जैन चैत्यालय, बाना का बाजार:—सन १८८८ में इस चैत्यालय का निर्माण श्री जसराज जी गनपत लाल जी बरैया ने करवाया था। यहाँ ६ धातु के जिनविम्ब व १२ जैन शास्त्र विद्यमान हैं। इसकी प्रबन्ध व्यवस्था बरैया पंचायत

द्वारा की जाती है वर्तमान में कार्य संचालन श्री बाबू लाल जी द्वारा किया जाता है।

(१३) श्री दि० जैन बरैया पंचायती मन्दिर, माया का बाजार:—सन १८७८ में इस मंदिर का निर्माण कार्य श्री भूलूराम जी प्यारेलाल जी द्वारा सम्पन्न हुआ था। तेरापची आमनाय के इस मंदिर में ६ पाषाण व १२ चातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। यहाँ से प्रतिवर्ष मगसर वदी एकम् के दिन रथयात्रा महोत्सव आयोजित किया जाता है। इसकी प्रबन्ध व्यवस्था बरैया पंचायत द्वारा की जाती है, जिसके अध्यक्ष श्री मोहनलाल जी, मंत्री प्रो. रामचरणलालजी व कोषाध्यक्ष प. भगवती प्रसाद जी हैं।

(१४) श्री दि० जैन पंचायती बड़ा मन्दिर, माया का बाजार:—तेरापची आमनाय के इस मंदिर का निर्माण सन १६०३ में हुआ। मन्दिर जी में ७ पाषाण व, १३ चातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। यहाँ सरस्वती भण्डार में ४ हस्तलिखित व १६ मुद्रित शास्त्र विद्यमान हैं। मन्दिर क्षेत्र में स्थित श्री ऋषभ नाथ धर्मशाला की व्यवस्था भी उक्त मन्दिर की प्रबन्ध समिति द्वारा की जाती है जिसके अध्यक्ष श्री बालचन्द्र जी, मंत्री श्री मोराराम जी व कोषाध्यक्ष श्री देवचंद जी बरैया हैं।

(१५) श्री दि० जैन बरैया पंचायती मन्दिर, गुड़ी-गुड़ा का नाका:—नगर के अंतिम छोर पर स्थित उक्त मन्दिर का निर्माण समीप स्थित कुछ जैन परिवारों की सुविधार्थ हुआ। यहाँ चातु निमित्त ३ जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर व्यवस्था बरैया पंचायत द्वारा की जाती है।

(१६) श्री दि० जैन बीसपची मन्दिर, नया बाजार:—तृतीय मंजिल पर स्थित नया बाजार के इस मंदिर का निर्माण कार्य सन १८४३ में सम्पन्न हुआ। यहाँ दो मुख्य वेदियों पर ११ पाषाण व ८ चातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। सरस्वती भण्डार में २५ हस्तलिखित व ३५ मुद्रित शास्त्र विद्यमान हैं। मन्दिर व्यवस्था के अंतर्गत संचालित, संगीत कला

शिक्षण विद्यालय भी है। वर्तमान व्यवस्था कार्य श्री हुकमचन्द जी बाकलीवाल, श्री रूपचन्द जी पाटनी और श्री भूमनलाल जी द्वारा अत्यन्त लगन से किया जा रहा है।

(१७) श्री पाहर्बनाथ दि० जैन तेरापची मन्दिर, बीलतगंज:—नगर का सर्व प्रथम यह मन्दिर ग्वालियर स्टेट की स्थापना के साथ ही साथ निमित्त हुआ। इस मन्दिर में १० पाषाण व १६ चातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। यहाँ के सरस्वती भण्डार में २५० शास्त्र विद्यमान हैं। वर्तमान में इस मंदिर की आकर्षक आधुनिक व्यवस्था का मानिकचन्द जी पाटनी करते हैं।

(१८) श्री दि० जैन बीसपची मन्दिर बीलत गंज:—द्वितीय मंजिल पर स्थित उक्त मंदिर में १२ पाषाण व ५ चातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। इस मन्दिर में एक जैन पाठशाला चलाई जाती है मन्दिर व पाठशाला से सम्बन्धित कार्य की देख-रेख श्री विमलचंद जी बाकलीवाल व श्री बाबूलाल जी टोंग्या करते हैं।

(१९) श्री दि० जैन राजाजी बाला चैत्यालय, कसेरा ओली:—बाराहारी के पास कसेरा ओली में तृतीय मंजिल पर स्थित उक्त चैत्यालय का निर्माण कार्य सन १८२० में श्री सालिनराम सवाईराम जी द्वारा सम्पन्न हुआ था। यहाँ १ पाषाण व ७ चातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। सरस्वती भण्डार में ४४ हस्तलिखित शास्त्र व प्राचीन हस्तकला निमित्त विभक्त हैं। वर्तमान में उसी परिवार के मुखिया श्री अमोलक चन्द जी राजा इसकी व्यवस्था करते हैं।

(२०) श्री दि० जैन तेरापची मन्दिर, फालका बाजार:—पुलिस चौकी के समीप फालके बाजार में स्थित तेरापची आमनाय के इस मन्दिर में ७ पाषाण व ५ चातु के जिनविम्ब व ५ शास्त्र ग्रन्थ विद्यमान हैं। नया मन्दिर दानाओली की प्रबन्ध कमेटी द्वारा इस मन्दिर की व्यवस्था की जाती है। वर्तमान में इसकी

बेल-रेख का कार्य अत्यन्त लगन व त्याग के साथ श्री बाबूलाल जी हुकमचन्द जी कागला करते हैं।

(२१) श्री दि० जैन बीसपथी मन्दिर, लखेन्द्र बजः—स्वर्गीय श्री माधवराव सिधिया स्टेशन् के सामने द्वितीय मंजिल पर स्थित जैन मन्दिर में २ पाषाण और ८ घातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर की प्रबन्ध व्यवस्था चम्पाबाग बीसपथी मन्दिर कमेटी द्वारा की जाती है।

(२२) श्री दि० जैन चैत्यालय जिन्हे की छावनी—सन १९२५ में श्री सुआनाल जी पाटनी द्वारा इस चैत्यालय की स्थापना निजी धर्म ध्यान व स्वाध्याय हेतु की गई थी। इस बाजार में स्थित लगभग १०० जैन परिवारों के लिये समीप वर्तीय उक्त एकमात्र जिनालय होने से सभी यही धर्मध्यान करने आते हैं। यहां १ पाषाण व दो घातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। इस चैत्यालय की व्यवस्था वर्तमान में श्री प्रकाशचन्द जी पाटनी करते हैं।

(२३) श्री दि० जैन बीसपथी नसियां जी मन्दिर, गैडवाली सड़क, रामकुई—सन १८६४ में रामकुई पर स्थित नसिया जी के विशाल क्षेत्र में उक्त मन्दिर की स्थापना हुई। यहां ६ पाषाण २ घातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर के पास ही कुछ कमरे, बगीचा व विशाल मैदान है। इस स्थान को आकर्षक, भव्य व दर्शनीय बनाने हेतु श्री १००८ शाहीनाथ भगवान की २२ फुट ऊंची प्राचीन प्रतिमा सन १९४३ में श्रीमान बुधमलजी गगवाल ने बरई ग्राम से लाकर प्रतिष्ठित कराई। नसिया जी मन्दिर द्वारा कुवार सुदी छठ के दिन वार्षिक मेला आयोजित किया जाता है। इस मन्दिर व नसियां की व्यवस्था श्री दि० जैन बीसपथी चम्पाबाग मन्दिर कमेटी द्वारा की जाती है।

ग्वालियर में स्थित दि० जैन मंदिरः—

(२४) श्री गोकुलचन्द जी जैसवाल पंचायती मन्दिर, लोहामण्डी—लोहामण्डी ग्वालियर में स्थित जैसवाल पंचायती मन्दिर का निर्माण सन १८४३ में

स्वर्गीय श्री लाला गोकुलचन्द जी ने करवाया। इस मन्दिर में छह वेदियों पर ५० पाषाण व १५ घातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। यहाँ के सरस्वती भण्डार में १५० शास्त्र ग्रन्थ हैं। संस्थापक श्री गोकुलचन्द जी के नाम से एक जैन धर्मशाला लोहामण्डी ग्वालियर में स्थित है इसका प्रबन्ध कार्य मन्दिर कमेटी द्वारा किया जाता है कमेटी के वर्तमान अध्यक्ष श्री बाबूलाल जी कोठरीवाले, मन्त्री श्री खजचन्द जी व कोषाध्यक्ष श्री घन्नालाल जी हैं।

(२५) श्री दि० जैन चैत्यालय, कौटा बाला लोहस्ता—सन १८४३ में श्री गन्नालाल जी अग्रवाल द्वारा इस चैत्यालय की स्थापना की गई। यहां पाँच घातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। वर्तमान में व्यवस्था श्री घन्नालाल जी 'धर्मवीर' द्वारा की जाती है।

(२६) श्री दि० जैन चैत्यालय, लखचारान, लोहस्ता—श्री अक्षराराम लोहिया द्वारा सन १८६८ में इस चैत्यालय की स्थापना की गई वर्तमान में यहां की व्यवस्था श्री प्रभूदयाल जी लोहिया करते हैं।

(२७) श्री दि० जैन बांसपूज्य पंचायती मन्दिर—अस्तव्यस्त २२ चैत्यालयों को सम्मिलित करते हुये उन्हे एक ही स्थान पर व्यवस्थित रूप देने हेतु इस मन्दिर की स्थापना की गई। यहां मूनायक श्री बांसपूज्य भगवान की प्रतिमा सम्वत् १५३७ में प्रतिष्ठित किये जाने का लेख है। इसके अतिरिक्त मन्दिर में अनेक प्राचीन प्रतिमायें प्रतिष्ठित हैं। यहां के शास्त्र भण्डार में लगभग १०० शास्त्र हैं। इस मन्दिर द्वारा प्रतिवर्ष कुवार सुदी दोष के दिन रथयात्रा आयोजित की जाती है। कुवार वदी अमावस के दिन ग्वालियर दुर्ग पर प्राचीन उत्खनित विशाल मूर्तियों के सामने भरने वाले मेले में इस मन्दिर द्वारा भजन-कीर्तन के साथ रथ में विराजमान कर श्रीजी ले जाये जाने है। कृष्ण सुदी अष्टमी से प्रारम्भ होने वाले अष्टान-का पर्व में प्रतिवर्ष यहां सिद्धचक्र विधान का आयोजन किया जाता है और श्री बाहुबलि स्वामी का अस्तकामयेक होता है। इस मन्दिर में महावीर जयन्ती के दिन, महोत्सव भी मनाया जाता है।

बृहत्तर ग्वालियर में स्थित दिगम्बर जैन मन्दिर

सभीप स्थिति नानकराम जी की बगीची की व्यवस्था इस मन्दिर के ट्रस्ट द्वारा की जाती है। मन्दिर प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री जयगदास जी, मन्त्री श्री हरीशचन्द्र जी व कोषाध्यक्ष श्री अजितकुमार जी हैं।

(२८) श्री दिगम्बर जैन जतीजी का मन्दिर, चौक बाजार:—मन्दिर पर सने जिलास्थान के अनुसार, चौक बाजार में स्थित जती जी के मन्दिर का निर्माण कार्य सम्पत् १८५१ (सन १७६४) माघ बदी दसमी के दिन सम्पन्न हुआ था। यह मन्दिर भट्टारक जी के नाम से जाना जाता है। यहाँ अनेक प्राचीन मूर्तियों के अतिरिक्त, विशाल यक्ष-यक्षी की मूर्तियाँ प्रतिष्ठित हैं। इस मन्दिर के सरस्वती भण्डार में रईम कवि, भट्टारक जी आचार्यों व विद्वानों द्वारा रचित, सैकड़ों प्राचीन हस्त-लिखित ग्रन्थ हैं। इस पुराने मन्दिर के अन्दर दो भोहरों भी स्थित हैं।

(२९) श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, नानकराम बगीची—बगीचे में स्थित मन्दिर में अत्यन्त आश्चर्यकर्मकीर्ती मूर्ति के अतिरिक्त एक घातु व पाषाण की मूर्ति भी प्रतिष्ठित है। इस मन्दिर की व्यवस्था श्री दि० जैन वासपूज्य पंचायती मन्दिर द्वारा की जाती है।

(३०) मुनीम जो का चैत्यालय, सनेरा गली:— सन् १९२५ में इस चैत्यालय की स्थापना हुई। यहाँ मूलनायक श्री पारश्वनाथ स्वामी की प्रतिमा के अतिरिक्त २ घातु की मूर्तियाँ प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर के सचालक श्री रामजीदास लक्ष्मणदास जी हैं। व्यवस्था का कार्य श्री दर्शनलाल जी सम्भालते हैं।

(३१) श्री दिगम्बर जैन चैत्यालय, घासमण्डी:— द्वितीय मंजिल पर स्थित, इस चैत्यालय का निर्माण श्री तोताराम जी किशोरीनाथ जी ने सन् १९५३ में कराया। भवन निर्माण के समय मूलनायक मूर्ति का नीबू में प्राप्त होना ही चैत्यालय स्थापित करने का कारण माना गया। वर्तमान में व्यवस्था काय, इन्हीं के परिवार के सदस्यों द्वारा किया जाता है।

मुरार स्थित दिगम्बर जैन मन्दिर:—

(३२) श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, गुलाबचन्द जी की बगीची:—ठाठीपुर-मुरार मार्ग पर सड़क की बायी

ओर स्थित बगीची में सेठ हजारीमल जी गुलाबचन्द जी दोमो ने सन् १९०५ में इस मन्दिर की स्थापना की यहाँ ३ घातु व २ पाषाण के अतिरिक्त विम्ब प्रतिष्ठित हैं। यहाँ के जैन बन्धुओं को यह मन्दिर सबसे निकट पड़ता है। वर्तमान में इसकी व्यवस्था श्री गणेशीलाल जी करते हैं।

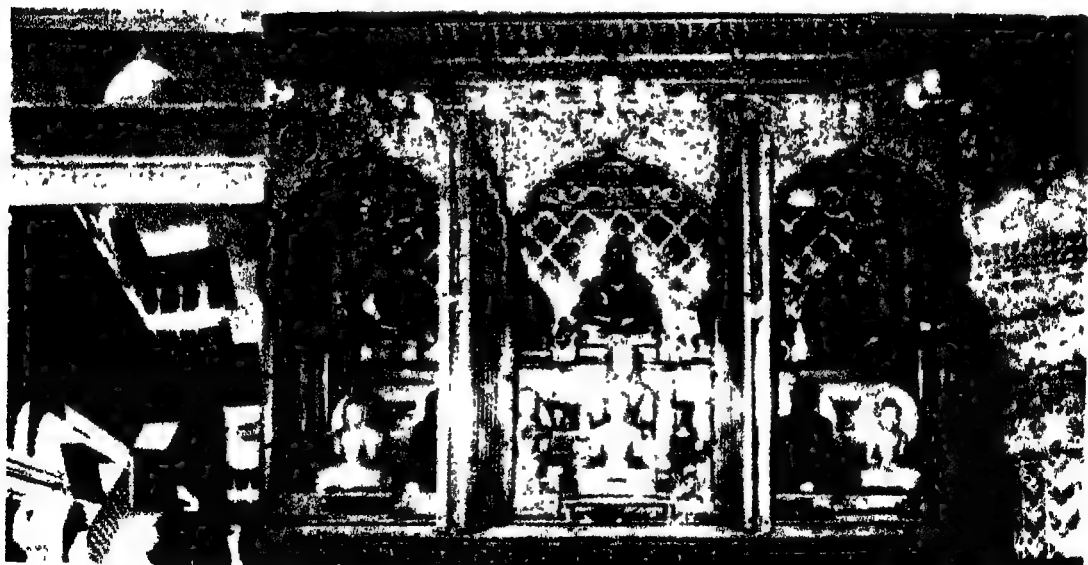
(३३) श्री दिगम्बर जैन चैत्यालय दीनानाथ जी की बगीची—लश्कर, ठाठीपुर, मुरार मार्ग पर नदी के दाहिनी ओर श्री दीनानाथ जी की बगीची के मध्य उक्त चैत्यालय सन् १९६४ में स्थापित किया गया था। इस चैत्यालय में नोहरा ग्राम से मूलनायक प्रतिमा की लाकर विराजमान किया गया। इसकी व्यवस्था श्री दीनानाथ जी ठेकेदार द्वारा की जाती है।

(३४) श्री दिगम्बर जैन पंचायती मन्दिर, जैन सन्तर, मुरार:—लगभग १५० वर्ष पूर्व जबकि मुरार में अग्नेतो ने अपनी फौजी छावनी स्थापित की थी, उसी पाल में इस मन्दिर का निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ। मूलनायक १००८ श्री सुपार्ष्वनाथ भगवान की प्रतिमा के अतिरिक्त यहाँ ११ पाषाण व ५३ घातु की प्रतिमाएँ प्रतिष्ठित हैं। यहाँ के सरस्वती भण्डार में ३०० हस्तलिखित व २०० मुद्रित ग्रन्थ ग्रन्थ उपलब्ध हैं। प्रतिवर्ष कुशिर सुदी ऋतु के दिन इस मन्दिर द्वारा रथ यात्रा निकाली जाती है, जिसके कलशाभिषेक नवमी के दिन मन्दिर जी में वापस श्री जी विराजमान कर, किये जाते हैं। इन्हीं दिनों कायकारिणी समिति का पुर्न-गठन होता है। सन् १९४८ में १०५ छुस्लक श्री गणेश प्रसाद जी ग्रन्थों के आगमन पर, यहाँ धार्मिक शिक्षा हेतु एक पाठशाला स्थापित की गई, जो आज माध्यमिक स्कूल के रूप में चल रही है। मन्दिर की व्यवस्था कमेटी के अध्यक्ष श्री ब.पूरचन्द जी, मन्त्री श्री कन्हैयालाल जी व कोषाध्यक्ष श्री रतनलाल जी संभाल रहे हैं।

(३५) श्री दिगम्बर जैन चैत्यालय ठंडी सड़क मुकजी नगर, मुरार:—सड़क के किनारे एकान में स्थित इस चैत्यालय की स्थापना सन् १९६६ में बह्मचारी श्री रामचरण जी गिठोरे बालो ने की है। इसकी व्यवस्था वे स्वयं करते हैं।



श्री दिगम्बर जैन तेरापन्थी पंचायती, बडा मन्दिर, डीडवाना जोशी, लखर



श्री दिगम्बर जैन बोनपन्थी, चम्पाबाग पंचायती मन्दिर, दाना जोशी, लखर



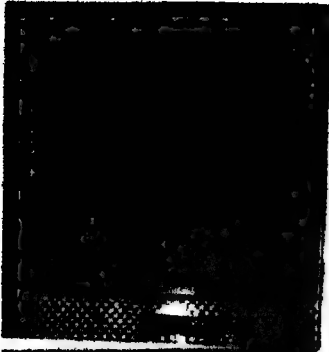
जैसवान् मन्दिर, दाना ओली, लखर



श्री विगम्बर जैन नया मन्दिर, दाना ओली, लखर

छायाकार—के० एम० पाटनी, रूपचन्द पाटनी

म्वालियर जैन निर्देनिका



बड़ा मन्दिर

छोटा मन्दिर



श्री दिगम्बर जैन वरदा पंचायती मन्दिर, मामा का बाजार, लखनऊ

१. श्री दिगम्बर जैन बीसपन्थी मन्दिर, माधवगञ्ज, चितौरा ज़ोली, लखनऊ

२. श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, लावडी बाजार, लखनऊ

३. श्री दिगम्बर जैन बीसपन्थी मन्दिर, अनकगञ्ज, लखनऊ

४. श्री दिगम्बर जैन नागौरा का मन्दिर, बानाजोली, लखनऊ



श्री पार्ष्वनाथ दिगम्बर जैन तेरावन्धी
मन्दिर, दीनतगंज लखर

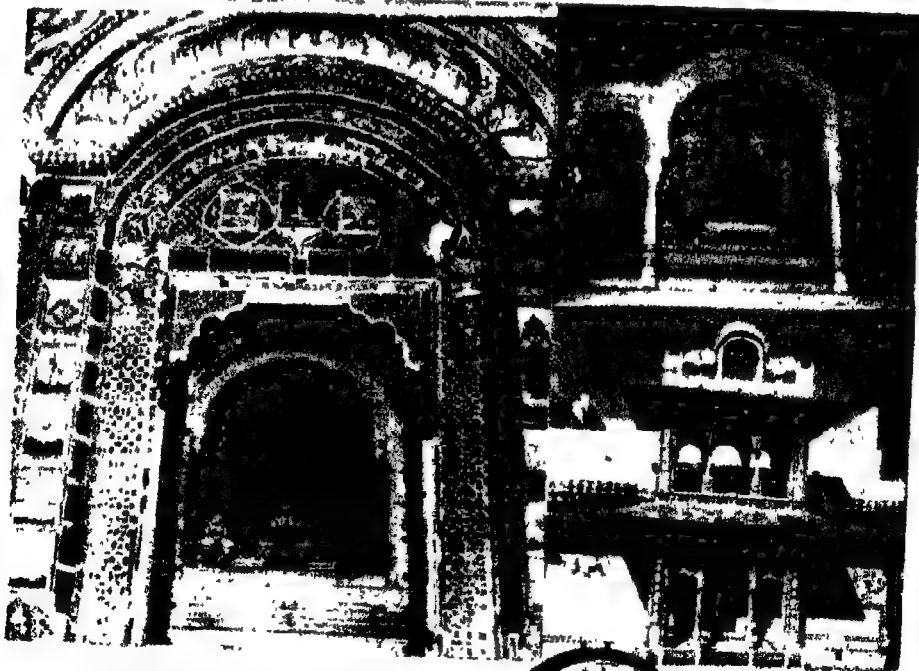
(यहाँ चित्तामणि लकड़हरण श्री
१००८ पार्ष्वनाथ भगवान की अति-
मयवान मनोह्र दर्शन की प्रतिमा
प्रतिष्ठित है ।)

आशाकार—

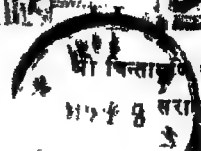
के० एम० पाटनी, मानिकगढ़ पाटनी



श्री दिगम्बर जैन तीर्थपन्थी मन्दिर, नसिया जी रामकुर, लखर



श्री शान्तिनाथ श्वेताम्बर जैन मन्दिर,
कटीघाटी-बादाबाड़ी, लखर



श्री चिन्तामणि पार्श्वनाथ श्वेताम्बर जैन मन्दिर
मिर्जापुर सराफा बाजार, लखर



श्वालिबर दुर्ग, एक स्तूप की बागडो (गोपाबल पर्वत) की विद्याल प्राचीन मूर्तियाँ



श्वालिबर दुर्ग के उरवाई द्वार पर स्थित प्राचीन जैन मूर्तियाँ





श्री मनहर देव

श्री कर्त्तिनाथ भगवान की उनके ११वीं शताब्दी में निर्मित विशाल मूर्ति को चैत्र श्रावण में जनवरी १९६६ में लाकर सोनागिर में विराजमान किया गया है।

श्री चिन्मय जैन चिन्मय सोनागिर के मयनाभिराम छहय

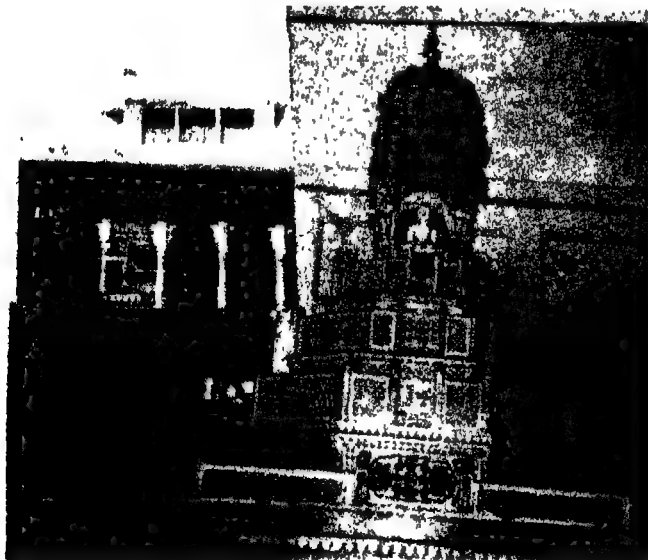
श्री मोकुलचन्द जी का मन्दिर

श्री बांसपूज्य पं० मन्दिर

श्री यती जी का मन्दिर, खालियर



श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, खालियर



श्री दिगम्बर जैन पंचायती
मन्दिर, मुरार

जैन श्वेताम्बर मन्दिर,

दादाबाड़ी व स्थानक

शालियर में श्वेताम्बर आश्रम के चर्मपालक बहुत समय से हैं। श्वेताम्बर साहित्य में शालियर नगर का संदर्भ है। श्वेताम्बर "ग्रंथ प्रभावक चरित" में "तथा शोषगिरिं लेप्समय दिम्बयुतं नृप., श्री धीर मंदिरं तत्र शोषगिरिं हस्तकाम" पंक्तियाँ हैं जिनका अर्थ है कि गोपाचल पर्वत पर भगवान महा-धीर स्वामी की लेप्स पूर्ण तेईस हाथ ऊँची मूर्ति थी। विक्रम की १२ वीं सदी में श्री वाददेव सूरि ने श्री गंगाधर द्विज को शास्त्रार्थ में पराजित किया था।

श्वोपुर के किले में १४ वीं सदी की प्राचीन श्वेताम्बर जैन मूर्तियाँ पाई गई हैं। अनेक मूर्तियाँ सड़हरों में परिणित हो गई हैं। श्वोपुर के श्वेताम्बर जैन मन्दिर से १४ वीं सदी को निर्मित मूर्तियाँ श्री सूरजराज चारीवाल ने संवत् २००० में श्री मन-मोहन पार्श्वनाथ श्वेताम्बर जैन मंदिर, सराफा बाजार में स्थापित की हैं। दिगम्बर समाज की तरह शालियर में श्वेताम्बर समाज ने भी धर्म कार्यों में सदैव विशेष रुचि ली है। यहां श्वेताम्बर स्वामी गणों में १२५ वर्ष पूर्व हुए श्री जिनवल सूरि और श्री जिन कुल्लन सूरि का विशेष महत्व है। श्वेताम्बर समाज मुख्य रूप

से दो वर्गों में विभक्त है (१) श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ और (२) श्वेताम्बर साधू मार्गी संघ।

(१) मूर्ति पूजक संघ :—मूर्ति पूजक संघ वर्कन स्वाध्याय भजन, पूजन, हेतु मन्दिरों का निर्माण कर, उनमें मूर्तियाँ स्थापित करते हैं।

(२) श्वेताम्बर साधुमार्गी संघ :—(अ) श्वेताम्बर स्थानक वासी संघ :—इस वर्ग के जैन संघ अपने साधु, मुनियों और स्वाध्यायों पर परम ध्यान रखते हैं। इनके भजन, पूजन व अध्यात्मिक कर्मा के स्थान "स्थानक" कहलाते हैं। इन स्थानकों में साधुगण ठहरा करते हैं और उपवेश दिया करते हैं। इन स्थानों में साल भर भी होते हैं। अनुयायी गण प्रतिदिन स्तुति, जप, पाठना यही करते हैं।

(ब) श्वेताम्बर तेरापन्थी—ये लोग भी शास्त्र स्वाध्याय और त्यागी क्रतियों की सेवा में विश्वास रखते हैं।

बृहत्तर शालियर में श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के ६ मंदिर निम्नलिखित हैं:—

१ श्री चिन्तामणि पार्श्वनाथ श्वे० जैन बड़ा मंदिर, सराफा बाजार, सहर।

जैन श्वे० मंदिर, दादाबाड़ी व स्थानक

२. श्री मनमोहन पार्षन्नाथ श्वे० जैन मन्दिर, सराफा बाजार, लखर ।

३. श्री मांतिनाथ श्वे० जैन मन्दिर, कटोचाटी जीवाजीगंज, लखर ।

४. श्री पार्षन्नाथ श्वे० जैन मन्दिर, चिक सन्तर, मुरार ।

५. श्री पार्षन्नाथ श्वे० जैन मन्दिर, चास मन्डी, ग्वालियर ।

६. श्री श्वे० जैन मन्दिर (माधवचन्द्र यति जी द्वारा स्थापित) चास मन्डी ग्वालियर ।

इन मन्दिरों का विवरण निम्नलिखित है:—

१. श्री चिन्तामणि पार्षन्नाथ श्वे० जैन मन्दिर, सराफा बाजार, लखर:—

सराफा बाजार में स्थिति, उक्त श्वेताम्बर मन्दिर की प्रतिष्ठा, माघ सुदी दसमी संवत् १८६३ (सन १८३६) में जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ द्वारा की गई। इस मन्दिर की मुख्य वेदी पर ५ पाषाण की मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर की प्रवर्धिका में चौबीसी विराजमान है। वेदी के किनारों पर चक्रेश्वरीदेवी विराजमान है। मन्दिर की दीवारों पर चारों ओर चित्रावली है जिसमें रत्न-जड़ित सुन्दर मोनाकारी भी दिखाई गई है। आता के स्वप्न, समवकरण आदि के भाग भी लुटे हुए हैं। मन्दिर के कर्त पर भी पक्षीकारी है।

मन्दिर के समीप ही एक धर्मशाला व उपाश्रय है। उपाश्रय का निर्माण सन् १९६६ से हुआ है। उपाश्रय छात्र छात्रियों के ठहरने व उनके व्यायाम के प्रबंध का स्थान होता है। उपाश्रयों में आर्थिक कार्य भी सम्पन्न होते हैं। विवाह आदि अवसरों के लिये बर्तन आदि भी उपलब्ध किये जाते हैं। जनवरी १९६६ से इसमें जीव धर्म की शिक्षा हेतु, एक धार्मिक पाठशाला भी प्रारम्भ की गई है। माघ सुदी १० के दिन मन्दिर की स्थापना का दिन मनाया जाता है। पर्यटन के पक्षक भावों सुदी ५ को अमा-वास्या पर्व मनाया जाता है।

मूर्तिपूजक संघ के लखर, ग्वालियर और मुरार के सभी मन्दिरों, दादाबाड़ियों और उपाश्रयों की व्यवस्था इस मन्दिर द्वारा ही की जाती है। व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री सोसुलाल जी पारस और मंत्री श्री बुधराज जी घारीवाल हैं।

२. श्री मनमोहन जैन श्वेता० मन्दिर, सराफा बाजार, लखर:—यह मन्दिर उक्त बड़े मन्दिर से ही स्थित है। इसे छोटा मन्दिर भी कहते हैं। इस मन्दिर की प्रतिष्ठा श्री सूरजराज घारीवाल ने सम्वत् २००० में करवाई। इस मन्दिर में स्थापित कुल मूर्तियां २४ हैं जिनमें ६ पाषाण और १५ चातु की हैं। पाषाण की ६ मूर्तियों में से ५ मूर्तियां श्री घारीवाल जी द्वारा हथोपुर के श्वेताम्बर मन्दिर से लाई गई थी ये मूर्तियां १४ वीं सदी की हैं जो हथोपुर के किले में मिली थीं। मन्दिर की व्यवस्था बड़े मन्दिर की व्यवस्था समिति द्वारा ही की जाती है।

३. श्री मांतिनाथ जैन श्वे० मन्दिर, दादाबाड़ी कटोचाटी, जीवाजीगंज, लखर:—यह मन्दिर दादाबाड़ी में स्थित है। इस मन्दिर की स्थापना श्री नयमल जी द्वारा सम्वत् १९३३ में करवाई गई थी। इस मन्दिर में ३ पाषाण और ५ चातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। मुख्य वेदी के दोनों ओर दो वेदियां हैं जिनमें स्व० सुधी रतनबाई ने सम्वत् १९६७ में बनवाया था। इन वेदियों में स्थापित मूर्तियां श्री सूरजराज घारीवाल और श्री सुगनचन्द कोठारी द्वारा हथोपुर से लाई गई थी। मन्दिर की व्यवस्था मूर्तिपूजक संघ द्वारा ही की जाती है।

४. श्री पार्षन्नाथ श्वेता० जैन मन्दिर, चिक सन्तर, मुरार:—इस जितरयुक्त मन्दिर की स्थापना सम्वत् १९२७ में की गई। इस मन्दिर में १ पाषाण और ३ चातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। इस मन्दिर की व्यवस्था जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ, लखर द्वारा की जाती है।

५. श्री पार्षन्नाथ श्वेता० मन्दिर, चासमन्डी, ग्वालियर:—श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ की व्यवस्था के

ग्वालियर-जैन निर्देशिका

अन्तर्गत आने वाले इस मन्दिर में, १ पाषाण ३ धातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित थे, परन्तु सन् १९६८ में इस मन्दिर के अत्यन्त प्राचीन मनोह्र पीतल के जिन-विम्ब, मूर्ति और, आतताइयों द्वारा चुरा लिये गये हैं। इसके स्थान पर अब पाषाण की मूर्तियाँ स्थापित कर दी गई हैं। मन्दिर की प्रबन्ध व्यवस्था मूर्ति पूजाक लक्ष, लक्ष्मण द्वारा की जाती है।

६. श्री जैन इवेता० मन्दिर खाल मंडी, खालिबर:— यह मन्दिर श्री पार्वनाथ इवेता० मन्दिर के निकट ही है। यह माधवचन्द्र यती जी द्वारा बनवाये गये घर “तेराधय” में स्थित है। इसे यती जी का मन्दिर कहते हैं। इस मन्दिर में ३ मूर्तियाँ प्रतिष्ठित हैं। व्यवस्था कार्य यति परिवार के सदस्यगण ही करते हैं।

दादाबाड़ी:—

हर नगर में जहाँ इवेताम्बर मूर्ति पूजाक लक्ष के अनुयायी होते हैं वहाँ मन्दिरों के अतिरिक्त कुछ अन्य धार्मिक स्थल भी स्थापित कर लिये जाते हैं। दादाबाड़ी वह स्थान होता है जहाँ पूजा पुस्तकों के चरण स्थापित रहते हैं। इनमें ठहरने की व्यवस्था रहती है। समय-समय पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होता रहता है। लक्ष्मण में दो और मुरार में एक दादाबाड़ी है जिनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:—

(१) दादाबाड़ी कटी घाटी, जीवाजीगंज लक्ष्मण:—

इस दादाबाड़ी के आगन में एक विशाल बगीचा है जिसमें अनेक तिवारे हैं। नल और बिजली की व्यवस्था है। यहाँ वर्तन, बिछावत आदि का भी प्रबन्ध है। इस दादाबाड़ी में श्री शालिनाथ स्वामी का मन्दिर है। श्री जिनदत्त मूरि और श्री कुशल मूरि जी के चरण

प्रारम्भ में ही प्रतिष्ठित किये गये, बाह में श्री कुशल मूरि जी की प्रतिमा प्रतिष्ठित की गई। प्रत्येक सोमवार और पूर्णिमा की संघ के सभी व्यक्ति दर्शन, अर्चन-भावनाओं हेतु यहाँ आते हैं। यहाँ श्री रामचन्द्र मूरि की छतरी भी है। यहाँ प्रतिवर्ष जयदीक्षव आयो-जित किया जाता है, स्वामी वात्सल्य का आयोजन भी यहाँ किया जाता है जिसमें सामूहिक भोज होता है।

(२) दादाबाड़ी, सागरताल, लक्ष्मण:— इस दादा-बाड़ी में श्री जिनदत्त मूरि के चरण प्रतिष्ठित हैं। यहाँ कुंवार बंदी १० की प्रतिवर्ष मेला होता है।

(३) दादाबाड़ी, मुरार:— यहाँ श्री जिनदत्त कुशल मूरि के चरण प्रतिष्ठित हैं।

स्थानक:—

साधु मार्गी संघ के यहाँ दो स्थानक हैं। पहिला स्थानक रियावालों का बाड़ा, सराफा बाजार, लक्ष्मण में स्थित है। इसे स्थापित हुए करीब ५०-६० वर्ष हो गये हैं। स्थानक “साधन स्थल” है जहाँ साधु-गण ठहरा करते हैं और धर्मोपदेश दिया करते हैं। यहाँ शास्त्र ग्रन्थ उपलब्ध रहते हैं। साधु मार्गी बन्धु यहाँ धर्म चर्चा करते हैं। दूसरा स्थानक मुरार में बस स्टैंड के पास, कपड़ा बाजार में स्थित है। इन स्थानकों की व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री मूरजमल सवेनी और मन्त्री श्री दीपचन्द्र जी मूया करते हैं।

इवेताम्बर तेरापन्थी:—

आचार्य श्री मिश्र के सिद्धान्तों पर चलने वाले तेरापन्थी इवे० जैन, स्थानक वासियों की तरह ही साधु, मुनि व स्वागियोपर अद्वैत अज्ञा रहते हैं। कांतदर्शी आचार्य मिश्र की परंपरा में नवम् आचार्य श्री तुलसी हैं।

बृहत्तर ग्वालियर में प्रतिवर्ष आयोजित



जैन धार्मिक महोत्सव

नगर में स्थित व बाहर से आये हुए दिगम्बर व श्वेताम्बर जैन बंधुओं के सूचनाएँ, महा होने वाले धार्मिक उत्सवों का विवरण प्रकाशित किया जा रहा है। यह जानकारी बाहर से आये हुए व्यवसायी, निजी व सरकारी सेवा में लगे हुए व्यक्तियों व विद्यार्थ्यन करने आये हुए बाहर के विद्यार्थियों को लाभदायक सिद्ध होगी। प्रत्येक जैन धर्मावलम्बी को निम्नलिखित कार्यक्रमों में यथा समय सम्मिलित होना चाहिये।

(१) जन्म-सम्बन्ध—जैन सुदी एकम् को श्री दिगम्बर जैन बीसपन्थी चम्पाबाग मन्दिर, दानाओली में प्रतिवर्ष जब वर्ष के अवसर पर प्रातः काल श्रीजी के कलशाभिषेक, सामूहिक उत्सव के रूप में किये जाते हैं।

(२) महावीर जयन्ती महोत्सव:—बृहत्तर ग्वालियर के दिगम्बर व श्वेताम्बर जैन समाज की प्रतिनिधि एकमात्र संस्था 'श्री महावीर जयन्ती महोत्सव समिति' द्वारा प्रतिवर्ष जैन सुदी त्रयोदशी को पूरे दिन सम्बन्धित कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इसके अतिरिक्त धार्मिक, सांस्कृतिक, खेल-कूद, महिला—सम्मेलन, कवि सम्मेलन, जैन मेला व गोष्ठियाँ एक हफ्ते पूर्व से प्रारम्भ की जाकर महावीर जयन्ती के दिन समाप्त की जाती हैं। कार्यक्रम की विस्तृत सूचना स्थानीय समाचार पत्रों व प्रत्येक जैन मन्दिर में भेज दी जाती है। त्रयोदशी के दिन निम्नलिखित कार्यक्रम होते हैं:—

(अ) प्रभात-फेरी व भूँडा अभिवादन:—प्रतिवर्ष महावीर जयन्ती के अवसर पर प्रातः ६ बजे श्री

ऋषभनाथ धर्मशाला, मामा के बाजार से सामूहिक प्रभात फेरी प्रारम्भ होकर मानवगंज, जयाजी चौक, हीनसगंज, पाटनकर बाजार, शंकरानाओली, सराफा बाजार, दानाओली होती हुई चम्पाबाग मैदान, नई सड़क पर मुख्य अतिथि द्वारा करीब ८॥ बजे भूँडा अभिवादन व व्याख्यान के बाद निराजित होती है।

(ब) कलशाभिषेक:—भूँडा अभिवादन के पश्चात् श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर चम्पाबाग में श्रीजी के कलशाभिषेक किये जाते हैं।

(स) भाषण, कविता पाठ व गोष्ठी:—इसी दिन दोपहर २ बजे से ४ बजे तक चम्पाबाग मैदान, नई सड़क पर एक सभा महावीर जयन्ती समिति द्वारा की जाती है जिसमें स्थानी व विद्वानों के व्याख्यान आदि होते हैं।

(द) आम सभा:—प्राति ७ बजे गोरखी—प्रांगण जयाजी चौक में एक आम सभा महावीर जयन्ती के दिन जयन्ती समिति द्वारा आयोजित की जाती है जिसमें अध्यक्ष व मुख्य विद्वानों को बाहर से आमन्त्रित किया जाता है। स्थानीय एवं बाहर से पचारे हुए विद्वानों के, एकत्रित विचार जन समुदाय में भाषण होते हैं।

(३) कलशाभिषेक:—ज्येष्ठ सुदी चतुर्दशी के दिन १००८ श्री ज्ञानिनाथ भगवान के कलशाभिषेक श्री दि० जैन बीसपन्थी नरियाँ जी रामकुई पर सामूहिक रूप में किये जाते हैं।

(४) जिनबाणी पूजन:—ज्येष्ठ सुदी पंचमी (शुक्ल-पंचमी) के दिन श्री दि० जैन नया मन्दिर दानाओली में समस्त शास्त्र ग्रन्थ निकाले जाकर जिनबाणी पूजन होती है। यह पूजन अन्य वही जैन मन्दिरों में भी की जाती है।

(५) श्री नन्दीश्वर-विधान व श्री सिद्धचक्र-विधान पूजन:—असाढ़ सुदी अष्टमी से पूर्णमासी तक प्रत्येक दिगम्बर जैन मन्दिर में प्रतिदिन की पूजा के अतिरिक्त श्री नन्दीश्वर विधान व श्री सिद्धचक्र विधान पूजन होता है। किसी-किसी मन्दिर में मंडल जो मांडकर विशेष महोत्सव भी मनाया जाता है।

(६) श्री पार्श्वनाथ निर्वाण महोत्सव:—श्रावण सप्तमी (मोहर साते) के दिन श्री दि० जैन बीसपन्थी चम्पाबाग मन्दिर, दानाओली में श्री पार्श्वनाथ निर्वाण महोत्सव मनाया जाता है। इस दिन बालिकायें उपवास रखती हैं।

(७) श्री सप्त ऋषि पूजन:—श्रावण सुदी पूर्णमासी रक्षा बंधन के दिन अनेक मन्दिरों में श्री सप्त ऋषि पूजन होती है तथा मुनि श्री विष्णुकुमार की कथायें पढ़ी जाती हैं। सोमह-कारण-व्रत का प्रारम्भ भी इसी दिन से होता है।

(८) जैन श्वेताम्बर पर्युषण पर्व:—भादों बही बारस से भादों सुदी चौथ तक श्वेताम्बर जैन समाज में पर्युषण पर्व मनाया जाता है। पंचमी को जमा-याचना व भादों सुदी छठ की स्वामी बालसुख (स्वामी-विच्छल) दादावाड़ी, कटी वाटी जीबानीमंज पर आयोजित किया जाता है।

(९) सम्बन्धी:—तेरापन्थी-साधुमार्गी-श्वेताम्बर जैन-समाज में प्रतिवर्ष भादों सुदी पंचमी के दिन संवत्-श्री के अवसर पर उपवास, धार्मिक प्रवचन, शास्त्र स्वाध्याय आदि किये जाते हैं।

(१०) लब्धि—जिज्ञास व्रत—भाद्रपद सुदी एकम के दिन लब्धि-विधान व्रत किया जाता है।

(११) चौबीसी—व्रत:—भाद्र सुदी तीज के दिन चौबीसी व्रत किया जाता है।

(१२) दिगम्बर जैन पर्युषण (वस-लक्षण) पर्व:—भाद्र सुदी पंचमी से चतुर्दशी तक प्रत्येक जैन मन्दिर में पूजन-पाठ शास्त्र स्वाध्याय के साथ सानन्द पर्युषण पर्व मनाया जाता है। इन इस दिनों में वस वर्म, याने उत्तमक्षमा, मार्दव, आर्दव, सत्य, शीघ्र, संयम, सप, स्वाय, आर्किवन और ब्रह्मचर्य विषय पर सुबह पूजा पाठ करके संबंधित वर्म पर चर्चा की जाती है। अनेक मन्दिरों में विमान रूप में रात्रि को शास्त्र सभा आयोजित की जाती है, जिसमें शास्त्र स्वाध्याय, धार्मिक चर्चा, कीर्तन, भजन 'के अतिरिक्त बाहर से आमन्त्रित किये गये विद्वानों के भाषण होते हैं।

(१३) पुष्पांजलि व्रत समाप्ति कलशाभिषेक:—भाद्र सुदी नवमी के दिन श्री दि० जैन चम्पाबाग बीसपन्थी मन्दिर दानाओली में रात्रि को पुष्पांजलि व्रत समाप्ति के कलशाभिषेक होते हैं। बैड-बाजे के साथ काफी मस्का मे स्त्री-पुरुष कलश भरने जाते हैं।

(१४) सुगन्ध-व्रतमी (धूप व्रतमी):—प्रत्येक दि० जैन मन्दिर में वस लक्षण विधान का मण्डल भादों सुदी दसमी के दिन माड़ा जाता है। इसी दिन समस्त दि० जैन व्यक्ति नगर में स्थित सभी दि० जैन मंदिरों पर धूप देने जाते हैं। इस अवसर पर प्रत्येक मन्दिर की चहल-पहल, सजावट नयनाभिराम होती है। प्रायः महिलायें इस दिन सुगन्ध-दसमी का व्रत रखती हैं।

(१५) अनन्त-चतुर्दशी:—प्रत्येक दि० जैन मन्दिर में भाद्र सुदी चतुर्दशी के दिन पूजन विधान समाप्त कर सायंकाल ५-३० बजे से ८-३० बजे तक कम से कम-लाभिषेक होते हैं। इसी दिन सभी स्त्री, पुरुष व बच्चे उपवास रखते हैं।

(१६) रत्नप्रब मंडल:—भाद्र सुदी पूर्णमासी के दिन श्री दि० जैन नया मन्दिर दानाओली, बड़ा मन्दिर, डीकवाना ओली आदि में रत्नप्रब-मंडल माड़ा जाता

है। दोपहर १ बजे से ५ बजे तक सामूहिक पूजन की जाकर कलशाभिषेक किये जाते हैं।

(१७) सोलह कारण व्रत समाप्ति-कलशाभिषेक व क्षमावाणी वर्षः—आश्विन वदी एकम् के दिन प्रत्येक दि० जैन मन्दिर में सायंकाल ५-३० बजे से ८-३० बजे तक सोलह कारण व्रत समाप्ति कलशाभिषेक किये जाते हैं। तद्युपरान्त श्री दि० जैन मन्दिर, डीडवाना भोली व श्री दि० जैन चम्पाबाग मन्दिर, दानाभोली से सामूहिक रूप में जैन बन्धु गृह के जैन व्यक्तियों से क्षमा-याचना करने निकलते हैं। अनेक सम्प्राणें समावाणी एवं को अगले दिनों में भी मनाती रहती है।

(१८) उरवाई गेट (किले का) वार्षिक मेला:—यह मेला ग्वालियर किले के उरवाई गेट के नीचे कुबार वदी दोंग के दिन भरता है। ग्वालियर पंचायत की ओर से भजन-पूजन किये जाकर कलशाभिषेक सायंकाल ५ बजे किये जाते हैं।

(१९) एक पत्थर की बावड़ी का वार्षिक मेला:—कुबार वदी चौथ के दिन श्री दि० जैन जैमवाल मन्दिर, दानाभोली से भजन, पूजन के साथ श्रीजी, एक पत्थर की बावड़ी पर ले जाये जाते हैं। यहाँ ६००

वर्ष पूर्व की अनेक विशाल मूर्तियाँ हैं। यहाँ भाये हुए जैन बन्धुओं द्वारा सामूहिक भजन-पूजन के बाद कलशाभिषेक किये जाते हैं।

(२०) ग्वालियर मेला—कुबार वदी छठमी के दिन घाम मण्डी, ग्वालियर स्थित श्री गोकुलचन्द जी के मन्दिर में मड़ल जी माड़ा जाकर, अति उत्साह के साथ भजन-पूजन होता है और सायंकाल विशाल जन-समूदाय के बीच श्रीजी के कलशाभिषेक किये जाकर ग्वालियर का मेला सम्पन्न होता है।

(२१) श्री च्छोलाल जी की बगोली का मेला:—आश्विन वदी दशमी के दिन जिरमानगर स्टेशन के पीछे स्थित श्री चुलीलाल जी की बगोली में यह वार्षिक मेला आयोजित किया जाता है। सायंकाल कलशाभिषेक किये जाकर यहाँ सामूहिक गोट का जाती है। इस मेले का प्रबन्ध श्री दि० जैन बीचपन्थी मन्दिर, चम्पाबाग की वायंकारिणी कमेट्री करती है।

(२२) ग्वालियर किले का जैन वार्षिक मेला:—आश्विन वदी अमावस के दिन श्री वासपूज्य मन्दिर ग्वालियर से जनेब प्रारम्भ की जाकर श्रीजी को ग्वालियर किले पर चित्र में दिखाई गई विशाल जैन प्राचीन मूर्तियों के सामने त्रिराजमान किया जाता है। यहाँ उपस्थित जैन बन्धु सामूहिक भजन, नृत्य करते हैं और बाढ़ में कलशाभिषेक किये जाते हैं। इस मेले के अवसर पर बड़ी संख्या में धर्जन व्यक्ति भी किले पर पहुँचते हैं। अनेक जैन नवयुवक मठ-व्यवस्था सम्बन्धी कार्य में प्रशस्तनीय सहयोग देते हैं।

(२३) नमिया जी का मेला—रामकुई, लखर स्थित नमिया जी में प्रतिवर्ष आश्विन सुदी दशमी के दिन वार्षिक मेला आयोजित किया जाकर



[ग्वालियर किले की विशाल प्राचीन जैन मूर्तियाँ]

भजन नृत्य के साथ श्रीजी के कलशामिषेक किये जाते हैं।

(२४) शरद महोत्सव:—आश्विन सुदी पूर्णमासी के दिन श्री दि० जैन बीसपन्थी चम्पाबाग मन्दिर में रात्रि को कलशामिषेक किये जाकर शरद महोत्सव मनाया जाता है।

(२५) श्री महावीर स्वामी निर्वाण महोत्सव:—कार्तिक कृषी अमावस के दिन प्रत्येक दि० जैन मन्दिर में भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण महोत्सव सामूहिक लड्डू चढा कर मनाया जाता है। कुछ विशेष मंदिरों का लड्डू चढाने का समय इस प्रकार है:—

१. चम्पाबाग बीसपन्थी, मन्दिर—प्रातः साढ़े पांच बजे।
२. तेरापन्थी मन्दिर, माधवगढ़—प्रातः सवा आठ बजे।
३. तेरापन्थी मन्दिर, दीलतगढ़—प्रातः साढ़े आठ बजे।
४. बड़ा मन्दिर, डीडवाना ओली—प्रातः नौ बजे।
५. नया मन्दिर, दानाओली—प्रातः साढ़े नौ बजे।

(२६) श्री दि० जैन रथ यात्रा मुरार:—कार्तिक सुदी छठमी के दिन श्री दि० जैन मन्दिर, मुरार से रथ यात्रा निकाली जाती है। यह मुरार के विभिन्न बाजारों से होती हुई चिक सन्तर मुरार स्थित घर्मनाला में कलशामिषेक किये जाकर सम्पन्न होती है। यहाँ श्रीजी तीन दिन तक विराजमान रहते हैं। इस अवधि में भजन, पूजन, शास्त्र-वाचन, नृत्य आदि होते हैं।

(२७) जंसवाल पंचायती रथयात्रा लखर:—कार्तिक सुदी सप्तमी के दिन श्री दि० जैन जीसवाल पंचायती मन्दिर दानाओली से रथयात्रा निकाली जाती है, जो लखर के प्रमुख बाजारों से होती हुई बापिस मन्दिर जी में आती है यहाँ कलशामिषेक होते हैं।

(२८) सामूहिक दिगम्बर जैन रथयात्रा:—नगर के समाज सेवा व्यक्तियों ने समाज में एकता की भावना जागृत करने के उद्देश्य से, वर्षों से निकाली जा रही तीन पृथक-पृथक रथ यात्राओं को एक बृहत रथयात्रा में परिवर्तित करके २६ जनवरी १९६६ को विशाल रथयात्रा निकाली, जिसमें तीन दिन तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर धर्म प्रभावना की गई। इसके पूर्व आश्विन सुदी त्रयोदशी को श्री दि० जैन नया मन्दिर, दानाओली, कार्तिक सुदी दौज को श्री दि० जैन बीसपन्थी चम्पाबाग दानाओली, मगसर माह में श्री दि० जैन बड़ा मन्दिर डीडवाना ओली द्वारा अलग अलग रथयात्रा निकाली जाती थी। सामूहिक रथयात्रा प्रतिवर्ष आयोजित करने के लिये एक 'श्री दिगम्बर जैन बृहत रथयात्रा महोत्सव समिति' गठित की गई है जिसके अध्यक्ष श्री मानिकचन्द्र गंगवान, सम्प्रो श्री मिथीलाल जी पाटनी व कोषाध्यक्ष श्री मोतीलाल जी पान्ड्या हैं।

(२९) श्री शुक्लचर्म गोपालदास जी बरैया जयन्ती महोत्सव:—स्याङ्गव बारिच, बाधिनग केसरी, ग्याव वाचस्पति गुरुवर्य प० गोपालदास जी बरैया के नाम से सभी परिचित हैं। आप अनेक विद्वानों के जन्मदाता व सामाजिक क्रांति के सूत्रधार थे। आपने समाज को पुरानी रूढ़ियों से मुक्त करने के अनेक प्रयास किये। जैन शिक्षा के प्रसार व प्रचार में आपका योग बुलाया नहीं जा सकता। अगर नगर में जैन कृष्ण १२ वि.स. १९२३ में आपका जन्म हुआ था। ऐसी महान् आत्मा के प्रति अपनी हार्दिक श्रद्धाजलि व्यक्त करने हेतु जैन समाज प्रतिवर्ष जैन शुक्ला एकम् (गुड़ी पड़वा) के दिन महावीर घर्मनाला, नई सड़क लखर में व्याख्यान, भजन आदि का आयोजन करती है। जैन सिद्धान्तदर्पण जैन धर्म प्रवेशिका, जैन यूगोल, सुशीला (उपन्यास) आपकी प्रमुख रचनाएँ हैं।

—मिथीलाल पाटनी

नगर स्थित जैन धर्मशालायें

नगर के जैन, अर्जन व्यक्तियों के सामाजिक धार्मिक कार्यों की सम्पन्न करने हेतु बृहत्तर-ग्वालियर में १२ दिगम्बर व १ श्वेताम्बर जैन धर्मशालायें स्थित हैं। इनमें से लखर में १०, ग्वालियर में २, व मुरार में १ धर्मशाला है।

१. श्री दि० जैन तेरापन्थी, पुरानी सहेली, धर्म-शाला, नई सड़क, लखर।

२. श्री दि० जैन बीसपन्थी चम्पाबाग धर्मशाला, नई सड़क, लखर।

३. श्री महावीर धर्मशाला, नई सड़क, लखर।

४. श्री पार्श्वनाथ धर्मशाला, पुरानी सहेली डीडवाना ओली, लखर।

५. श्री जैसवाल पंचायती धर्मशाला, नक्कासा १, बानाओली, लखर।

६. श्री दि० जैन तेरापन्थी नई सहेली, धर्मशाला, बानाओली, लखर।

७. श्री दि० जैन बरैया पंचायती धर्मशाला, बानाओली, लखर।

८. श्री दि० जैन पार्श्वनाथ धर्मशाला, चितेरा-ओली, लखर।

९. श्री जूथभनाथ धर्मशाला, मामा का बाजार, लखर।

१०. श्री जैन श्वेताम्बर धर्मशाला, सराफा बाजार, लखर।

११. श्री मोकुलचन्द जी धर्मशाला, लोहू मण्डी, ग्वालियर।

१२. श्री दि० जैन वासपूज्य धर्मशाला, पसारी-ओली, ग्वालियर।

१३. श्री दि० जैन पंचायती धर्मशाला, चिक सन्तर, मुरार।

उक्त धर्मशालाओं का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है:—

१. श्री दिगम्बर जैन तेरापन्थी, पुरानी सहेली धर्मशाला, नई सड़क, लखर:—नई सड़क फिलिमस्तान टॉकीज के सामने १२५ वर्ष पूर्व श्री रोड़मल जी फतेहलाल जी ने उर्क धर्मशाला का निर्माण कराया। इस धर्मशाला के विस्तृत आगन में फूल, पीपों और हरि-याली से परिपूर्ण आकर्षक सजा हुआ बगीचा लगा है। यहाँ ४ कमरे, ६ बरामदे, २ हाल तथा ५ अलमारिया हैं। विद्युत, नल, कुआ, रसोईघर, स्नान घर आदि की समुचित व्यवस्था होने से अधिकांश वैवाहिक, धार्मिक व सामाजिक कार्यों में इसका उपयोग किया जाता है। धर्मशाला की प्रबन्ध व्यवस्था, पुरानी सहेली, डीडवाना ओली स्थित दि० जैन बड़ा मन्दिर पंचायत द्वारा की जाती है।

२. श्री बीसपन्थी चम्पाबाग धर्मशाला, नई सड़क:—श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, चम्पाबाग के अन्तर्गत नई सड़क पर, विशाल मैदान के ऊपर में यह धर्मशाला स्थित है। वर्तमान में इस धर्मशाला का उपयोग धार्मिक, सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने हेतु किया जाता है। विस्तृत मैदान होने के कारण यहाँ नाटक, जोयन व बड़े पैमाने पर किये जाने वाले समा-रोह सुविधापूर्वक सम्पन्न हो जाते हैं। इसके सामने ही

एक धर्मशाला और है जिसके एक भाग में अजंला केम्टी व कुछ भाग में जैन छात्रावास स्थित है। इस छात्रावास के कमरे भी चांदमलजी फूलचन्द जी द्वारा बनवाये गये थे। शेष भाग में कमी-कमी जीवन व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। उक्त दोनों धर्मशालाओं की व्यवस्था चम्पाबाग-मंदिर कमेटी द्वारा की जाती है। इस धर्मशाला में यात्रियों को ठहरने की दृष्टि से स्थान नहीं है।

३. श्री महावीर धर्मशाला, नई लड़क, लखर:—नगर के मध्य, पूर्ण सुसज्जित विशाल महावीर धर्मशाला का निर्माण कार्य सन् १९३३ में श्री गणेशीलाल जी फूलचन्द जी द्वारा सम्पन्न किया गया। इसमें ५५ कमरे, २ हाल, १ चौक, भोजनालय, शौचालय, स्नान घर, कुआ, हेन्डपम्प आदि हैं। इस धर्मशाला में यथा स्थान, नल व विद्युत की व्यवस्था है। यात्रियों की सुविधा की दृष्टि से स्पाई मैनेजर व नौकर उपलब्ध हैं। उचित व्यवस्था व अधिक सुसज्जित पृथक कमरे होने से यहा एक ही समय में दो-दो बारातो का ठहरना सम्भव हो जाता है। धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक सभी प्रकार के अवसरों पर इसका यथा सम्भव प्रयोग जैन व अजैन समाज द्वारा किया जाता है। इसकी व्यवस्था श्री बुधमल जी गंगवाल करते हैं। सन् १९६४ में उक्त कर्म द्वारा एक ट्रस्ट का निर्माण किया गया है जिसका मुख्य उद्देश्य महावीर धर्मशाला की व्यवस्था करना है।

४. श्री पार्ष्णनाथ धर्मशाला, बड़ा मन्दिर, भीक-मचव जैन मार्ग, (खोडवाना ओली), लखर:—बड़ा मन्दिर डीडवाना ओली के समीप स्थित पार्ष्णनाथ धर्मशाला का निर्माण ५ वर्ष पूर्व श्री कस्तूरचन्द जी सोनी के आर्थिक सहयोग एवं प्रयत्नों से हुआ। इसमें १ हाल ५ कमरे, व कई ललमारियां हैं। यात्रियों, त्वाणी गर्जों के ठहरने व छोटे धार्मिक व सामाजिक कार्यों के लिये यह धर्मशाला सुविधाजनक है। इसकी व्यवस्था श्री कस्तूरचन्द सोनी व बड़ा मन्दिर पचायत द्वारा की जाती है। धर्मशाला के एक भाग में श्री बडमान दिग-

म्बर जैन नवमुक्त सब द्वारा संचालित श्री बडमान पुस्तकालय एवं वाचनालय स्थित है।

५. श्री दि० जैन जैसवाल पचायती धर्मशाला, नक्कासा १, दानाओली:—जैसवाल जैन पचायती मंदिर दानाओली के अंतर्गत इस धर्मशाला का निर्माण कार्य सन् १९६६ में प्रारम्भ हुआ। इस कार्य हेतु एक छोटी सी जगह खरीदी गई किन्तु कुछ समय बाद ही दाना-ओली नक्कासा न. १ में विशाल स्थान पर उक्त धर्मशाला का निर्माण कार्य किया गया। वर्तमान में इसकी एक मज्जिम बनकर पूर्ण हो चुकी है जिसमें ३ हाल व ८ कमरे हैं। उक्त धर्मशाला का उपयोग धार्मिक, सामाजिक कार्यों हेतु किया जाता है। व्यवस्था कार्य जैसवाल पचायत द्वारा होता है। इसमें वर्तन, बिछावत आदि की भी व्यवस्था है। जैसवाल पचायत के वर्तमान अध्यक्ष श्री मोहनलाल जी, मन्त्री श्री मुन्नीलाल जी, व कोषाध्यक्ष श्री गण्पलाल जी भी बाले हैं।

६. श्री दि० जैन तेरावंची, नई सहेली, नया मंदिर धर्मशाला, दानाओली, लखर—सन् १९१८ में श्री सदासुख जी महाचन्द जी गंगवाल ने तेरापन्धी-नया मन्दिर-क्षेत्र में इस धर्मशाला का निर्माण करवाया। इसमें ७ कमरे व २ हाल हैं। वर्तमान में इसका अगला भाग श्री बडमान माध्यमिक विद्यालय व शेष भाग धार्मिक, सामाजिक कार्यों और त्वाणी गर्जों के निवास हेतु उपयोग में लाया जाता है। इन धर्मशाला में यात्रियों को ठहरने की व्यवस्था नहीं है। धर्मशाला की व्यवस्था नया मन्दिर कमेटी द्वारा की जाती है।

७. श्री दि० जैन बरैया पचायती धर्मशाला, दानाओली, लखर:—उक्त धर्मशाला जैन भवन' दानाओली के नाम से विख्यात है। इसकी स्थापना बरैया पचायत द्वारा सन् १९६६ में की गई थी वर्तमान में इसका निर्माण कार्य अधूरा है जिसे शीघ्र ही सम्पूर्ण किया जा रहा है। धर्मशाला की व्यवस्था बरैया पचायत कमेटी द्वारा की जाती है जिसके अध्यक्ष श्री मोहनलाल जी, मन्त्री श्री० रामचरणलाल जी और कोषाध्यक्ष श्री नेमीचन्द जी हैं।

(ब) श्री दि० जैन पार्श्वनाथ धर्मशाला, चित्तौरा ओली, भाववर्गजः—श्री दि० जैन तेरापन्थी मन्दिर, माधवगंज क्षेत्र में स्थित पार्श्वनाथ धर्मशाला का निर्माण, मन्दिर जी द्वारा सन् १९६६ में हुआ। इनमें १ चौक, १ हॉल, ४ कमरों, नल, बिजली, के अतिरिक्त पक्के, आदि की भी सुविधाएँ हैं। यह धर्मशाला मन्दिर से लगी हुई है। इसका उपयोग धार्मिक कार्यों, सामाजिक कार्यों व अन्य समाज के कार्यों में सुविधाजनक सिद्ध होता है। यहाँ फर्श, बर्तन, टाट-पट्टियाँ, विवाह के लिये चौरों, समयसरण, व जैन पद्धति से विवाह के लिये पंडित का भी प्रबंध है। धर्मशाला की व्यवस्था श्री दि० जैन तेरापन्थी मन्दिर, माधवगंज द्वारा की जाती है। प्रबन्ध कार्य श्री मुन्शीलाल जी व कपूरचन्द जी द्वारा किया जाता है।

(६) श्री ऋषभनाथ धर्मशाला, मामा का बाजार, लखरः—मामा के बाजार में स्थित श्री ऋषभनाथ जैन धर्मशाला, समीप स्थित जैन परिवारों के धार्मिक व सांवाजिक कार्यों में बहुत अधिक सुविधाजनक सिद्ध हुई है। इसमें एक चौक व कई तिहारे हैं। प्रतिवर्ष महावीर जयन्ती के दिन समस्त दिगम्बर व श्वेताम्बर जैन समाज की ओर से आयोजित की जाने वाली भगवान महावीर की प्रभात फेरी का प्रारम्भ इसी धर्मशाला से किया जाता है। इस धर्मशाला की व्यवस्था श्री दि० जैन पंचायती बड़ा मन्दिर, मामा के बाजार की प्रबन्ध समिति द्वारा की जाती है।

(१०) श्वेताम्बर जैन धर्मशाला, सराफा बाजार, लखरः—श्वेताम्बर जैन मन्दिर, सराफा बाजार के

निकट ही यह विशाल धर्मशाला स्थित है। इसका उपयोग धार्मिक, सामाजिक कार्यों को सम्पन्न करने व श्रमियों को ठहराने हेतु किया जाता है। सम्बन्धित कार्यों के लिये बर्तन विछायात आदि भी यहाँ उपलब्ध हैं। धर्मशाला की व्यवस्था मूर्ति पूजक संघ द्वारा की जाती है।

(११) श्री गोकुलचन्द जी जैन धर्मशाला, लोहा-बग्डी, ग्वालियरः—लोहामन्डी (ग्वालियर) में स्थित गोकुलचन्द जी धर्मशाला का कार्य, गोकुलचन्द जी जैन मन्दिर प्रबन्ध समिती द्वारा संचालित है। इसका उपयोग सामाजिक व धार्मिक कार्यों के अलावा यात्रियों के निवास के लिये भी किया जाता है।

(१२) श्री दि० जैन वासपूज्य पंचायती धर्मशाला, जैन भवन, ग्वालियरः—पसारी ओली (ग्वालियर) में श्री वासपूज्य जैन मन्दिर से लगे हुए जैन भवन को धर्मशाला के रूप में निमित्त किया जा रहा है जिसका निर्माण कार्य चालू है। इनकी व्यवस्था श्री वासपूज्य जैन मन्दिर पंचायत द्वारा की जाती है।

(१३) श्री दि० जैन पंचायती धर्मशाला, बिक सन्तर, मुरारः—विशाल चौक व अनेक आधुनिक कमरों से सुसज्जित बिक सन्तर मुरार में जैन-धर्मशाला स्थित है, जिसका प्रयोग धार्मिक व सामाजिक कार्यों में होता है। स्थायी वस्तुओं के ठहरने के लिये मुरार क्षेत्र में यह उत्तम स्थान है। इसके एक हिस्से में जैन विडिल स्कूल भी चलाया जाता है। वर्तमान में इनकी व्यवस्था श्री भीलाराम प्रेमराज जी करते हैं।

निर्मयता आध्यात्मिकता की सबसे पहली आवश्यकता है।
Fearlessness is the first requisite of Spirituality.

—महात्मा गांधी

धार्मिक - पाठशालाएँ

लखनऊ नगर में ६ धार्मिक पाठशालायें विभिन्न मोहल्लों में खलाई जा रही हैं। पाठशालाओं का उद्देश्य जैन बालक बालिकाओं में धार्मिक संस्कार डालना है। धार्मिक शिक्षा बच्चों को बड़े होने पर अन्य सभी धर्मों का तुलनात्मक दृष्टि से अध्ययन करने में मदद देती है। उनके विचारों और दृष्टि-कोणों को एकांगी नहीं बल्कि, विस्तृत और उदार बनाती है।

धार्मिक संस्कार से रहित बच्चे अपने जाने वाले जीवन में नैतिकता, उदारता, सदब्यवहार आदि गुणों को अपना आधार नहीं बना सकेंगे। जब बच्चों को धर्म का ज्ञान नहीं होता है तो वे शास्त्र सभा, धार्मिक आयोजन तथा सामाजिक कार्यक्रमों से दूर भागने लगते हैं। दर्शन, पूजन, जाप से भी जी चुराने लगते हैं। धार्मिक शिक्षा अनैतिक और कुमार्गी होने से बचाती है। आज के वैज्ञानिक युग के संसार में अनेकों आकर्षण मौजूद हैं और दिनोदिन बढ़ते जा रहे हैं ऐसी स्थिति में माँ बाप की सेवा, भाई बहिनी से प्रेम-पूर्ण व्यवहार, अपने पड़ोसियों से हिलमिल कर अच्छा सम्मान-पूर्ण जीवन व्यतीत करने का पाठ सिखलाने वाली संस्थाएँ 'धार्मिक-पाठशालायें' ही हैं। कुछ लोग धार्मिक शिक्षा ग्रहण न करना और धार्मिक आधारों पर न चलने को ही प्रगतिशीलता का लक्षण मान बैठे हैं। जब हमारे नवयुवक विदेश में उच्च शिक्षा हेतु जाते हैं तब भी उन देशों के व्यक्ति उनसे जैन धर्म पर विशेष

जानकारी मांगते हैं और गिरजाघरों में उनके भाषणों का आयोजन करते हैं। हमारे देश में ही अनेक व्यक्ति समय-समय पर जैन धर्म पर प्रश्न पूछते हैं ऐसी स्थिति में धर्म का ज्ञान न होना उपहास का कारण ही बनता है। नगर की धार्मिक-शिक्षण संस्थाओं की संक्षिप्त जानकारी निम्न लिखित है :—

१. बड़ा मन्दिर जैन पाठशाला, डीडवाना मोली :—

लगभग ५० वर्ष पूर्व तत्कालीन बड़ा मन्दिर कमेटी द्वारा धार्मिक शिक्षा देने हेतु जैन पाठशाला की स्थापना की गई। सन् १९३८ से इस पाठशाला के एक मात्र अध्यापक पं. लाला भईया मुख्य अध्यापक के स्थान पर नियुक्त हैं। पाठशाला की व्यवस्था वर्तमान प्रबन्ध कमेटी श्री वि० जैन तेरापन्धी पुरानी सहेली द्वारा की जाती है। इस पाठशाला में प्रतिदिन करीब २५ बालक उपस्थित होते हैं।

२. श्री वि० जैन पाठशाला, बाना मोली :—

चम्पाबाग मन्दिर में स्थित जैन पाठशाला की स्थापना, मन्दिर पंचायत द्वारा सन् १९३८ में हुई। धार्मिक शिक्षा देकर बच्चों में धार्मिक भावनाओं की नींव डालते रहना ही इसका एक मात्र उद्देश्य है। पाठशाला की व्यवस्था मन्दिर कमेटी द्वारा की जाती है। इस पाठशाला में प्रतिदिन ३० छात्र धार्मिक शिक्षा ग्रहण करने हेतु उपस्थित होते हैं।

३. श्री वि. जैन पाठशाला, चितौरा जोशी, भावबगंज—

तेरापन्थी मन्दिर भावबगंज में स्थित जैन पाठशाला की स्थापना सन १८२८ में मन्दिर प्रबंधकों द्वारा की गई। इस पाठशाला में प्रतिदिन ३० छात्र छात्राएँ उपस्थित होती हैं। वर्तमान में इस पाठशाला के छात्रों को व्यवस्थित ढंग से प्रथम बालबोध से लेकर छहवाला रत्न काष्ठ-आवकाचार तक की धार्मिक शिक्षा प्रदान की जाती है। प्रति वर्ष बम्बई व सोलापुर बोर्ड द्वारा लिखित व मौखिक परीक्षाएँ होती हैं। सुबह और दोपहर दोनों समय पाठशाला में पंडित मोहनलाल जी द्वारा बच्चों को धार्मिक शिक्षा दी जाती है। पाठशाला की व्यवस्था मन्दिर जी के अन्तर्गत प्रथक समिति द्वारा की जाती है जिसके अध्यक्ष श्री सुगनचन्द जी पाटनी, मन्त्री श्री कुन्नीलाल जी हैं।

४. श्री वि. जैन पाठशाला, बीलतगंज—

बीलपन्थी मन्दिर बीलतगंज में स्थित जैन पाठशाला की व्यवस्था मन्दिर के प्रबंधकों द्वारा की जाती है। यहाँ प. लाला भइया द्वारा बच्चों को धार्मिक शिक्षा दी जाकर धार्मिक संस्कारों को जायत किया जाता है। इस पाठशाला में २५ बालक-बालिकाएँ धार्मिक शिक्षा

प्राप्त करने हेतु उपस्थित होते हैं, जो अत्यंत प्रशंसनीय है।

५. श्री दिगम्बर जैन बन्धु सभा, शिशु पाठशाला, नया बाजार:—

श्री वि. जैन बन्धु सभा नया बाजार द्वारा संचालित उक्त पाठशाला की स्थापना २५ दिसम्बर १९६७ को मन्दिर के निचले भाग में स्थित कमरों में हुई। लगभग ८० बालक बालिकाएँ को यहाँ योग्य अध्यापक श्री स्वर्णचन्द जैन धार्मिक शिक्षा प्रदान करते हैं। पाठशाला की व्यवस्था जैन बन्धु सभा के निर्वाचित पदाधिकारियों द्वारा की जाती है। वर्तमान अध्यक्ष श्री बुधमल जी गगवाल, मन्त्री श्री ज्ञानमनलाल जी और कोषाध्यक्ष श्री रूपचन्द जी पाटनी हैं।

६. श्री श्वे० जैन पाठशाला सराफा बाजार, लखर—

यह पाठशाला जैन श्वेता० पाश्चन्दाय मन्दिर, सराफा बाजार, लखर में स्थित है। यह जनवरी सन १९६९ में प्रारम्भ की गई है। श्वेता० समाज द्वारा चलाई जाने वाली यह एक मान पाठशाला है। यह नथमल पारल ट्रस्ट द्वारा चलाई जाती है। वर्तमान में इसके अध्यापक श्री रामस्वरूप जी त्रिपाठी हैं।

केवल सत्य रहगा, शेष सब काल के गाल में चला जायगा।

Truth alone will survive and all the rest will be swept away before (endure) the tide of time.

सभी धर्मों में समानता है। प्रकाश के साथ छाया होती ही है।

Humbug there indouhtedly is about all religions, where there is light, there is also shadow

—महात्मा गांधी

नगर की

जैन शिक्षण

संस्थाएँ

ज्वालियर में शिक्षण संस्थाओं के स्थापित करने और चलाने में समाज ने विशेष रुचि नहीं ली। लश्कर व मुरार में एक-एक मिडिल स्कूल समाज द्वारा चलाया जा रहा है जिसे अधिक प्रगति और रुचि का लक्षण नहीं माना जा सकता है। ज्वालियर लश्कर और मुरार की समाज के शिक्षा प्रेमी सज्जनों का कर्तव्य है कि वे समाज के दानप्रेमी सज्जनों को उच्च शिक्षण संस्थाओं की स्थापना की सलाह दें और उपयोगिता से परिचित करवायें। समाज के बच्चों में भारतीय संस्कार बनाये रखने के लिये कान्वेंट स्कूल की तरह शिक्षण संस्था स्थापित करना चाहिये। लश्कर में एक जैन हाई स्कूल, एक जैन कॉलेज स्थापित किये जाने की काफी गुंजाइश है। इसके अतिरिक्त एक जैन शोध संस्थान के स्थापित किए जाने की भी आवश्यकता है। बनारस विश्वविद्यालय की तरह ज्वालियर विश्वविद्यालय में जैन दर्शन के अध्ययन हेतु एक जैन सीट की स्थापना का भी प्रयत्न करना चाहिये।

नगर की जैन शिक्षण संस्थाएँ

श्री महावीर वि० जैन प्राथमिक मिडिल स्कूल,
चिक सन्तर, मुरार

चिक सन्तर, मुरार में स्थित जैन मिडिल स्कूल का संचालन जैन मन्दिर पंचायत कमेटी द्वारा किया जाता है। मासकीय मान्यता प्राप्त मिडिल स्कूल में सामान्य शिक्षा के साथ साथ धार्मिक शिक्षा भी दी जाती है। इसमें लगभग ५०० विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते हैं। स्वर्गीय १०५ खुल्लक श्री गणेश प्रसाद जी वर्मा की प्रेरणा से सन १९४८ में उनके अनुमति के अवसर पर इस स्कूल की स्थापना की गई थी जिसका विस्तृत रूप सामने है। उक्त स्कूल, जैन पंचायती जर्मनाला, चिक सन्तर, मुरार में चलाया जाता है।

श्री बट्टनाथ माध्यमिक विद्यालय,
दामा जोली, लश्कर

बालक ही समाज की भुरी है, यदि बालकों के व्यक्ति का निर्माण सही दिशा में नहीं हुआ तो हो सकता

है हमारे वर्तमान समाज का झाँचा ही चरमरा जाय। हमें प्रसन्नता है कि इसकी पीढ़ा सर्व प्रथम सशर समाज के प्रतिष्ठित सराफ सर्व श्री गुलाबचन्द रेणमचन्द शाह ने अनुभव की और अपनी गाढ़ी कमाई से ५००० रुपये दान देकर उक्त विद्यालय का श्री गणेश किया।

यह विद्यालय दि. जैन नया मन्दिर कमेटी द्वारा प्रवृत्त एक विद्यालय भवन में स्थित है। इसकी स्थापना सन १९६१ में हुई। सशर जैन समाज के सहयोग से इसकी व्यवस्था वर्तमान शिक्षा समिति द्वारा उचित ढंग से की जाती है। कक्षा आठ तक की शिक्षा यहाँ पर उपलब्ध है और लगभग २५० छात्र-छात्राएँ विभिन्न कक्षाओं में अध्ययन करते हैं।

इसके अतिरिक्त छोटे छोटे बालकों के हेतु एक नर्सरी विभाग है जिसमें माण्टेसरी पद्धति से बच्चों को पढ़ाया जाता है। प्राथमिक विभाग में ४ अध्यापिकाएँ तथा माध्यमिक विभाग में ५ अध्यापिकाएँ कार्यरत हैं। यह विद्यालय निकट नविय मे जैन हाईस्कूल मे परिणत होने जा रहा है।

इस समय विद्यालय शासन द्वारा मान्यता प्राप्त है तथा शासकीय अनुदान के रूप में ७००० रु. की वार्षिक राशि उसे प्रतिवर्ष प्राप्त होती रहती है। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, न्यू देहली, से नर्सरी

विभाग की ७५० रु. की वार्षिक राशि भी मिलती है बालकों के स्वस्थ विकास के लिए आंतरिक एवं बाह्य क्रीडाएँ, पर्यटन एवं मनोरंजन के कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने-वाले विजेता छात्र एवं छात्राओं को समय-समय पर पुरस्कृत भी किया जाता है।

बालक का सर्वांगीण विकास कैसे हो वह समाज और देश का सुयोग्य नागरिक कैसे बने। इसके लिये यह आवश्यक है कि उसके समाने प्रारंभ से ही शारीरिक, मानसिक और नैतिक आदर्शों का उच्चतम मान स्थापित किया जाय। यहाँ के कार्यकर्ताओं का यह विश्वास है कि चारित्र के बराबर की उंचा किये बिना मनुष्य की सही उन्नति और समाज में उसके समायोजन की प्रक्रिया और उसके स्वरूप नहीं निखरते। इसी लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रारंभ से यह विद्यालय सतत जागरूक रहा है और शिक्षा के क्षेत्र में विषय परिस्थितियों से सघर्ष करने के बावजूद आज वह प्रगति के पथ पर अग्रसर है। संचालन समिति के पदाधिकारी निम्न प्रकार हैं :—

सरजक श्री रेणम चन्द शाह, अध्यक्ष श्री मानिक चन्द गगवाल, उपाध्यक्ष श्री हुकमचन्द अजमेरा, मन्त्री श्री कमलचन्द काशलीवाल, कोषाध्यक्ष श्री शास्तीचन्द पाटोदी।

—कपूरचन्द खरेया

किसी भी धर्म को उसके उत्कृष्टतम पक्ष से परखना चाहिये।
A religion has to be Judged by its best specimens.
नैतिकता के बिना कोई धर्म नहीं जी सकता।
No religion can exist without morality.
वामनापूर्ण हृदय की शुद्ध करने की प्रार्थना अचूक दवा है।
Prayer is an unfailing means of clearing the heart of passions.

—महात्मा गांधी

नगर के जैन - छात्रावास

वासियर शिक्षा का प्रमुख केन्द्र है। यहाँ प्रतिवर्ष महस्त्रों की तादाद में छात्र विविध महाविद्यालयों में विद्याध्ययन करने आते हैं जिनमें आस-पास के अनेक जैन छात्र सम्मिलित होते हैं, किन्तु उनके निवास की कोई समुचित व्यवस्था नहीं थी। स्थानीय समाज के बुद्धिजीवी वर्ग ने निवास की समस्या को सुलझाने के लिए चम्पाबाग धर्मशाला में एक हिस्सा देकर उसकी तत्कालीन व्यवस्था कर दी। जैन छात्रावास की नींव पढ़ने का गृह प्रथम कदम था।

सन् १९५० में समाज के प्रबुद्ध शिक्षाविद प्रो. चासीराम जी जैन के नेतृत्व में "श्री वीर शिक्षा समिति" का गठन किया। इस समिति ने अपने कार्यकाल में अच्छी प्रगति की, अनेक मेधावी छात्रों का सहयोग पा करके उसने कई वार्षिक अधिवेशनों का आयोजन किया जिसके फलस्वरूप वह समाज के व्यक्तियों का ध्यान एक ऐसे अभाव की ओर खींच सकी जो आगे चलकर छात्रावास के उपयुक्त वातावरण को बनाने में अनुकूल सिद्ध हुई।

समय के बच से नगर में अनेक शिक्षण संस्थानों का उदय हुआ पर स्थान की सीमितता के कारण उपरोक्त छात्रावास कुछ अपूर्ण प्रतीत हुआ। इस कारण समिति ने सर्व प्रथम छात्रावास हेतु एक नवीन सुविधा सम्पन्न भवन के निर्माण कार्य का संकल्प लिया। उसके अनेक विधिवत् प्रयत्न हुये। तत्पश्चात् २३ अक्टूबर १९५६ को कटोराताल स्थान के निकट २२ हजार वर्गफुट भूमि शासन से छात्रावास निर्माण करने हेतु प्राप्त हुई। समिति की श्रद्धेय १०५ मुस्लिम श्री गणेश प्रसाद जी वर्णी तथा श्रद्धेय १०८ मुनि श्री वेशभूषण महाराज के वादीर्वाह प्राप्त हुये हैं।

वर्तमान में छात्रावास के अन्तर्गत २० कमरे, एक रसोई घर, १० स्नानागार तथा छह शौचालय हैं जिनमें लगभग ६००० रुपये व्यय हो चुके हैं। ४४ कमरे, पुस्तकालय, शास्त्र भण्डार, स्वाध्याय भवन, एक बड़ा हाल, वाडेंन क्वार्टर, कामन रूम और छोड़ा स्थान का निर्माण कार्य होना शेष है जो दानारों के सहयोग की अपेक्षा करता है।

इस समय संस्था के आधीन दो छात्रावास चल रहे हैं। पहला छात्रावास नई सड़क चम्पाबाग धर्मशाला में स्थित है जिसमें २६ विद्यार्थियों के रहने का प्रबन्ध है। दूसरा नया छात्रावास है जो कटोराताल राजपायगा रोड लश्कर पर स्थित है, जिसमें ४० विद्यार्थी रह रहे हैं। सन् १९६७ में प्रो. चासीरामजी के दान से छात्रावास में भोजनालय के भवन का निर्माण करवाया गया है जिसका संचालन छात्र परम्पर सहयोग के आधार पर करते हैं। छात्रावास के लड़कों में वार्षिक प्रवृत्ति डालने हेतु वार्षिक शिक्षा की व्यवस्था की जाना अत्यन्त आवश्यक है।

छात्रावास का अतीत वास्तव में बड़ा उज्ज्वल रहा है। वहाँ से निकले छात्र शासन के उच्च स्थानों पर पदासीन हैं, कई स्वतन्त्र व्यवसायी हैं और कई वार्षिक और सामाजिक सेवा में रत हैं। भविष्य में समाज को इससे अनेक आभार हैं। वीर शिक्षा समिति के पदाधिकारी निम्नलिखित हैं:—अध्यक्ष—श्री श्यामलाल पाडवीय, मन्त्री—श्री निर्मल कुमारजी एडवोकेट, कोषाध्यक्ष—श्री मुन्शीलालजी, अधीक्षक—प्रो. एन. एल. जैन व प्रचार मन्त्री श्री रूपचन्द जी पाटनी।

—कपूरचन्द खरेबा

जैन औषधालय

आवण सुबला त्रियोदशी सम्बत् १९८६ को इस औषधालय की स्थापना नया मन्दिर धर्मशाला में हुई। स्व. श्री छगन लाल जी पांड्या स्व. श्री गुलाब चन्द जी गोधा, श्री मिथीलाल जी पाटनी आदि की प्रेरणा व इनके मासिक दान की स्वीकृति से औषधालय का प्रारम्भ हुआ। वर्तमान में यह औषधालय दानाओली चम्पाबाग के मन्दिर द्वारा ३ रु. माहवार पर दी गई उत्तम जगह पर स्थित है। इहत्तर ग्वालियर की जैन समाज द्वारा चलाये गये इस एक मात्र औषधालय में आयुर्वेदिक पद्धति से चिकित्सा की जाती है। औषधालय की आर्थिक आवश्यकतायें समाज के व्यक्तियों द्वारा दिए गये मासिक, वार्षिक चन्दे व दान की राशि से पूरी की जाती हैं। महा प्रारम्भ में दवा का वितरण मुक्त किया जाता था किन्तु कुछ वर्षों से १० पैसा प्रतिरोगी लेना चालू किया है जिससे रोगीगण दवा का दुरुपयोग न कर सकें।

३६ वर्ष की अवधि में इस औषधालय में विभिन्न अवैतनिक और वैतनिक योग्य वैज्यों ने सह लाख रोगियों को औषधि प्रदान कर रोगमुक्त करने का श्रेय जैन समाज, ग्वालियर को दिया है। इस औषधालय द्वारा सभी वर्ग के भक्तियों की जेदभाव रहित सेवा की जाती रही है। इस एक मात्र जैन औषधालय को पूर्ण विकसित करने के लिये समस्त जैन समाज का आर्थिक सहयोग निरन्तर आवश्यक है।

सन १९६० से १९६८ तक श्री मिथीलाल जी पाटनी ने मन्त्री पद पर रहकर औषधालय का योग्यता पूर्वक संचालन किया है। वर्तमान में औषधालय के अध्यक्ष सेठ बुद्धलाल जी बंगवाल व मन्त्री श्री नानिकचन्द जी बोहरा हैं।

—मिथीलाल पाटनी

नगर स्थित पुस्तकालय एवं वाचनालय

इहत्तर ग्वालियर में ५ दिगम्बर व २ श्वेताम्बर जैन पुस्तकालय एवं वाचनालय हैं जिनका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है :—

श्री बद्धमान पुस्तकालय एवं वाचनालय

डीडवाना ओली, लखर

बद्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ द्वारा संचालित उक्त पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापना पार्श्वनाथ धर्मशाला, डीडवाना, ओली लखर में २० नवम्बर सन' १९६७ को प्रो. शान्तीचन्द जी गिरवरवाल के प्रयत्नो से हुई। व्यवस्थित व विशाल रूप में पुस्तकालय को चलाने हेतु पुस्तक संग्रह अभियान चलाकर नवयुवकों ने समाज से सैकड़ों विभिन्न विषयों की पुस्तकें एकत्रित की हैं। इनके अतिरिक्त सैकड़ों नई पुस्तकें खरीदकर भी पुस्तकालय को उपयोगी बनाया गया है।

पुस्तकालय के साथ ही वाचनालय भी स्थापित किया गया है जिसमें आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक, ईतिक, पाशिक, मासिक पत्र पत्रिकाएँ मगई जाती हैं। यहाँ आर्थिक, सामाजिक जासूसी बाल-शिक्षाप्रद, साहित्यिक, अंग्रेजी आदि विभिन्न विषयों पर २००० पुस्तकें हैं। जैन अर्जुन सभी व्यक्ति इस पुस्तकालय व वाचनालय से साजान्वित होते हैं।

इसके अतिरिक्त यहाँ पुस्तक-कोष (Book-Bank) की व्यवस्था है, जिसके द्वारा छात्रों को वर्ष-काल में अध्ययन के लिये पाठ्यक्रम की पुस्तकें दी जाती हैं। पुस्तकालय एवं वाचनालय का संचालन बद्धमान दि. जैन नवयुवक संघ द्वारा निर्वाचित पुस्तकालय मन्त्री

ग्वालियर जैन निर्देशिका

श्री प्रमोदकुमार पाटनी
व कमलकिशोर गोधा
द्वारा किया जाता है।

यदि पर्याप्त धन
और पुस्तकें दान में
मिलती रहें तो यह नगर
के प्रमुख पुस्तकालयों की
श्रेणी में आ सकता है।
इस हेतु समाज का
सहयोग अपेक्षित है।



२. जैन बीर बाचनालय चम्पाबाग, दानाओली,
लखनऊ:—

श्री वीरेन्द्र कुमार जी गंगवाल द्वारा सन् १९६८
में चम्पाबाग मन्दिर के नीचे के कमरे में एक बाच-
नालय स्थापित किया गया। यहाँ दैनिक पत्र व पत्रि-
काएँ नियमित रूप से मंगवाई जाती हैं। यहाँ श्रीप्र ही
व्यवस्थित रूप से पुस्तकालय चलाये जाने की आशा है।
वर्तमान में संचालन कार्य, जैन बीर सेवा संघ, चम्पाबाग
द्वारा किया जाता है।

३. श्री जिनेन्द्र पुस्तकालय एवं बाचनालय, जैन
भवन, दानाओली, लखनऊ:—

बरेया पचायती धर्मशास्त्री जैन भवन, दानाओली
में स्थित पुस्तकालय व बाचनालय की स्थापना सन्
१९६७ में बरेया दि. जैन नवयुवक संघ द्वारा की गई।
यहाँ लगभग २०० धार्मिक व सामाजिक पुस्तकें उप-
लब्ध हैं। बाचनालय में दैनिक पत्र-पत्रिकाओं की समु-
चित व्यवस्था है। संचालन कार्य श्री दि. जैन बरेया
नवयुवक संघ की कार्य समिति द्वारा किया जाता है।

४. श्री पार्ष्वनाथ पुस्तकालय, चितौरा ओली,
माधवगंज, लखनऊ:—

श्री दि. जैन तेरापन्थी मन्दिर, माधवगंज में सन्
१९५८ में श्री पार्ष्वनाथ पुस्तकालय एवं बाचनालय

की स्थापना की गई। वर्तमान में ३५०
धार्मिक पुस्तकें व ३०० शास्त्र ग्रन्थ उपलब्ध हैं। दैनिक
पत्रों की भी समुचित व्यवस्था है। इसका प्रबन्ध कार्य
मन्दिर पंचायत द्वारा किया जाता है।

५. स्थानकवासी श्वेताम्बर जैन पुस्तकालय,
सराका बाजार, लखनऊ:—

इहतर श्वालियर बर्तमान स्थानक वासी जैन युवक
संघ द्वारा उक्त पुस्तकालय संचालित किया जाता है।
इस पुस्तकालय में ३०० पुस्तकें हैं।

६. श्री जैन पुस्तकालय, माधवगंज, लखनऊ:—
अशुभत-युवक-मण्डल द्वारा संचालित साधुमार्गी तेरापन्थी
श्वेताम्बर जैनसमाज का यह पुस्तकालय, सरावगी
सदन, माधवगंज में स्थित है। इसमें ५०० धार्मिक
पुस्तकें उपलब्ध हैं।

७. श्री बीर पुस्तकालय, जैन मन्दिर सन्तर, मुरार:-
स्वर्गीय १०५ भुल्लक श्री गणेशप्रसाद जी वर्णी की
प्रेरणा से मुरार जैन पचायत द्वारा २५ वर्ष पूर्व बीर
पुस्तकालय की स्थापना की गई। इस पुस्तकालय में
लगभग १००० धार्मिक एवं सामाजिक पुस्तकों का संग्रह
है। पुस्तकालय की व्यवस्था माध्यमिक पाठशाला,
कमेटी द्वारा की जाती है।

□ □ .

नगर में स्थित बाचनालय एवं पुस्तकालय

सांस्कृतिक-संस्थायें

१. श्री वि. जैन द्रामाक्लब, नया बाजार, लखर:-

बच्चों में ललितकला में रुचि जाग्रत करने के उद्देश्य से नया बाजार जैन मन्दिर में श्री रूपचन्द जी पाटनी व श्री भ्रमनलाल जी के विशेष प्रयत्नों द्वारा इस द्रामा क्लब को स्थापित किया गया। वार्षिक उत्सवों के अवसर पर छोटे बालक व बालिकायें इस क्लब के अन्तर्गत नाटक, भजन आदि प्रस्तुत करते हैं। इसकी व्यवस्था जैन-बन्धु-सभा द्वारा की जाती है।

२. महावीर नाट्य कला मन्दिर, लोहा-मण्डी, ग्वालियर

सन १९६३ में श्री वि. जैन महावीर सेवा-दल द्वारा इस नाट्य कला मन्दिर की स्थापना की गई। लोहा-मण्डी, ग्वालियर में श्री गोकुलचन्द जी के मन्दिर में स्थित नाटक समिति के संस्थापक श्री निर्मल कुमारजी हैं। इसका प्रबन्ध संचालन श्री ज्ञानचन्द जी व श्री जूबचन्द जी बहारी द्वारा किया जाता है।

३. संगीत कला विद्यालय, नया बाजार, लखर:-

श्री वि. जैन मन्दिर नयाबाजार, लखर में स्थित संगीत शिक्षण संस्था के संचालक श्री भ्रमनलाल जी व श्री रूपचन्द जी पाटनी हैं। यहां प्रत्येक अष्टमी व चतुर्दशी के दिन नियमित रूप से बच्चों को संगीत की शिक्षा दी जाती है। संगीत कला विद्यालय का संचालन जैन बन्धु सभा, नया बाजार द्वारा किया जाता है।

४. संगीत कला मण्डल, ग्वालियर:-

धर्मवीर श्री बल्लाल जी ने सन १९६४ में इस मंडल की स्थापना वासपूज्य पद्मायती मन्दिर में की। इसका प्रमुख उद्देश्य वार्षिक कार्यक्रम के अन्तर्गत होने वाले गायन भजन नृत्य आदि में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाना है। इसकी व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री हरीशचन्द जी, मन्त्री श्री प्रभुदयाल जी व कोषाध्यक्ष श्री अजित कुमारजी हैं।

प्राचीन-वस्तु-संग्रहालय

प्राचीन जैन साहित्य व हस्तकला वस्तु संग्रहालय:-

प्राचीन जैन साहित्य, चित्र व सिक्कों के संग्रह का श्रेय श्री मिश्रीलाल जी पाटनी को है जिसकी प्रेरणा उन्हें जैन मिशन, अलीगंज, एटा द्वारा प्रदर्शनी लगाने के आग्रह से प्राप्त हुई है। समय-समय पर पाटनी जी ने दिल्ली अलीगंज, आगरा, भोपाल, कानपुर, जयनगर, जोधपुरी (जासाव) आरौन, सोनानिर, उज्जैन आदि

विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनी आयोजित कर प्राचीन वस्तुओं से लोगों को अवगत कराया है। इससे प्रभावित होकर अनेक व्यक्तियों और संस्थाओं ने आपकी मान-पत्र भी भेंट किये हैं। यह संग्रहालय पाटनी निवास, जीबबाना ओली, लखर में पाटनी जी के निवास स्थान पर ही स्थित है।

जैन धार्मिक व सामाजिक ट्रस्ट

नगर में धार्मिक व सामाजिक कार्यों को सम्पन्न करने की दृष्टि से अनेक ट्रस्ट स्थापित हैं जिनका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है:—

१. श्री गणेशीलाल फूलचन्द जी गंगवाल ट्रस्ट, लखनऊ:

स्वर्गीय सेठ गणेशीलाल जी फूलचन्द जी द्वारा श्री महावीर धर्मशाला, नई सड़क की व्यवस्था की जाती है। सन १९६४ में पृथक से व्यवस्था रखने हेतु उक्त ट्रस्ट की स्थापना की गई। इसका एक मात्र उद्देश्य धर्मशाला से सम्बन्धित कार्यों में आर्थिक मदद करना है। वर्तमान में इसके ट्रस्टी श्री कुचमल जी गंगवाल हैं।

२. स्व० श्री कस्तूरचन्द जी गंगवाल धर्मार्थ ट्रस्ट, लखनऊ:

सन १९६७ में स्वर्गीय श्री कस्तूरचन्द जी गंगवाल ने पचास हजार रुपये की राशि से इस ट्रस्ट की स्थापना की। इसका मुख्य उद्देश्य धार्मिक व सामाजिक कार्यों में आर्थिक सहयोग देना है जिसकी व्यवस्था व्याज की रकम द्वारा की जाती है। श्री मानिकचन्द जी पाण्ड्या श्री मानिकचन्द जी गंगवाल, श्री बिरोजीलाल जी गोधा, श्री कन्हैयालाल जी पाटनी व श्री बिरोजीलाल जी भरतपुर वाले इस ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं और उन्हें ही ट्रस्ट की राशि को संबंधित कार्यों पर व्यय करने का अधिकार है।

३. श्री कस्तूरचन्द जी सीनी धार्मिक एवं सामाजिक ट्रस्ट, लखनऊ

सन १९६७ में श्री कस्तूरचन्द जी सीनी ने बीस हजार रुपये की राशि को बैंक में जमा कर एक ट्रस्ट स्थापित किया। व्याज की राशि को धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में व्यय करने का अधिकार निम्न पांच व्यक्तियों को है:— १. श्री केशरीमल जी गंगवाल २. श्री हुकमचन्द जी अजमेरा ३. श्री रत्नचन्द जी साहू ४. श्री निरजम लाल जी गंगवाल ५. श्री नेमीचन्द जी शकनीवाल। इस ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य गरीबों की सहायता करना, मन्दिरों के जीर्णोद्धार में सहायता देना व अन्य सामाजिक व धार्मिक कार्यों में आर्थिक मदद करना है।

४. स्व० श्री केशरीमल जी पहाड़िया ट्रस्ट, बीलतबंवा, लखनऊ

स्वर्गीय श्री केशरीमल जी पहाड़िया ने उक्त ट्रस्ट को सन १९६६ में स्थापित किया। पहाड़िया जी बड़े धर्मात्मा व भजन प्रेमी थे। इसी कारण ट्रस्ट का उद्देश्य गायन स्कूल खोलना, भजनों की पुस्तकें प्रकाशित करना व धार्मिक सामाजिक कार्यों में सहयोग देना है। इसके ट्रस्टी श्री मानिकचन्द जी पाण्ड्या, श्री मानिकचन्द जी शादनी, श्री मानिकचन्द जी भोंव श्री मानिकचन्द जी गंगवाल, श्री कमलचन्द जी गंगवाल, व श्री हुकमचन्द जी अजमेरा हैं।

५. श्री नि. जैन वासपूज वंशावली मन्दिर ट्रस्ट, ग्वालियर

सन १९६८ में श्री दिगम्बर जैन वासपूज वंशावली मन्दिर की व्यवस्था हेतु इस ट्रस्ट की स्थापना ग्वालियर उपनगर में की गई। मन्दिर सम्बन्धित आर्थिक व्यवस्था इस ट्रस्ट द्वारा की जाती है। इसके अध्यक्ष श्री ऋषभदास जी, मन्त्री-श्री हरीशचन्द जी व कोषाध्यक्ष श्री अजित कुमार जी हैं।

श्वेताम्बर जैन ट्रस्ट

६. श्री नयमल जी धारण ट्रस्ट, लखनऊ:—

धार्मिक शिक्षण संस्था चलाने हेतु इस ट्रस्ट की स्थापना सेठ नयमल जी धारण द्वारा की गई। पच्चीस हजार रुपये की राशि का व्याज व ट्रस्ट की आवश्यक के किराये से धार्मिक शिक्षा हेतु आयोजित की गई पाठशाला की आर्थिक व्यवस्था इसी ट्रस्ट द्वारा की जाती है। श्री बीसलालजी धारण, श्री तेजमलजी हर्षावत् श्री हीराचन्द जी कोठारी, श्री सुन्दराम जी धारीवाल व बाँदमल जी मिश्री इस ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं।

७. श्री राजमल जी कावड़िया ट्रस्ट, सराफा बाजार:—

दललक्षण पर्व में आयोजित किये जाने वाले स्वामी वास्तव्य उत्सव की आर्थिक व्यवस्था साध करना इस ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य है। सम्बन्धित व्यय टोपी बाजार में स्थित मकान सम्पत्ति के किराये से पूर्ण किया जाता है। इस ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री तेजमल जी हर्षावत् व श्री कुलचन्द जी मूणा हैं।

॥ ॥ ॥

नगर में स्थित सामाजिक व धार्मिक संघ

नवयुवक ही समाज की चेतना और भविष्य के आधार स्तम्भ होते हैं। उनकी ही चेतना, योग्यता और विचार धारा पर कल के समाज का निर्माण होता है। इस नगर के नवयुवक वर्ग ने इस समाज में बहुत कुछ सोचा है। समाज की पुरानी पीढ़ी के लोगो का भी यह कर्तव्य है कि वे समाज के सामाजिक व धार्मिक कार्यों के संचालन के भार को नवयुवकों को सौंपें और उन्हें इस कार्य में दक्ष बनावें। सामाजिक सेवा का काम काटों से भरे हुए रास्ते के समान होता है। समय, पैसा, आराम आदि का त्याग करने के अतिरिक्त ईमानदारी, सच्चाई और सेवा एक आदर्श रूप समाज को सामने रखना पड़ता है।

समाज के सामने आज अनेक समस्याएँ हैं। समाज का नवयुवक वर्ग शिक्षा की ओर अग्रसर हो रहा है। ऐसी स्थिति में नवयुवकों में धार्मिक संस्कार बनाये रखने की इनके सगठन और भी आवश्यक है। समाज में आज भी बड़ेज प्रथा, मृत्यु भोज, बे-मेल विवाह आदि की समस्याएँ व्याप्त हैं। बृहत्तर खालियर में उपयुक्त कुरीतियों को दूर करने व नवयुवकों के आध्यात्मिक, बौद्धिक, नैतिक, शारीरिक विकास करने के उद्देश्य से ६ दिगम्बर जैन और ३ श्वेताम्बर जैन संघ हैं जिनके नाम निम्नलिखित हैं:—

- (१) श्री बड़मान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ, डीडवाना ओली, लखर
- (२) श्री दिगम्बर जैन और सेवा संघ, दानाओली लखर
- (३) श्री जैसवाल दि० जैन नवयुवक मंडल, दाना ओली
- (४) श्री बरैया दि० जैन नवयुवक संघ, दानाओली

- (५) श्री दि० जैन बरैया बाल समाज स्वयम् सेवक दल, मामा का बाजार
- (६) श्री दि० जैन बन्धु समा, नया बाजार, लखर
- (७) श्री दि० जैन जैसवाल बीर सेवा दल, शिंदे की छावनी लखर
- (८) बृहत्तर खालियर बड़मान स्थानकवासी जैन श्रावक मंच, सराफा बाजार, लखर
- (९) प्रगतिशील जैन नवयुवक संघ, सराफा बाजार, लखर
- (१०) अगुवत युवक मंडल; सरावगी सदन चिटनिस की मोठ, माधव गंज, लखर
- (११) श्री दि० जैन महावीर सेवा दल, गोकुलचन्द जी का मन्दिर, खालियर
- (१२) श्री दि० जैन बीर विद्यार्थी संघ, मुरार

इनकी सक्षिप्त जानकारी निम्नप्रकार है:—

१. श्री बड़मान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ, डीडवाना ओली, लखर

२ अक्टूबर सन १९६६ को उत्साही नवयुवकों की प्रेरणा से इस मंच की स्थापना हुई। इसने नगर के जैन समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सदस्य बनाने हेतु आमन्त्रित किया गया। समाज को नई रोजनी में नये ढंग से गठित करते हुये नवयुवकों का मानसिक, आध्यात्मिक, शारीरिक व बौद्धिक विकास करना इस संघ का प्रयाण उद्देश्य है। वर्तमान में संघ द्वारा पुस्तकालय एवं वाचनालय, पुस्तक-कोष, स्पोर्ट्स क्लब आदि संचालित किये जा रहे हैं। खालियर जैन निर्देशिका का प्रकाशन इसी संस्था के सुप्रयत्नों का परिणाम है। श्री इस मंच के आहूत, समन और सभा सेवा का प्रतीक है। इस समय संस्था में ७० कर्माठ सदस्य हैं।

जिनमें से अधिकांश डॉक्टर इन्जीनियर, प्रोफेसर, वकील व उच्च शिक्षित व्यक्ति हैं। वर्ष में अनेक बार सभायें गोष्ठियाँ व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाकर इस मध्य द्वारा नवयुवकों में धार्मिक प्रवृत्ति जागृत करते हुए सामाजिक समस्याओं को हल किया जाता है। संघ का प्रधान कार्यालय पार्श्वनाथ धर्मशाला, डोडबाना ओली लखर में है। वर्तमान में संघ के अध्यक्ष श्री० लालचन्द जी, मन्त्री श्री केशरीमल जी पाटनी व कोषाध्यक्ष श्री मोतीलाल जी बज्र हैं। अन्य पदाधिकारियों का नाम व संस्थागत विवरण "प्रकाशकीय परिचय," में दिया गया है।

२. श्री बि. जैन और सेवा संघ, बाना ओली:-

सन् १९५७ में सामाजिक व धार्मिक कार्यों में सहयोग प्रदान करने हेतु इस सेवा संघ की स्थापना बाना ओली के उत्साही नवयुवकों द्वारा की गई। इसके द्वारा धार्मिक उत्सव मेलों आदि में स्वयं-सेवक के रूप में सहयोग दिया जाता रहा है। इसकी व्यवस्था संचालन समिति के अध्यक्ष श्री पारसकुमार गगवाल, मन्त्री श्री कैलाशचन्द बंद व कोषाध्यक्ष श्री बाबूलाल जी लुहाड़िया हैं।

३. श्री जैसवाल बि. जैन नवयुवक मंडल, बानाओली:-

सामाजिक और धार्मिक कार्यों में मदद करने, समाज में एकता स्थापित कर, युवकों में सामाजिक व धार्मिक रुचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से जैसवाल समाज के समाजसेवी नवयुवकों ने सन् १९६७ में एक नवयुवक मण्डल की स्थापना की। मण्डल द्वारा धार्मिक मेलों व अन्य सामाजिक कार्यों में स्वयं-सेवक, साईकिल स्टेन्ड, प्याऊ आदि की व्यवस्था की जाती है। वर्तमान में मंडल के २५ कर्मठ सदस्य हैं। मंडल की कार्यकारिणी कमेटी के अध्यक्ष श्री पदमचन्द जी, उपाध्यक्ष श्री हरिचन्द जी, मन्त्री श्री पारस दास जी व कोषाध्यक्ष श्री लालचन्द जी हैं।

४. श्री बरैया बि. जैन नवयुवक संघ, बाना ओली:-

सन् १९६७ में बरैया जैन समाज के नवयुवकों ने क्षमावाणी पर्व के शुभ अवसर पर इस संघ की स्था-

पना की जिसका मुख्य उद्देश्य समाज के सभी वर्गों की सेवा करना है। नवयुवकों के बौद्धिक विकास हेतु संघ ने पुस्तकालय, वाचनालय व खेल कूद की व्यवस्था की है। संघ का कार्यालय एव पुस्तकालय जैन भवन, बाना ओली में स्थित है। संघ की व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री सुगनचन्द जी, मन्त्री श्री भूपेन्द्र कुमार जी व कोषाध्यक्ष श्री नेमोचन्द जी हैं।

५. श्री बि. जैन बरैया बाल समाज स्वयं सेवक दल बाना का बाजार

बरैया बाल समाज के इस स्वयं सेवक दल की स्थापना सन् १९२८ में हुई। स्वयं सेवक दल में कुल ३२ स्वयं सेवक हैं जो विभिन्न धार्मिक कार्यों के अवसर पर व्यवस्था कार्य करते हैं इनकी सेवाएं अत्यंत सहायक सिद्ध होती हैं। इस दल द्वारा सामाजिक व धार्मिक कार्यों के लिये सामान भी प्रदान किया जाता है। वर्तमान में इसकी व्यवस्था निम्न पदाधिकारियों द्वारा की जा रही है:- अध्यक्ष श्री बालचन्द जी, खन्नी श्री प्रकाशचन्द जी, कोषाध्यक्ष श्री मूरज मल जी, केप्टिन श्री गयाप्रसाद जी व अमोलक चन्द जी।

६. श्री बि. जैन बन्धु सभा, नया बाजार:-

नया बाजार के जैन उत्साही व्यक्तियों ने बन्धु सभा के नाम से एक संगठन स्थापित किया जिसका मुख्य उद्देश्य बाजार विशेष में धार्मिक उत्सव व आवश्यक सामाजिक कार्यों में मदद करना है। सभा द्वारा दिसम्बर सन् १९६७ में एक जैन पाठशाला, जैन मन्दिर नया बाजार में प्रारम्भ की गई है। बन्धु सभा का संचालन सदस्यों द्वारा निर्वाचित कमेटी करती है। वर्तमान में इसके अध्यक्ष श्री कुचमल जी गंगवाल, मन्त्री श्री भूमनलाल जी कोषाध्यक्ष व संयोजक श्री कपचन्द जी पाटनी हैं।

७. श्री बि. जैन जैसवाल और सेवा दल, शिन्धे की झतली, लखर:-

धार्मिक कार्यों की व्यवस्था में अधिकतम सहयोग देने हेतु और सेवा दल की स्थापना की गई। इस सेवा

दल द्वारा विभिन्न धार्मिक महोत्सवों व मेलों पर स्वयं-सेवक दल के रूप में व्यवस्था की जाकर प्रशसनीय कार्य किया जाता रहा है।

८. बृहत्तर ग्वालियर ब्रह्मजान स्थानक वासी जैन आचक संघ, सराफा बाजार, लखर:-

यह श्वेताम्बर स्थानक वासी जैन आचकों की प्रतिनिधि संस्था है। इसका मुख्य कार्यालय सराफा बाजार, लखर में व उपकार्यालय बिरला नगर और मुरार में हैं। इस आचक संघ के अध्यक्ष श्री दीपचन्दजी मेहता और मन्त्री श्री सूरज मन जी सचेती हैं।

९. प्रगतिशील जैन नवयुवक संघ, सराफा बाजार, लखर:-

श्वेताम्बर जैन समाज के कुछ नवयुवकों ने सन १९६६ में इस नवयुवक संघ की स्थापना की जिसका मुख्य उद्देश्य आध्यात्मिक, बौद्धिक, नैतिक व आर्थिक विकास के साथ साथ धार्मिक कार्यक्रमों में अधिकतम सहयोग देना है। वर्तमान में इस संस्था की गतिविधियाँ कुछ रुक सी गई हैं। संघ के अध्यक्ष श्री देवेन्द्र जी सिन्धी मन्त्री श्री रामचन्द्र जी हैं।

१०. अणुबल युवक मंडल, सराफा बाजार, लखर:-

इस मंडल की स्थापना सितम्बर सन १९६६ में साध्वी श्री मोहनकुमारी जी की प्रेरणा से हुई। सब धर्मों के प्रति आदर भाव रखना, मद्यपान, दूधपान

हिंसात्मक, प्रवृत्तियों को रोकना मंडल के मुख्य उद्देश्य हैं। मंडल जैन समाज के युवकों को संगठित कर उन्हें ईमानदारी सदाचारी व आध्यात्मिक बनाने की प्रेरणा देता है। वर्तमान में इसके अध्यक्ष, रामचन्द्र घोडावत, मन्त्री श्री सन्तोष कुमार और कोषाध्यक्ष श्री प्रेमचन्द जैन हैं।

११. श्री वि. जैन महावीर सेवा दल, गोकुलचन्द जी का मन्दिर, ग्वालियर:-

यह सेवा दल नगर की जैन समाज के पुराने सेवा दलों में से है। श्री प्रभूदयाल जी के प्रयत्नों द्वारा सन १९३८ में इसकी स्थापना की गई थी। समाज सेवी संस्था के रूप में यह दल धार्मिक कार्यों की मदद में सदैव आगे रहा है। गोकुलचन्द जी के मन्दिर में ही इसका कार्यालय स्थित है। इसकी व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार जी, मन्त्री श्री मूढचन्द जी वदारी, कोषाध्यक्ष श्री महावीर प्रसाद जी नायक हैं।

१२. श्री वि. जैन'वीर बिछाची संघ, मुरार:-

सन १९६२ में धार्मिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करने हेतु उक्त संघ की स्थापना की गई। वर्तमान में इस संघ की सदस्य संख्या १०० के लगभग है। इसकी व्यवस्था सदस्यों द्वारा निर्वाचित पदाधिकारियों द्वारा की जाती है। संघ के अध्यक्ष श्री रमेशचन्द जी, मन्त्री श्री सुरेशचन्द जी व कोषाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जी हैं।

अहिंसा की पुस्तक में हार के लिये कोई स्थान नहीं है।

Defeat has no place in the dictionary of Non-Violence.

अहिंसा एक सूत्र में बाँधने वाली शक्ति है। वह अनेकता में एकता ले आती है।

Ahimsa is Unifying force. It discovers unity in diversity.

पूर्ण अहिंसा के बिना कोई भी लोकतन्त्र पूर्ण नहीं हो सकता।

No perfect democracy is possible without perfect Non-Violence.

जिस अर्थ व्यवस्था में नैतिक मूल्य नहीं वह सच्चा नहीं है।

भारतवर्षीय संस्थाओं की शाखाएँ

कुछ भारत वर्षीय स्तर के संघठनों की शाखाएँ इस नगर में भी हैं। ऐसी संस्थाओं का संक्षिप्त विवरण निम्न लिखित है:—

१. **मध्यप्रदेश विद्यार्थी जैन तीर्थ रक्षा समिति, लखनऊ:**—इस समिति की ग्वालियर शाखा का कार्यालय पाटनी निवास, डीडवाना ओली, लखनऊ में है। प्रधान कार्यालय इन्दौर में है। तीर्थ-क्षेत्रों की रक्षा करना, भूतियों की सुरक्षा सम्बन्धी आवश्यक कार्योंवाही करना इस समिति का मुख्य उद्देश्य है। ग्वालियर के समीप-वर्ती क्षेत्रों से घुराई गई जैन भूतियों से सम्बन्धित मामले इसी समिति के प्रयत्नों से अदालत में चलाये जा रहे हैं। इस कार्य में सम्पूर्ण जैन समाज का सहयोग अत्यन्त आवश्यक है। वर्तमान में समिति के अध्यक्ष श्री तुषमल जी मंगवाल, मंत्री श्री मिश्रीलाल जी पाटनी व कोषाध्यक्ष श्री प्रेमचन्द जी हैं।

२. **अखिल विश्व जैन मिशन (अलीगंज), लखनऊ:**—अखिल विश्व जैन मिशन की ग्वालियर शाखा का कार्यालय पाटनी निवास, डीडवाना ओली, लखनऊ में है। प्रधान कार्यालय अलीगंज (एटा) में है। जैन साहित्य और जैन सिद्धान्तों का देश-विदेश में प्रचार व प्रसार करना इस मिशन का मुख्य उद्देश्य है। सम्बन्धित क्षेत्रीय कार्य हेतु मिशन शाखा की व्यवस्था निम्न

पदाधिकारियों द्वारा की जाती है:—अध्यक्ष प्रो० लालचन्द जी, संयोजक श्री मिश्रीलाल जी पाटनी।

३. **जैन इन्वेताम्बर तेरापन्थी महासभा, लखनऊ:**—इस महासभा का प्रधान कार्यालय, ३ पोर्बूगीज, चर्च स्ट्रीट, कलकत्ता-१ में है और ग्वालियर शाखा सरावगी सदन, माधवगंज में है। जिसके व्यवस्थापक श्री कमला प्रसाद जी सरावगी हैं। इन महासभा के द्वारा समय-समय पर सभाएँ व्याख्यान व गोष्ठियाँ आयोजित की जाती हैं।

४. **अगुजत समिति, लखनऊ:**—इस समिति का प्रधान कार्यालय देहली में है। ग्वालियर शाखा का कार्यालय सरावगी सदन माधवगंज लखनऊ में है। इन्वेताम्बर तेरापन्थी आमनाथ के २०५ वर्ष पूर्व हुए आचार्य श्री भिक्षु जी की परम्परा पर चलने वाले नवम् आचार्य श्री तुपसी जी हैं। आपने ही अगुजत आन्दोलन का बल दिया है। मनुष्य की नैतिक भूल्यों में आस्था बनाये रखने, आध्यात्मिक व चारित्रिक उत्थान हेतु आचार्य श्री तुपसी व उनके संघ के ६०० साधु, साध्वियाँ इस अगुजत आन्दोलन को सम्पूर्ण देश में व्यापक प्रचार व प्रसार करने में लगे हुए हैं। लखनऊ शाखा के अन्तर्गत समय-समय पर गोष्ठियाँ, प्रवचनों तथा सार्वजनिक भाषणों का आयोजन किया जाता है।

ग्वालियर के समीपवर्तीय तीर्थ स्थल

ग्वालियर के आस पास के तीर्थ क्षेत्रों में सोनागिर, पनिहार, सिहोंनिया, और मनहरदेव हैं। सोनागिर के अलावा शेष तीर्थ क्षेत्रों की जानकारी केवल आस-पास व स्थानीय जैन समाज तक ही सीमित है। इनका संक्षिप्त विवरण निम्नप्रकार है—

१. श्री बि० जैन सिद्धक्षेत्र सोनागिर

अर्धाणंगकुमारो कोही मुनिवरा सहिवा ।

सुवर्णगिरि-सिहरे निम्बाणगया णमो तेसिम् ॥

'निर्वाणकांड'

उक्त गद्या से स्पष्ट है कि सोनागिर पर्वत से अग और अलगकुमार तथा ५॥ करोड मुनिराज मोल पधारे । इस कारण दिगम्बर जैनों में यह पर्वत परम पुनीत सिद्धक्षेत्र के रूप में विकसित है। इस क्षेत्र का प्राचीन नाम 'स्वर्णगिरि' या 'अमणगिरि' है जो सार्थक है। पुरातन काल से ही यह पहाड़ी जैन धर्मियों या मुनियों की साधना-स्थली रही, जहां कठोर तपस्या करके उन्होंने आत्मा को पवित्र किया; उन्हीं की स्मृति स्वरूप होलिका पर्व के पड़वात् चैत्र प्रतिपदा में पञ्चमी तक विविध कार्यक्रमों के साथ एक विशाल मेला यहां प्रतिवर्ष लगता है जिसमें विभिन्न नगरों के व्यक्ति सोसाह भाग लेकर दर्शनो का लाभ उठाते हैं।

यह क्षेत्र जिला दतिया (मध्यप्रदेश) में स्थित है। दतिया से छह मील दूर और ग्वालियर से ४० मील दूर देहली-बम्बई लाइन पर सोनागिर स्टेशन है। स्टेशन से तीन मील दूर एक मनोरम पहाड़ी पर मन्दिरों की कमबख्त शृंखला दृष्टिगोचर होता है। रेलयात्रियों

को मन्दिरों की भव्यता और अनेकता के सहज दर्शन सुभाये बिना नहीं रहने। घबल मन्दिरों पर भ्रमण आस्कर की सहस्र-रश्मिया शिखरों को स्वर्णिम आभा प्रदान करती है। लश्कर से प्रतिदिन सोनागिर की को मोटरें जाती है।

पर्वत पर शिखरबद्ध ७७ तपनाभिराम जिन-मन्दिर है जिनकी बन्दना को जाने के लिये पक्के मार्ग बने हुए हैं। ये विविध कालीन वास्तु और शिल्प कला के प्रतीक हैं। मन्दिरों के अन्दर कीतराग निर्गन्ध पद्यामन व खड्गासन प्रतिमाएँ, स्थित हैं। ये अविकास प्रतिमाएँ प्राचीन भी हैं, सम्भवतः १३ वीं सदी की प्रतीत होने हैं। मन्दिर-निर्माण की विविध शैलिया भी यहाँ दर्शनीय है। गोलाकार तीन कटनियों में सुमज्जित विमन-हारी (चक्री) का मन्दिर, अष्ट पंक्तियों में युक्त मुकुलित कमल तीन प्रदक्षिणाओं सहित मेरु एवं मन्दिरों के अन्दर भीहरें कला के अद्भुत नमूने हैं। ५७ नम्बर पर मूलनायक श्री चंद्रप्रभु का विशाल मन्दिर है जिसमें १२ फुट ऊंची खड्गामन प्रतिमा है जो पहाड़ में से ही उकरी हुई है। एक शिलालेख से पता चलता है कि यह सम्बत् ३३५ की है। अनेक भक्तगण यहां चेंबर, श्रम चढाकर बहुविध मनोतिसा बनाते हैं तथा दीप धूप, फल ये उनकी बन्दना-अर्चना करते हैं। इस मन्दिर का जीर्णोद्धार मधुदा के सेठ लक्ष्मीचन्द्र जी द्वारा करवाया गया था। मन्दिर के सामने ही एक अथ्य कलात्मक समीकरण-मन्दिर सुशोभित है। पास ही गगनचुम्बी मानस्तम्भ स्थित है जो अपनी मोहकता के लिये प्रसिद्ध है। श्री बाहुबलि स्वामी की दिव्य मूर्ति भी यही जोखा पा रही है।

स्थान-स्थान पर अनेक चरण-पादुकाएँ, छबी, चबूतरे और ममाधि के स्थान हैं। एक जिला में नारियल के आकार का एक कुंड बनाया गया है जिसे 'नारियल कुंड' कहा जाता है। पास ही एक 'बजनी मिला' भी है जिसे बजाने से धातु जैसा स्वर ध्वनित होता है। यहां से चारों ओर दृष्टि डालने पर प्रकृति की अद्भुत छटा दिखाई देती है।

पहाड़ी से नीचे तलहटी में १८ विशालकाय जैन-मन्दिर हैं जिनमें धातु पाषाण की अति उत्तम मूर्तियां सुशोभित हैं। १५ सुव्यवस्थित चर्मशालाएँ हैं जो जैनों के विभिन्न वर्गों के आधिपत्य में हैं। किन्तु यात्रियों के ठहरने के लिये कहीं कोई प्रतिबन्ध नहीं है। कमेटी की ओर से जनता के लिये सर्व सुविधाएँ उपलब्ध हैं। श्री १०५ भट्टारक चन्द्रभूषण महाराज की गादी यहीं पर है।

पहाड़ी को चारों ओर घेरे हुए एक परिक्रमा-स्थल है जो उसकी भीमा-रेखा है। इसके चार झूटों पर चार छवियां हैं जिनमें चरण चिन्ह अंकित हैं। दृश्य उस समय बड़ा सुहावना लगता है जब बच्चे, पुरुष और महिलायें भक्ति-भाव से नीत गते हुए इस मार्ग से चलते हैं। मेले के दिनों में रात्रि में बिद्युत की जगमगाहट क्षेत्र की सोमा को द्विगुणित कर देती है। सर्वत्र धार्मिक वातावरण छाया रहता है।

कमेटी की ओर से एक जैन पुरातत्व संग्रहालय भी है जिसमें अंग-मग्न मूर्तियां एवं शिलालेखों का समूह है। 'सरस्वती-मंडार' में प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थ और लगभग दो हजार छपी हुई पुस्तकें हैं जिनसे स्वाध्याय-प्रेमी लाभान्वित होते हैं। यह कमेटी की सतत जागृकता का ही परिणाम है जो यह क्षेत्र दिनों-दिन विकासोन्मुख है।

वर्तमान में क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष सेठ खुदामीलाल जी फिरोजाबाद, मंत्री बाबू सानिकचन्द जी जैन भगवास, एडवोकेट और कोषाध्यक्ष श्री धनलाल जी अग्रवाल 'धर्मवीर' ग्वालियर हैं। ये सभी अनेक वर्षों से क्षेत्र की उन्नति में प्रयत्नशील हैं। यदि जैनों में परस्पर प्रेम,

आदुभाव और सहनशीलता की भावना रही तो इसमें कोई सन्देह नहीं कि क्षेत्र निरंतर प्रगति करता रहेगा।

श्री अतिशयक्षेत्र मनहरदेव

मनहर (ग्वालियर) से २५ मील दूर डबरा के निकट एक करहैया नामक ग्राम है, जहाँ से उत्तर की ओर करीब ५ मील की दूरी पर वैद्य ग्राम में यह क्षेत्र स्थित है। प्रकृति का जाट और मुग्ध वातावरण यहाँ सर्वत्र व्याप्त है। पर्वत की श्रृंखलाओं से टकराती हुई मंद-सुगंध समीर मार्ग की चकावट को दूर कर दर्शक के हृदय को आनंद से परिप्लुत कर देती है। यहाँ निर्जन धन की एक छोटी-सी पहाड़ी पर सेठ पाड़ासाहू द्वारा स्थापित सं० १९८४ की भगवान श्री ज्ञानिनाथ की ३॥। फुट चौड़ी और १४ फुट ऊँची एक लक्ष्मणन मूर्ति है जो अत्यन्त अम्य और चित्ताकर्षक है। इस मूर्ति को करहैया निवासी स्वर्गीय पं० लेखराज जी ने 'बरैया बिलास' में श्री ऋचमनाथ नामांकित किया है किन्तु जैन समाज में उसकी प्रसिद्धि अभी भी श्री ज्ञानिनाथ के नाम से है इसलिये हमने प्रचलित नाम लिख देना ही उचित समझा है। अतिशय रमणीयता के कारण ही यह मूर्ति जनता में मनको हर लेने वाले देव यानि 'मनहरदेव' के नाम से प्रसिद्ध है। इसके अतिरिक्त भ० चन्द्रप्रभु और श्री नेमिनाथ की दो विशाल मूर्तियां और हैं किन्तु आतताइयों द्वारा उनका शिरोच्छेदन और हस्तविच्छेद किया जा चुका है। छोटी-छोटी अनेक मूर्तियां तो यहाँ लण्डहरों में बिकरी पड़ी हैं जो अतीत के गौरव को अपने अंजल में समेटे हुये हैं। सन् १९६७ में इस स्थान की १६ अन्य मूर्तियों के सिर मूर्ति चोरों ने कटवा दिये।

धातु-पाषाण मूर्तियों की बस्ती न होने के कारण यह क्षेत्र अभी तक उपेक्षित दशा में ही रहा। केवल करहैया ग्राम के बोहरे से जैन ही इस क्षेत्र की जिस तिस प्रकार रक्षा करते रहे। किन्तु कुछ समय से यहाँ भय और आतंक का ऐसा वातावरण छा गया कि ये लोग भी अब क्षेत्र की सुरक्षा करने में अपने धारकी असमर्थ समझने लगे। फलतः इस सामोपाय मूर्ति को

उन्होंने वहाँ से हटवाकर सोनागिर में माघ सुक्ला त्रयोदशी सं० २०२५ (३० जनवरी सन १९६६) को भट्टारक श्री चण्डभूषण जी की कोठी में विधिवत स्थापित करवा दी है। इस तरह मूर्ति की सुरक्षा तो हो गई किन्तु मूलनायक प्रतिमा के अभाव में क्षेत्र बीरान हो गया।

यदि आज जैन समाज चाहे तो शेष दोनों मूर्तियों की रक्षा ध्यवस्था करके क्षेत्र को कायम रख सकती है लेकिन यह बात अभी भविष्य के गर्भ में निहित है।

क्षेत्र के मन्त्री सेठ श्री नाथूराम जैन डबरा और उपमन्त्री श्री मुञ्जालाल जैन करहैया हैं।

श्री वि. जैन अतिशयक्षेत्र सिंहोनिया (म.प्र.)

ब्यालियर से सिंहोनिया क्षेत्र तक पहुँचने के लिये मुरैना मार्ग से जाना होता है। मुरैना से १६ मील दूर उत्तर की ओर यह क्षेत्र स्थित है। यह स्थल विस्तार से फैला हुआ है तथा जैन और हिन्दू संस्कृति का केन्द्र रहा है। पहिले यह नगर राजधानी था। सिंहोनिया अत्यन्त रमणीय और प्राचीन क्षेत्र है। यहाँ पर लङ्-गासन मुद्रा में श्री शान्तिनाथ तीर्थंकर की १६ फीट ऊँची प्रतिमा है, जो बड़ी भव्य और चित्ताकर्षक है। इनके दोनों ओर भाजू-भाजू श्री चन्द्रप्रभु की ८-८ फीट ऊँची प्रतिमाएँ विराजमान हैं जिनके दर्शन करते ही हृदय गदगद हो जाता है और वहाँ से हटने का मन नहीं होता। अभाताप से तप्त भव्य प्राणियों को आज भी ये प्रतिमाएँ शान्ति का मन्देश देती हुई नजर आती हैं।

मूर्ति के उद्धार की घटना भी यहाँ दिलचस्पी से कही जाती है। अम्बाह निवासी ब्र० गुमानीलाल जी को एक टीले सहित इस मूर्ति का स्वप्न में दर्शन हुआ। उन्होंने जगह-जगह इसका जिक्र किया, पश्चात् उस स्थान पर खुदाई कराई जहाँ यह मूर्ति दिखाई पड़ी और वहीं पर उसको स्थापित कराई।

एक-दो वार्षिकारिक घटना भी इस क्षेत्र के साथ जुड़ी हुई है। कहते हैं क्षेत्र का प्रथम मेला श्री मोतीराम कुंजमाल करारी बाली ने बड़ी धूमधाम से

कराया जिसमें लगभग २० हजार जन समुदाय एकत्रित हुआ। उन्होंने सबको प्रीतिभोज दिया किन्तु जल की विकट समस्या सामने आई। बाम के निकट जो नदी बहती थी- उससे गाड़ियों में कोठियों द्वारा जल लाया गया फिर भी बिलम्ब होने के कारण जनता की पूर्ति न हो सकी। बड़ी परेशानी हुई। अन्त में ब्र० गुमानो लाल जी ने मूर्ति के समक्ष जाकर प्रार्थना की 'हे प्रभु! पानी की बहुत कमी है, इस समय क्षेत्र की लाज रखना आपके हाथ है।' भक्ति से हृदय भर गया। तत्काल ही निकट की एक कुइया में स्वयमेव पानी आ गया, तब किरमिच के परोहो द्वारा जल निकालकर उपस्थित जनता को सन्तुष्ट किया। इस घटना की सर्वत्र खर्चा हुई और सब लोग आश्चर्य भक्ति रह गये।

वहाँ की ग्रामवासी जनता श्री शान्तिनाथ भगवान को चेतनाथ बाबा के नाम से पूजती है। वहाँ तक कि जब कोई मनुष्य अथवा पशु बीमार पड़ जाता है तो लोग बोसारी बोलते हैं जिसके फलस्वरूप उसको तत्क्षण आराम हो जाता है।

जिन सज्जनों ने जैनबद्री मूलबद्री के दर्शन किये हैं उनका कहना है कि यह मूर्ति श्री १००८ बाहुबलि स्वामी सरीखी है, सिर्फ ऊँचाई में कम है। इसकी प्राचीनता वहाँ के शिलालेख में उत्कीर्ण अक्षरों से १४९ से प्रकट होती है। इतनी प्राचीन होने पर भी ऐसी आलूम पड़ती है मानो अभी स्थापित की गई है। क्षेत्र के चारो तरफ प्रचुर मात्रा में जैन अभ्युदय भूगर्भ में छिपा पड़ा है जिसको प्रकाश में लाने की बड़ी आवश्यकता है।

मन्दिर के चारो ओर परकोटा लिखा हुआ है। स्थान-स्थान पर कोठे और तिवारे बने हैं जिनमें शान्तिगो को ठहरने के लिये सर्व सुविधाएँ उपलब्ध हैं। मार्ग में जाते हुए एक उत्तुंग मानस्तम्भ भी दृष्टिगोचर होता है जिसे वहाँ की आम जनता भीष लाट के नाम से पुकारती है। किन्तु उसमें कोई प्रतिमा नहीं। सर-कार द्वारा प्रदत्त पास ही पर्याप्त भूमि लगी है जिसमें कास्तकारी होती है। सिंहोनिया कमेटी क्षेत्र की उत्पत्ति में तत्परता से कार्य कर रही है।

यहा से ३ मील दूर १० वीं शताब्दी का कछवाहा राजा कीर्तिराज का बनवाया हुआ 'ककनमठ' नामक शिव मंदिर है जिसकी मूर्ति कला अत्यन्त भव्य है। जनश्रुति है कि यह मंदिर कनकावती रानी की आस्था से बना था। इसमें पत्थर की बनी लटकती हुई परियां आज भी सजीव-सी दिखलाई पड़ती हैं। 'ककनमठ' के निकट ही राजा सूर्यपाल का निवासग्रह था। कुछ रोग निवारण होने पर ग्वालियर दुर्ग में 'सूर्यकुण्ड' इन्होंने ही बनवाया था जो धाब भी विद्यमान है।

ग्राम के निकट नदी बहती है। पास ही हनुमान जी की मूर्ति सुशोभित है जो एक ही पत्थर से बनी हुई जाली की नक्कासी से चित्रित है। ऐसी महिमावंत मूर्ति समूचे भारत में अत्यन्त दुर्लभ है। क्षेत्र की प्रबन्ध कमेटी के निम्न पदाधिकारी हैं—

अध्यक्ष — श्री मोहनलाल जैन, लखर।

सन्तो:—श्री महीपान जैन 'साहुला' मुरेना।

कोषाध्यक्ष—श्री लच्छीराम जैन।

श्री बिग. जैन अतिशय क्षेत्र बरई (पनिहार)

आगरा-बरई रोड पर ग्वालियर से १४ मील दूर पनिहार नामक ग्राम है। यह स्थान मुख्य सड़क से आधा मील दूर है। पनिहार, ग्वालियर, जबपुरी छोटी रेलवे लाइन पर स्टेशन भी है। पनिहार से १ मील दूर बरई नामक ग्राम है। पनिहार और बरई के बीच एक सुन्दर मनोरम पहाड़ी है, जिस पर ५ विशाल खड्गासन प्राचीन जिन-विम्ब प्रतिष्ठित हैं।

इनमें से तीन जिनविम्ब आठ-आठ फुट ऊँचाई के हैं तथा दो मूर्तियाँ छै, छै, फुट ऊँचाई की हैं। इन मूर्तियों की स्थापना के काल का तो सही अनुमान लगा नहीं सकते, परन्तु ऐसा प्रतीत होता है कि जिन दिनों ग्वालियर में तोमर वंशीय डोंगरसिंह का राज्य था, ग्वालियर के किले के चारों ओर मूर्ति निर्माण और उत्खनन कार्य चल रहा था, सम्भवतः उसी काल में म. १४२४ (सं० १४८१) में इस पहाड़ी पर मनोज जिनविम्बों की स्थापना की गई।

ग्वालियर के संमीपवर्तीय तीर्थ स्थल

पनिहार में एक प्राचीन शिवर बड़ जैन मन्दिर और एक भौहरा भी है। मुख्य सड़क से पनिहार जाने समय हा। रास्ते में भौहरा मिलता है। इस भौहरे में चदेरी की प्रसिद्ध चौबीसी के समान ही चौबीसी प्रतिष्ठित है। मूर्तियाँ अत्यन्त मनोज्ञ एवं रंग बिरंगी हैं जो पद्मासन रूप में परम भव्यता लिये हुए हैं। इन २४ मूर्तियों में से दो मूर्तियाँ सुरक्षा की दृष्टि से प्यारेलाल जी का मन्दिर माभा का बाजार में लाकर बिराजमान कर दी गई हैं। धर्म प्रेमी स्वर्गीय श्री गण्पलाल जी वाकलीवाल ने अत्यन्त धन के साथ इस भौहरे का जीर्णोद्धार करवाया जो अनुकरणीय है।

बरई ग्राम में भी जैन मन्दिर है। बरई के आस-पास के जंगल प्रचुर जैन पुरातत्व से भरे पड़े हैं। जगह-जगह जैन मूर्तियों के भग्नावशेष दृष्टिगोचर होते हैं। नसियाँ जो रामकुई, लखर में भी शान्तिनाथ भगवान का २० फुट ऊँची खड्गासन मूर्ति का सुरक्षा की दृष्टि से बरई के जंगलों में ही लाकर श्री बुधमल जी गग-वाल ने प्रतिष्ठित कराई है।

ये जिनविम्ब जो सैकड़ों वर्षों से सुरक्षित थे और मानवीय मस्कृति की उदारता, कला के परम प्रतीक थे, आज चोर असुरक्षा के मध्य हैं। इस क्षेत्र के आम-पास नाम मात्र और केवल गिनती के जैनी रह गये हैं। बहती हुई असुरक्षा और घटते हुये त्रिविकोपाजैन के साधनों ने उन्हें अपनी परम पूज्य तीर्थ भूमि छोड़ना पड़ा है। इससे यह क्षेत्र मूर्ति चोरों की क्रीड़ा का केन्द्र बन गया। अगस्त म. १९६६ को मूर्ति चोर इस स्थान की दो बड़ी मूर्ति का सिर अधकटा छोड़ गये, जिससे सम्पूर्ण समाज बहुत दुःखी है और इस प्रकार दुष्कर्म करने वालों को कड़ा दण्ड दिवाने हेतु प्रयत्न-शील है किन्तु शासनिक मना इस ओर मुप्त है। समाज को मूर्ति-सुरक्षा हेतु निरन्तर जागरूक रहना आवश्यक है।

कपूरचन्द्र अरेया

● ● ●

भारतीय जनगणना में जैन

एक निश्चित स्थान पर रहने वाले समस्त मनुष्यों की एक निश्चित तिथि या तारीख को गिनती करना और उनकी उम्र, पेशे, आय, लिंग आदि सम्बन्धित जानकारी प्राप्त करने को समिष्ट रूप से जनगणना कहते हैं। जनगणना से किसी देश की जन-शक्ति, जन संख्या की वृद्धि और उस वृद्धि की दर आदि के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की जाती है। जनसंख्या सम्बन्धी आकड़े, व्यवसायिक एवं औद्योगिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, गृह निर्माण, मानव-कल्याण आदि योजनाओं के प्रारम्भ करने को तो आवश्यक है ही, परन्तु समाज की कुरीतियों को दूर करने, वैवाहिक आयु के निर्धारण, बाल-विवाह एवं बृद्ध-विवाह को रोकने, निर्वनता, पारिवारिक कलह, समाज की युवा पीढ़ी की समस्याओं को समझने और उनपर विचार करने के लिये भी अति आवश्यक है। हम कहा हैं और कितने हैं इसकी जानकारी हमें अपने समाज सुधार एवं संगठन के कार्य में भी विशेष सहायक सिद्ध होती है।

भारत में जनगणना का उत्प्रेक्षणीय प्रयास सन् १८७२ से प्रारम्भ हुआ। तब से प्रति दस वर्ष के बाद देश में जनगणना की जाती है। धार्मिक आधार पर जनगणना का प्रारम्भ सन् १९३१ में अंग्रेजी-शासन ने प्रारम्भ करवाया। इस प्रकार की सूचना को सन् १९५१ में हुई स्वतन्त्र भारत की प्रथम जनगणना में महत्व नहीं दिया गया। पंचवर्षीय योजनाओं के हेतु अन्य अनेक तरह के आंकड़ों की आवश्यकता थी इस-लिये सामाजिक व आर्थिक आंकड़ों पर अधिक जोर दिया गया।

जैन, भारतीय संघ के अभिन्न अंग हैं। इस देश की मिट्टी के कण-कण में उनका इतिहास छिपा है। धर्म के

आधार पर वे कट्टर नहीं हैं। जैन धार्मिक सहिष्णुता के प्रतीक हैं। गुजरात, उत्तर-प्रदेश, दिल्ली आदि प्रदेशों में अनेक ऐसे जैन परिवार हैं जिनमें बगैर किसी जाति के वैष्णव-परिवारों में शादी सम्बन्ध होते हैं। घर-बधू अपने इच्छित धर्म को मानते हुए परस्पर एक दूसरे के धर्मों के प्रति आदर भाव रखते, हुए अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करते हैं। जैनियों ने अपनी धार्मिक उदारता को सामान्य जीवन से सदैव व्यक्त किया है। राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आंदोलन और अन्य राज-नैतिक एवं आर्थिक क्षेत्रों में जैनों ने महत्वपूर्ण योग दिया है। जैन आज दुनिया के अनेक देशों में हैं। व्यवसाय हेतु जैन दक्षिण अफ्रीका, मारीसस, बर्मो, लका, पाकिस्तान आदि देशों में बसे हुए हैं। उच्च शिक्षा हेतु ब्रिटेन, अमेरिका, जर्मनी, कनाडा, आदि देशों में गये हुए अनेक बन्धु ऊंची नौकरियों के कारण वहीं बस गये हैं। जैन अपने धार्मिक संस्कारों के कारण अधिक जागरूक रहते हैं। साम्प्रदायिकता उनके धार्मिक विश्वासों का आधार नहीं होती। भारत में जैन अनेक वर्गों और उपवर्गों में बटे हुए हैं। उनमें अनेक सामा-जिक कुरीतियाँ जैसे परदा प्रथा, दहेज प्रथा, राशि भोजन, अशिक्षा और स्वार्थ, भौतिकवादी वृत्तियाँ जैसे संग्रहण वृत्ति, परस्पर कलह, लालच, पिछो और मीज उड़ाओ जैसे दुर्गुण भी बढ़ रहे हैं। समाज अनेक जातियों और उप-जातियों में बट गया है।

जैन समाज अपने सामान्य आवक धर्म गुणों से जैसे दया भाव, प्रतिदिन मन्दिर जाना, व्रत-उपवास पानी छानकर पीना, राशि भोजन त्याग, प्याज, लेहसुन, बटे, सहृद आदि के त्याग से जाना जाता है। जैनियों के उत्सव बड़ी झुन-झाम से मनाये जाते हैं। जैन दुनियाँ

के विचारण एवं बिहार से अन्य लोग जैन त्यागियों से परिचित होते हैं। परन्तु आज की व्यवस्था में सरकारी और गैर सरकारी नौकरी एक बड़ा उद्योग बन गया है। ग्रामोप क्षेत्रों के जैन गृहस्थ क्षेत्रों में आ रहे हैं। नौकरी पेशे ने जैनियों को विकेंद्रित करके उनके धार्मिक संस्कारों को शून्य जैसा कर दिया है। हमारा युवा विद्यार्थी वर्ग, बी० ए०, एम० ए०, एम० कॉम आदि उच्च परीक्षाएं पास कर वकील, डाक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर बन रहे हैं परन्तु अनेकान्त, स्वादबाध जैसे जैन धर्म के सबे ग्यापो मिटान्तों को भी नहीं जानते। उनकी स्थिति ऐसी ही है कि जी रहे हैं केवल अपने लिये।

जैन समाज में अधिकांश लोग गरीब हैं, वे मध्यम वर्ग के हैं, और उनकी अपनी अर्थिक, पारिवारिक और सामाजिक समस्याएँ हैं जिस ओर समाज के नेता कभी विचार भी नहीं करने पाते। कुछ परिवारों की समृद्धि ने सम्पूर्ण समाज को दूसरे वर्गों की दृष्टि में समृद्ध बना दिया है। ऐसे मध्यवर्गीय परिवारों की स्थिति बड़ी सकट में है। सामान्य समाज तो समझना है कि जैनी धनवान होते हैं इसलिये उन्हें मदद का प्रश्न नहीं उठता और दूसरी ओर जिन बन्धु भीमानों के कारण उन्हें ऐसा समझा जाता है, वे उनकी उत्प्रेक्षनीय मदद भी नहीं करते। मैसूर, महाराष्ट्र और तामिलनाडु में जैन बहुत गरीब हैं। मैसूर में तो कई जिलों में वे पिछड़ी हुई जातियों की सूची में हैं।

जैन समाज ने स्त्रियों की दशा अधिक अच्छी नहीं कही जा सकती है। कुछ पढ़ी लिखी महिलाओं को छोड़कर अन्य महिलाओं का सामान्य-ज्ञान बहुत सीमित होता है। समाज में आज भी परदा-प्रथा का चलन है। दहेज प्रथा ने तो महिलाओं की स्थिति को और भी दयनीय कर दिया है। हमारे अधिकांश पढ़े-लिखे नवयुवक और उनके माँ बाप शादी के मामलों में अत्यन्त लासली दिक्कतें दे रहे हैं। दहेज प्रथा अस्वस्थ, असहिष्णु एवं अमानवीय समाज का प्रतीक है। यह सभी को ज्ञात है कि जैन धर्म महिलाओं की धर्मनिष्ठता और सदा पर ही टिका हुआ है।

महिलाओं को शिक्षित करना जहाँ पहली समस्या है वहाँ उन्हें धर्म निष्ठ रखना दूसरी समस्या कही जा सकती है।

सन् १९६६ में लगाये गये अनुमान के अनुसार देश की जन संख्या ५० करोड़ से ऊपर है सन् १९६१ की जनगणना के अनुसार देश की जन संख्या ४३ करोड़ ६२ लाख थी इस जनगणना के अनुसार देश के प्रमुख देश के छः धर्मों के पालन कर्ता की जनसंख्या इस प्रकार थी:—

१. जैन	२० लाख
२. हिन्दू	३६ करोड़ ६५ लाख
३. मुसलमान	४ करोड़ ६५ लाख
४. ईसाई	१ करोड़ ७ लाख
५. सिख	७८ लाख
६. बौद्ध	३२ लाख

उपयुक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि जैन बहुत अल्प संख्या में हैं और सच्चे अर्थों में वे अल्प संख्यक हैं। मुसलमान इस देश का दूसरे नम्बर का बहु संख्यक वर्ग है परन्तु वह अत्यन्त दुर्भाग्य है कि उसमें अल्प संख्यक वर्ग माना जाता है।

सन् १९६१ की जनगणना में हिन्दुओं को छोड़कर शेष सभी धर्मावलम्बियों की संख्या में वृद्धि हुई है हिन्दुओं की संख्या के बढ़ने का कारण महाराष्ट्र में हरिजनों द्वारा बड़ी संख्या में बौद्ध धर्म का अंगीकार किया जाना है। मुसलमानों की जन संख्या में वृद्धि का कारण पाकिस्तानियों द्वारा आसाम में की कुसर्पेठ व परिवार नियोजन की अवहेलना है।

१९६१ की जनगणना के अनुसार भारतीय संघ के विभिन्न प्रदेशों में जैनियों की संख्या इस प्रकार थी:—

१. आंध्र प्रदेश	६,०१२
२. आसाम	६,४६८
३. बिहार	१७,५६८
४. गुजरात	४०६,७५४
५. मध्यप्रदेश	२,४७,६२७
६. महाराष्ट्र	२८,३५०

७. केरल	२,६६७
८. महाराष्ट्र	४,८५,६७२
९. मसूर	१,७५,३६६
१०. उड़ीसा	२,२६५
११. पंजाब + हरियाणा	४६,७५४
१२. राजस्थान	४,०६,४१७
१३. पश्चिमी बंगाल	१,२२,१०८
१४. उत्तर प्रदेश	१,५५,५१५
१५. जम्मू और काश्मीर	१,४२७
१६. नागालैण्ड	२६३

केन्द्र प्रशासित क्षेत्र

देहली	२६,२६६
मणिपुर	२६,६४०
गोवा-डमन-द्यू	६८
हिमाचल प्रदेश	६५
अंडमान निकोबार	३

ग्वालियर में जैनियों की संख्या

सन १९६१ की जनगणना अनुसार ग्वालियर जिले की गिर्दे पिछोर और मांडेर तहसीलों में कुल जनसंख्या ६॥ लाख है जिसमें कुल जैन ६,४७५ हैं जिनमें ३,४०६ पुरुष और ३०६९ महिलाएँ हैं। कुल संख्या में से ५,५१२ ग्रहरी क्षेत्र में और क्षेत्र ९६३ ग्रामीण क्षेत्रों में बसते हैं। जैन कुल संख्या के केवल ७३% हैं जब कि जिले में अन्य धर्मावलम्बीयों में ९२.३२% हिन्दू ७.५८% मुस्लिम हैं।

सन् १९६१ में श्री बडमान दिगम्बर जैन नव-मुक्त संघ द्वारा लक्ष्मर, ग्वालियर और मुरार की

गई जैन जनगणनानुसार जैनियों की संस्था केवल वृहत्तर ग्वालियर में ही ७५७६ है।

देश में आगामी जनगणना सन् १९७१ में होना है। प्रत्येक बन्धु को सचेत होकर अपने वर्ग, सरनेम आदि स्थान पर 'जैन' ही लिखवाना चाहिये तथा कर्मचारियों को पूर्ण और स्पष्ट जानकारी देना चाहिये। इस तरह दिगम्बर, श्वेताम्बर तेरापथी, बीसपथी, स्थानक वासी, समैया, लखेलवाल जैसवाल, वरैया, परवार, गोलापूर्व अग्रवाल आदि के स्थान पर 'जैन' शब्द की ही जनगणना पत्रक में भरवाना चाहिए। ऐसा करने का उद्देश्य किसी भी तरह की साक्षित भावना के उद्देश्य नहीं बल्कि सही संख्या ज्ञात हो सकने के उद्देश्य से किया जाना चाहिये।

जैनियों की जनगणना के सम्बन्ध में अखिल भारतीय दि० जैन शास्त्री परिषद के मंत्री श्री बाबूलाल जैन जमादार, १३६८ हाथी खाना, बड़ीत (मेरठ) पिछले ५ वर्षों से कार्य कर रहे हैं। उनके अनुसार भारत में जैन धर्मावलम्बी कम से कम एक करोड़ हैं। उन्होंने ५० लाख तक की गणना करनी है उनके इस कार्य में योग देने के लिए भी जनगणना के समय प्रत्येक बन्धु को सजग रहना चाहिए।

समाज के नवयुवक को उचित पूर्वक नगरीय और जिला स्तर पर अपनी जनगणना करना चाहिए। इस सम्बन्ध में नगरीय स्तर पर इन्दौर जैन-जल संस्था पुस्तिका तथा दिल्ली जैन डायरेक्टरी में किया गया कार्य प्रशंसनीय है।

प्रो० सन० सल० जैन
आनन्द-श्वन
फालके का बाजार, लक्ष्मर

दशलक्षण पर्व के दिनों में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जैनों की दी गई सुविधा

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दिगम्बर व श्वेताम्बर जैन सरकारी कर्मचारियों को छर्मा पासन हेतु बां जाने वाली सुविधाएँ :—

अनेक जैन बन्धुओं को दशलक्षण पर्व में दर्शन, पूजन, जल-उपवास, धर्म-ध्यान, शास्त्र-पठन एवं श्रवण में अनेक कठिनाइयाँ होती हैं। परन्तु वे इस विषय में जानकारी प्राप्त करने का प्रयत्न ही नहीं करते हैं कि उस सम्बन्ध में उन्हें कुछ अनुकूल सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण सुविधा यह है कि श्वेताम्बर जैन सरकारी कर्मचारी दशलक्षण पर्व के दिनों में प्रतिवर्ष भादो बदी १२ से भादो सुदी ५ तक और दिगम्बर जैन सरकारी कर्मचारी भादो सुदी ५ से भादो सुदी

१५ तक अपने कार्यालयों में १२ बजे तक पहुँच सकते हैं। इस सुविधा का उपयोग सभी सरकारी कर्मचारियों डाक्टर, प्रोफेसर, जज, लेखरार, शिक्षक, क्लर्क सभी बन्धुओं को छर्मा लाभ हेतु करना चाहिये। यह परिपत्र आज भी पूर्ण रूप से क्रियाशील है जिसकी पुष्टि मध्य-प्रदेश सरकार जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट ने अपने मेमोरेण्डम न० ५४०८—६६४६—१ (३) Dated the 27th Aug. 1967 में की है।

सामान्य प्रशासन विभाग के मेमो० न० 3425—973/1 (IV) 14-8-63 के पत्र की मूल रूप इस प्रकार है:-

GOVERNMENT OF MADHYA PRADESH, GENERAL ADMINISTRATION DEPARTMENT,

Memo No. 3425-973-1 (IV) Dated, Bhopal the 23rd Srvn 1885 14th August 1963.
To

All Departments of Government,
The President Board of Revenue M. P. Gwalior,
All Commissioners of Divisions,
All Heads of Departments, and
All Collectors of Madhya Pradesh.

Subject:—Grant of concession to Jain employees under Govt. to attend office late in the month of Bhadra Pad every year for the religious observances.

In partial modification of General Administration Deptt's Memo. No. 5408-6694-I (III) dated 27th Aug., 1957, read with further clarification issued vide G. A. D. Memo No. 1306-1428 I (IV) '62, dated the 12th March '63' Government are pleased to grant permission as given below to officials by 12 Noon in the month of Bhadra Pad every year to enable them to perform certain religious observances:—

A Shwetambar Jains
B Digambar Jains

Bhadra Badi 12 to Bhadra Suda 5
Bhadra Suda 5 to Bhadra Suda 15

This concession however be subject to the conditions that state of work permits and the officials undertake to keep the work to date.

By order and in the name of the

Governor of Madhya Pradesh.

Sd/- S. N. Rao

Under Secretary to Government.

Madhya Pradesh,

General Administration Department.

केंद्रीय सरकार द्वारा सरकारी जैन कर्मचारियों को सर्दी के दिनों में सूर्यास्त के पूर्व भोजन करने हेतु दी जाने वाली सुविधाएं

इस सुविधा के अनुसार जैन कर्मचारी ठंड के दिनों में नवम्बर, दिसम्बर और जनवरी के महीनों में जब दिन थोड़े होते हैं और सूर्य प्रकाश दफ्तर से घर पहुँचते-पहुँचते समाप्त होने लगता है तो दिन में ही भोजन करने वाले कर्मचारियों को बड़ी अनुविधा होती है। इसलिये जैनियों को इन दिनों में दफ्तरी से आधा घंटा पहिले जाने की सुविधा है। अतः सर्विस कर रहे जैन व्यक्तियों की चाहिये कि उनका लाभ उठाकर धर्म सेवन करें।

CONCESSION IN TIME FOR JAIN COMMUNITY

"The Govt. of India, Ministry of Home Affairs have decided that members belonging to the Jain community, may, on their request, be allowed to leave office half an hour earlier than the usual closing time during the months of November, December and January in order to enable them to reach home in time to take their meals before sunset subject to the condition that they come to office half an hour earlier in the morning"

(Government of India, Ministry of Home Affairs, office memorandum No. 65-10/47- Public (B), dated the 9th December 1947 received under Auditor General's endorsement No. 58-NGE/480-47 dated the 10th January 1948)

(Paragraph—2 under Note—"Manual of office Procedure"—A. G. M. P. Gwalior) 1961.

सम्प्रदाय वार सूची

खराडेलवाल जैन समाज, लखकर

निर्देशिका क्रम	प्रमुख का नाम	सदस्य संख्या	क्रम	प्रमुख का नाम	सदस्य संख्या	क्रम	प्रमुख का नाम	सदस्य संख्या
कम्पू रोड लखकर:—			दानाघोली:—			२५६	श्री भिवोक चन्द	२०
१६	श्री राजेन्द्रकुमार	२	२०४	श्री गुलाबचन्द	८	२६०	श्री सुरेन्द्रकुमार	६
माधवगंज:—			२०५	श्री कस्तूरचन्द	२	२६१	श्री मोतीलाल	२
२१	श्री महेशचन्द	३	२०६	श्री मोतीलाल	६	२६३	श्री मोतीलाल	३
२३	श्री मूलचन्द	७	२०७	श्री महेन्द्रकुमार	१२	२६६	श्री गोपीचन्द	७
७३	श्री रतनचन्द	७	२०८	श्री नारायणदास	१०	२६७	श्री बिमलकुमार	१०
७७	श्री सुगनचन्द	१२	२१२	श्री हेवेन्द्रकुमार	२	२६८	श्री सागरचन्द	२८
७८	श्री लक्ष्मीचन्द	२	२१३	“ चेतनमल	२	२६९	श्री मानिकचन्द	१०
७९	श्री हुकमचन्द	१०	२१४	श्रीमती कोकाबाई	१	२७५	“ उत्तमचन्द	६
८०	श्री कोशलचन्द	८	२१६	“ मिलरचन्द	४	२७८	श्री हीरालाल	६
८१	श्री पूनमचन्द	५	२२०	“ तेजनाथरायण	६	२७९	“ चन्द्रमोहन	२
८२	श्री नानुलाल	७	२२२	“ मनोहरलाल	४	२८०	श्री कपूरचन्द	१०
८३	श्री पञ्चालाल	३	२२६	“ फूलचन्द	२	२८१	श्रीमती रजोबाई	१
८२	श्री प्यारेलाल	८	२२७	“ कन्हैयालाल	६	२८४	श्री जीतल प्रसाद	५
८३	श्री फूलचन्द	२२	२३१	श्री मोतीलाल	११	२८५	“ नैमीचन्द	६
८७	श्री चिन्दूलाल	६	२३२	“ बाबूलाल	६	२८६	“ गुलाबचन्द	२
८८	श्री पञ्चालाल	८	२३४	“ गोपीनाथ	६	२९०	“ मानकचन्द	४
८९	श्री बाबूलाल	३	२३५	श्री मानकचन्द	५	२९२	“ कस्तूरचन्द	५
१०८	श्री मिलापचन्द	१०	२३६	श्री मोतीलाल	३	२९३	“ लक्ष्मी चन्द	३
४६९	“ पञ्चालाल	५	२४२	श्री सन्तलाल	१४	२९४	“ सोमागमल	१७
खिटभोश की गोठ:—			२४८	श्री वसन्तलाल	६	२९५	“ केसरीमल	६
१३१	श्री मिलापचन्द	१०	२५०	श्री चांदमल	४	२९७	“ सुगनचन्द	११
१३२	श्री गुलाबचन्द	१	२५१	श्री मानिकचन्द	८	३०४	“ प्रकाशचन्द	६
जनकगंज:—			२५२	श्री पूरनचन्द	५	३०७	“ सोमागमल	५
१५६	श्री रमेशचन्द	२	२५३	श्री सुदीरचन्द	७	३०८	श्री. नालचन्द	६
१८८	श्री धूर्गचन्द	११		श्री हस्तीमल	३	३०९	श्री फूलचन्द	६
१९५	श्री यादवचन्द	२		“ चांदमल	३	३१०	“ चिरीजीलाल	६
२००	श्री मधुराशान	४	२५८	श्री ज्ञान चन्द	७	३११	“ मोतीलाल	५
						३१२	“ सोमागमल	६

३२१	॥ सुरेन्द्रकुमार	७	४२४	श्री दीपचन्द	६	५२१	श्री राजेन्द्रकुमार	७
३२२	॥ रामलाल	१	४२५	॥ बभोलकचन्द	८	५२२	श्रीमती लीजाबाई	१
३४०	॥ भैरवलाल	२	४२६	॥ कन्हैयालाल	२	५२३	श्री धर्मचन्द	१६
३४१	॥ भीषमल	४	४२७	॥ मदनलाल	२	५२४	श्रीमती गुलाबचन्द	१
३४२	॥ चिरंजीलाल	१०	४२८	॥ भीषमचन्द	४	५२५	श्री ताराचन्द	५
३४३	॥ शान्तीचन्द	३	मनीराम का बाड़ा:-			५२६	॥ मुसालाल	७
३४६	॥ पारसलाल	४	४३२	॥ मदनलाल	२	५२७	॥ राजमल	१२
३६१	॥ ज्ञानचन्द	३	४३३	॥ कलाचन्द	६	५२८	॥ मदनलाल	६
३६२	॥ कल्याणमल	१०	४३४	॥ उम्मेदीलाल	२८	५२९	॥ मांगीलाल	६
गहस्त का ताजिया:-			४३५	॥ चिरंजीलाल	५	५३०	॥ बाबूलाल	७
३६७	श्री विभीषण	३	४३६	॥ गेंदालाल	१	५३१	॥ फूलचन्द	१०
३६८	॥ सूरजमल	३	४३७	॥ मांगीलाल	५	५३२	॥ बाबूलाल	५
३६९	॥ शान्तीचन्द	५	४३८	॥ गनेशीलाल	१	५३३	॥ बाबूलाल	६
३७१	॥ आनिकुमार	३	सराफा बाजार:-			५३४	॥ सन्तोषकुमार	७
३७५	॥ कपूरचन्द	५	४६६	॥ मानकचन्द	४	५३५	॥ मदनलाल	४
३७६	श्रीमती चिरंजीबाई	१	४७०	॥ पवनकुमार	७	नया बाजार:-		
३७७	श्री उत्तमचन्द	१	४७१	श्रीमती गुलाबदेवी	१	५४८	॥ हुकमचन्द	८
३८८	॥ सीमाचन्द	६	४७७	॥ विमलचन्द बंछ	६	५४९	॥ रूपचन्द	७
३८९	॥ कपूरचन्द	३	७११	॥ भैरवलाल	७	५५०	॥ गोपालदास	४
डीडवानामोली:-			७१२	॥ रिश्वचन्द	६	५५४	॥ हुकमचन्द	३
३९१	श्री विमलचन्द	१८	७१५	॥ तेजकुमार	६	५७१	॥ उत्तमचन्द	७
३९४	॥ मोतीलाल	२	७१६	॥ सीमाचन्द	६	शिन्धे की छावनी:-		
३९५	॥ जयकुमार	६	४७८	॥ प्रकाशचन्द	१५	६६९	॥ जगदीश	१
४०४	॥ रूपचन्द	१०	४७९	श्री मानिकचन्द	११	६७०	॥ सुमनकुमार	७
कसेराधोली:-			४८०	॥ निरञ्जनलाल	७	६७१	॥ प्रकाशचन्द	८
४०७	श्री फतेहचन्द	६	४८१	॥ गुलाबचन्द	६	६७२	॥ देवेन्द्रकुमार	६
४०८	॥ प्रकाशचन्द	३	४८२	श्रीमती सरस्वतीबाई	१	६७३	॥ कमलचन्द	५
४०९	श्रीमती कस्तूरीबाई	१	४८५	॥ सूरजमल	१	६७४	॥ सुरेन्द्रकुमार	६
४१०	श्री शान्तीचन्द	६	४८६	॥ मजनलाल	२	ब्यालियर:-		
४११	श्री शान्तीचन्द	१०	४८७	॥ गुलाबचन्द	६	७६२	॥ राजेन्द्रकुमार	७
४१२	श्री कन्हैयालाल	४	नई सड़क:-			मुरार:-		
४१९	॥ इन्दरचन्द	७	५०३	श्री बुद्धमल गगवाल	१२	८५५	॥ केशरीमल	१७
४२०	॥ फूलचन्द	१	५०४	॥ सरदारमल	६	८६६	॥ गनेशीलाल	१८
४२१	श्रीमती अंगूरीदेवी	३	५०५	॥ गुलाबचन्द	१			
४२३	श्रीमती केसरबाई	१	५११	॥ श्रीमती मोहरी	१			
				५११	॥ अशोककुमार	१		

बरैया जैन समाज, लक्ष्कर

गुड़ी-गुड़ा का नाका:—

१ श्री बन्नीप्रसाद	५
२ " बन्नीप्रसाद	१०
३ " बुलीलाल	४
४ " गुलाबचन्द	८

४२ श्री गवाप्रसाद	५
४३ " गगाराम	११
४४ " परमानन्द	२
४५ " रामसनेहीलाल	४
४६ " रामकिशन	६
४७ " मन्नालाल	७
४८ " जमरचन्द	७
४९ " रामचरणलाल	७

८५ " मानीलाल	७
८६ " केदारनाथ	६
८७ " इन्द्रसेन	२
८८ " बाबूलाल	६
८९ " मन्मथलाल	६
९० " छोटेनाथ	४
१०० श्रीमती रज्जोबाई	२
१०१ श्री बलराम	७

कम्पू रोड़

१३ " प्रमूदयाल	३
----------------	---

सिकन्दर कम्पू

१८ " सावलदास	७
१९ " प्यारेलाल	१
२० " जोसेलाल	४

५० " स्वरूपचन्द	१०
५१ " हरबिलाल	५
५२ " जेतराम	२०
५४ " देवचन्द	१२
५५ " मर्दनलाल	४
५६ " बालचन्द	५
५७ " पतराम	१२
५८ " देवीलाल	६
५९ " असरकीलाल	५
६० " रामस्वरूप	३
६१ " बाबूलाल	७
६२ " बाबूलाल	३
६३ " देवचन्द	१४
६४ " लालचन्द	५
६५ " मट्टलाल	२
६६ " मुलालाल	४
६६ " प्रेमकुमार	३

१०६ " नत्थूलाल	२
११० " फूलचन्द	७
१११ " बाबूलाल	११
११२ " भस्मनलाल	४
११५ " सम्पत्तलाल	७
११६ " बडामीलाल	६

हेमसिंह की परेड़

२४ " देवीलाल	६
२५ " बाबूलाल	१०
२६ " राजमलाल	७
२७ " बाबूलाल	६
२८ " शोभाशराम	७

६२ " देवचन्द	१४
६३ " लालचन्द	५
६४ " मट्टलाल	२
६५ " मुलालाल	४
६६ " प्रेमकुमार	३

कमाठीपुरा माधवगंज	
११८ " कपूरचन्द	२
१२१ " कमलचन्द	२
१२२ " धर्मचन्द	५
१२३ " मकरलाल	७
१२४ " द्वारकाप्रसाद	६

मामा का बाजार

३० " हरबिलाल	४
३१ " विसनस्वरूप	५
३२ " दीनदयाल	८
३३ " सन्तोषीलाल	७
३४ " रमेशचन्द	२
३५ " राधेश्याम	४
३६ " भगवानलाल	६
३७ " दर्शनलाल	६
३८ " नेकसीशराम	१
३९ " भाग्यकुमार	६
४० " रत्नलाल	५
४१ " ज्ञानचन्द	३

माधवगंज

६८ " शीतलप्रसाद	६
७४ " मोहनलाल	४
७५ " भगवतीप्रसाद	६
७६ " बाबूलाल	२
८४ " उत्तमचन्द	३

बापू डन्डी की गोठ

१२५ " उत्तमचन्द	३
१२६ " जगन्नाथप्रसाद	७
१२७ " पन्नालाल	७
१२८ " छोटेनाथ	८
१२९ " रघुनाथप्रसाद	१

चिटनीश गोठ

१३६ " मूलचन्द	६
१३७ " फतेहचन्द	३

बाबाबाई का बाजार

१४३	॥ चिरोजीलाल
१४४	॥ भीकानाम
१४६	॥ चिरोजीलाल
१४४	॥ पंचमलाल

कासगी बाजार

१६०	॥ सुनहरीलाल
१६१	॥ भववानलाल

डोलीकुमा का पुल

१६४	॥ बाबूलाल
१६६	॥ फूलचन्द

छवी बाजार

१६७	॥ रामदयाल
१६८	॥ नेमीचन्द
१६९	॥ नेमीचन्द
१७०	॥ मुरारीलाल
१७१	॥ पदमचन्द
१७३	॥ महावीरप्रसाद
१८१	॥ बोलेलाल

जमकगंज

१८३	॥ चिरोजीलाल
१८४	॥ चन्द्रसेन
१८५	॥ रतनलाल
१८७	॥ रतनलाल
	॥ भी मांगीलाल
	॥ भीवीराम
	॥ बिन्दुराम
	॥ बान्नीलाल
	॥ बालचन्द

भाऊ का बाजार

१९१	॥ सुरेन्द्रकुमार
१९७	॥ श्रीमती सोनाबाई

१९८ ॥ श्री गुलाबचन्द

१९९ ॥ बट्टलाल

बानाभोली

२१०	॥ ताराचन्द
२४१	॥ फूलचन्द
२६५	॥ पूरनचन्द
२७०	॥ गोपीलाल
२८२	॥ नेमीचन्द
२८६	॥ नेमीचन्द
३००	॥ रामदयाल
३०१	॥ अमरचन्द
३०२	॥ श्रीमती सरस्वतीबाई
३०३	॥ श्री नन्दीलाल
३१३	॥ महावीरप्रसाद
३१४	॥ नेमीचन्द
३१५	॥ रमेशचन्द
३१७	॥ मुन्नालाल
३१८	॥ बलन्त कुमार
३१९	॥ पूरनचन्द
३२०	॥ रामजीत
३३०	॥ सुगनचन्द
३३७	॥ किसनलाल
३३८	॥ जोहरीलाल
३४४	॥ हजारीलाल
३४५	॥ मोहनलाल
३४७	॥ नाराचन्द
३४८	॥ बिहारीलाल
३४९	॥ मकनलाल
३६३	॥ नाथूलाल
३६४	॥ फूलचन्द
३६५	॥ मुरारीलाल

गस्त का ताजिया

३७३	॥ भगवानदास
३७४	॥ हीरालाल
३७८	॥ चरोसीलाल

१	३७९	॥ रामचन्द	७
७	३८०	॥ लक्ष्मीराम	४
	३८१	॥ फूलचन्द	४
१०	३८२	॥ श्रीमती बेदीबाई	१
	३८३	॥ श्री रामसिंह	६
	३८४	॥ रतनलाल	६
	३८५	॥ स्यालीराम	२
	३८६	॥ बाबूलाल	३
	४००	॥ लक्ष्मीराम	३
	४०१	॥ कुन्दीलाल	५

कसेरा भोली

१	४१२	॥ श्रीमती लीलोबाई	२
	४१४	॥ श्री कपूरचन्द	५
	४१५	॥ गुलाबचन्द	६
	४१६	॥ श्रीमती सुमित्रादेवी	१
	४२२	॥ श्री भजनलाल	१०
	४२६	॥ श्री लालाराम	४
	४२८	॥ श्री प्रेमचन्द	२
	४३१	॥ नालमन	५

मनीराम का बाड़ा

	४३७	॥ श्री भागीरथप्रसाद	६
	४३८	॥ श्री महेशचन्द	३
	४३९	॥ श्री सन्तोषीलाल	५
	४४०	॥ श्री खेरातीलाल	१
	४४८	॥ प० लक्ष्मीराम	१
	४४९	॥ श्री चन्द्रसेन	७
	४५०	॥ श्री बुद्धीलाल	१०
	४५२	॥ श्री मुन्नालाल	३
		गुलाबचन्द	७

घोसी बाड़ा

११	४५४	॥ श्री रामचरणलाल	९
	४५५	॥ श्री पूरनचन्द	३
	४५६	॥ श्री सुगनचन्द	५
	४५७	॥ श्री बेदीलाल	२
	४५८	॥ श्री भगवतचन्द	७

पारख जी का बाड़ा

४६७ श्री प्रतापचन्द	२
४६८ श्री हीरालाल	४
४६९ श्री पन्नालाल	८
७१० श्री कासीराम	७
७१३ श्री प्रेमचन्द	१

दौलतगंज

५१७ श्री चर्मचन्द	६
५२८ श्री भरोसीलाल	७
५२९ श्री सलियाराम	३
५३७ श्री मन्मथलाल	६
५४२ श्री श्यामलाल	५
श्री हेमराज	१०

नयाबाजार

५५६ श्री रामचरणलाल	४
५६२ श्री मन्मथलाल	१
५६५ श्री चम्पालाल	७

बाल बाजार

॥ द्वारकाप्रसाद	३
॥ गुलाबचन्द	३
॥ ताराचन्द	५

हन्दरगंज

५९७ श्री हजारीलाल	१०
५९८ श्री महाचन्द	१०
५९९ श्री बाबूलाल	१२
६०० श्री प्यारेलाल	१७

६०७ श्री रामदयाल	४
६०९ श्री ज्ञानचन्द	६
६१३ श्री सुमनचन्द	११
६१४ श्री विबीचन्द	५
६१५ श्री सुन्दरलाल	३
६१६ श्री द्वारकाप्रसाद	४

जिसीनाला हाईकोर्ट

६२४ श्रीमती चम्पाबाई	१
६२५ श्री सूरजमल	१७
६२६ श्री बाबूलाल	१०
६२७ श्री कामताप्रसाद	६
६२८ श्री कैलाशचन्द	४
६२९ श्री रोजनलाल	४
६३० श्री लालचन्द	३
६३१ श्री मुकन्दीलाल	३
६३२ श्री शिवकुमार	२
६३३ श्री मोहनलाल	१७

शिंदे की छावनी

६५१ श्री शंकरलाल	६
६५२ श्री केशरीमल	७
६५३ श्रीमती अंगूरीबाई	३
६५५ श्री दत्तलाल	६
६५६ श्री बाबूलाल	६
६५७ श्रीमती शमनाबाई	१
६५८ श्री चिरोजीलाल	१५
६५९ श्री जनसुन्दरलाल	१०
६६० श्री नवलकिशोर	५

६६१ श्री कासीराम	६
६६२ श्री जालीराम	६
६६३ श्री मनमथलाल	८
६६४ श्री हरलाल	७
६६६ श्री अगवानलाल	७
६६० श्री ओमचन्द	३
॥ मुरारीलाल	६
॥ मुन्नीलाल	६
॥ बालचन्द	१
॥ प्रकाशचन्द	६
॥ देवेन्द्रकुमार	६
॥ दीपचन्द	६

फालका बाजार

६६६ श्री प्रकाशचन्द	६
६६७ श्री हजारीलाल	३

माधवगंज

७१८ श्री बुद्धामल	४
७१९ श्री पंचमलाल	५
७२० केशरीमल	५
७२१ श्रीमती पुनिषाबाई	१
॥ नरवडीबाई	१
श्रीमती विमोबाई	१

श्यालियर

७८२ श्री मोतीलाल	१
७८३ श्री दुर्गाप्रसाद	११

कृपया शासकीय जनगणना (१९७१) में अपने नाम के आगे सिर्फ "जन" ही लिखाईयेगा। खन्डेलवाल, जंसवाल, बरैया, घग्गवाल आदि लिखवाने से जनों की वास्तविक जनसंख्या ज्ञात नहीं हो सकती इससे उनका प्रतिशत अन्य जातियों से बहुत ही कम निकलता है।

जैसवाल जैन समाज

तिलक मगर लवकर:—

६ श्री विजयकुमार	४	२२८ श्री रामचरण	८	३३६ श्री महेशचन्द	२५
७ श्री जिनैन्द्रकुमार	८	२२९ श्री मुन्नालाल	५	३३९ ,, सुनहरीलाल	७
८ श्री बीरेन्द्रकुमार	५	२३० श्री नत्थीलाल	६	३४६ ,, मंगलचन्द	१०
९ श्री रमेशचन्द	३	२३३ ,, फूलचन्द	१	३५० ,, पूरनचन्द	३
		२३७ श्री रामस्वरूप	४	३५२ ,, सुरेशकुमार	६
		२३९ श्री बट्टीप्रसाद	९	३५३ ,, रामचरणलाल	२
साधव गंज		२४० श्री लक्ष्मणदास	६	३५४ ,, मांगीलाल	२
२९ श्री चांदमल	६	२४५ श्री रामस्वरूप	७		
६७ श्री मुन्नीलाल	७	२४६ श्री लक्ष्मणचन्द	११	गस्त का ताजिया	
८६ श्री लक्ष्मीनारायण	५	२४९ श्री मांगीलाल	८	३८६ ,, बलभद्रप्रसाद	३
८७ श्री नेमीचन्द	११	२५४ श्री श्रीपत	१५	४०२ ,, छोटेला	२
१०३ श्री राजाराम	६	२५५ श्री रामदयाल	६		
१०४ श्री रामचरणलाल	५	२५६ श्री नेमचन्द	१	मोकी ओली	
११३ श्री गुलाबचन्द	८	२५७ ,, नेमीचन्द	६	४०६ ,, लक्ष्मीचन्द	१६
१३० ,, प्रेमचन्द	८	२६४ श्री स्वरूपचन्द	५		
१६५ श्री लतेन्द्रनाथ	३	२७१ श्री लक्ष्मीनारायण	६	कसेरा ओली	
		२७२ श्री गणूलाल बी बाले	११	४३० श्री कौशलचन्द	२
छोत्री बाजार		२७३ श्री नेमीचन्द	७		
१७४ श्री धारेलाल	११	२७४ श्री भवणलाल	५	मनीराम का बाड़ा	
१७५ श्री सुजनचन्द	४	२८३ श्री पूरनचन्द	३	४४३ ,, नरथीलाल	६
१८० श्री नेमीचन्द	२	२८८ श्री प्रेमचन्द	४	४४४ ,, बीरेन्द्रकुमार	२
जनकगंज		३०६ श्री तोताराम	२	४४७ ,, ज्ञानचन्द	२
१८६ श्री श्रीचन्द	८	३२३ श्री मोतीलाल	१०	४५३ ,, लालचन्द	८
		३२४ श्री मिश्रचन्द	५		
बानाघोली		३२५ श्री गिरधारीलाल	८	घोसी बाड़ा	
२१५ श्री राजकुमार	७	३२६ श्री बाबूलाल	६	४५६ ,, श्यामलाल	३
२१६ श्रीमती ओझीबाई	१	३२७ श्री पंचाराम	२४	४६० ,, शंकरलाल	८
२१७ श्री श्यामलाल	१	३२८ श्री राजकुमार	२	४६१ ,, फूलचन्द	८
२१८ नेमीचन्द	७	३३२ श्री छोटेला	६	४६२ ,, छोटेला	३
२२१ डा० बाबूलाल	६	३३३ श्री ज्ञानचन्द	४	४६३ ,, मानिकलाल	४

बीलतगंज

५१२	"	सुरेन्द्रकुमार
५१३	"	भगवानदास
५१४	"	सीताराम
५३०	"	जमनादास
५३१	"	दाताराम
५४०	"	रोशनलाल
५४१	"	मूलचन्द

नया बाजार

५७४	"	पवनकुमार
५७५	"	प्रयागनारायण
५७६	"	महेशचन्द
५७६	"	डा० ज्ञानप्रकाश

हन्दर गंज

६०३	"	कमलमल
६०४	"	भागचन्द
६०५	"	भोगीराम
६०६	"	जवाहरमल
६१२	"	कैलासचन्द
६२०	"	दुर्गेशकुमार

जिन्सी नाला

६३४	"	प्रो० अमरचन्द
-----	---	---------------

शिन्दे की छावनी

६३६	"	श्री ग्यासीलाल
६४०	"	राजेश्वरप्रसाद
६४१	"	गोविन्दीलाल
६४२	"	बाबूलाल
६४३	"	नरेशचन्द
६४४	"	बंगालीबाबू
६४४	"	शंकरलाल
६४५	"	छोटेलाल
६४८	"	गोपीलाल
६४६	"	विरोजीलाल

६५० " पोधीराम

२	६६८	"	राजाराम
६	६७५	"	करनसिंह
८	६७६	"	ग्यासीलाल
६	६८३	"	रामनाथ
५	६८४	"	रामप्रसाद
१४	"	"	राधेलाल

स्टेशन रोड

६८६	"	गनपतलाल
६८७	"	जवाहरलाल

पाटनकर बाजार

६६३	"	हरीशचन्द
७०१	"	पं० त्रिलोकचन्द
७०२	"	श्री रवीन्द्रमल
७०३	"	कुलचन्द

जरी पटका

७०५	"	मोहनलाल
७०६	"	बाबूलाल
७०७	"	ग्यासीराम

कमलसिंह का बाग

७०६	"	डा० जवाहरलाल
-----	---	--------------

सराफा बाजार

७१४	"	बीरेन्द्रकुमार
७१७	"	पारसमल अत्री

छत्री बाजार

६८५	"	नेमीचन्द
-----	---	----------

ग्यालियर

मोहल्ला लखाराम

७२४	"	गोपीचन्द
७२५	"	नन्दीलाल
७२६	"	बलमन्तराम

२ लोहा मण्डी

५	७२६	"	शंकरलाल	७
११	७३०	"	लज्जाराम	१०
६	७३१	"	ग्यासीराम	३
५	७३२	"	नन्दकिशोर	४
४	७३३	"	जीवाराम	८
७	७३४	"	श्रीचन्द	११
	७३५	"	प्यारेलाल	१
१७	७३६	"	नेमीचन्द	६
६	७३७	"	हरीशचन्द	८
	७३८	"	मंगलचन्द	११
६	७३९	"	सूबचन्द	६
६	७४०	"	भीमुरीमल	१०
६	७४१	"	सुखलाल	७
३	७४२	"	नेमीचन्द	६
१५	७४३	"	हजारीलाल	३
	७४४	"	आमन्दीलाल	१०
१२	७४५	"	अश्वेलाल	१
४	७४६	"	नन्दकिशोर	८
८	७४७	"	तुलसीराम	३
	७४८	"	भजनलाल	७
	७४९	"	रामचन्द्र	५
११	७५५	"	हीरालाल	८

कोटा वाला मोहल्ला

५	७५६	"	बिहारीलाल	१०
४	७५६	"	मलहरीलाल	२

गंज

५	७६१	"	बोखेलाल	८
	७६२	"	भोगीराम	८
	७६३	"	कुलचन्द	७
	७६४	"	चन्दलाल	६
	७६५	"	ज्ञानचन्द	७
६	७६६	"	सूबचन्द	३
३	७६७	"	अयुध्याप्रसाद	६
४	७७१	"	सुरेन्द्रकुमार	४

भालियर

७६३	श्री किशननाथ
७६४	" बरदेवप्रसाद
७६५	" गेंदालाल
७६६	" रामबाबू
७६७	" सुनहरीलाल
७६८	" उषसेन
८०४	" नन्हेलाल
८०५	" कन्धनलाल
८०६	" हरबहाल
८१६	" प्रभुदयाल

ठाठीपुर कालोमी मुरार

८१६	श्री जगदीशचन्द
८२०	" चन्द्रसेन जैन
८२५	" अणु. एस. जैन
८२६	" नरबीलाल

सह्यर बाजार:—

८२४	श्री गोकलचन्द
८६६	" कालीचरण
८६७	" विहारीलाल
८३१	" त्रवाचननाथ
८३२	" गुलजारीलाल

बिक सभ्तर

८३३	श्री श्रीलाराम
८३४	" दुन्देराज
८३५	" ज्ञानचन्द
८३६	" प्रेमचन्द
८३७	" वाताराम
८३८	" बन्धीचर
८३९	" राजाराम
८४०	" प्यारेनाथ
८४१	" कन्हैयालाल
८४२	" मुरलीधर
८४३	" बालमुकुन्द
८४४	" लक्ष्मण

८४५	श्री जगन्नाथप्रसाद
८४६	" सोलाराम
८४७	" सुमनचन्द
८४८	" बाबूलाल
८४९	किशोरीलाल
८५०	" छोटाराम
८५१	" जकरलाल
८५२	" हजारीलाल
८५३	" ज्ञेयचन्द
८५४	" मुरलीधर

सत्यनारायण सन्तर मुरार

८५६	श्री धनीराम
८६०	" गुन्वारीलाल
८६१	" मनोहरलाल
८६२	" मूलचन्द
८६३	" प्रेमचन्द
८६४	" गिरिजचन्द
८६५	" अमीरचन्द

गगामाई सन्तर

८६७	श्री बाबूलाल
८६८	" बाबूलाल
८६९	" मधूलाल
८७०	" अणुवानदास
८७१	" पुरुषोत्तमदाम
८७२	" जवालाप्रसाद
८७३	" मांगीलाल
८७४	" बिनोदकुमार
८७५	" धनीराम
८७६	" हसराम
८७७	" बटनलाल
८७८	" दीनाभाष
८७९	" नरेन्द्रकुमार
८८०	श्रीमती ग्यालोबाई
८८१	श्री चारेलाल
८८२	" गणेशराम
८८३	" मकोहरलाल

८८४	श्री लालपति
८८५	" अजनलाल
८८६	" गुलाबचन्द
८८७	" रतनलाल
८८८	" गिरधारीलाल
८८९	" बिमलचन्द
८९०	" श्रीलाल
८९१	" दीनानाथ
८९२	" जकरलाल
८९३	" विधीचन्द
८९४	" मोनपाल
८९५	" जनश्यामदास
८९६	" रामकिशन
८९७	" गोपीचन्द
८९८	" दुर्गाप्रसाद
८९९	" किशनचन्द
९००	" टिल्ले अणुवान
९०१	" मुन्नीलाल
९०२	" मुन्नीलाल

शम्भूमल की बगीची

९०६	श्रीमती राजावेदी
९०७	" अनेकाबाई
९०८	श्री चेताराम
९०९	" मुन्नीलाल
९१०	" कपूरचन्द
९११	" हजारीलाल
९१२	" श्रीलाल
९१३	" दीपचन्द
९१४	" ज्ञानचन्द
९१५	" लूचचन्द
९१६	" मोछीलाल
९१७	" मातादीन
९१८	" फूलचन्द
९१९	" नरबीलाल
९२०	" अजनलाल

ठण्डी सड़क, मुरार

६२१	„ कैलाशचन्द	१५
६२२	„ मदनलाल	४
६२३	„ भोकुलचन्द	३
६२४	„ कैलाशचन्द	२
६२५	„ हरलाल	८
६२६	श्रीमती रमकोबाई	२
६२६	श्री शान्तिनाथ	६

घास मण्डी

६३१	„ श्यामलाल	८
६३२	„ हरीशचन्द	८
६३३	„ बालाराम	८
६३५	„ छोटेनाथ	११

अनाज मण्डी

६६७	„ कालीचरण	१४
-----	-----------	----

सिंहपुर रोड

६३८	„ लक्ष्मीराम	२६
६३६	„ कन्हैयालाल	८

बजाज खाना

६४०	„ श्यामलाल	१०
६४१	„ रामचरण	१०
६४२	„ कैलाशचन्द	२
६४३	„ महावीरप्रसाद	२

कोतवाली सन्तर

६४४	„ मोतीलाल	५
६४५	„ श्यामलाल	११

नदी सन्तर

६४६	„ कुन्जलाल	७
-----	------------	---

सौदागर सन्तर

६४८	„ किन्नोरीलाल	८
-----	---------------	---

मुदामापुरी

६४९	„ अतुरीमल	५
६५०	„ विशाराम	६

६५१ „ गणेशराम

६५२	„ रतनलाल	५
-----	----------	---

नया सन्तर

६५४	„ प्रेमचन्द	८
६५५	„ नेंदालाल	८

खुला सन्तर

६५६	„ मंगलचन्द	८
६५७	„ कुटुबचन्द	८

रिसाला बाजार

६५८	„ रत्नचन्द	१
६५९	„ प्रागनारायण	१

सत्यनारायण सन्तर

„ गिरनारीलाल	३
--------------	---

अग्रवाल

गुड़ी-गुड़ा का नाका:—

५	लक्ष्मीनारायण	२
---	---------------	---

माधवगंज, लड़कर

७१	श्री भगवानदास	२
७२	श्री रामचन्द्र	३
१०६	श्री चुन्नीलाल	८
१३५	श्री कन्हैयालाल	१२
१३६	श्री नेमीचन्द	६
१४५	श्री महेन्द्रकुमार	१०
१५०	श्री सीताराम	७
१६२	श्री पूनमचन्द	५
१६३	श्री कपूरचन्द	१०

जनकगंज

१६१	श्री नेमीचन्द	१०
१६२	श्री रत्नचन्द	७

४ बानाग्रोली

६	२८७ श्री कौशलकिशोर दीवान	६
	२८८ डा० जे० के० दीवान	६
८	२८९ श्री कैलाशबाबू	२
८	२९१ श्री नानकराम	२
	२९६ श्री बाबूलाल	६
	३१६ श्री शान्तीलाल	४
८	३५७ श्री लक्ष्मीचन्द	१२
८	३५८ श्री गोपीलाल	६
	३५९ प्रो० काशीराम	२
१	३६० श्री प्रकाशचन्द	८
१	३६६ श्री प्रमचन्द	६

गस्त का ताजिया

३	३७० श्री जगन्नाथप्रसाद	६
	३७२ श्री बिनोदकुमार	३
	३८७ श्री कृष्णकुमार	१

डीडवाना ग्रोली

	३६२ श्री रघुवीरश्याम	६
	३६३ श्री नेमीचन्द	१०
	३६६ श्री कन्हैयालाल	१२
	३६७ श्री लक्ष्मचन्द	८
	३६८ श्री होरालाल	८
	३६९ श्री रामबाबू	१२

सरफा बाजार

	४७३ श्री अजुध्याप्रसाद	१५
	४७४ श्री गकरलाल	१०
	४७६ श्री गुलाबचन्द	५
	४८४ श्री रामचरणलाल	२
	४८६ श्री बाबूलाल	१
	४८७ श्री तोताराम	१२
	४८८ श्री रमेशचन्द	१६
	४८९ श्री गुलाबचन्द	१६
	४९० श्री गणेशराम	१६
	४९१ श्री आचाराम	६

नई सड़क

४६८ श्री श्यामलाल	७
५०० श्री आनन्दकुमार	१

बोलतगंज

५१५ श्री कामन्दकुमार	५
५१६ श्री रामचन्द्र	१०
५२० श्री सुरजनारायण	३
५३८ श्री गनपतलाल	१३
५४३ श्री मुरारीलाल	१

नया बाजार

५४४ डॉ० ओ. एस. दीवान	१४
५४५ श्री जिनेश्वरप्रसाद	७
५७२ श्री नरेन्द्रकुमार	३

हुम्बर गंज

६१० श्री जैनेश्वरकुमार	१
६११ श्री कृष्णकुमार	१
६२१ श्री मंकरलाल	७
" मूलचन्द ओमप्रकाश	६

शिंदे की छावनी

६३८ श्री बनारसीदास	१०
--------------------	----

पाटनकर बाजार

६६१ श्री कन्हैयालाल	७
६६२ ओ ओमप्रकाश	५
६६६ श्री बाबूलाल कागला	६

नया बाजार

" मनोहरलाल	४
------------	---

लोहिया बाजार

" गिरराजकिशोर	८
" सीताराम सराफा	६
" श्रीराम	५
" प्रभूमहावीरप्रसाद	६

श्यालियर :—

चौक बाजार :—

७२७ " रामजीदास	४
----------------	---

लोहा मंडी :—

७२७ " हरविन्दकुमार	१०
७४८ " मोतीलाल	८

फोटा वाला मोहल्ला

७५७ " फूलचन्द	१८
७५८ " धनलाल	११

गंज :—

७६० " किशोरीलाल	८
७६८ " रामचन्द्रतार	७
७७० श्रीमती विन्जोबाई	१

फोर्ट रोड :—

७७१ श्री हूरप्रसाद	६
७७२ " नोनकरन	१०
७७३ " नोनकरण	१०
७७४ " विवीचन्द्र	४
७७५ " बाबूलाल	६

चौक बाजार

७७६ " पन्नालाल	६
७७७ " नारायणदास	११
७७८ " सुन्दरलाल	६
७७९ " रामजीदास	२०

पंसारी ओली :—

७८० " हरीशचन्द	११
७८१ " राजाराम	१२
७८६ " राजाराम	८

सोडा का कुआ :—

७८४ " कैलासनाथ	८
७८७ " मानेराम	८
७८८ " सुन्दरलाल	४

७८६ " बासुदेव	५
---------------	---

७९० " भूपेन्द्रकुमार	३
----------------------	---

७९६ " छोटेलाल	१०
---------------	----

८०० श्री प्रेमचन्द	५
--------------------	---

८०१ श्री हुकमचन्द	३
-------------------	---

८०२ श्री डालचन्द	३
------------------	---

८०३ श्री मोतीलाल	६
------------------	---

छोटा बाजार :—

८०७ श्री सीताराम	६
------------------	---

८०८ श्री बाबूलाल	६
------------------	---

८०९ श्री किशनलाल	२२
------------------	----

घास मण्डी :—

८१० श्री कन्हैयालाल	११
---------------------	----

८११ तोताराम	४
-------------	---

८१२ श्री किशोरीलाल	८
--------------------	---

८१३ श्री ग्यासीलाल	११
--------------------	----

तामेश्वर महादेव :—

८१४ श्री रामजीदास	६
-------------------	---

८१५ श्री वर्मनलाल	१६
-------------------	----

ठाठोपुर कॉलोनी, मुरार

८२१ श्री बी० एस० जैन	८
----------------------	---

८२२ श्री एस० एल० गोयल	८
-----------------------	---

८२७ श्री एस० एम० गोयल	६
-----------------------	---

जैन मंदिर संतर, मुरार

८६६ श्री कैलाशचन्द	२०
--------------------	----

शम्भूमल की बगीची :—

८०५ श्री सुरेन्द्रकुमार	५
-------------------------	---

कोतवाली संतर :—

८४७ श्री रतनलाल	८
-----------------	---

८४७ श्री मानिकचन्द	५
--------------------	---

८५३ श्री जिनेश्वरकुमार	८
------------------------	---

परवार

कम्पू रोड़, लखकर

१०	श्री सरदारमल	२
११	" उत्तमचन्द	७
१२	" कालुराम	७
१५	" देवेन्द्रकुमार	४
२२	" डा० आर० के० जैन	२

मामा का बाजार

५३	" प्रकाशचन्द	३
६३	" मोतीलाल	६

माधवगंज

६६	" प्रमलकुमार	६
८८	" मनोहरलाल	६
६६	" मदनलाल	६
१०२	" सुमतप्रसाद	७
११७	" पन्नालाल	१४
११६	" कल्याणदास	९
१२०	" कन्हैयालाल	४
१४०	" छैलबिहारीलाल	४
१४२	" दयाचन्द	७

लाला का बाजार

१५६	" बुद्धामल	६
२०२	" हरेन्द्रकुमार	१

बानाग्रोली

२११	" जयदेव	६
२३८	" महेन्द्रकुमार	८
२४३	" बिजयकुमार	६
२४४	" कपूरचन्द	११
३३१	" रामबाबू	२
३४६	" कमलकुमार	११

नई सड़क

४६३	" मूलचन्द	१२
४६६	" पी० सी० जैन	३

नयाबाजार

५४६	" डा० प्रकाशचन्द्र	७
५४७	" प्रेमचन्द	१२
५५१	" मोतीलाल	१०
५५७	" राजकुमार	२
५५६	" लक्ष्मीचन्द	६
५५६	" कुन्दनलाल	४
५६०	" वीरेन्द्रकुमार	६
५६६	" बाबूलाल	१६
५६६	" कपूरचन्द	८
५७७	" नरेन्द्रकुमार	१
५७८	" चम्पालाल	१

इन्दरगंज

५६४	" नेमीचन्द	७
५६५	" चम्पालाल	१०
५६६	" हुकमचन्द	८
६०१	" श्री निमलकुमार	२
६०८	" श्री गट्टू लाल	६

शिबे की छावनी

६५४	" श्री छोटेलाल	४
-----	----------------	---

पाटनकर बाजार

६६४	" प्रो० बाबूलाल	४
६६५	" श्री सूरजमल	१

फालका बाजार

६६८	" प्रो० नरेन्द्रलाल	७
७०६	" डा० जवाहरलाल	११

जनकगंज

डा०	" श्रीतलचन्द	७
-----	--------------	---

लोहा मण्डी, ग्वालियर

७४६	" श्री मोतीलाल	८
७५०	" श्री कस्तूरचन्द	७
७५१	" श्री बाबूलाल	१३
७५२	" श्री देवीराम	१०

सोडा का कुमा :—

७८५	" श्री बुजलाल	२
ठाठीपुर, मुरारः—		
८२३	" श्री मणेशप्रसाद	६
घासमंडी		
६३०	" श्री कण्ठेदीलाल	१०
६३४	" श्री दत्तरथलाल	८

गोलालारै

चिदनीश की गोठ

१७	" डा० देवचन्द, कम्पूरोड़	६
१३८	" श्री मृन्दावनलाल	७

जनकगंज

१८२	" श्री राजेन्द्रकुमार	५
१६०	" श्री उग्रसेन	२
१९३	" श्री लक्ष्मीनारायण	५
१६४	" श्री श्रीतलचन्द	६
२०१	" श्री भागीराम	५

कसेरा ग्रोली

४१७	" श्री हंसराज	५
४४१	" श्री सुवनचन्द	८
४४२	" श्री बिहारीलाल	६

घोसी बाड़ा

४६४	" श्री जयकुमार	५
४६५	" श्री छोटेलाल	४

नई सड़क

४६५	" श्री जान्नीलाल	१
४६७	" श्री सुवनचन्द	५
५०१	" श्री महावीरप्रसाद	२
५०६	" श्री पन्नालाल	६

नया बाजार

५६३ श्री इन्द्रसेन	७
५६४ श्री कुशलचन्द	२
५६७ श्री देवेन्द्रकुमार	३
५७० श्री मानिकचन्द	७

शिन्धे की छावनी

६१८ श्री जगराम	४
६६१ श्री मुरारीलाल	६
६६६ श्री मुन्नीलाल	६

वाल बाजार :-

श्री ज्ञानचन्द	६
श्री सुगनचन्द	१०
श्री नेमीचन्द	५

ठाठोपुर कालोनी, मुरार

८२४ श्री पी० सी० जैन	३
----------------------	---

बिक संतर, मुरार:-

८५६ श्री मुन्नालाल	७
८५७ श्रीमती लामोबाई	२

गंगामाई संतर

८०३ श्री ज्ञानचन्द	८
८२७ श्री भागचन्द	८

पल्लीवाल

१७६ श्री दुर्गाप्रसाद, खत्रीबाजार	१
४०५ " प्रेमचन्द, मोचीओली	७
४१३ " छोटेलास, बसोराओली	६
४७२ " परसराम, सराफा	५

लोहिया बाजार

५८१ " देवीराम	१३
५८२ " बंसीधर	५
५८३ " रामोदरदास	६

५८४ " मिश्रीलाल	११
५८५ " कन्हैयालाल	१२
५८६ " गंगाराम	५
५८७ " लालाराम	६
५८८ " कुशलचन्द	६
५८९ " भरोसीलाल	५
५९० " हरीबाबू	३
५९१ " राजकुमार	६
५९२ " रतनलाल	१६
५९३ " बाबूलाल	८
१४५ श्री० चन्दायामदास	१०

शिन्धे की छावनी

६७६ श्री यतीन्द्रकुमार	५
मुरार	

८५८ श्री मोतीलाल	१०
८०४ श्री हरमोचिन्द	६

खरोंआ

माधवगंज :-

७० श्री मुन्नालाल	२०
१४१ " केशरीचन्द	२
१४७ " मुन्नालाल	७
१४८ " बाबूलाल	८
१४९ " मित्राजीलाल	२
१५१ " महेन्द्रकुमार	६
१५२ " बाबूलाल	८
१५३ " विनोदकुमार	६
१५५ " भानुकुमार	७

बानाओली :-

२४७ " जयचन्द	११
४५१ " कुलजारीलाल	८
५०७ " गुलजारीलाल	८
५०८ " सतीशचन्द	३

नया बाजार

५५३ श्री निर्मल कुमार	६
५८० " राम स्वल्प	२५
६२३ " नरेन्द्र कुमार	४

शिन्धे की छावनी

६६७ श्री गुलाब चन्द	७
६८८ " रामसहाय नाकाचन्द्रवदनी	४

श्री कृष्ण धर्मशाला

श्री जवाहरलाल	७
" पन्नालाल	३

लम्हेचू

बानाओली लश्कर:-

२०३ श्री जिनेश्वर दास	३
" प्रकाश चन्द	६
२७६ " राधा मोहन	३
४०६ " मन्नीलाल	१०

नया बाजार

५४५ श्री भद्रमन लाल	६
६७३ " प्रेमचन्द	८
श्री नरेन्द्र किशोर	३
" बुद्धसेन	६
" वीरेन्द्र कुमार	३

शिन्धे की छावनी

६३६ श्री गुलाब चन्द	७
६३७ " बाबूलाल	११
६७७ " कपूर चन्द	६
६८० " मोरेलाल	७
६८१ " श्रीचन्द	७
६८२ " स्वदेशीलाल	६

म्यालिधर जैन निर्देशिका

७०० " मनीराम ५
 " फूलचन्द, चावड़ी बाजार ३
 " मुन्नालाल, कटीघाटी ५

गोल सिंघारे

छत्री बाजार लइकर:—

१७२ श्री बाबूलाल ५
 १७६ " बाकिलाल ६
 १७७ " हजारी लाल ३
 १७६ " नारायण प्रसाद २

दाना भोली

२२३ " चन्द्र सेन ५
 २६२ " जलधारी ४
 ३२६ " सुगनचन्द ६

नई सड़क

४६४ श्री छदामी लाल ५
 ५१० " बाबूलाल ८

इन्दर गंज

६१६ श्री भिलारीलाल २७
 ६१७ " प्रकाश चन्द ८

फालका बाजार

७०४ श्री बुद्धिसेन १०
 ७०८ श्री कुन्दीलाल १२

पद्मावती परवाल

१४ श्री कामगिरी लाल, कम्पू ५

माधव गंज

१०७ " श्यामलाल ३
 ११४ " चम्पालाल १३
 १३३ " हरदिलाल ५
 १३४ " किशन स्वरूप ४

दानाभोली

२२४ " श्रीमती राशमणि बाई १
 २२५ श्री महेश कुमार ४
 ४६६ " निर्मल कुमार ४
 ५१८ " दया प्रकाश, दीलतगत ३
 ५१६ " सत्यप्रकाश " ४

नया बाजार

५५२ " मोतीलाल १३
 ५६१ " सोमबाबू ३
 ६३५ " गोमनलाल ७

शिन्हे की छावनी

६४६ " बीरेन्द्र कुमार ६
 ६४७ " प्रकाश चन्द ५

बुढ़ेलवाल

दानाभोली लइकर

३३५ श्री पारस दास ३

५०२ " मुमरीवाल ११

दूमड़

२७७ श्री उपसेन दानाभोली ४
 ३०५ " विमलचन्द " ४

वधेरवाल

इन्दर गंज, लइकर

६६२ श्री गुलाब चन्द ६

गोलापूर

इन्दर गंज, लइकर

६०२ श्री नन्दन चन्देलिया ५

गंगेलवाल

३३४ श्री मुरेश भाबू दानाभोली ३

श्रीमाल

सराफा बाजार, लइकर

४७५ श्री चिरोजी लाल ५

एक दृष्टि में:--

नगर की दिगम्बर जैन समाज

नं०	सम्प्रदाय	सशकर		ग्यासिधर		मुरार		कुल योग	
		परिवार/जन संख्या		परिवार/ जन संख्या		परिवार/जन संख्या		परिवार/जनसंख्या	
१	जैसवाल	१२०	७६५	४५	२६०	१२२	६३१	२८७	१६८६
२	बरीया	२४२	१३३४	२	१४	—	—	२४४	१३४८
३	काण्डेलवाल	१७१	१०७३	१	७	२	३५	१७४	१११५
४	अग्रवाल	६५	४६३	३६	३४०	८	६८	११२	६०१
५	परवाल	४८	३१६	५	४०	३	२४	५६	३८०
६	गोलालारे	२६	१४०	—	—	५	२८	३१	१६८
७	पल्लीवाल	१६	१४८	—	—	२	१६	२१	१६७
८	करीभा	२१	१५७	—	—	—	—	२१	१५७
९	लम्हेरू	१८	११४	—	—	—	—	१८	११४
१०	गोलसिधारे	१३	१०२	—	—	—	—	१३	१०२
११	पद्मानती परवाल	१५	८०	—	—	—	—	१५	८०
१२	कुठेलवाल	२	१४	—	—	—	—	२	१४
१३	कमर	२	८	—	—	—	—	२	८
१४	अधेरवाल	१	६	—	—	—	—	१	६
१५	गोलापूरब	१	५	—	—	—	—	१	५
१६	श्रीमान	१	५	—	—	—	—	१	५
१७	गंगेलवाल	१	३	—	—	—	—	१	३
१८	विभिन्न छात्रावासों में स्थित दिगम्बर जैन छात्र							—	८४
दिगम्बर जैन समाज		७६६	४७६३	६२	६६१	१४२	११०५	१०००	६६४३
श्वेताम्बर जैन समाज		१४०	८६१	—	—	८	४२	१४८	८३३
नगर के कुल जैन		९०६	५६२४	६२	६६१	१५०	११४७	११४८	७५७६

व्यवसायिक विवरण

सोने-चाँदी के जैन व्यवसायी

सराफा बाजार लडकर

मे०-आनन्दीमाल राजमल जैन सराफ

" गुलाबचन्द रेशमचन्द सराफ

" गुलाबचन्द नेमीचन्द "

" कजोडी मल मूलचन्द पाटनी "

" प्रो सुगनचन्द पाटनी "

" भासकरन भवरलाल "

" भैरौदान बीबूलाल "

" हमीरमल छगनमल "

" लक्ष्मी चन्द गुलाब चन्द "

" बल्लामल दीप चन्द "

" प्रताप मल पूरन चन्द "

" कुन्नामल कन्हैयालाल "

" गोपीलाल लक्ष्मी चन्द "

" गन्नामल बल्लालाल "

" अजुध्या प्रसाद भोगीराम "

" रिखव दास मोतीराम "

" मोती लाल बाबू लाल "

" नन्ने मल धारेलाल "

" कैलाश चन्द अग्रवाल "

" मोतीलाल लक्ष्मीचन्द "

" प्रेम चन्द खेम चन्द "

" बागमल फतेह चन्द "

" सुन्दर लाल छगन लाल "

" लक्ष्मन दास अजित कुमार "

" गुलाब चन्द सीताराम "

" छोटे भईया नेमीचन्द "

" इन्दर चन्द नानूलाल "

मे. नाथूलाल रामजीदास सराफ

" नेपाल मिह सराफ, नया सराफा "

" भूप किशोर मोहन लाल, मुरार

" जम्पालाल ज्योध्या प्रसाद, बालियर

" तोताराम किशोरीलाल "

" गुलाबचन्द किशोरीलाल "

" सटेराम गुलाबचन्द "

" मदनलाल रामजीदाम "

" नोनकरन बासीराम "

जैन वस्त्र व्यवसायी

चोक वस्त्र व्यवसायी, नया बाजार

मे. गणेशीलाल फूल चन्द

" अभिनन्दन कुमार सुरेन्द्र कुमार

" भईवालाल प्रेमचन्द

" पन्नालाल बिरघारीलाल

" सोनेलाल कून्दनलाल

" प्रेमचन्द शतीस कुमार

" कुमलचन्द कैलालचन्द

" लक्ष्मी चन्द राजकुमार

" जैन क्लोथ स्टोर्स, दरी केमट्री

चोक व खेरीम वस्त्र व्यवसायी, सराफा बाजार

मे० जितेन्द्र वस्त्र ग्रन्थार

मे० उदयचन्द बाबमल बापना

मे० बापना क्लोथ स्टोर्स

" गगाराम तोताराम

" तोताराम कन्हैयालाल

" खेम्पुरी रिटेल शॉप

" बरैया स्टोर्स

" पारस एन्ड सन्स

- १७ पारस बदर्श
- १८ देहली साही मण्डार
- १९ कोठारी सन्त
- २० केलिकलाच रिटेल काँच
- २१ ज्वालिबर गोटा केवटी
- २२ गुलाब चन्द श्री राम
- २३ हेप्पुम दरी मण्डार

केरीज चन्द व्यवसायी, वही मण्डरी

- मे. नेमीचन्द भागचन्द
- २४ लक्ष्मण कुमार देवेन्द्र कुमार
- २५ जैन कटपीस टेम्पोरियम
- २६ पदम चन्द पवन कुमार
- मे. लाराचन्द बाबूलाल
- २८ नरधी लाल अशोक कुमार
- २९ लालचन्द महेशचन्द
- ३० मूलचन्द कैलाश चन्द
- ३१ एस. के. जैन एण्ड क.
- ३२ राजकुमार क्लोथ स्टोर्स
- ३३ रावसमल कमल कुमार
- ३४ लाराचन्द प्रदीप कुमार

चोक व केरीज चन्द व्यवसायी, मायाच भंड

- मे. सुरगदल कुन्तनमल
- ३६ पन्नालाल सीताराम
- ३७ लक्ष्मीचन्द धन्नालाल
- ३८ बाबूलाल ज्ञानिकुमार
- ३९ गंगाधर इन्दरचन्द
- ४० इन्दरचन्द जगदीशप्रसाद
- ४१ गोपीलाल ओमप्रकाश
- ४२ फैजली क्लोथ स्टोर्स
- ४३ बिरोजीलाल क्लोथ स्टोर्स
- ४४ कमलाप्रसाद ओमप्रकाश
- ४५ मोरीशकर ओमप्रकाश
- ४६ मुन्नीलाल महेशकुमार
- ४७ जयहिन्द स्टोर्स
- ४८ अमनलाल कन्हैयालाल

- २५ नेमीचन्द भंवरलाल
- २६ चम्पालाल अशोककुमार
- २७ देवरचन्द पवनकुमार
- २८ जयचन्द निहालचन्द

किराना व गल्ला व्यवसायी

भगवानदास जोहरी लाल, इन्दर गज

- हरीदास प्रकाश चन्द १६
- अशोक कुमार मुकेन कुमार १७
- मोतीराम रामचन्द इन्दर गंज १८
- हीराचन्द छोटेला १९
- ज्ञान चन्द जय कुमार दाल बाजार २०
- इशामलाल सुगनचन्द इन्दर गंज २१
- बाबूलाल मिजामी लाल २२
- मायाचन्द अनेकराम फालका बाजार २३
- फूल चन्द ज्ञान चन्द २४
- ओमप्रकाश मूलचन्द
- चम्पालाल गुना वाले
- रुम्मन लाल मोतील प्रसाद, दाना ओली
- मोलाराम प्रेमराज नरकर व मुरार
- ओखेलाल बिहारीलाल, गज, मुरार
- लक्ष्मणलाल नेमीचन्द २५
- ज्ञानचन्द पदम चन्द २६
- जिमिलाल गुन्धारीलाल २७
- ग्यासी लाल ओखेलाल २८
- जालम चन्द रामकिशन २९
- रतन लाल अनूप चन्द ३०
- लल्लीराम नन्द राम ३१
- धनराम सगुन चन्द ३२
- उदयराम शंकर लाल ३३
- मोतीलाल नेमीचन्द ३४
- तुलाराम चतुर्भुज ३५
- हीरालाल मनोहर लाल ३६
- कल्याण दास भीमलाल ३७
- हुजारी अल गुलाब चन्द ३८
- प्रेमराज जैन एण्ड सन्स ३९

लोहे के व्यवसायो:—

- में० चन्दर लाल गण्पू लाल, डोडवाना ओली
में० फूलचन्द हीराचन्द, लोहिया बाजार
,, प्रकाश आयरन स्टोर्स “
“ बन्सीधर बिमल चन्द “
“ भोला नाथ सन्तोष कुमार “
“ महावीर आयरन स्टोर्स “
“ पी. सी. कोठारी एन्ड कम्पनी “
“ प्रकाश आयरन इन्डस्ट्रीज “
“ भास्कर लाल जैन “
“ कन्हैयालाल किस्तूर चन्द “
“ जैन आयरन स्टोर्स “
“ सुभाष चन्द नरेन्द्र कुमार “
“ विजय आयरन स्टोर्स “
“ कुशल चन्द कैलाश चन्द “

इन्डस्ट्रीज व लघु उद्योग

- में. जियाजीराब काँटन मिल्स लि. विरन्ना नगर
जनरल मेनेजर-श्री एस. एम. चोरडिया
“ दि. खालियर रेवन सिल्क मैन्यु० एन्ड बीविंग
मेनेजर-श्री हीरानाल श्रीमाल
“ सेन्ट्रल इण्डिया मशीनरी मैन्यु. कम्पनी
मेनेजर के. एल. चोरडिया
,, गंगवाल इन्डस्ट्रीज, नई सड़क
,, नवमालव ट्रेडर्स, मुरार
,, ग्लोव मोटर पाटर्न्स इन्डस्ट्रीज
श्री ज्ञानचन्द जैन
,, गंगवाल टिन एण्ड टिन प्रिंटिंग वर्कर्स
मेनेजर-श्री देवेन्द्र कुमार गोषा
,, केजरीमल गंगवाल, खालियर-१
,, गंगवाल रोलिंग एण्ड मेटल वर्क्स
डा० बीरेन्द्र कुमार गंगवाल
,, भावना केमिकल एण्ड परफ्यूरी ,,
,, अग्रवाल केमिकल्स सराफा बाजार
,, रोज प्रोडक्ट्स दाना ओली
,, एमोसिएटेड टाइल्स एण्ड सीमेंट इन्डस्ट्रीज
,, श्यामलाल पाटलीय मुरार

- ” श्री रविन्द्र मालव
,, भारीवाल बुड कम्पनी, सराफा बाजार
,, जैन मेन्स० कैन्वर्टिंग क. सराफा बाजार
,, जैन कैथीकल्स कम्पनी, कसेरा ओली
,, सेठी कनर इन्डस्ट्रीज, बोलत गज ,
,, हरीशचन्द, जैन सोप वर्क्स, नया बाजार
,, खालियर अग्रेलाकेस्ट्री, नई सड़क

मोटोमोबाईल्स डीलर

- एफको पिस्टन हाऊस, जयगढ़ गंज, लश्कर
जैन मोटोमोबाईल्स इन्वीनिगर्स (वर्क शॉप)
जैन मोटर्स, जयगढ़ गंज, लश्कर
खालियर मोटर हाऊस “
इण्डिया मोटोपिस्टन मैन्यु० “
दिनेश मोटोमोबाईल्स पाटनकर बाजार
टोडरमल सिफारिस मल “
ग्लोव पिस्टन मैन्यु० लोहिया बाजार
रतीलाल बेचर दास सराफा बाजार

जैन पेट्रोल परम्प—

- अग्रवाल मोटोमोबाईल्स, पाटनकर बाजार
जैन ब्रदर्स जीबाजी गंज
टोडर मल सिफारिस मल, वर्म मण्डल रोड
रतीलाल बेचर दास स्टेशन रोड
अमोलक चन्द जैन ए बी. रोड

नगर के प्रमुख जैन न्यायाधीश व अभिभाषक

- श्री गंगवाल—मजिस्ट्रेट
श्री देवेन्द्र कुमार जैन, सिविलजज
,, मानिकचन्द S T. काऊन्सलर,
,, मोहर मल, सराफा बाजार लश्कर
,, रज्जनलाल “
,, कैलाशचन्द “
,, राजेन्द्रकुमार “
,, रामजीत, दाना ओली लश्कर
,, ज्ञानचन्द “
,, आनन्द स्वरूप बोलत गज
,, बाबूलाल चौधरी “
,, अनूपचन्द “

" ओम प्रकाश	दौलतगंज
" देवेन्द्र कुमार,	लोहिया बाजार
" जिनेश्वर प्रसाद दीवान,	नया बाजार
" हुकम चन्द अजमेरा	"
" निर्मल कुमार,	"
" राजकुमार,	"
" नरेन्द्र कुमार	"
" मानिक चन्द	"

" रिद्धकरन पाटनी	नयाबाजार
" बुद्धसेन	"
" ज्ञान्तिलाल	"
" शंकर दयाल,	दाल बाजार
" नेमी चन्द,	छत्री बाजार
" धृवभद्रास,	खालियर
" रामजी दास	"
" रघुवर दयाल पांडवीय,	मुरार

नगर के प्रमुख जैन डॉक्टर

डॉ० बाबूलाल जैन	M. B. B. S. M. S.	मर्जीकल डॉक्टर, जे. ए. हास्पिटल व व्याख्याता
" राधेलाल जैन	M. B. B. S.	जैन क्लिनिक, सदर बाजार, मुरार
" छोटेराल जैन	M. B. B. S.	जैन क्लिनिक, दानाओली, लश्कर
" जुगलकिशोर दीवान	B. Sc., M. B. B. S.	मेडीकल आफिसर, माधव डिस्पेन्सरी
" विजयकुमार दीवान	M. B. B. S.	सी० एम० ओ०, माधव डिस्पेन्सरी
" शोतिकुमार दीवान	M. B. B. S.	डाक्टर, ठाठीपुर कॉलोनी, डिस्पेन्सरी
" प्रकाशचन्द जैन	M. B. B. S. M. D.	मेडीकल डिप० जे० ए० हॉस्पिटल
" वीरेन्द्रकुमार जैन	M.B.B.S.D.T.C.D.	असि० सिविल सर्जन, जे० ए० हॉस्पिटल
" आर० के० जैन	M. B. B. S.	आर० एम० ए०, जे० ए० हॉस्पिटल
" डी० सी० जैन	M.B.B.S. M. L O	डाक्टर—जे० ए० हॉस्पिटल
" जवाहरलाल जैन	M. B. B. S.	डाक्टर—प्रेमनगर, भेड़पती कॉलोनी
" केटिन ओ. एस० दीवान	M. B. B. S. I. M. S.	ईश्वरी प्रसाद सर्जिकल एन्ड मेडीकल होम, लश्कर
" अजितप्रसाद दीवान	M. B. B. S. T. D. D.	मेडीकल इन्चार्ज सिविल फोर्ट व सिन्धिया स्कूल
" विमलेश कुमार दीवान	M. B. B. S.	रेजीडेंट पेथोलिस्ट, जी० आर० कॉलेज व हास्पिटल
" नाभिराजा दीवान	M.B.B.S.D.L.O.E.	डा० एम० एस० अमृतसर कालेज
" देवचन्द गोलापारे	M. B. B. S.	मेडीकल ऑफीसर जे० ए० हास्पिटल
" यशवन्तकुमार	M. B. B. S.	डिमोन्स्ट्रेटर जी० आर० मेडीकल कॉलेज
" सन्तोष कोशर	M. B. B. S.	कमलाराजा, पीडीओटिक डिस्पेन्सरी
" उत्तमचन्द परवार	M. B. B. S.	डाक्टर जे० सी० मिस्स अस्पताल
" श्रीमती प्रेमलता	M. B. B. S.	डाक्टर—सरकारी अस्पताल, इबरा
" सीतलचन्द सावर	B. A. M. S.	व्याख्याता शासकीय आर्युवेदिक कॉलेज
" गुलाबचन्द जैन	B. A. M. S.	फार्मसिस्ट शासकीय आर्युवेदिक कॉलेज
" प्रसन्नकुमार जैन	B. A. M. S.	डिमो० इन० पैथोलोजी " "
" जे. पी० जैन	A. M. B. S.	रिसर्च असिस्टेंट " "
" सतीशकुमार खरीमा	B. A. M. S.	शासकीय आर्युवेदिक कालेज
" भिबाजीलाल	आर्युवेदाचार्य	" "
" प्रकाशचन्द जैन	A. L. M. S.	प्रकाश क्लिनिक, इन्दर गंज

महा विद्यालयों में जैन व्याख्याता

- श्री निर्मल कुमार—माधव इन्जी. कॉलेज
 श्री प्रमोद कुमार " " "
 " मेहता " "
 " जी. पी. जैन—शासकीय विज्ञान महाविद्यालय
 " रामचरण लाल " "
 " बनश्याम दास- " "
 प्रो. लालचन्द—एच. एल. बी कॉलेज
 " शान्ति चन्द, डिग्री कॉलेज, शहडोल
 श्री नरेन्द्र लाल, एम० एल० बी० कॉलेज
 " अश्वभदास " विधिविभाग
 " बाबूलाल— कृषि महाविद्यालय
 " पारस मल अत्री " "
 " चन्द्रकान्त " "
 " राजेन्द्र कुमार नानावटी, के० आर० जी कॉलेज

प्रमुख जैन विद्वान व वक्ता

- पं. धनलाल जी, ध्वानियर
 प. सागर चन्द जी बड़जात्या, दानाओली
 प्रो लालचन्द जी जैन, दानाओली
 प. लखवूराम जी बरैया ज्योतिषमार्तण्ड
 श्री कपूरचन्द जी बरैया, कसेरा ओली
 प. भगवती प्रसाद जी, माधव गज
 प्रो चासीराम जी, ५२३ पापर नगर, मे०ठ
 श्री श्यामलाल जी पांडवीय, मुरार
 श्री मानिकचन्द जी गगवाल, सराफा बाजार
 श्री मिश्रीलाल जी पाटनी, डोडवानाओली
 श्री युद्धमल जी गगवाल, नई सड़क
 श्री कपूरचन्द पाटनी, तिथिदर्पण निर्माता
 श्री तेजमल जी हर्षावत
 श्री सरदारसिंह जी चौरडिया
 डा० वीरेन्द्रकुमार जी गगवाल
 मा० हरदयाल, बिरसानगर

जैन गायनाचार्य एवं कविगण

- श्री फूलचन्द जी काला, दानाओली
 " प्यारेलाल जी बरैया, इन्दर गज

- श्री खंरातीलाल जी, आल्हा गायक
 " रूपचन्द जी पाटनी, नया बाजार
 " भम्भनलाल जी, हुजरात पुल
 " वसन्त कुमार बड़जात्या, दाना ओली
 " कन्हैयालाल जी, कटारिया
 " नेमीचन्द बरैया, डबरा वाले

स्वर्गीय जैन विद्वान

- पं. लाला ललमी चन्द जी गिरधरवाल
 प. गोपीलाल जी गोधा, दानाओली
 श्री कन्हैयालाल जी गंगवाल, सराफा बाजार
 श्री गणूलाल जी बाकलीवाल "
 श्री प्यारे लाल जी बरैया, मामा का बाजार

बैंकों में कार्य करने वाले जैन व्यक्ति

बैंक ऑफ बडौवा लि., पाटनकर बाजार

- श्री भवर लाल शाह—एकाऊन्टेन्ट
 स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, जीवाजी चौक
 श्री नेमीचन्द पांडवीय—एकाऊन्टेन्ट
 श्री वीरेन्द्र कुमार अग्रवाल
 " पदम चन्द जैन, लजान्ची
 " देवेन्द्र कुमार जैन "
 " सुभाष चन्द जैन "

बैंक ऑफ इण्डिया, बाल बाजार

- श्री नेमी चन्द भण्डारी लजान्ची
 सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया लि., जयेन्द्र गज
 श्री सूरजमल पांडया एकाऊन्टेन्ट
 " पूरन चन्द बरैया लजान्ची

यूनाइटेड कर्मासियल, बैंक लि.

- श्री नेमीचन्द पल्लीवाल, नया बाजार
 " कमल चन्द कासलीवाल "
 " सुमन चन्द जैन "
 " गोपीचन्द पाटनी, प्रमुख लजान्ची, सराफा
 " महेन्द्र कुमार पारस सराफा बाम्ब
 " सुरेश कुमार बरैया "
 " प्रकाश चन्द, लजान्ची "

- ११ मुरारी लाल एकाऊन्टेन्ट ,,
 १२ जगदीश पाटनी, खजान्ची ,,
 के. बी. बैंक लि० जयवाजी चौक
 श्री बसन्त कुमार बड़जात्या,
 १३ नेमीचन्द जैन ,,
 के० बी० बैंक लि० जयेंद्र गंज बान्वा
 ,, बस्तीमल जैन—एजेन्ट
 १४ केजरीमल पाटनी, प्रमुख खजान्ची
 १५ नेमीचन्द्र जैन
 १६ नेमीचन्द बोहरा, गोडाऊन कीपर

को—ऑपरेटिव बैंक

- श्री शीलल प्रसाद जैन, बाकीसर, डीडबाना ओली
 ,, कैलाश चन्द बरैया मुरार
 ,, बाबूलाल बरैया ,,
 ,, रामस्वरूप जैन मुरार
 ,, नेमीचन्द परवार—भूविकास बैंक
 ,, रमेश चन्द कासलीवाल ,,

ए. जी. आफिस (महालेखा कार) में कार्य करने वाले जैन व्यक्ति

अधीनस्थ गणः—

सर्व श्री ताराचन्द, फालका बाजार, के. एम. महाजन, सुरेन्द्रचन्द, दाना ओली, के. सी. जैन, नई सड़क, पी. एन. जैन नई सड़क, ओमप्रकाश, लोहामन्डी, खालियर, सुरेन्द्र प्रसाद, जवाहर नगर, फतेहलाल, माधव गज, जी. पी. जैन, के. सी. जैन, कपूरचन्द, डि. ए. सिन्हाई विभाग।

एल. जी. सी (सिलेक्शन ब्रेड लिपिक)

सर्व श्री चन्द्रशेखर मंदगविकर, मुरार, विमलचन्द दोषी, दाना ओली, प्रभाष चन्द, नया बाजार, सोभागमल, बी. के. जैसवाल। कपूरचन्द जैन, कसराओली

उच्च श्रेणी लिपिकः—

सर्व श्री सत्येन्द्र कुमार, दाना ओली, जगदीशचन्द ठाठीपुर, मुरार, होतीलाल, माधवगंज, महेशचन्द, केदार नाथ सिघन' वीरेन्द्र कुमार, शिन्दे की छावनी, रमेशचन्द श्री माल, नया बाजार, भवण कुमार, नाका गुडा-गुडी, ओमचन्द, नाका चन्दबदनी, अनन्त कुमार, शिन्दे की छावनी, विजेन्द्र बहादुर, जिन्ही नाला, किशोरीलाल, खालियर, हरिशचन्द्र, दानाओली, राधेलाल शिन्दे की छावनी, राजकुमार, दाना ओली, सत्येन्द्र-नाथ, खालियर, रमेशचन्द, मुरार, गणेशीलाल, खालियर, हरिशचन्द्र शिन्दे की छावनी, बी. के. जैन तिलक नगर राधेश्याम, ठाठीपुर, मुरार, विजय कुमार, तिलक नगर, पदम चन्द, गणेश कालोनी, यादव चन्द, जीवाजी गज, अजित कुमार, दाना ओली, देवेन्द्र कुमार दाना ओली, देवेन्द्र कुमार, दया प्रकाश, जय कुमार, जिनेन्द्र कुमार के. सी. जैन, कमन कुमार कन्हैयालाल, कोमल चन्द, काशित चन्द, एम. बी. जैन, महेशचन्द, मदनलाल, नेमीचन्द, पदमचन्द, पारमदास, राजेन्द्र-कुमार, राजेन्द्र कुमार, राजेश कुमार, सुरेन्द्र कुमार, सत्येन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार निम्न श्रेणी लिपिकः—

सर्व श्री बाबूलाल, दाना ओली, पदमचन्द, दीनल गज, प्रेम चन्द, खालियर, जयदेव, दाना ओली, विमल चन्द, दानाओली, एम. के. जैन।

नमूने के अनुसार सुन्दर, कलारमक सोने-चाँदी के आकर्षक आभूषण

बनवाने का एक मात्र स्थान

मो० कजोड़ीमल मूलचन्द सराफ (मो० सुगनचन्द पाटनी)

सराफा बाजार, लश्कर, खालियर

एक पत्थर की बावड़ी या बाबा बावड़ी

वालियर समाज का बड़ा सौभाग्य है कि यहाँ पर 'बाबा बावड़ी' के नाम से एक ऐसा प्रसिद्ध स्थान है जिसके अवलोकन करते ही दर्शक एक बार तो अपने आपको भूल जाता है। जैन समाज जहाँ इन विशालकाय मूर्तियों को देखकर हर्ष-विभोर होती है वहाँ जैनतर जनता पर इनकी भव्य शिल्पकला का अद्भुत प्रभाव पड़े बिना नहीं रहता। भ० इतिहास और पुरातत्त्व की प्रचुर सामग्री यहाँ बिलरी पड़ी है, इसी कारण यह स्थान पुरातत्त्व विभाग द्वारा सरक्षित घोषित कर दिया गया है।

फूलबाग गेट के पास खेड़ापले कॉलोनी की ओर जाते हुये मार्ग में ही यह स्थान मिलता है। किले के नीचे और जमीन से कुछ ही ऊँचाई पर मध्य में पहाड़ की कर्कस चट्टानों को काटकर कुशल शिल्पियों द्वारा अनेक पद्मासन व लङ्गासन मूर्तियाँ उत्कीर्ण की गई हैं जिन्हें देखकर सड़क पर चलता हुआ यात्री भी आश्चर्य में डूब जाता है। ये मूर्तियाँ चाहे कला की दृष्टि से देखी जायें या धार्मिक दृष्टि से, दोनों में बेजोड़ हैं। यत्र तत्र प्राप्त शिलालेखों से बिबित होता है कि इनका निर्माण तोमरवंशी राजा कूँगरसिंह और उसके पुत्र कीर्तिसिंह के राज्यकाल में हुआ जिनका समय वि० सं० १४८१ से १५३६ तक पाया जाता है। ये दोनों ही राजे वास्तव में शिल्पकला के अनन्य प्रेमी थे जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण इन मूर्तियों द्वारा उपलब्ध होता है। एक शिलालेख में उन्हें 'हिन्दू सुरनाग' लिखा है जिससे यह स्पष्ट होता है कि जहाँ वे जैन धर्म के प्रति अट्ठालु थे वहाँ वे अन्य धर्मियों के प्रति भी उतने ही सहिष्णु थे।

संक्षेप में हम कह सकते हैं कि इन राजाओं के राज्य में जैन धर्म जब फला-फूला, पर्वत का कोई ऐसा

स्थान (मूर्तियाँ बनने का) नहीं छूटा जहाँ उत्खनन कार्य न चला हो। अधिकांश मूर्तियाँ १५ वीं शताब्दि की बनी हैं तथा जिनकी प्रतिष्ठा-विधि उस समय के प्रसिद्ध विद्वान महाकवि पं० रघु द्वारा सम्पन्न हुई हैं, जैसा कि एक प्रशस्ति-पत्र से मालूम होता है।

“म प्रभाकराः। भट्टारक श्री शुभचंद्र देवाः

प्रतिष्ठाचार्य पंडित रघुकुल पादसेवाः।”

लेख का विषय है कि मुसलिम काल में इन सब मूर्तियों के मुख प्रायः लण्डित कर दिये गये, कितनी ही मूर्तियों को गारा-मिट्टी से बिनवा दिया। इस तरह वर्षों की साधना के फलस्वरूप यहाँ की संस्कृति को विध्वंसियों ने नष्ट-भ्रष्ट करने का पूरा प्रयत्न किया किन्तु यह एक महान् अतिशय की बात समझना चाहिये कि उन सब लण्डित मूर्तियों के बीच सुपाश्वर्नाथ तीर्थ-कर की ३३ फुट ऊँची व ३० फुट चौड़ी एक मूर्ति अधुण रह गई। पद्मासन मुद्रा में स्थित इतनी ऊँची और विशाल आकारवानी प्रतिमा समूचे भारत में अन्यत्र दुर्लभ है। यों तो इस मूर्ति के आस-पास भ० आदिनाथ की दो मूर्तियाँ और भ० नेमिनाथ की एक प्रतिमा उतनी ही विशाल पद्मासन मुद्रा में और भी पाई जाती हैं किन्तु उनका शिरोच्छेदन होने से वे जनता में अवहेलना का पात्र बन गई हैं।

पर्वत के कोने भाग में एक ही पत्थर की खुदी हुई बावड़ी है जो करीब २० फुट लम्बी चौड़ी और इतनी ही गहरी है, जिसमें बारहों महिने मिष्ठ और ठण्डा जल भरा रहता है। ऐसा प्रतीत होता है कि किसी मोतरी स्त्रोत से इसमें बराबर पानी आता है और निर्मल ऋतु के रूप में बाहर बहता रहता है। क्षेत्र पर स्थित समस्त मूर्तियों की पुष्पा-प्रक्षाल के लिये यह बावड़ी निर्मित की

गई हो तो आश्चर्य की बात नहीं, क्योंकि यहाँ जितनी मूर्तियाँ गुफाओं में पाई गई हैं उन सबमें यथास्थान तोपान बने हुये हैं जिन पर चढ़कर भक्तगण मूर्ति प्रक्षाल किया करते थे। अतिशय रमणीय और चमत्कारिक होने से यह पूरा क्षेत्र इसीलिये जनता में 'एक पत्थर की बाबड़ी' से प्रसिद्ध कर दिया जान पड़ता है।

बाबड़ी के बगल में दाहिनी ओर ६ विशाल खड़-गासन मूर्तियाँ हैं जिन पर स० १५२५ अंकित हैं। प्रत्येक मूर्ति के ऊपर कलापूर्ण चँदावा बना है तथा भाजू-भाजू हाथी अपने-सूँट में भरे हुये कलश जिनबिम्बों पर झोरते हुए दक्षिण गये हैं। आगे चलने पर ८ खड़-गासन मूर्तियाँ और मिलती हैं जो सम्भवतः २० से ३० फुट की ऊँची हैं किन्तु लण्डित होने से उपेक्षित दशा में पड़ी हैं। इसके अतिरिक्त चट्टान को काटकर एक मन्दिर का रूप दिया है जिसमें ६ खड़गासन मूर्तियाँ स्थित हैं। आगे एक सुन्दर गुफा बनी है। जिसमें २४ तीर्थंकरों सहित इतनी प्रतिमाएँ खुदी हैं जिनका कुल योग १२५ आता है। थोड़ा दूर चलकर एक ऐसा सुरम्य स्थान दिखाई देता है जो केवल ध्यानाध्ययन के लिये बना प्रतीत होता है। अतः में एक बड़ी गुफा मिलती है जिसमें आदि तीर्थंकर की करीब ३५ फुट ऊँची और १० फुट चौड़ी वृहदाकार कायोत्सर्ग मूर्ति विद्यमान है, वह पर्वत के आन्तरिक हिस्से में इन कदर उकेरी गई है मानो आज ही बनी है। ऊपर तक पहुँचने के लिये मार्ग दिया गया है जिस पर चढ़कर उसे पास से देखने का मौका मिलता है किन्तु दर्शक उस समय बड़ा निराश होकर लौटता है जब वह मूर्ति को बिना चेहरे का पाता है। ऊपरी दरवाजा बड़े कलात्मक ढंग से चित्रित किया है, जिसके पास ही एक चैत्यालय बना है जिसमें छोटी-छोटी ७२ मूर्तियाँ

अंकित हैं। आस-पास ३ खड़गासन और एक पद्मासन मूर्ति है और तीबे पहुँचने पर २ खड़गासन मूर्ति शोभती हैं। हवा और रोशनी के लिये सामने ही रोशनदान बना है लेकिन कोई व्यवस्था न होने से उलूक और चमगादड़ों ने उसमें रहने के लिये अड्डे बना लिये हैं। बरसात के दिनों में चरणों तक पानी भर जाता है जिससे दूर्गंध भी आने लगती है।

इस तरह १ या ११ फर्लांग के मध्य फैला हुआ यह क्षेत्र छोटी-बड़ी मूर्तियों से सर्वत्र व्याप्त है। मूर्तियाँ बड़ी भव्य, आकर्षक और वैराग्योत्पादक हैं जिनमें शल चक्र, गदा, पद्म आदि चिन्ह अंकित हैं। चारों ओर प्रकृति का खुला क्षेत्र है, हरे-भरे सघन वृक्ष और उन पर पक्षियों की मद मद चहचहाहट मन को मोहनेवाली है। नगर का दृश्य भी यहाँ से सुहावना लगता है।

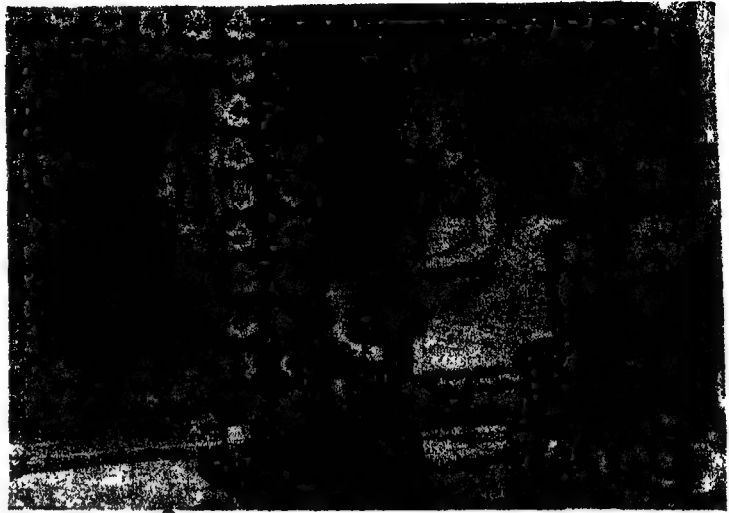
परन्तु क्षेत्र की कला जितनी विशाल और महान है उतनी ही शोचनीय भी। इस समय उसकी कोई उचित व्यवस्था न होने से उसके एक-एक लण्डित और बिखरने लगे हैं। जगह-जगह कूड़े-ककर के ढेर दिखाई देते हैं, गुफाओं के द्वार खुले होने से अर्वाञ्छित तत्वों का बेशुद्ध प्रवेश है। समाज की उपेक्षा के कारण ही निस्संदेह आज उसकी यह दशा है। यद्यपि मुरार चातुर्मास के अवसर पर पूज्य वर्णाजी ने यहाँ की कुछ मूर्तियों का जीर्णोद्धार करवा दिया था किन्तु उनके चले जाने के बाद हालत ज्यों की त्यों है।

प्रतिवर्ष क्षेत्र पर आसोज बदि ४ को मेला भरता है। इस दिन स्थानीय जैनवास जैन समाज द्वारा श्रीजी का विमान लाया जाता है और दिन भर की धूम-धाम के पश्चात् वापिस हो जाता है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति से नम्र निवेदन है कि वह ग्वालियर आते समय इस सुरम्य स्थल को देखना कदापि न भूलें।

—कपूरचन्द बरैया

समोपवर्तीय प्राचीन जैन अवशेष

ग्वालियर नगर प्राचीन जैन साहित्य एवं संस्कृति का केन्द्र रहा है। इसके आस-पास अनेक क्षेत्रों में प्राचीन जैन मूर्तियों का भण्डार है। यही कारण है कि यहां मूर्ति चोर (बातताई लोग) अपने दुष्कर्मों में सफल हो जाते हैं। सुरक्षा की दृष्टि से पूजनीय सम्भव मूर्तियों को यथा समय नगर के जैन मन्दिरों में ल.क.र प्रतिष्ठित किया जाता रहा है जिनका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है—



(१) लोजना ग्राम से दो विशाल पद्मासन मूर्ति श्री दिगम्बर जैन तेरावन्धी मन्दिर माधवगंज में लाकर ३५ वर्ष पूर्व विराजमान की गई है। जिनको चित्र में नं० १ व ३ पर दर्शाया है।

(२) पतिहार ग्राम से पद्मासन मूर्ति को ३२ वर्ष पूर्व बरैया पंचायती मन्दिर, मामा के बाजार में प्रतिष्ठित किया गया।

(३) बरई ग्राम से १००८ श्री शांतीनाथ भगवान की २२ फुट ऊंची विशाल प्रतिमा को सन् १९४३ में लाकर नसिया जी, रामकुई पर श्री बुद्धमल जी द्वारा स्थापित किया गया।

(४) धुर्मा ग्राम से सन् १९६५ में श्री दिगम्बर जैन तेरावन्धी मन्दिर माधवगंज में दो विशाल प्राचीन प्रतिमार्थे लाकर प्रतिष्ठित कराई गई जिनमें से एक चित्र में नं० ४ पर दर्शाई गई है।

मूर्तियों की सुरक्षा करने, प्राचीन कला व संस्कृति को बनाये रखने के लिये प्रत्येक वर्गिक का यह कर्तव्य है कि वह इस ओर जागवक रह कर हर सम्भव प्रयास करे।

ॐ ॐ ॐ



Auto Leaf Springs. **They are dependable?**
More and More Transport Operators are now using them.

GWALIOR INDUSTRIAL CORPORATION

मानव जीवन के लिये अनिवार्य ग्यारह आवश्यकताएँ

धन प्राप्ति
धनरक्षा
समय की वचत
यश प्राप्ति
समासोचना रहित
असप्रह
नियमितता
आनन्द वृद्धि
स्वस्थ जीवन
कीर्ति रक्षा
दुःख निवारण

जब आप हमें सेवा का अवसर
देगें तो उक्त आवश्यकताओं
की पूर्ति के लिए समाधान
आपको अवश्य ही मिलेगा ।

उपभोक्ता विक्रय स्थल—

- नया बाजार, लहकर
- सराफा बाजार, लहकर
- बिरलानगर, ग्वालियर

जियाजीराव कॉटन मिल्स लि०

बिरलानगर ग्वालियर-४ महाराष्ट्र प्रदेश

मेनेजिंग एकेड :
बिरला (ग्वालियर) प्रा. लि.

टेलीफोन नं० : ८०१ से ८०५
टेलीग्राफ : 'बिरला' बिरलानगर

दिगम्बर जैन-समाज लश्कर

(१४ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का विवरण)

परिवार संख्या	नाम	आयु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
---------------	-----	-------------	--------	----------------	---------------

नाका गुड़ी-गुड़ा :-

१—श्री बन्नी प्रसाद बरैया	४६	मुखिय	११ बी	वि.	दुकान परचूनी
श्रीमती पुनियाबाई	४२	पत्नी		वि.	
श्री नरथीलाल	१५	पुत्र		अवि.	
२—श्री बन्नी प्रसाद बरैया	६०	मुखिय		विधुर	दुकान परचूनी
श्री मेवारास	५२	भाई		विधुर	"
श्री किशनलाल	४५	भाई		वि.	सर्विस, अग्रवाल केपीकल्स, सराफा
श्रीमती गिणीबाई	४०	माईबहू		वि.	
श्री जवाहरलाल	१५	मतीज		अवि.	
श्री रामचरणलाल	३५	भाई		वि.	सर्विस नया बाजार
श्रीमती कपूरीबाई	२८	माईबहू		वि.	
श्रीमती मन्नीबाई	७५	मां		विधवा	
३—सर्वश्री चुन्नीलाल बरैया	५०	मुखिया		विधुर	दुकान परचूनी
“ लणेशराम	२६	पुत्र		वि.	
श्रीमती लाराबाई	२१	पुत्रवधू		वि.	
४—सर्वश्री गुलाबचन्द बरैया	५५	मुखिया		वि.	सर्विस वन विभाग
श्रीमती चमेलीबाई	५०	पत्नी		वि.	
श्री अचणकुमार	३०	पुत्र	एच काम.	वि, प्र.अ. रामनारायण ड.पा.वि, नयाबाजार	
श्रीमती जीलाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
श्रीमती कंचनियाबाई	७०	मां		विधवा	
५—श्री लक्ष्मीनारायण अग्रवाल	६५	मुखिया		वि.	अवसराय
श्रीमती कौसाबाई	६०	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
------------------	-----	-----	---------	--------	-------------------	---------------

तिलक नगर :—

६—	श्री विजयकुमार जैसवाल	२७	मुखिया	एम. काम.	वि.	सर्विस ए.जी. आफिस, जाधव महल
	श्रीमती शोला	२३	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
७—	श्री विनेन्द्रकुमार जैसवाल	३८	मुखिया	बी.एस.सी.	वि.	सर्विस ए.जी. आफिस, जाधव महल
	श्रीमती शारदा	३०	पत्नी		वि.	
	कु० सता	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	२७	भाई	मेट्रिक	अवि.	सर्विस टेक्निको, बिरला नगर
	श्रीमती कटोरीदेवी	५०	मा		विधवा	
८—	श्री वीरेन्द्रकुमार जैसवाल	४०	मुखिया	एम. काम.	वि.	एस.जी. सी. ए.जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती मालतीदेवी	३४	पत्नी	इन्टर	वि.	
९—	श्री रमेशचन्द जैसवाल	२६	प्रपुत्र	बी.काम	अवि.	सर्विस ए. जी. आफिस
१०—	श्री सरदारमल परवार	२८	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस एन. सी. सी. आफिस
	श्रीमती मनोरमादेवी	२५	पत्नी		वि.	

कम्पूरोड :—

११—	श्री उत्तमचन्द कटारिया	३०	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस, कमला राजा हॉस्पिटल
	श्रीमती मेमादेवी	२६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री अशोक कुमार	१४	पुत्र	नवी	अवि.	
	कु० मोरा	१६	पुत्री	नवी	अवि.	
१२—	श्री कालूराम परवार	५७	मुखिया		वि.	अध्यक्ष जैन सेव अण्डार, कम्पूरोड
	श्रीमती सोमाबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री सुभाषचन्द	२०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती सरोजबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
१३—	श्री प्रभूदयाल बरैया	३८	मुखिया		वि.	अध्यक्ष स्कुटर रिपे०, नयाबाजार
	श्रीमती अकुन्तलादेवी	३२	पत्नी		वि.	
	श्री अशोककुमार	१४	पुत्र	नवी	अवि.	
१४—	श्री कजमीरीलाल प. परवार	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	अध्यक्ष जैन वेल्डिंग वर्क्स
	श्रीमती मगनबाई	३०	पत्नी		वि.	
१५—	श्री देवेन्द्रकुमार परवार	२७	मुखिया	B.A., L.L.B.	वि.	सिबिल जज हाईकोर्ट, प्वालियर
	श्रीमती माला	२२	पत्नी	बी.ए., प्रथम	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	व्याजीविका विवरण
१६—	श्री राजेन्द्रकुमार सेठी	२५	मुलिया	इन्टर	वि.	सर्विस ए. बी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती पुष्पाबाई	२२	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
१७—	डॉ. देवचन्द गोलावारे	३१	मुलिया	M.B.B.S	वि.	मेडीकल आफिसर, जे.ए. हास्पीटल
	श्रीमती सवितारानी	२५	पत्नी	M. A.	वि.	
	श्री अशोककुमार	२०	बाई	M.B.B.S. III	अवि.	

सिकन्दर कम्प्यू :—

१८—	श्री सावलदास बरैया	५८	मुलिया		वि.	दुकान परबूनी
	श्रीमती रत्नादेवी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	२०	पुत्र	बी.ए.	वि.	
	श्रीमती निमलादेवी	१६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
१९—	श्री प्यारेलाल बरैया	४०	मुलिया		अवि.	
२०—	श्री चोखेलाल बरैया	५०	मुलिया		विधुर	अवकाश
	श्री अशोककुमार	१८	पुत्र	११ वीं	अवि.	
	श्री सुरेशकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	

रायसिंह का बाग :—

२१—	श्री महेशचन्द्र पाटनी	२७	मुलिया	M.A., B.Com.	अवि.	अम निरीक्षक
२२—	श्री आर. के. जैन	२५	मुलिया	M.B.B.S.	वि.	सर्विस जे.ए. गुप हास्पीटल, ग्वालियर
	श्रीमती आर. के. जैन	२२	पत्नी		वि.	

आमदार खाना :—

२३—	श्री मूलचन्द वेंच	४४	मुलिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस ट्रेजरी, गोरखी
	श्रीमती शान्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री उत्तमचन्द	१६	पुत्र	भारती	अवि.	
	श्रीमती सीजाबाई	६०	मां		विधवा	

हेमसिंह की परेड :—

२४—	श्री देवीलाल बरैया	४०	मुलिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती गुलाबदेवी	३०	पत्नी		वि.	

परिवार संस्था	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री ओमप्रकाश	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती पारोबाई	६०	मां		विधवा	
२५—	श्री बाबूलाल जी बरैया	४५	मुखिया	छठवी	वि.	बाटे की चक्की
	श्रीमती बान्सीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सुन्नीलाल जी	४०	भाई	साहित्यरत्न	वि.	दुकान
	श्रीमती चमोबाई	३०	भाईवधू		वि.	
	कु० कमलाबाई	१४	सती जी	छठवी	अवि.	
	श्रीमती छोटीबाई	६२	मा		विधवा	
२६—	श्री राजनलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती मालतीदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री गुलाबचन्द	४५	भाई		अवि.	
२७—	श्री बाबूलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस गुड्स शॉड, रेल्वे स्टेशन
	श्रीमती राजमनी	३३	पत्नी		वि.	
	श्री दीपचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० कुसुमबाई	१५	पुत्री		अवि.	
२८—	श्री सोभाराम बरैया	५०	मुखिया	मिडिल	विधुर	मकान की इलानो
	श्री इन्द्रकुमार	२३	पुत्र	मिडिल	वि.	सायकल स्टोर्स
	श्रीमती मीनाकुमारी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रूपचन्द	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री प्रेमचन्द	६०	भाई		विधुर	ठेकेदारी
मामा का बाजार :—						
२६—	श्री चांदमल जैसवाल	२४	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती अगूरीबाई	२०	पत्नी		वि.	
३०—	श्री हरविनास बरैया	३०	मुखिया		वि.	सर्विस जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती अंगूरीबाई	२५	पत्नी		वि.	
३१—	श्री विशमस्वरूप बरैया	२५	मुखिया		वि.	सर्विस जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती कंचनबाई	२०	पत्नी		वि.	
	भाताजी किशनस्वरूप	५५	मां		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३२—	श्री दीनदयाल बरैया	२४	मुखिया	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२०	पत्नी	वि.	
	श्री मुन्नीलाल	२०	भाई	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती आशादेवी	१६	भाईवधू	वि.	
	श्री रामचरणलाल	१६	भाई	अवि.	व्यवसाय
	श्रीमती कतासोबाई	४५	मां	विधवा	
३३—	श्री सन्तोषीलाल बरैया	४२	मुखिया	सातवी	वि. व्यवसाय
	श्रीमती इन्द्रादेवी	३०	पत्नी	छठवी	वि.
३४—	श्री रमेशचन्द	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि. टेलर
	श्रीमती गुणमालादेवी	२६	पत्नी	वि.	
३५—	श्री राधेश्याम बरैया	३६	मुखिया	वि.	व्यवसाय स्टेशनरी विक्रेता
	श्रीमती रामकली	३०	पत्नी	वि.	
३६—	श्री भगवानलाल बरैया	४०	मुखिया	वि.	सर्विस
	श्रीमती कमलाबाई	२७	पत्नी	वि.	
	श्री हरीशचन्द	२६	भाई	मिडिल	अवि. सर्विस
	श्रीमती कलावती	५६	मां	विधवा	
३७—	श्री दर्शनलाल बरैया	२८	मुखिया	अवि.	व्यवसाय
	श्री कश्मीरीलाल	२५	भाई	अवि.	सर्विस जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्री आनन्दकुमार	२२	भाई	मिडिल	वि. सर्विस
	श्रीमती शान्तीबाई	१८	भाईवधू	वि.	
३८—	श्री नेकसीराम बरैया पुजारी	७२	मुखिया	विधुर	रिटायर्ड पुजारी
३९—	श्री भानकुमार बरैया	२२	मुखिया	मेट्रिक	वि. व्यवसाय जी. ई. बक्सला
	श्रीमती कमलादेवी	१९	पत्नी	वि.	
	श्री रामस्वरूप	१९	भाई	नयी	अवि.
	श्री कृष्णकुमार	१६	भाई	अवि.	
	श्रीमती अजुदीबाई	४७	मां	विधवा	
४०—	श्री बत्तोलाल बरैया	४०	मुखिया	विधुर	व्यवसाय
	श्री नन्द कुमार	२४	पुत्र	वि.	सर्विस
	श्रीमती आनन्दीदेवी	२०	पुत्रवधू	वि.	
	श्री प्रेमचन्द	१८	पुत्र	अवि.	
४१—	श्री ज्ञानचन्द बरैया	२२	मुखिया	मिडिल	वि. सर्विस जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती मुन्नीबाई	१७	पत्नी	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४२—	श्री गंगाप्रसाद बरैया श्रीमती इन्दुमती	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस शा. रोजनस प्रेस, ग्वालियर
		२३	पत्नी		वि.	
४३—	श्री गंगाराम बरैया श्रीमती केसरबाई	५०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्री प्यारेलाल	३५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती राजकुमारी	२२	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस ग्वालियर पॉटरीज
	श्री मन्दकिशोर	१९	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती जमनाबाई	२०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	कु० कमलेश	१८	पुत्रवधू		वि.	
	कु० रामबली	१६	पुत्री	सातवी	अवि.	
		१४	पुत्री		अवि.	
४४—	श्री परमानन्द बरैया श्रीमती विरोजीबाई	६५	मुखिया		वि.	यवसाय हलवाई
	श्री लुकुमचन्द	६०	पत्नी		वि.	
		३०	पुत्र	मिडिल	अवि.	
४५—	श्री रामसनेहीलाल श्रीमती मुशीबाई	२५	मुखिया	बी. ए.	वि.	सर्विस मिडिलस्कूल मोहनपुर, मुरार
		२०	पत्नी		वि.	
४६—	श्रीरामकिशन बरैया श्रीमती भमेलीबाई	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस गुडसडीड रे०स्टे०, ग्वालियर
		२८	पत्नी		वि.	
४७—	श्रीमन्नालाल बरैया श्रीमती कासीबाई	५५	मुखिया		वि.	सर्विस जी. वर्कशाप, ग्वालियर
	श्री छोटेला	४०	पत्नी		वि.	
	श्री छोटेलाल	२५	पुत्र	बी. ए.	अवि.	सर्विस ग्वालियर पॉटरीज
	श्री कैलाशचन्द	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
४८—	श्रीरामचन्द बरैया दीवान श्रीमती राजाबेटी	४८	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्री मुन्नालाल	३६	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	१८	पुत्र	बी. काम //	अवि.	अ० फ्लोरमिल्ल, मामा का बाजार
	कु० गीता	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
		१४	पुत्री	छठी	अवि.	
४९—	श्रीरामचरणलाल बरैया श्रीमती कौमाबाई	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
		४०	पत्नी		वि.	
५०—	श्री स्वकृपचन्द बरैया श्रीमती प्रभावती	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्री पद्मकुमार	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
		२०	पुत्र	ग्यारवी	वि.	अ० किराना मर्चेट, मामा का बाजार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती मुन्नीबाई	१६	पुत्रवधू	सातवी	वि.	
	श्री उग्रसेन	१७	पुत्र		अवि.	
	कु० उषा	१४	पुत्री		अवि.	
५१—	श्री हरविलास बरैया	५५	मुखिया		वि.	खेती ग्राम रिघोली
	श्री इन्द्रसेन	२८	पुत्र		वि.	सर्विस
	श्रीमती पुष्पलता	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री पद्मसेन	२३	पुत्र	ग्यारवी	वि.	सर्विस गगनाल इन्डस्ट्रीज
	श्रीमती नर्मदादेवी	१७	पुत्रवधू	छठी	वि.	.
५२—	श्री चेताराम	८०	मुखिया		वि.	रिटायर्ड
	श्रीमती कौशल्याबाई	७०	पत्नी		वि.	
	श्री घननालाल	४५	पुत्र	मिडिल	वि.	कापट अ.गो.उ मा.वि., भालियर
	श्रीमती जमनाबाई	४०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२०	पौत्र	बी. ए प्रथम	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पौत्र	ग्यारवी	अवि.	
	श्री मथुराप्रसाद	४२	पुत्र	साहित्यरत्न	वि.	अध्यापक मा.उ.मा.वि., डबरा
	श्रीमती जीनमती	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	१६	पौत्र	ग्यारवी	अवि.	
	श्री प्रेमनारायण	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	अध्यापक मा.उ.मा.वि., मिण्ड
	श्रीमती जैनमती	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री जगदीशचन्द	१६	पौत्र	बिम्बोना विविध	अवि.	
	श्री केशरीमल	१५	पौत्र	मेडिक	अवि.	
५३—	श्री प्रकाशचन्द परवार	२२	मुखिया	एम.काम.	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	२०	पत्नी	ग्यारवी	वि.	
५४—	श्री देवचन्द बरैया	५५	मुखिया		वि.	एजेन्ट रे मिल. एन्ड फार., भालियर
	श्रीमती सोनाबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री अमोलकचन्द	२५	पुत्र	एम. काम.	वि.	
	श्रीमती चन्द्रकला	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ताराचन्द	१६	पुत्र	बी.एस.सी.	अवि.	
	श्री कीर्तिकुमार	१६	पुत्र	बी. एस.सी. I	अवि.	
५५—	श्री मदनलाल बरैया	२३	मुखिया	बी ए.	वि.	सर्विस ए.जी आफिम, बाबबमहल
	श्रीमती नैनाकुमारी	१६	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२१	माई	बी. ए.	अवि.	
	श्रीमती यशोदाबाई	५५	मां		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	भाजीविका विवरण
५६—	श्री बालचन्द बरैया	४०	मुखिया		वि.	काश्तकारी अमरोप
	श्रीमती हमरसीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	२०	पुत्र	ग्यारवी होम्य.	अवि.	
	श्री नन्दकुमार	२२	मतीजा	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती कुसुमबाई	१८	मतीजबहू		वि.	
५७—	श्री पतराम बरैया	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती कासीबाई	६५	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	४२	पुत्र		वि.	इ. चाट की दुकान, जीवाजी चौक
	श्रीमती महादेवीबाई	३८	पुत्रबहू		वि.	
	कु. विमलाबाई	१४	पौत्री		अवि.	
	श्री लक्ष्मीनारायण	३८	पुत्र		अवि.	व्यवसाय तुलवाई
५८—	श्री देवीलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	व्यवसाय कपड़ा
	श्रीमती भान्सीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री पद्मचन्द	२०	पुत्र	नवी	अवि.	
	श्रीमती मनोषाबाई	५५	मां		विधवा	
	श्रीमती जमनाबाई	८५	नानी		विधवा	
५९—	श्री अक्षरफीलाल बरैया	३०	मुखिया		वि.	सर्विस जे.सी. मिल्स, बिरसा नगर
	श्रीमती भान्सीबाई	२५	पत्नी		वि.	
६०—	श्री रामस्वरूप बरैया	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस सिमको, ग्वालियर
	श्रीमती किशोबाई	२०	पत्नी		वि.	
६१—	श्री बाबूलाल बरैया	४५	मुखिया		वि.	सर्विस जे. सी. मिल
	श्रीमती कमलाबाई	३२	पत्नी		वि.	
६२—	श्री बाबूलाल बरैया	६५	मुखिया		वि.	पी. डब्लू. डी., चौकीदार
	श्रीमती केशरबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री बुद्धप्रकाश	१४	पुत्र	ग्यारहवी	अवि.	
६३—	श्री मोतीलाल पत्नीबाल	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती हीरोबाई	६५	पत्नी		वि.	
	श्री हुकुमचन्द	४०	पुत्र		वि.	सर्विस जे. सी. मिल्स, बिरसा नगर
	श्रीमती राजबाई	३५	पुत्रबहू		वि.	
	श्री नारायण प्रसाद	३०	पुत्र		वि.	सर्विस नया बाजार
	श्रीमती रामाती	२५	पुत्रबहू		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६२—	श्री देवचन्द बरैया	४५	मुलिया		वि.	घाट की दुकान
	श्रीमती केतकीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री बनसुन्दरलाल	२२	पुत्र	मेडिक	वि.	सबिस, से. टेनी. आफिस, जेन्सगज
	श्रीमती वैजयन्तीदेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
	कु० लक्ष्मीबाई	१५	पुत्री		अवि.	
	श्री पूरनचन्द जी	४०	भाई	मिडिल	वि.	पोस्टमैन, जी.पी.ओ., ग्वालियर
	श्रीमती विजयकुमारी	३५	भ्रातवधू		वि.	
	कु० लीलाबाई	१५	भतीजी	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती विलासोबाई	८५	मां		विधवा	
६३—	श्रीलालचन्द बरैया	५०	मुलिया		वि.	हलवाई की दुकान
	श्रीमती कलावती	३५	पत्नी		वि.	
६४—	श्री मंगूलाल बरैया	६०	मुलिया		वि.	दलाल (मकान)
	श्रीमती सरस्वतीबाई	५०	पत्नी		वि.	
६५—	श्री कैलाशचन्द बरैया	२२	मुलिया	११वी	वि.	सदिस, म. प्र. को. बैंक, मुरार
	श्रीमती कमलाबाई	१६	पत्नी		वि.	
	शं मुन्नालाल	४८	पिता		विधुर	
	श्री मिश्रीलाल	५५	ताऊ		विधुर	
६६—	श्री प्रेमकुमार बरैया	१७	मुलिया	बी.ए. II	अवि.	
	श्री पवन कुमार बरैया	१६	मुलिया	ग्यारवी	अवि.	
	डा० यशवन्त कुमार बरैया	२५	मुत्रिया	M.B.B.S.	वि.	डिमोन्स्टेटर, जी.आर. मेडीकल कॉलेज
माधवगंजः—						
६७—	श्री मुन्शीलाल जैसवान	५३	मुलिया	नवीं	वि.	कर्म—मे. मुन्शीलाल महेन्द्रकुमार,
	श्रीमती ज्ञानवती	४८	पत्नी		वि.	माधवगंज
	श्री महेन्द्र कुमार	२७	पुत्र	बी.ए. II	वि.	
	श्रीमती कमलादेवी	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
६८—	श्री शीतल प्रसाद बरैया	३५	मुलिया	बी. कॉम.	वि.	आफीसर—इन्चार्ज, ग्वालियर सेन्ट्रल
	श्रीमती शास्तीदेवी	३०	पत्नी		वि.	को. ज़ापरेटिव बैंक, डीडवाना ओली
	कु० ऊषादेवी	१५	पुत्री	ग्यारवीं	अवि.	
६९—	श्री प्रसन्न कुमार परवार	२६	मुलिया	B.A.M.S.	वि.	व्याख्याता, आयुर्वेदिक कॉलेज,
	श्रीमती राजमती देवी	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	ग्वालियर
	श्री दशरथ चन्द	२१	भाई	बी.एस सी. II	अवि.	
	श्री विनोद कुमार	१४	भाई	मिडिल	अवि.	
७०—	श्री सुशालास खरोडा	५०	मुलिया		विधुर	दुकान, जैन जैनपुरी स्टोर, पाड़ा
	श्री परम चन्द जैन	३०	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	

परिवार संस्था	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	भाजीधिका विवरण
	श्रीमती गङ्गुलता देवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री निर्मल चन्द	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	बूल कार्नेर, सराफा बाजार
	श्रीमती अरुणा देवी	२४	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री कपूर चन्द	२६	पुत्र	मिडिल	वि.	बनारसी पान स्टोर, सराफा बाजार
	श्रीमती कमला देवी	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री. आनिक चन्द	२२	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	
	श्रीमती सुवमा देवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
७१—	श्री भगवान दास अग्रवाल	६८	मुलिया		वि.	बर्तनों के व्यापारी
	श्रीमती अयोध्या देवी	५०	पत्नी		वि.	
७२—	श्री रामस्वरूप अग्रवाल	५०	मुलिया		वि.	कपड़े की दुकान
	श्रीमती बसन्ती देवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	१७	पुत्र		अवि.	
७३—	श्री हसन चन्द खेडी	३५	मुलिया	एक्टर	वि.	कुटकर एजेंसीज
	श्रीमती पिस्ता देवी	३२	पत्नी		वि.	
७४—	श्री मोहन लाल बरैया	६७	मुलिया		वि.	ठेकेदारी
	श्रीमती कौशल्या देवी	६२	पत्नी		वि.	
	श्री महावीर प्रसाद	३०	पुत्र	एच. ए	वि.	प्र.अ., श्री महावीर जूमियर कानेज,
	श्रीमती कमला देवी	२५	पुत्रवधू		वि.	फालके बाजार
७५—	पं. भगवती प्रसाद बरैया	४२	मुलिया	मेट्रिक	वि.	दलासी बिल्डी रेलवे
	श्रीमती अंगूरी देवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्र प्रसाद	१८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, मॉडर्न इलेक्ट्रिक स्टोर
	श्रीमती कुसुमलता	१५	पुत्रवधू		वि.	
७६—	श्री बाबूलाल बरैया	३८	मुलिया		अवि.	मेस. श्रीचन्द्र बाबूलाल, गांधी मार्केट
	श्रीमती सोना देवी	५५	माँ		विधवा.	
७७—	श्री सुगन् चन्द पाटनी	६५	मुलिया	मिडिल	विधुर	मेस. फजौड़ीमल मूलचन्द्र सराफ
	श्री शिखर चन्द	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	(होम्यो एन्ड बायो हॉ.)
	श्रीमती खान्ती देवी	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	पप्पू टॉयज इन्डस्ट्रीज
	डॉ० केशरी मल	२५	पुत्र	M.Com., M.D.H.	वि.	(कैंसिडर, के.बी. बैंक लि., होम्यो.
	श्रीमती उमिना	२३	पुत्रवधू	बी. ए.	वि.	एन्ड बायो. डा. ए. नं. ४०३३)
	श्री विमल चन्द	२०	पुत्र	बी. कॉम. II	अकि.	रेडियो एन्ड बायो स्टोर्स
७८—	श्री लक्ष्मी चन्द	८५	मुलिया		विधुर	मेस. लक्ष्मीचन्द्रकासार, कपडाभाषार
	श्री लाल चन्द	५८	पुत्र		विधुर	सर्विस

परिवार संख्या	नाम	वयु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७६—	श्री हृदयचन्द	४५	मुखिया	वि.	बस्न व्यापारी
	श्रीमती बौना देवी	४०	पत्नी	छटी	वि.
	कुमारी सुलोना	२१	पुत्री	इन्टर	अवि.
	श्री पदम चन्द	१९	पुत्र	मिडिल	अवि.
	कुमारी शान्ता	१७	कुत्री	नवी	अवि.
८०—	श्री कौशल चन्द पाटली	५१	मुखिया	मिडिल	वि. सविन, सोवे-बाई की दुकान, सराफा
	श्रीमती बमेली देवी	४५	पत्नी		वि.
	कुमारी सरोज	१७	पुत्री	ग्यारवीं	अवि.
	कुमारी पुष्पा	१४	पुत्री	छटी	अवि.
८१—	श्री पुनम चन्द बोहरा	५४	मुखिया		वि. कपड़े की दुकान, सराफा बाजार,
	श्रीमती छोटी बाई	४३	पत्नी		वि. लखर
	श्री हेमचन्द	१६	पुत्र		अवि.
८२—	श्री नानूलाल पाटोली	६५	मुखिया		वि. मे. इन्टरचन्द नानूलाल सराफा
	श्रीमती कमका देवी	५०	पत्नी		वि.
	श्री बिम्बल चन्द	३३	पुत्र	इन्टर	वि.
	श्रीमती लक्ष्मी देवी	२८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.
	कुमारी शशि	१६	वासिनी	ग्यारवीं	अवि.
८३—	श्री बलालाल बोहरा	३५	मुखिया		वि. कपड़े के व्यापारी, भावबगंज
	श्रीमती रत्नाबाई	३२	पत्नी		वि. चौराहा, लखर
८४—	श्री उत्तम चन्द बरैया	३०	मुखिया	मिडिल	वि. (सविन, दीनदयाल औषधालय,
	श्रीमती मनीबाई	२५	पत्नी		वि. दौलतगंज)
८५—	श्री मंगीलाल बरैया	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि. मे. जेन एन्ड क., ग्लूज केपस ऐजेंट,
	श्रीमती राज कुमारी	३०	पत्नी		वि. सराफा बाजार
८६—	श्री लक्ष्मीनारायण जैसवाल	३६	मुखिया	मिडिल	वि. सविन, हलवाई होटल संघ
	श्रीमती राजकुमारी	३०	पत्नी		वि.
८७—	श्री नेमीचंद पांडवीय, जंसवाल	३२	मुखिया	B.A., L.L.B.	वि. सविन, स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया
	श्रीमती मुन्नी बाई	२५	पत्नी		वि.
	श्री रामचन्द्र	२४	बाई	ग्यारवीं	वि. असि० राज०, को-ऑपरेटिव
	श्रीमती कपूरी देवी	१६	आसावधू		वि. डिपार्टमेंट, मिचपुरी
	श्री मुरलीधर	२२	बाई	बी. ए. II	अवि.
	श्री कान्ती प्रसाद	२०	बाई	छटी	अवि.
	कुमारी शान्ती देवी	१४	बहिण		अवि.
	श्रीमती सुन्दर बाई	५५	बाई		अवि.

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती द्रोपदी बाई	६५	बुआ		विधवा	
८८—	श्री मनोहरलाल पत्नीबा न	४०	मुलिया	मिडिल	वि.	सविस, हलवाई होटल मंच
	श्रीमती जय देवी	३१	पत्नी		वि.	
	कुमारी सरला देवी	१७	पुत्री	ग्यारवीं	अवि.	
८९—	श्री केदारनाथ बरैया	३६	मुलिया	ग्यारवीं	वि.	सविस, कपड़े की दुकान
	श्रीमती शान्ति देवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सविस, बर्तन की दुकान
	श्रीमती सुशीला देवी	१५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री महेश कुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	सविस, कपड़े की दुकान
९०—	श्री इन्द्रसेन बरैया	२०	मुलिया	ग्यारवीं	वि.	सविस, सब्जी मंडी, छत्री बाजार
	श्रीमती फूलबाई	१६	पत्नी	सातवीं	वि.	
९१—	श्री बाबूलाल बरैया	३०	मुलिया	मेट्रिक	वि.	दलाली, नयाबाजार
	श्रीमती बबामी बाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती भगो बाई	४०	माँ		विधवा	
९२—	श्री प्यारेलाल जैन	५०	मुलिया		वि.	मे.स. फेन्सी क्लॉथ स्टोर्स, माधवगंज
	श्रीमती निर्मला देवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री किलन चन्द	४५	भाई		वि.	
	श्रीमती रामप्यारी देवी	४०	भ्रातावधू		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२५	पुत्र	बी. ए.	वि.	सम्पादक — दैनिक जवाहर के लाल
	श्रीमती सन्तोष देवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मेरीचन्द	२१	पुत्र	बी. एस. सी. II	अवि.	
९३—	श्री फूलचन्द पाटनी	८०	मुलिया		वि.	
	श्रीमती केशर बाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री कपूरचन्द	५५	पुत्र		वि. मे.	मोहन शिवणकला भवन, माधवगंज
	श्रीमती कंचनबाई	४८	पुत्र वधू		वि.	
	श्री मोहनलाल	३४	पौत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती शान्तीबाई	२६	पौत्र वधू		वि.	
	श्री उत्तमचन्द	२६	पौत्र	मिडिल	वि.	सविस, छेदीलाल फूलचंद, नयाबाजार
	श्रीमती शान्ताबाई	१६	पौत्र वधू		वि.	
	श्री होतीलाल	२४	पौत्र	एम. कॉम.	वि.	सविस, ए.जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती विमलाबाई	२३	पौत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री रमेशचन्द	२२	पौत्र	बी. कॉम I	वि.	
	श्रीमती मीना देवी	१८	पौत्र वधू	मिडिल	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री बर्मचन्द	१७	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री रतनचन्द	५०	पुत्र	छठी	वि.	सर्विस, ट्रेजरी आफिस
६४—	श्री मन्मथलाल बरैया	५०	मुखिया		वि.	सर्विस, रेसमचन्द गुलाबचन्द सराफ
	श्रीमती खान्ती देवी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	सराफा बाजार, लश्कर
	श्री सुमनचन्द	२०	भतीजा	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१४	भतीजा		अवि.	
	श्रीमती सरवतीबाई	५०	भाभी		विधवा	
६५—	श्री छोटेसाल बरैया	२८	मुखिया	सातवीं	वि.	किराना दुकान
	श्रीमती कस्तूरी देवी	२५	पत्नी		वि.	
	श्री रामदीन	३८	भाई		अवि.	
	श्री प्रभूदयाल	२२	भतीजा	बी० ए०	अवि.	
६६—	श्री मदनलाल पल्लीवाल	४५	मुखिया		वि.	प्रभात आटा थकरी, माचवगंज
	श्रीमती अंगूरीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रभातकुमार	१४	पुत्र	नवीं.	अवि.	
	कु० स्नेहलता	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
६७—	श्री चिन्मूलाल काला	४५	मुखिया		अवि.	पान की दुकान
	श्री बच्चूलाल	४०	भाई	मिडिल	वि.	
	श्रीमती लीलाबाई	३०	भाई बहू		वि.	
६८—	श्री पन्नालाल बोहरा	४२	मुखिया		वि.	श्री पन्नालाल सीताराम, कपड़ा व्यवसायी,
	श्रीमती प्रकाशबाई	३५	पत्नी		वि.	माचवगंज, फोन नं. २२१६
	श्री प्रेमचन्द	१७	पुत्र	बी. काम. II	अवि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६९—	श्री बाबूलाल छावडा	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस, सब पोस्ट आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती विमलादेवी	२४	पत्नी		वि.	
१००—	श्रीमती रणजोबाई बरैया	२२	मुखिया		विधवा	
१०१—	श्री बलराम बरैया	४०	मुखिया		वि.	दलाल, नया बाजार
	श्रीमती कमला देवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती पार्वती देवी	६५	मां		विधवा	
१०२—	श्री सुमतिप्रसाद परवार	३५	मुखिया	बी. ए.	वि.	भावना अगरवती प्रोडक्शन, सराफा बाजार
	श्रीमती मेमोदेवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२०	भाई		अवि.	
१०३—	श्री राजाराम जैसवाल	२८	मुखिया		वि.	आढ़तिया, सक्की मण्डी
	श्रीमती कमला देवी	२२	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	वयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	व्यावसायिक विवरण
१०४—	श्री रामचरणलाल जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	सर्विस, सञ्जी मशी
	श्रीमती प्रेमदेवी	३५	पत्नी		वि.	
१०५—	श्री मुन्नीलाल बरैया	३५	मुखिया		वि.	टाईपिस्ट, तकसेतकीस, हार्ड कपेट
१०६—	श्री कुशीलाल अग्रवाल	५०	मुखिया	बी. ए.	वि.	स.-रामनारायण बोपसकास, बसाबाजार
	श्रीमती सरोजदेवी	४९	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	एन. ए., एन. कां.	वि.	सर्विस, स्टेट बैंक आफ इण्डिया
	श्रीमती कुन्तीरानी	२४	पुत्र वधू	ग्यारवी	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२४	पुत्र	M Sc.	अवि.	सर्विस-सुपर इलेक्ट्रिक एण्ड
	श्री अशोककुमार	१६	पुत्र	ग्यारवी	अवि.	मेकेनिको, कम्पू मार्ग, सरकर
	कु० उषा	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
१०७—	श्री श्यामलाल पद्मा परवाल	६५	मुखिया		वि.	पान की दूकान
	श्रीमती सुलोबाई	५५	पत्नी		वि.	
	कु० उमिला	१४	पुत्री		अवि.	
१०८—	श्री मिलापचन्द अजमेरा	४४	मुखिया		वि.	दलाल, नया बाजार
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	४२	पत्नी		वि.	
	श्री सुभाषचन्द्र	२३	पुत्र	बी. ए. I	वि.	सर्विस, स्टेट बैंक आफ इण्डिया
	श्रीमती तारादेवी	२०	पुत्र वधू	नवी	वि.	
	श्री ललित कुमार	१८	पुत्र	ग्यारवी	वि.	दलाल, नया बाजार
	श्रीमती रामकुमारी	६६	पुत्र वधू	नवी	वि.	
	श्री रत्न कुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० शकुन्तला	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
१०९—	श्री नरसुलाल बरैया	५५	मुखिया		वि.	हलवाई की दूकान
	श्रीमती अम्बोबाई	५०	पत्नी		वि.	
११०—	श्री फूलचन्द मेठिया, बरैया	६०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती मन्तीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	३०	पुत्र	छठवी	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, प्रेस
	श्रीमती मुन्नीबाई	२०	पुत्र वधू		वि.	
	श्री बेसीचन्द	२१	पुत्र	ग्यारवी	अवि.	दुकानदारी
१११—	श्री बाबूलाल बरैया	५५	मुखिया		वि.	जैन मिष्ठांन मकान, मधुबन
	श्रीमती रामप्यारी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री मोहनलाल	२५	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस, सहीकुमार मशीनकुम्हार
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	२२	पुत्र वधू		वि.	नया बाजार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री सोहनलाल	२२	पुत्र	बी. काम.	वि.	जैन मिष्ठान्न भंडार, माधवगंज
	श्रीमती शकुन्तला	१४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री किशनलाल	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री मदनलाल	१६	पुत्र	नवी	अवि.	
११२—	श्री भस्मनलाल सिधई, बरैया	६०	मुखिया		विधुर	किराने की दुकान, माधवगंज
	श्री लालचन्द	२३	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती शकुन्तला	१८	पुत्रवधू		वि.	
११३—	श्री गुलामचन्द जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	सर्विस सतीशकुमार प्रदीपकुमार,
	श्रीमती कमलेशदेवी	३७	पत्नी		वि.	नयाबाजार
	श्री शिलरचन्द	१६	पुत्र	ब्यारवी	अवि.	
११४—	श्री चम्पालाल पन्ना परवाल	६०	मुखिया		विधुर	चम्पालाल दीलतराम, मिष्ठान्न
	श्री दीलतराम	४५	भाई		वि.	भंडार
	श्रीमती कलावती बाई	४५	आतावधू		वि.	
	श्री श्यामकुमार	३०	भतीजा		वि.	
	श्रीमती रत्नाबाई	२५	भतीजवधू		वि.	
	कु० विमला	१५	भतीजी	मिडिल	अवि.	
	श्री मुन्शीलाल	५५	भाई		विधुर	
	श्रीमती केदारबाई	८०	मां		विधवा	
११५—	श्री सम्पतलाल बरैया	५०	मुखिया		वि.	दलाल, नया बाजार
	श्रीमती तुलसीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, प्रेस
	श्रीमती कुसुमबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	१८	पुत्र		वि.	असवार-विक्रिता
	श्रीमती राजकुमारी	१६	पुत्रवधू		वि.	
११६—	श्री बादाभीलाल	३८	मुखिया		वि.	जैन एण्ड को., न्यूज पेपर्स सोल
	श्रीमती विमलाबाई	३५	पत्नी		वि.	एजेन्ट, डीडवानाभोली
११७—	श्री पन्नालाल परवार	६०	मुखिया		विधुर	
	श्री बिहारीलाल	५७	भाई		अवि.	
	श्री बन्नीप्रसाद	५०	भाई		वि.	बन्नीप्रसाद अशोककुमार, मिष्ठान्न
	श्रीमती नगरवाली	४५	आतावधू		वि.	भंडार
	श्री जगदीश प्रसाद	३०	भतीजा	ब्यारवी	वि.	कम्पाउन्डर, आयुर्वेदिक अस्पताल,
	श्रीमती शकुन्तला	२५	भतीजवधू		वि.	आमसो, लश्कर
	श्री रमेशचन्द	२८	भतीजा	मेट्रिक	वि.	दलाल

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	जिला	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
------------------	-----	-----	---------	------	-------------------	---------------

श्रीमती उमिलादेवी	२४	भतीजबधू	मिडिल	वि.	सविस, नाप-तौल विभाग
श्री मुन्नालाल	२६	भतीजा	इन्टर	वि.	
श्रीमती बिमलादेवी	२२	भतीजबधू		वि.	

कमाठी पुरा, माधवगंज

११८—श्री कपूरचन्द बरैया	४५	मुलिया		अवि.	सविस, मे. रामनारायण गोपालदास
श्री जनक्याम दास	३५	भाई		अवि.	हलवाई
११९—श्री कल्याणदास परवार	७५	मुलिया		वि.	हलवाई की दुकान
श्रीमती कल्याण दास	७०	पत्नी		वि.	
श्री प्रेमचन्द	३१	पुत्र		वि.	नमकीन का ठेका
श्रीमती जारदादेवी	२७	पुत्रबधू	मिडिल	वि.	
श्री श्रीप्रकाश	२४	पुत्र		वि.	
श्रीमती श्रीप्रकाश	१६	पुत्र बधू		वि.	
१२०—श्री कन्हैयालाल परवार	३०	मुलिया	मिडिल	वि.	कन्स्ट्रक्टर, म. प्र. स्टेट ट्रान्सपोर्ट
श्रीमती प्रेमवती	२५	पत्नी	मिडिल	वि.	
१२१—श्री कमल बरैया	४०	मुलिया		वि.	फुटकर दुकान
श्रीमती कमलाबाई	३५	पत्नी		वि.	
१२२—श्री बरमचन्द बरैया	३८	मुलिया	B.A, L.L.B.	वि.	एकाउन्टेन्ट, कम्बलकेन्द्र, गोन
श्रीमती दिनेश्वरी देवी	२५	पत्नी		वि.	पहाड़िया, लश्कर

गाडवे की गोठ

१२३—श्री शकरलाल बरैया	३०	मुलिया		वि.	ठेका ठाई
श्रीमती कमला बाई	२८	पत्नी		वि.	
श्री ओमप्रकाश	१५	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	

घापागंज

१२४—श्री द्वारकाप्रसाद बरैया	४०	मुलिया		वि.	सविस, जे.सी.मिल्स, मुनकर विभाग
श्रीमती मुन्नीबाई	३०	पत्नी		वि.	
श्री महावीर प्रसाद	१६	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	

बापू उन्डी की गोठ, माधवगंज

१२५—श्री लक्ष्मचन्द बरैया	२८	मुलिया		वि.	कम्पाउन्डर, दीनदयाल जीवचालय
श्रीमती मुन्नीबाई	२५	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१२६—	श्री जगन्नाथप्रसाद बरैया	३०	मुलिया		विधुर	घाट ठेला
	श्रीमती काशीबाई	२५	माँ		विधवा	
२७—	श्री पन्नालाल बरैया	४५	मुलिया	नहीं	वि.	काकरी व्यापारी
	श्रीमती रूपाबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री बसालाल	२५	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	सबिस, ए.जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती प्रभावती	२२	पुत्र बहू		वि.	
१२८—	श्री छोटेलाल बरैया	४०	मुलिया		वि.	चाय का ठेला
	श्रीमती गान्तीबाई	३५	पत्नी		वि.	

पुलिस चौकी, माधवगंज

१२९—	श्री रघुनाथप्रसाद बरैया	४५	मुलिया		विधुर	मे. सीताराम जीबनलाल, किराना
	श्री जीवनलाल	३६	भाई		वि.	व्यापारी, माधवगंज
	श्रीमती कमलाबाई	३०	भाई बहू		वि.	
	श्री नैसीचन्द	३०	भाई		वि.	मे. जीवनलाल बसोकुमार,
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२०	भ्राता बहू		वि.	किराना व्यापारी
	कु० सितारा	१४	भतीजी		अवि.	

चिटनीस की गोठ (माधवगंज):—

१३०—	श्री सुभाषचन्द अग्रवाल	२०	मुलिया	ग्यारवीं	अवि.	सबिस-नैसीचंद प्यारेलाल, माधवगंज
	श्री अरिन्जयकुमार	१५	भाई	मिडिल	अवि.	सबिस-जगदीशप्रसाद राजीवकुमार
	श्रीमती अनारोदेवी	३५	माँ		विधवा	
१३१—	श्री मिलापचन्द पापड़ीवाल	५५	मुलिया		वि.	सबिस-रमेशचंद गुलाबचंद सराफ
	श्रीमती गुलाबबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री ताराचन्द	३५	पुत्र	इन्टर	वि.	सबिस, M. P. S. R. T. C.
	श्रीमती हीरोबाई	३०	पुत्रबहू		विधवा	
	श्री लोकेन्द्रकुमार	२३	पुत्र	मिडिल	अवि.	कसीदाकारी का कार्य
	श्री भूपेन्द्रकुमार	२१	पुत्र	बी. काम.	अवि.	सबिस, य.प्र. राज्य परिवहन निगम
	कु० चन्द्रकान्ता	१७	पुत्री	ग्यारवीं	अवि.	
	कु० मधु	१४	पौत्री	मेट्रिक	अवि.	
१३२—	श्री गुलाबचन्द पापड़ीवाल	७०	मुलिया		अवि.	
१३३—	श्री हरबिलास पन्ना. परवाल	३६	मुलिया	मिडिल	वि.	नबिस, मे. सी. मिल्स, बिरसानगर
	श्रीमती अंगूरीबाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती द्रोपतीबाई	७७	मा		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१३४—	श्री किशन स्वरूप पप्पा. पर. श्रीमती कचनबाई	२८ २४	मुखिया पत्नी	ग्यारवी	वि. वि.	सर्विस, जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
१३५—	श्री कन्हैयालाल गर्ग (अग्र.) श्रीमती गुणमाला	४५ ४०	मुखिया पत्नी		वि. वि.	किराना दुकान, चिटनीस की गोठ
	श्री लक्ष्मणदास श्रीमती सरोजकुमारी	२४ २०	पुत्र B.Com., L.L.B (३.) पुत्रवधू		वि. वि.	सर्विस, ए. म. प्र. बटानियन
	श्री रिखवदास श्रीमती जैनमती	२१ १८	पुत्र पुत्रवधू	मेट्रिक पाँचवी	वि. वि.	दुकान
१३६—	श्री मूलचन्द बरैया श्रीमती सीताबाई	६० ५५	मुखिया पत्नी	मिडिल	वि. वि.	मुन्शी (अदालत)
	श्री रमेशकुमार श्रीमती इन्द्राबाई	२० १७	पुत्र पुत्रवधू	बी. काम. मिडिल	वि. वि.	टाइपिस्ट हाईकोर्ट
	श्री सुरेशकुमार कु० पुष्पा	१८ १४	पुत्र पुत्री	बी काम. III मिडिल	अवि. अवि.	
१३७—	श्री फतेहचन्द बरैया श्रीमती प्रेमवती	३८ ३५	मुखिया पत्नी	B.A., L.L.B.	वि. वि.	सुपरि०, ए. जी. आफिस, जाधवमहन
१३८—	श्री बृन्दावनलाल गोलालारं श्रीमती छोटीबाई	४५ ४०	मुखिया पत्नी		वि. वि.	हलवाई
	श्री रामजवतार श्री श्रीचन्द	२२ २०	पुत्र पुत्र		अवि. अवि.	
१३९—	श्री नेमीचन्द बंसन (अग्र.) श्रीमती गोमतीबाई	२७ २४	मुखिया पत्नी	मेट्रिक	वि. वि.	श्री नेमीचन्द भागचन्द, कपड़े के व्यापारी, बही मण्डी
	श्री भागचन्द श्री सुभाषचन्द	२२ २०	भाई भाई बी. काम. III	नवीं अवि.	अवि. अवि.	
	कु० मनोरमा श्रीमती त्रिवेणीबाई	१६ ४०	बहिन माँ	मिडिल	अवि. विधवा	
	श्रीमती नारायणीबाई	६०	दादी		विधवा	
१४०—	श्री छैलबिहारी परवार श्रीमती कमलादेवी	३५ ३०	मुखिया पत्नी	बी. काम. इन्टर	वि. वि.	सर्विस, लाइफ इन्शोरेंस कॉर्पोरेशन
१४१—	केशरीचन्द खोआ श्री रमेशचन्द	३५ २५	प्रभुस साला	B.A., L.L.B. बी. काम.	वि. अवि.	आडीटर, रजिस्ट्रार आफ को- ऑपरेटिव सोसाइटीज

परिवार संख्या	नाम	आयु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
---------------	-----	-------------	--------	----------------	---------------

बालाबाई का बाजार :-

१४२—	श्री दयाचन्द परवार श्रीमती जमेली बाई	४० मुलिया ३० पत्नी	छठी	वि.	हलवाई
१४३—	श्री चिरोजीलाल बरैया	३५ मुखिया		अवि.	कपड़े के व्यापारी
१४४—	श्री भीकाराम बरैया श्रीमती छोटीबाई कु० शकुन्तला	४५ मुखिया ४० पत्नी १४ पुत्री		वि. वि. अवि.	हलवाई
१४५—	श्री महेन्द्र कुमार अग्रवाल श्रीमती सुरेन्द्रीदेवी श्री शशीकान्त श्री किशोर कुमार कु० शोभा	४० मुखिया ३५ पत्नी २० पुत्र १६ पुत्र १४ पुत्री		वि. वि. बी. ए. अवि. इन्टर अवि. मिडिल अवि.	सर्विस, ट्रान्सपोर्ट कं० सर्विस, विजय एण्ड कं० नयाबाजार
१४६—	श्री चिरोजीलाल बरैया श्रीमती अंगूरीबाई	३६ मुखिया ३० पत्नी		वि. वि.	चिरोजीलाल बालचन्द, कपड़े के उपनसायी, भावबगज
१४७—	श्री मुसालाल खरोआ श्रीमती पद्मश्रीदेवी कु० मिषलेय	४७ मुखिया ४६ पत्नी १३ पुत्री	मेट्रिक	वि. वि. नवीं अवि.	परिचालक, M. P. S. R. T. C.
१४८—	श्री बाबूलाल खरोआ श्रीमती देवी कु. इन्द्रा श्री शिखरचन्द	३७ मुखिया ३२ पत्नी १४ पुत्री ६५ पिछाजी		वि. वि. अवि. विधुर	बनारसी पान भण्डार, जयाजी चौक
१४९—	श्री मिर्जाजीलाल खरोआ श्रीमती प्रेमलता	२० मुखिया २० पत्नी	बी.काम. II	वि. वि.	बनारसी पान भण्डार, जयाजी चौक
१५०—	श्री सीताराम अग्रवाल श्रीमती लच्छोबाई श्री पुरुषोत्तमदास	५० मुखिया ४५ पत्नी १४ पुत्र		वि. वि. मिडिल अवि.	मुन्शी (अदालत)
१५१—	श्री महेन्द्रकुमार खरोआ श्रीमती कुसमादेवी श्री सन्त कुमार श्री मसीलाल श्रीमती बेटीबाई	३७ मुखिया ३२ पत्नी ३० भाई २० भाई ६० मां		वि. वि. अवि. अवि. विधवा	अशोक पान भण्डार, इन्द्रगंज

परिवार संस्था	नाम	आयु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
---------------	-----	-------------	--------	----------------	---------------

माधवगंज :-

१५२—	श्री बाबूलाल खरोडा	५०	मुखिया	वि.	(बाबूलाल जाम्तीलाल, कपड़े के व्यापारी, माधवगंज) कपड़े की दुकान
	श्रीमती ज्ञानदेवी	४०	पत्नी	वि.	
	श्री जाम्तीलाल	२४	पुत्र	मेट्रिक	
	श्रीमती पुष्पादेवी	२०	पुत्रवधू	वि.	
	श्री नरेन्द्र कुमार	२०	पुत्र	बी.काम. I	
१५३—	श्री विनोद कुमार खरोडा	१८	मुखिया	मेट्रिक	अवि.
	कु० सुषमा	१६	बहिन	नवी	
	कु० सरिता	१४	बहिन	सातवी	
	श्रीमती कैलाशीबाई	४०	मा		
	श्री पञ्चमलाल वरैया	२४	मुखिया	अवि.	
१५५—	श्री भानु कुमार खरोडा	५२	मुखिया	वि.	सिलाई का व्यवसाय
	श्रीमती कान्तादेवी	४७	पत्नी	वि.	
	श्री वीरेन्द्र कुमार	२२	पुत्र	एम.काम.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	१६	पुत्रवधू	मिडिल	
	श्री सतीश कुमार	२५	पुत्र	बी ए एम एस.	
	श्रीमती जैनश्रीदेवी	२२	पुत्रवधू	वि.	

लाला का बाजार:-

१५६—	श्री बुधामल परवार	२३	मुखिया	ग्यारवीं	वि.	सर्विस, परिचालक, म० प्र० राज्य परिवहन
	श्रीमती भूरीबाई	१८	पत्नी	छठीं	वि.	
	श्रीमती बैकुण्ठीबाई	४५	मा		विधवा.	
१५७—	श्री इन्द्रजीत 'मास्ती' (बोलपुर)	२८	मुखिया	एम.ए.; बी.एड.	वि.	
	श्रीमती अनारकली	२५	पत्नी		वि.	
	श्री गोकलचन्द	२०	भाई	D.T. T. II	वि.	
१५८—	श्री राजेन्द्रप्रसाद	२७	मुखिया	एम. एस.सी.	वि.	

कासगी बाजार:-

१५९—	श्री रमेशचन्द कासलीवाल	२२	मुखिया	एम. काम.	वि.	सर्विस, ल.म. एटैड बी-कॉलेजिज बैंक लि हाइवेयर मर्चेंट
१६०—	श्री सुनहरीलाल वरैया	४३	मुखिया	पांचवीं	वि.	
	श्रीमती विद्याबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री सुभाषचन्द	२१	पुत्र		वि.	
	श्रीमती राजमती	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१७	पुत्र		अवि.	
	श्री मित्तरचन्द	१४	पुत्र		अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
------------------	-----	-----	---------	--------	-------------------	---------------

फडनीस की गोठ, चावडी बाजार:—

१६१—	श्रीभगवानलाल	६०	मुखिया		वि.	सिलाई का काम
	श्रीमती आनंदी बाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री लक्ष्मीनारायण	४०	पुत्र		अवि.	हलवाई की दुकान,
१६२—	श्री पूनमचन्द गर्ग	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	कटरोल की दुकान, डोलीबुआ का पुल
	श्रीमती सावित्री देवी	४४	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	१८	पुत्र	भारती	अवि.	,
	श्री महेशचन्द	१४	पुत्र	सातवीं	अवि.	
१६३—	श्री कपूरचन्द गर्ग	४२	मुखिया	मिडिल	वि.	मन्होमल प्यारेलाल सराफ, सोना
	श्रीमती शान्तीदेवी	३५	पत्नी		वि.	बादी के बिक्रेता
	श्री ज्ञानचन्द	२०	पुत्र	बी. ए.	अवि.	
	कु० प्रभा	१७	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	कु. मनोरमा,	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	३०	भाई	नवीं	वि.	
	श्रीमती भगवती	२५	आतावधू		वि.	

डोलीबुआ का पुल (जंकम साहब कम्पू)

१६४—	श्री बाबूलाल बरैया	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	हलवाई
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री रामचरण	३०	भाई	छठीं	वि.	हलवाई
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	२०	आतावधू		वि.	
	श्रीमती कौसाबाई	७०	मां		विधवा	
१६५—	श्री सत्येन्द्रनाथ जैसवाल	२७	मुखिया	एम० ए०	वि.	सबिस, ए जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती राजेश	२३	पत्नी	एम० ए०	वि.	
१६६—	श्री फूलचन्द बरैया	६७	मुखिया		विधुर	किराना व्यापारी
	श्री प्रह्लाद दास	३३	पुत्र	मिडिल	वि.	सबिस, टेक्समेको, बिरसा नगर
	श्रीमती शकुन्तला देवी	२८	पुत्रवधू		वि.	अन्नीबाजार:-
१६७—	श्री रामदयाल बरैया	५५	मुखिया		विधुर.	कपड़े के व्यापारी
१६८—	श्री नेमीचन्द	२२	मुखिया	बी.ए. III	वि.	अध्यापक, राष्ट्रीय शिक्षु विशालय,
	श्रीमती कमलेशकुमारी	१८	पत्नी	बी.ए. I	वि.	छत्री बाजार
१६९—	श्री नेमीचन्द बरैया	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	मे. विजयकुमार एण्ड ब्रदर्स, बरन
	श्रीमती पद्मश्री देवी	३८	पत्नी		वि.	व्यापारी, सराफा बाजार
	श्री अजितकुमार	१७	पुत्र	भारती	अवि.	
	श्री इन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१७०—	श्री मुरारीलाल बरैया श्रीमती अंगूरी देवी	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मे. अरुणकुमार देवेन्द्रकुमार, वस्त्र ब्यापारी, दही मण्डी
१७१—	श्री पदमचन्द बरैया श्रीमती कुसुमलता श्रीमती दुर्गाबाई	२२	मुखिया	इन्टर	वि.	जैन कटपीस एम्पोरियम, २६ बजरग कटरा, दहीमण्डी
१७२—	श्री बाबूलाल गोलसिघारे श्रीमती रत्नबाई श्री चन्द्रसेन श्रीमती विट्ठीबाई श्री महावीरप्रसाद	५०	मुखिया		वि.	घी के ब्यापारी
		४०	पत्नी		वि.	
		४०	भाई		वि.	
		३०	भ्राता वधू		वि.	
		१६	भाई		अवि.	
१७३—	श्री महावीरप्रसाद बरैया श्रीमती बहामी देवी	५५	मुखिया		वि.	पदमचन्द पवनकुमार, वस्त्र ब्यापारी, २६ बजरग कटरा दही मण्डी
		४५	पत्नी		वि.	
१७४—	श्री प्यारेलाल जैसवाल श्रीमती कलावती श्री नेमीचन्द श्रीमती कलाबाई श्री प्रकाशचन्द श्रीमती वाढामीबाई श्री विमलचन्द श्री महेणचन्द श्रीमती गोगाबाई	५५	मुखिया		वि.	मोतीराम रामचन्द, किराना मर्चेन्ट, इन्दर गज
		४५	पत्नी		वि.	
		३०	पुत्र	इन्टर	वि.	सविम, के. बी. बैंक, जयाजी चौक
		२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
		२८	पुत्र	इन्टर	वि.	किराना मर्चेन्ट
		२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
		२६	पुत्र	इन्टर	अवि.	
		१८	पुत्र	नवी	अवि.	
		७०	माँ		विधवा	
१७५—	श्री मुगनचन्द जैसवाल श्रीमती जैनमती	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मोतीराम रामचन्द, किराना मर्चेन्ट, इन्द्रगज
		३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
१७६—	श्री बाकैलाल गोलसिघारे	४२	मुखिया		वि.	घी की दुकान
१७७—	श्री हजारीलाल गोलसिघारे श्रीमती रामबाई श्री पदमचन्द	६०	मुखिया		वि.	घा की दुकान, लक्ष्मीगज
		५०	पत्नी		वि.	
		१०	पुत्र		अवि.	
१७८—	श्री नारायणप्रसाद श्रीमती मुन्नीदेवी	३७	मुखिया		वि.	किराने की दुकान
		२२	पत्नी		वि.	
१७९—	श्री दुर्गाप्रसाद पत्नीवाल	७०	मुखिया		विधुर	हलबाई
१८०—	श्री नेमीचन्द परबा श्रीमती कान्तादेवी	२६	मुखिया	M Com., M. M. B.	वि.	प्रबन्धक, ग्वालियर जिला सहकारी भू-विकास बैंक, ग्वालियर
		२०	पत्नी	इन्टर	वि.	
१८१—	श्री सोखेलाल बरैया श्रीमती कमलाबाई श्री सन्तोषकुमार	३५	मुखिया		वि.	सविम, चम्पाबाग मन्दिर
		३०	पत्नी		वि.	
		१६	पुत्र		अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
------------------	-----	-----	---------	--------	-------------------	---------------

जनकगंज :—

१८२—	श्री राजेन्द्रकुमार श्रीमती मनोरमाबाई	३०	मुखिया	बी. काम.	वि.	सर्विस, ए० जी० ऑफिस
		२५	पत्नी	बी. ए.	वि.	
१८३—	श्री विरोजीलाल श्री ईश्वरचन्द	७५	मुखिया		विधुर	मे. विरोजीलाल फुन्दीलाल हलवाई
	श्रीमती कमलाबाई	२६	पुत्र	मिडिल	वि.	
१८४—	श्री चन्द्रसेन बरैया श्रीमती रामकुमारी	२५	पुत्रवधू		वि.	हलवाई की दुकान
	श्री बाबूलाल	५०	मुखिया		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	४६	पत्नी		वि.	
	श्रीमती कपूरीबाई	४६	माई		वि.	
	श्री निर्मलचन्द	३५	पुत्र		वि.	सर्विस, नागरी एण्ड सन्स
	श्रीमती सरलादेवी	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री निर्मलचन्द	३३	पुत्र		वि.	हलवाई की दुकान
	श्रीमती सरलादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	३०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती बिमलादेवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
१८५—	श्री रतनलाल बरैया श्रीमती अजुद्धीबाई	३७	प्रमुख		वि.	पान मर्चेट, जनकगंज
		३०	पत्नी		वि.	
१८६—	श्री श्रीचन्द जैसवाल श्री बाबूशाह	६२	प्रमुख	मिडिल	विधुर	बी के व्यापारी
	श्रीमती मुन्नीबाई	३०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
१८७—	श्री रतनलाल बरैया	५०	प्रमुख		विधुर	किराना व्यापारी, जनकगंज
१८८—	श्री धूपचन्द टोंग्या श्रीमती कान्ताबाई	४५	प्रमुख		वि.	सर्विस, ग्वा० रेयन-वेयर हाऊस
	श्री शान्ती कुमार	३६	पत्नी		वि.	
	श्री यशवन्त कुमार	१६	पुत्र	बी. काम. I	अवि.	सर्विस सुवस्त्र भण्डार, नई सड़क
	श्री राजकुमारी	१४	पुत्र	नवी	अवि.	
		१८	पुत्री	बी.ए. II	अवि.	
१८९—	श्री प्रेमचन्द जैसवाल श्रीमती मुन्नीदेवी	२८	प्रमुख	इन्टर	वि.	ओवरसियर, वाटर वर्क्स
		२५	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
१९०—	श्री उग्रसेन गोसालारे श्रीमती कृष्णादेवी	२८	प्रमुख		वि.	कपड़े के व्यवसायी
		१८	पत्नी		वि.	
१९१—	श्री नेमीचन्द ब्रह्मवाल श्रीमती श्यामादेवी	४५	मुखिया	इन्टर	वि.	(प्रधान कैशियर, के० बी० बैंक, इन्दौर शाखा)
		३६	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री पदमचन्द	२३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सबिस, आदर्श क्लोथ मिल्स, ग्वा०
	श्रीमती मालती देवी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री धर्मचन्द	२१	पुत्र	मिडिल	अवि.	सबिस, महावीर गोटा फेक्ट्री,
	श्री सुमतचन्द	१६	पुत्र	नवीं	अवि.	मराफा बाजार
	श्री पारस कुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	कु० मनोरमा	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
१६२—	श्री रत्नचन्द अग्रवाल	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	हैंडलूम दरी भण्डार, सराफा बाजार
	श्रीमती अमृतीबाई	३३	पत्नी		वि.	
	कु० सुमनलता	१५	पुत्री	नवीं	अवि.	
१६३—	श्री लक्ष्मीनारायण गोलालारे	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सबिस
	श्रीमती सीताबाई	२८	पत्नी		वि.	
१६४—	श्री शीतलचन्द गोलापूरव	४१	मुखिया	B.A.M.S.	वि.	व्याख्याता, जासकीय आयुर्वेद
	श्रीमती मशीकला	३१	पत्नी	मिडिल	वि.	महाविद्यालय, ग्वालियर
	श्री मन्धर कुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
१६५—	श्री मादव चन्द्र नेगी	३२	मुखिया	बी. ए.	वि.	सबिस, ए० जी० आफिस
	श्रीमती राजाबाई	२०	पत्नी	एम. ए.	वि.	

भाऊ का बाजार :—

१६६—	श्री सुरेशकुमार बरैया	१६	मुखिया	हायर सेकंड्री	अवि.	सबिस, यूनाइटेड कमर्सियल बैंक
	श्री सुरेशचन्द	१८	भाई	नवीं	वि.	लि०, सराफा बाजार
	श्रीमती मुन्नीबाई	१६	भाईवधू	मिडिल	वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	भाई		अवि.	
	श्रीमती हंसो बाई	४०	मा		विधवा	
	श्रीमती पुनिया बाई	६०	बुआ		विधवा	
१६७—	श्रीमती सोना बाई बरैया	४२	मुखिया		विधवा	किराना व्यापारी, छत्री मन्डी
	श्रीमती चिरोजी बाई	४५	बहन		विधवा	
	श्रीमती अजुटो बाई	७०	मा		विधवा	
१६८—	श्री गुलाबचन्द जी बरैया	५०	मुखिया		विधुर	हलवाई
१६९—	श्री मट्टलाल जी बरैया	६५	मुखिया		विधुर	हलवाई की दुकान
	श्री भरोसीलाल जी	४०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती रामकलीबाई	३०	पुत्र वधू	छठी	वि.	
२००—	श्री मञ्जुरादास जी नरपतिया	६७	मुखिया		विधुर	साहूकारी
	श्री प्रकाश चंद जी	३५	पुत्र		वि.	

श्रीमती.

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सरोजबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
२०१—	श्री मांगीलाल जी	६२	मुखिया		वि.	मुनीम दही मण्डी
	श्रीमती रतनबाई	४२	पत्नी		वि.	
	श्री विमलचन्द्र	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	श्रीमती श्रीमती:-
२०२—	श्री हरेन्द्रकुमार जैन कटेरा	२१	मुखिया इंटर	D.M.B.	अवि.	सर्विस जैन औद्योगिक
२०३—	श्री जिनैश्वर प्रसाद लम्हेचू	४५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मिष्ठान भंडार
	श्रीमती कैलासी देवी	३५	पत्नी		वि.	
२०४—	श्री गुलाब चन्द्रजी पांडया	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	किराता
	श्रीमती रतन देवी	४०	पत्नी	हा० से०	वि.	
	श्री मोहन लाल	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कुमारी मुन्नी	१७	पुत्री		अवि.	
	श्रीमती श्यामा देवी	६५	माँ		विधवा	
२०५—	श्री कस्तूर चन्द सोनी	६५	मुखिया		अवि.	बैंकर्स
२०६—	श्री मोतीलाल पांडया	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती राजकुमारी	३६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री राजेन्द्र कुमार	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस
	श्री वरेन्द्र कुमार	१८	पुत्र	हा० से०	वि.	
२०७—	श्री महेन्द्र कुमार गोषा	५०	मुखिया	आठवीं	वि.	महेन्द्र प्रिंटिंग प्रेस
	श्रीमती अशर्की बाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री बसन्त कुमार	३०	पुत्र	B.Com, L.L.B.	वि.	सर्विस, वे. सी. मिस्स
	श्रीमती कुन्दा देवी	२५	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री चन्द्र कुमार	२२	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री धर्मेन्द्र कुमार	१८	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री मनोज कुमार	१४	पुत्र	नवी	अवि.	
	कुमारी सविता	१४	पुत्री	सातवीं	अवि.	
२०८—	श्री नारायणदास	७२	मुखिया	B. A.	वि.	सर्विस
	श्रीमती गणेशी बाई	६५	पत्नी		वि.	
	श्री चेतन कुमार	४०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती बनारसी बाई	३७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सूर्येन्द्र कुमार	२०	पोता	B.Com	अवि.	सहयोग वस्त्र भण्डार, दही मण्डी
	श्री सन्तोष कुमार	१७	पोता	मेट्रिक	अवि.	
	कुमारी वसन्ती	१८	पोती	B. A.	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२०६—	श्री चांदमल पाटनी	५५	मुखिया		वि.	सर्विस मे. चांदमल कागदी,
	श्रीमती चांदमल	४५	पत्नी		वि.	मयाबाजार
२१०—	श्री लाराचन्द्र वर्मा	३०	मुखिया		वि.	कपड़े की दुकान, कटपीस कटरा,
	श्रीमती राजमती	२५	पत्नी		वि.	दहीमन्डी, दोस्तगंज ग्वालियर
	श्री बानूलाल	२४	भाई	M. Sc.	वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	२०	भ्राता बधू	मिडिल	वि.	
	श्री कुन्दन लाल	२१	भाई	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती शकुन्तला	१६	भ्राता बधू		वि.	
	श्री सनतकुमार	१५	भाई	मैट्रिक	अवि.	
२११—	श्री जयदेव परवार	२४	मुखिया	बी. ए.	वि.	सर्विस ए. जी. आफिस मोतीमहल
	श्रीमती शान्तीदेवी	२२	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री अश्वनीकुमार	१८	भाई	बी० कॉम	वि.	
	श्रीमती रानी	१५	भ्राता बधू		वि.	
२१२—	श्री देवेन्द्र कुमार गो रा	४५	मुखिया	B. A.	वि.	सर्विस, गगवान केन्ट्री
	श्रीमती बाबो बाई	४२	पत्नी		वि.	
२१३—	श्री चेतनमल पाडया	७५	मुखिया		वि.	
	श्रीमती कस्तूरी बाई	६०	पत्नी		वि.	
२१४—	श्रीमती कोकाबाई गोधा	६०	मुखिया		विधवा	
२१५—	श्री राजकुमार जैसवाल	१६	मुखिया	हा० से०	अधि.	सर्विस
	श्रीमती वैजयन्ती बाई	४५	माँ		विधवा	
	श्रीमती गोराबाई	६०	दादी		विधवा	
	कुमारी प्रभाबाई	१४	बहिन		अवि.	
२१६—	श्रीमती ओछीबाई दीवान जैसवाल	६०	मुखिया		विधवा	
२१७—	श्री श्यामलाल जैसवाल	५५	मुखिया		विधुर	बाट का श्रमिका
२१८—	श्री नेमीचन्द जैसवाल	२३	मुखिया	दसवीं	वि.	बाट का श्रमिका
	श्रीमती प्रेमवती बाई	२१	पत्नी	पाचवी	वि.	
	श्री जयकुमार	१७	भाई	नवी	अवि.	
	श्री विजय कुमार	१५	भाई	आठवी	अवि.	
	श्रीमती राधा बाई	५५	नानी		विधवा	
२१९—	श्री शिखरचन्द गोधा	२७	मुखिया	मैट्रिक	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती सुशीला बाई	२३	पत्नी	छटवी	वि.	
२२०—	श्री तेज नारायण गोधा	३६	मुखिया	दसवी	वि.	गोधा केन्ट्री, जयानी चौक, लश्कर
	श्रीमती कंचन बाई	३२	पत्नी	पांचवी	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री मोहन कृष्ण	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कुमारी जयश्री	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सुरेश चन्द्र	१४	पुत्र	आठवीं	अवि.	
२२१—	श्री बाबूलाल जैसवाल	३६	मुखिया	M.B.B.S., M.D.	वि.	सर्जन, जे.ए. हॉस्पिटल; व्याख्याता, गजराजा मेडीकल कॉलेज (मिथास-फोन नं० २१२०)
	श्रीमती किरण देवी	३६	पत्नी		वि.	
	श्री विजय कुमार	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री कुन्दनलाल	६५	पिता		विधुर	
२२२—	श्री मनोहरलाल पाण्ड्या	४६	मुखिया		वि.	सोते चांदी का व्यवसाय,
	श्रीमती राजकुमारी बाई	४३	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
	श्री देवेन्द्र कुमार	२४	पुत्र	बी० ए०	अवि.	सर्विस, ए० जी० ऑफिस
	कुमारी मधुबाला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
२२३—	श्री चन्द्रसेन जी गोनश्रंगारीय	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस, पी० डब्लू० डी०
	श्रीमती सुशीलादेवी	२४	पत्नी	मिडिल	वि.	
२२४—	श्रीमती राशमनीबाई	७५	मुखिया	जैन शिक्षा	विधवा	
२२५—	श्री महेश कुमार परमार	२०	मुखिया	बी० ए०	अवि.	सर्विस, ए० जी० ऑफिस.
	श्रीमती बाई	४५	माँ		विधवा	
	श्री चकनेश कुमार	१४	भाई	८ वीं	अवि.	
२२६—	श्री फूलचन्द रावका	४५	मुखिया		विधुर	
	श्री लालचन्द	१६	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	जैन धृत भण्डार
२२७—	श्री कन्हैयालाल पांड्या	४८	मुखिया	५ वीं	वि.	सर्विस
	श्रीमती गुणमाला बाई	३६	पत्नी	४ वीं	वि.	
	कुमारी कुसुम	१५	पुत्री	८ वीं	अवि.	
२२८—	श्री रामचरन जैसवाल	५७	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती बर्फीबाई	४६	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	१८	पुत्र	आठवीं	वि.	पान की दुकान
	श्रीमती विमलाबाई	१५	पुत्र बधू		वि.	
	श्री रत्नमचन्द	१४	पुत्र	६ वीं	अवि.	
	कुमारी विद्या बाई	१५	पुत्री	७ वीं	अवि.	
२२९—	श्री मुन्नालाल जैसवाल	२६	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती शारदा बाई	२४	पत्नी	६ वीं	वि.	
	श्रीमती चमेली बाई	५०	माँ		विधवा	
२३०—	श्री नरसीलाल जैसवाल	४४	मुखिया		वि.	जैन मिष्ठान भण्डार
	श्रीमती गंगा बाई	३७	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री पदमचन्द	१६	पुत्र	नवी	अवि.	
	श्री मूलचन्द	१५	पुत्र	आठवीं	अवि.	
	कुमारी मुन्नी बाई	१४	पुत्री	पांचवी	अवि.	
	श्रीमती लक्ष्मी बाई	६८	माँ		विधवा	
२३१—	श्री मोतीलाल गोधा	३२	मुखिया	प्रा. शि.	वि.	गस्ले का व्यवसाय
	श्रीमती शान्ति देवी	२८	पत्नी	प्रा. शि.	वि.	
	कुमारी मारवा बाई	१४	पुत्री	प्रा. शि.	अवि.	
	श्री कमल चन्द	२४	भतीजा	मिडिल	वि.	सर्विस, ठाठीपुर अस्पताल
	श्रीमती पद्मा बाई	१७	भतीज बधू	११ वीं	वि.	
२३२—	श्री बाबूलाल खान्ना	५५	मुखिया	B. A.	विधुर	अध्यापक, बख्तमान विद्यालय,
	श्री पदम चन्द	३०	पुत्र	M. A	वि.	सर्विस, सिविल सर्जन आफिस, ग्वा.
	श्रीमती तारादेवी	२६	पुत्र बधू	किडिल	वि.	
	कुमारी प्रियलता	१४	पोती	मिडिल	अवि.	
	श्री महेन्द्र कुमार	२१	पुत्र	११ वीं	अवि.	सर्विस, म. प्र. राज्य परिवहन.
२३३—	श्री फूलचन्द जैसवाल	६०	मुखिया		विधुर	हलवाई
२३४—	श्री गोपीलाल बोहरा	४५	मुखिया		विधुर	मुख्य लेखाधिकारी, जयविलास महल
	श्री नेमीचन्द	२२	पुत्र	B. Com	वि.	सर्विस, के.बी. बैंक, जयदेवगञ्ज भाला
	श्रीमती कंचन बाई	२०	पुत्र बधू	मिडिल	अवि.	
	श्री पारस कुमार	१६	पुत्र	B.Com II	वि.	
	कुमारी पवन	१६	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	कुमारी इन्द्रा	१४	पुत्री	६ वीं	अवि.	
	कुमार पुष्पा	१५	पुत्री	६ वीं	अवि.	
२३५—	श्री मानकचन्द बोहरा	५०	मुखिया		वि.	सर्विस, ग्वालियर स्टोर्स, सराफा
	श्रीमती ताराबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री अशोक कुमार	१८	पुत्र	११ वीं	अवि.	किराना व्यापारी
	कुमारी कुसुम	१४	पुत्री	६ वीं	अवि.	
२३६—	श्री मोतीलाल बोहरा	३५	मुखिया		अवि.	सर्विस, गंगवाल फैक्ट्री
	श्रीमती फुमी बाई	६०	माँ		विधवा	
२३७—	श्री रामस्वरूप जैसवाल	४४	मुखिया		वि.	अनाज की दुकान
	श्रीमती जैनोबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री मुञ्जालाल	२२	पुत्र	प्रा. शि.	वि.	
	श्रीमती जानन्दी बाई	१६	पुत्र बधू	११ वीं	वि.	
२३८—	श्री महेन्द्रकुमार पारस	४५	मुखिया		१० वीं	वि.
	श्रीमती प्रियलता	३५	पत्नी		८ वीं	वि.

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री देवेन्द्र कुमार	२२	पुत्र	B. A.	वि.	सर्विस
	श्रीमती सीता जैन	१८	पुत्र वधू	B. A. I	वि.	
	कुमारी बिमला	२०	पुत्री	B. A.	अवि.	
	कुमारी शशि प्रभा	१६	पुत्री	१० वीं	अवि.	
	कुमारी मनोरमा	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
२३६—	श्री बन्नी प्रसाद जैसवाल	५०	मुखिया	प्रा. शि.	वि.	
	श्रीमती रतन देवी	४५	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
	श्री प्रकाश चन्द्र	२५	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस,
	श्रीमती प्रभा देवी	१६	पुत्र वधू	प्रा. शि.	वि.	
	श्री नेमीचन्द	२०	पुत्र	प्रा० शि०	वि.	
	श्रीमती सुशीला देवी	१६	पुत्र वधू	३ वीं	वि.	
	श्री पदम चन्द	१५	पुत्र	६ वीं	अवि.	
२४०—	श्री लक्ष्मणदास जी जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	श्रीमवा नमकीन
	श्रीमती लक्ष्मणदास	५५	पत्नी		वि.	
	पुत्र (लक्ष्मणदास जी)	३०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती पुत्र वधू	२४	पुत्र वधू		वि.	
२४१—	श्री फूलचन्द जी	४८	मुखिया	प्रा. शि.	वि.	नमकीन
	श्रीमती कुंवरबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द जी	३२	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सुलोचना	२४	पुत्र वधू	प्रा० शि०	वि.	
२४२—	श्री सन्तलाल जी बिलास	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	कपड़े की दुकान
	श्रीमती बमेलीबाई	५२	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
	श्री कान्ति कुमार जी	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	एकाउण्टेंट, मलेरिया विभाग
	श्रीमती कान्ताकुमारी	२५	पुत्र वधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री बीरेन्द्र कुमार जी	२१	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विस, मलेरिया विभाग.
	श्री नरेन्द्र कुमार	१६	पुत्र	११ वीं	अवि.	
	कु० पुष्पा	१६	पुत्री	बी. ए. I	अवि.	
	कु० मन्दर कुमारी	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	कु० शशि	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
२४३—	श्री विजयकुमार परवार	२०	मुखिया	हा० से०	अवि.	व्यापार
	श्री सुरेशचन्द्र	१८	आई	B. A. I	अवि.	
	श्री महेन्द्र कुमार	१६	आई	१० वीं	अवि.	
	श्रीमती गोरीबाई	३६	माँ		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२४४—	श्री कपूरचन्द परमार	३५	मुलिया	B.A., L.L.B.	वि.	सर्विस, ए० जी० आफिस
	श्रीमती कान्तीदेवी	३१	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री उत्तमचन्द जी	३४	भाई	M.B.B.S.	वि.	सर्विस, जे. सी. मिस्स अस्पताल
	श्रीमती प्रेमलता	२६	आता वधु	M.B.B.S	वि.	डा०—सरकारी अस्पताल, डबरा
	श्रीमती मधुरा बाई	६५	माँ		विधवा	
	श्री प्रेमचन्द	४२	भाई		विधुर	
२४५—	श्री रामस्वरूप जैसवाल	३५	मुलिया	B. Sc.	वि.	मर्विस, शासकीय प्रेस
	श्रीमती सरोज बाई	३०	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
	कुमारी गीता	१४	पुत्री		वि.	
२४६—	श्री हुकुमचन्द जैसवाल	३४	मुलिया	मिडिल	वि.	दुकान किराना
	श्रीमती सरस्वती बाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रीतमचन्द	२३	भाई	B.Sc. I	वि.	
	श्रीमती सुमित्रा बाई	१६	आता वधु	मिडिल	वि.	
	कुमारी मुन्नी	१४	पुत्री	७ वी	अवि.	
	श्रीमती मधुरा बाई	५५	माँ		विधवा	
२४७—	श्री जयचन्द खरीजा	४५	मुलिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती अनारोबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री नरेशचन्द	२१	पुत्र	B. Sc.	वि.	
	श्रीमती मोतीरानी	१६	पुत्रवधु	मिडिल	वि.	
	श्री मुन्नालाल	१८	पुत्र	बी० ए०	वि.	
	श्रीमती मायादेवी	१४	पुत्रवधु	प्रा० शि०	वि.	
	श्री सुरेशचन्द्र	१५	पुत्र	६ वीं	अवि.	
	श्री अशोक कुमार	१४	पुत्र	६ वीं	अवि.	
२४८—	श्री असन्तलाल बिलाला	४५	मुलिया	मेडिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती सूरज बाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री अशोक कुमार	१७	पुत्र	मेडिक	अवि.	
	श्री प्रमोद कुमार	१५	पुत्र	B. com. I	अवि.	
	कु० इन्द्रा	१६	पुत्री		अवि.	
२४९—	श्री मंगीबाल अग्रैया	५०	मुलिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती मंगो बाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	२२	पुत्र	११ वीं	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	१६	पुत्रवधु	मिडिल	वि.	
	श्री बिसलचन्द	१६	पुत्र	१० वीं	अवि.	

परिवार- संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री सुरेशचन्द्र	१७	पुत्र	१० वीं	अवि.	
	श्री सतीशचन्द्र	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
२५०—	श्री चांदमल पांडया	५०	मुखिया	प्रा. शि.	वि.	
	श्री चम्पालाल	२३	पुत्र	B. Com.	वि.	सर्विस, P. W. D., मोतीमहल
	श्रीमती मंजू लता	१६	पुत्रवधू	१० वीं	वि.	
२५१—	श्री मानिकचन्द्र शोंच	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, अग्रवाल कैमि कल्ल, सराफा
	श्रीमती अंगूरी बाई	३८	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री देवेन्द्र कुमार	३२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, फूड आफिस कलकट्टेट, गारखी
	श्रीमती सरोज बाई	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	कुमारी मधु	१७	पुत्री	B. A. II	अवि.	
२५२—	श्री पूरनचन्द्र पाण्डया	४५	मुखिया	मिडिल	विधुर	दुकान किराना, दाना ओली
	श्री बिमल कुमार	२५	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती मुर्झा देवी	१६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
२५३—	श्री सुनेरचन्द्र जी बैद्य	४५	मुखिया	मेट्रिक	विधुर	एकाउन्टेन्ट, वाटर वर्क्स, ग्वालियर
	श्री पारस कुमार	२०	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री हुकम चन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री पद्म चन्द	१६	पुत्र	नवी	अवि.	
	श्री धर्म चन्द	१५	पुत्र	आठवीं	अवि.	
	श्री प्रकाशचन्द	१४	पुत्र	छठवीं	अवि.	
	श्रीमती फत्तिबाई	६४	माँ		विधवा	
२५४—	श्री श्रीपत जैसवाल	३७	मुखिया	प्रा० शि०	वि.	बी का व्यवसाय
	श्रीमती कलावती	२६	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
	कुमारी कुसुम	१५	पुत्री		अवि.	
	श्री लालाजी राम	५८	पिता		विधुर	
२५५—	श्री रामदयाल जैसवाल	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, गवर्नमेन्ट लेण्ड रिक्वाइर्ड
	श्रीमती अजुड़ीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री हरीशचन्द्र	२६	पुत्र	B. A. I.	वि.	
	श्रीमती ज्ञानवती	२६	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री बिमलचन्द	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
२५६—	श्री छेमचन्द जैसवाल	३६	मुखिया		अवि.	हलवाई
२५७—	श्री नेमीचन्द जैसवाल	३८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	हलवाई की दुकान, दानाओली
	श्रीमती सुनहरीबाई	३५	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
२५८—	श्री ज्ञानचन्द पांडया	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस, ग्वालियर रेयन
	श्रीमती सुगनकुमारी	२६	पत्नी	मिडिल	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२५६—	श्री विलोकचन्द बोहरा	५३	मुखिया	मिडिल	वि.	एकाउन्टेन्ट, जे. सी. वि., बिरलानगर
	श्रीमती सूरजबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२२	पुत्र	बी० कॉम	वि.	
	श्रीमती सरोजबाई	१८	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री गहेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री मोतीलाल	५०	माई	मिडिल	वि.	सर्विस, ग्वालियर स्टोर्स, सराफा
	श्री मानकचन्द	४८	माई	मेट्रिक	वि.	सर्विस, ग्वालियर रेयन, सेल्स विभाग
	श्रीमती अगूरीबाई	४०	भ्रातावधू		वि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	बी० ए०	वि.	सेन्चुरी मिल्स रिटेल शाप, सराफा
	श्रीमती सुधारानी	२०	अतीवधू	मेट्रिक	वि.	
	कुमारी ललिता	१६	पुत्री	६ वी	अवि.	
२६०—	श्री सुरेन्द्रकुमार जी पाण्ड्या	३०	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस-जे. सी. मिल्स
	श्रीमती शान्तीबाई	२८	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सूरजबाई	६०	मां		विधवा	
२६१—	श्री मोतीलाल अजमेरा	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती रत्नबाई	३२	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
२६२—	श्री जलधारी जैन	३६	मुखिया	मिडिल	वि.	लॉमबा नयकीन
	श्रीमती इन्द्रानी	२८	पत्नी		वि.	
२६३—	श्री मोतीलाल पाण्ड्या	५२	मुखिया	मिडिल	वि.	सोने चांदी की दुकान (फोन २०७१)
	श्रीमती कोकिलाबाई	४७	पत्नी	६ वी	वि.	
	श्री अशोककुमार	२०	पुत्र	बी० कॉम II	अवि.	
२६४—	श्री स्वल्पचन्द जैसवाल	३०	मुखिया	बैद्य	वि	सहायक बैद्य, आयुर्वेदिक औषधालय
२६५—	श्री पूरनचन्द जी बरैया	४२	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, पोस्ट आफिस, जयगढ़गढ़
	श्रीमती गुजमालाबाई	३५	पत्नी		वि.	
	कुमारी विद्या	१६	पुत्री	८ वी	अवि.	
२६६—	श्री गोपीचन्द पाटनी	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	प्रमुख सञ्चालक, युनाइटेड फं. बैंक,
	श्रीमती रत्नबाई	४८	पत्नी	प्रा. शि.	वि.	सराफा बाजार शाखा
	श्री पद्म कुमार	२६	पुत्र	बी० कॉम	वि.	सर्विस-यू० को० बैंक, मिण्ड माला
	श्रीमती विमलाकुमारी	१८	पुत्र वधू	११ वी	वि.	
	श्री शान्तिकुमार	२१	पुत्र	D. M. E.	अवि.	
	श्री सुधाशकुमार	१४	पुत्र	१० वी	अवि.	
	कुमारी पुष्पा	१६	पुत्री	बी. ए.	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२६७—	श्री विमलकुमार छाबड़ा	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सविश-मे० मणिलाल कुलचंद-
	श्रीमती राजकुमारी	२६	पत्नी	मिडिल	वि.	यंगबाल, मयाबाजार
	श्री कमलकुमार	२८	भ्राता	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती स्वमणी बाई	२२	भ्राता वधू	मेट्रिक	वि.	
२६८—	श्री सागरचन्द बड़जात्या	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सविश-सराफा बाई, जयलपुर,
	श्रीमती कंचनकुमारी	४०	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
	श्री रत्नचन्द	४५	भ्राता	मेट्रिक	वि.	सविश-बीबाजीराव काठन भिस्त,
	श्रीमती शान्तिदेवी	४०	भ्राता वधू	प्रा. शि.	वि.	भिरलानगर
	श्री श्यामसकुमार	२०	भतीजा	B. E.	अवि.	
	कुमारी ऐला	१८	भतीजी	बी. ए.	अवि.	
	श्री उदककुमार	१७	भतीजा	बी. ए. सी. II	अवि.	
	कुमारी मंजूलता	१४	भतीजी	मिडिल	अवि.	
	श्री शीतलचन्द	३८	भ्राता	मेट्रिक	वि.	शामकीय सेवा
	श्रीमती तारादेवी	३२	भ्राता वधू	प्रा. शि.	वि.	
	श्री कुशलचन्द	३४	भ्राता	इंटर	वि.	शासकीय सेवा
	श्रीमती कंचनकुमारी	२६	भ्राता वधू	मिडिल	वि.	
	श्रीमती मोतीबाई	६८	मां	प्रा० शि०	विधवा	
	श्री वसन्तकुमार	३०	भ्राता	बी० काम०	वि.	सविश-कृष्णराम बल्लेव बीक लि०
	श्रीमती शान्तिदेवी	२६	भ्राता वधू	एम. म्यूज.	वि.	
	श्री अजितकुमार	२६	भ्राता	एम० ए०	वि.	सविश-ए. जी. आफिस
	श्रीमती सितारादेवी	२४	भ्राता वधू	मिडिल	वि.	
	श्री चन्द्रकुमार	२४	भ्राता	एम. एस. सी.	वि.	सविश
२६९—	श्री मानिकचन्द सोनी	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	अनरल स्टोर्स, जयाजी चौक
	श्रीमती रतनबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री मोतीलाल	४५	भाई	मिडिल	वि.	रेल्वे विभाग आसी
	श्रीमती ह्रीराबाई	४२	भ्राता वधू		वि.	
	श्री कैशरीमल	२२	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती सरोज	२०	पुत्र वधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री धर्मचन्द	१९	पुत्र	बी. काम.	अवि.	
२७०—	श्री गोपीचन्द बरैया	५२	मुखिया		वि.	व्यापार
	श्रीमती कोसाबाई	५०	पत्नी		वि.	
२७१—	श्री लक्ष्मीनारायण जैसवाल	४०	मुखिया	बी० ए०	वि.	ड्रप्टस-मैन, ट्रान्सपोर्ट आफिस
	श्रीमती शान्तिदेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री पुष्पेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
२७२—	श्री गण्धालाल जैसवाल	७४	मुखिया		वि.	बी की दुकान
	श्रीमती मनियाबाई	७०	पत्नी		वि.	
	श्री मानिकचन्द	३५	पुत्र	प्रा० शि०	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	३२	पुत्र वधू	प्रा० शि०	वि.	
	श्री श्रवणलाल	३२	भतीजा	D. E. E.	वि.	सुपरवायजर, म प्र. विद्युत प्रमंडल
	श्रीमती कुसुमकुमारी	१८	भतीजवधू	प्रा. शि.	वि.	
	श्री नेमीचन्द	२०	भतीजा	B.E. II	अवि.	
	श्री पुत्तलाल	२०	भानजा	B. Com. L. L. B.	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस
	श्रीमती धनवन्ती कुमारी	१६	पुत्रवधू	६ वी	वि.	
	श्री पदमचन्द	१७	पौत्र	B. Sc. I	अवि.	
२७३—	श्री नेमीचन्द जैन	४०	मुखिया		वि.	दुकान किराना
	श्रीमती बैजयन्तीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री लालचन्द	१६	पुत्र	बी० काम	वि.	
	श्रीमती विमलेशकुमारी	१५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुमनचन्द	१५	पुत्र	११ वीं	अवि.	
	कुमारी मुन्नीबाई	१४	पुत्री	७ वी	अवि.	
२७४—	श्री सरमनलाल जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	खेती बाड़ी
	श्रीमती सोनाबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द्र	२५	पुत्र		अवि.	सर्विस--अमर प्रिंटिंग प्रेस
	श्री निर्मलकुमार	२२	पुत्र		अवि.	
	कुमारी कुसुमबाई	१४	पुत्री		अवि.	
२७५—	श्रीउत्तमचन्द बैनाडा	३६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती विमला देवी	३२	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
२७६—	श्री राधामोहन सिधई	३७	मुखिया	इन्टर	वि.	मे० विजय इलेक्ट्रिक स्टोर्स, गस्त
	श्रीमती जानकीदेवी	३५	पत्नी	८ वी	वि.	का ताजिया, फोन नं० २२१५
	श्री विजयकुमार	१४	भतीजा	१० वीं	अवि.	
२७७—	श्री उपसेन जैन	३८	मुखिया	B. Com L. L. B.	वि.	सर्विस-म० प्र० शा० जीवन बीमा
	श्रीमती सरोजकुमारी	३५	पत्नी	११ वीं	वि.	
	कुमारी मृदुला	१७	पुत्री	११ वीं	अवि.	
२७८—	श्री हीरालाल लुहाड़िया	६१	मुखिया	मिडिल	वि.	मेनेजर-मेसर्स-मन्दराम नारायणदास
	श्रीमती बेतनबाई	५२	पत्नी	५ वीं	वि.	
	श्री नेमीचन्द	३१	पुत्र	१२ वीं	वि.	ठेकेदार (बतिया)

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती चन्दाबाई	२७	पुत्रवधू	८ वीं	वि.	
	श्री बाबूलाल	२३	पुत्र	B. Com. II	अवि.	ठेकेदार
२७६—	श्री चन्द्रमोहन पाटनी	२३	मुखिया	M. B. B. S.	वि.	
	श्रीमती प्रेमलता	१६	पत्नी	११ वीं	वि.	
२८०—	श्री कपूरचन्द छाबड़ा	५३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-बालिबर इलेक्ट्रिक जनरल
	श्रीमती फूली बाई	५०	पत्नी		वि.	स्टोर्स, सराफा बाजार
	श्री बीरेन्द्रकुमार	३५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती शकुन्तलाबाई	३०	पुत्रवधू	६ वीं	वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	पौत्र	१० वीं	अवि.	
	श्री सुरजकुमार	१७	साले का पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
२८१—	श्रीमती रज्जोबाई वैद्य	४०	मुखिया		विधवा	
२८२—	श्री नेमीचन्द वरैया	४०	मुखिया		वि.	इलेक्ट्रिक फिटिंग वर्क्स
	श्रीमती किरणदेवी	३७	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	२१	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती श्रीला देवी	१६	पुत्र वधू		वि.	
२८३—	श्री पूरनचन्द जैसवाल	२६	मुखिया	मिडिल	वि.	मिष्ठान विक्रेता, दानाओली
	श्रीमती स्नेहलता	२२	पत्नी	६ वीं	वि.	
२८४—	श्री शीतलप्रसाद वैनाड़ा	२५	मुखिया	नवी	वि.	पिस्टन मैन्यू-फैक्चरर्स, इन्द्रगंज
	श्रीमती मुखीबाई	२१	पुत्री		वि.	
२८५—	श्री नेमीचन्द गगवाल	४३	मुखिया		विधुर	सर्विस-वर्म-काटा, सराफा बाजार
	श्री मानिकचन्द	३८	भाई		वि.	सर्विस-मलेरिया बिभाग
	श्रीमती शान्तीबाई	३४	भ्राता वधू		वि.	
	श्री विमलचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री त्रिलोकचन्द	१४	पुत्र		अवि.	
२८६—	श्री गुलाबचन्द चांदवाड़	७२	मुखिया		वि.	साहूकारी
	श्रीमती गैदाबाई	६०	पत्नी		वि.	
२८७—	श्री कौशलकिशोर दीवान	५०	मुखिया	इन्टर	वि.	शासकीय ठेकेदार
	श्रीमती कलावती	४८	पत्नी		वि.	
	डा० शान्ति कुमार	३०	पुत्र	M. B. B. S.	वि.	ठाठोपुर डिस्पेन्सरी
	श्रीमती सुधा	२०	पुत्र वधू	बी० ए०	वि.	
	श्री चन्द्रकुमार	२३	पुत्र	एम.बी.बी.एस.	अवि.	सर्विस
	श्री मरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	बी. एस. सी. I	अवि.	
	श्री सुरेन्द्र कुमार	१६	पुत्र	नवी	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कुमारी श्रीला	२०	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
२८८—	डा० जुमलकिशोर दीवान	४५	मुखिया	M. B.B. S.	वि.	मेडीकल आफीसर, माधव डिस्पेंसरी
	श्रीमती राजकुमारी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री विजयकुमार	२६	पुत्र	एम.बी. बी.एस.	अवि. सी. एम. ओ., माधव डिस्पेंसरी, लश्कर	
	कुमारी विमला	२०	पुत्री	M. B.B. S. III	अवि.	
	कुमारी शकुन्तला	१८	पुत्री	बी० ए० I	अवि.	
	श्री महेशचन्द	१४	पुत्र	हा० से०	अवि.	
२८९—	श्री कैलाश बाबू दीवान	४०	मुखिया		वि.	एकाउन्टेन्ट, बैंकमरी डिपार्टमेन्ट
	श्रीमती फूलवती	३५	पत्नी		वि.	
२९०—	श्री मानकचन्द पाटोदी	४७	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, सेन्ट्रल इन्डिया कमर्शियल
	श्रीमती मोतीदेवी	४४	पत्नी		वि.	एक्सचेंज लि०, भ्वालियर
	श्री नरेन्द्रकुमार	२५	पुत्र		अवि.	
२९१—	श्री नानकराम दीवान	२२	मुखिया	हा० से०	अवि.	
२९२—	श्री कस्तूरचन्द नंगवान	६१	मुखिया		विधुर	सर्विस, न्वालियर गोटा फैक्ट्री
	श्री भागचन्द	३२	पुत्र		वि.	सर्विस, नगर पालिका निगम
	श्रीमती मैनादेवी	२५	पुत्र वधू		वि.	
	श्री हुकमचन्द	२८	पुत्र		अवि.	सर्विस
	श्री उत्तमचन्द	२०	पुत्र		अवि.	व्यापार
२९३—	श्री लक्ष्मीचन्द कासलीवाल	६०	मुखिया		विधुर	व्यापार
२९४—	श्री सीमागमल कासलीवाल	३६	मुखिया	मिडिल	वि.	आन्दोमल राजमल सराफ, सोने-चांदी का व्यवसाय
	श्रीमती कमला बाई	३२	भ्राता वधू	मिडिल	विधवा	
	श्रीमती मिमलाबाई	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री हुकमचन्द	२४	आई	बी.एस.सी. I	वि.	
	श्रीमती मिर्नलाबाई	१९	भ्राता वधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री विजयकुमार	१९	आई	हा० से०	अवि.	
	श्री अनयकुमार	१६	भतीजा	हा० से०	अवि.	
	श्री अनित कुमार	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० चपुररानी	१८	भतीजी	बी० ए०	अवि.	
	कु० बलित रानी	१७	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	कु० विनीता	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती कस्तूरीबाई	६०	मां		विधवा	
२९५—	श्री केसरीमल मोघा	४५	प्रमुख	मेट्रिक	वि.	ठेकेदार
	श्रीमती गुलाबबाई	७५	मां		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कमलाबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री जिनेंद्रकुमार	१६	पुत्र	बी. काम. I	अवि.	मे० चांदमल कूनचन्द, बल व्यापारी
	कु० इन्द्रा	१७	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	सराफा बाजार
	श्री नरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
२६६—	श्री नेमीचन्द बरैया	३६	मुखिया		वि.	मे. नेमीचन्द सुरेशचन्द, कपड़े का
	श्रीमती कंडीबाई	३०	पत्नी		वि.	व्यावसाय, जीवाजी श्रीक, लश्कर
	श्री सुरेशचन्द	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
२६७—	श्री सुगनचन्द पाटनी	६३	मुखिया		वि.	मासकीय ठेकेदार
	श्रीमती कपूरी देवी	५८	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	३५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती स्नेहलता	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री बसन्तकुमार	१८	पुत्र	बी. कॉम. I	अवि.	
	श्री सुभाषचन्द्र	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
२६८—	श्री प्रेमचन्द जैसवाल	४८	मुखिया		वि.	मिष्ठान विक्रेता
	श्रीमती गुरुलोबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री क्षेमचन्द	३२	पुत्र		अवि.	
	कु. पदमा	१३	पुत्री		अवि.	
२६९—	श्री बाबूलाल अप्रवाल	४१	मुखिया	B A., LL.B.	वि.	उप-अधीक्षक, कार्यालय रूँसभागीय
	श्रीमती पूर्णिमा	३०	पत्नी		वि.	आयुक्त खालियर
	श्री नाथूलाल	२५	भाई	मिडिल	अवि.	सर्विस-शासकीय आयुर्वेदिक कामेंसी
३००—	श्री रामदयाल बरैया	३३	मुखिया		वि.	व्यापार
	श्रीमती इमरती बाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती सोनाबाई	७०	मा		विधवा	
३०१—	श्री अमरचन्द बरैया	६५	मुखिया		वि.	मकानों की दलाली
	श्रीमती इमरती बाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री नत्थीलाल	१७	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सुशीला देवी	१४	पुत्रवधू		वि.	
३०२—	श्रीमती सरस्वती बरैया	७०	मुखिया		विधवा	बी विक्रेता
३०३—	श्री नरधीलाल	३५	मुखिया	एम.ए.	वि.	प्र. अ., हस्तिनापुर मिडिल स्कूल,
	श्रीमती स्वर्णलता	२१	पत्नी		वि.	ललितपुर (म. प्र.)
३०४—	श्री प्रकाशचन्द गंगवाल	३०	मुखिया	M.A., LL.B.	वि.	एडवोकेट, हाईकोर्ट, म० प्र०
	श्रीमती बिमला	२४	पत्नी		वि.	
३०५—	श्री बिमलचन्द दोषी	४०	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस-ऐ. जी. आफिस, मोतीमहल

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती बिमला देवी	३०	पत्नी	विद्या-विनोदनी	वि.	
	कुमारी रेखा	१७	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	कुमारी शशि	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
३०६—	श्री तोताराम जैसवाल	२०	मुखिया		अवि.	
	श्रीमती जमुना देवी	४६	माँ		विधवा	
३०७—	श्रीसौभाग्यमल विलाला	३५	मुखिया		वि.	सर्विस-गगवाल इन्डस्ट्रीज, ग्वा०
	श्रीमती लक्ष्मी देवी	२९	पत्नी		वि.	
३०८—	प्रो. लालचन्द्र जैन	४३	मु०	M.A., M.Com., LL.B M.B.A. (नूतनार्क)	वि.	प्रो०, महारानी लक्ष्मीबाई कालेज, लखनऊ
	श्रीमती कान्ता बाई	३६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	कुमारी शकुन्तला	१६	पुत्री	एम. ए.	अवि.	
	कुमारी मधुबाला	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री ऋषभ कुमार	२२	साला	बी.एस.सी.	अवि.	
३०९—	श्री 'फूलचन्द सोनी	४५	मुखिया		वि.	मे. लक्ष्मीचन्द राजकुमार
	श्रीमती कमला बाई	४०	पत्नी		वि.	शोक वस्त्र विक्रेता, नया बाजार
	श्री देवेन्द्र कुमार	२६	पुत्र		अवि,	
	श्री नरेन्द्र कुमार	२२	पुत्र	B.A., LL.B.	अवि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कुमारी विजय	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३१०—	श्री चिरोजीलाल गोधा	४०	मुखिया		वि.	शासकीय ठेकेदार
	श्रीमती शान्तीदेवी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री कमल किशोर	१६	पुत्र	D.T.T.	अवि.	
	श्री विमल कुमार	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री विजय कुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३११—	श्री मोतीलाल वज	२५	मुखिया	मिडिल	वि.	मर्विस-ग्वालिघर इन्डस्ट्रीयल
	श्रीमती कुसुम	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	कारपोरेशन, जयमन्दगज
	श्रीमती सीजा बाई	५०	माँ		विधवा	
३१२—	श्री सोभाग्यमल गोधा	६०	मुखिया		विधुर	सर्विस-बिरला पाईपफिटिंग, दोलतगज
	श्री रूपचन्द	३०	पुत्र	बी. ए. II	वि.	सर्विस-वाटर वर्क्स, एवं किराना
	श्रीमती पुष्पा देवी	२८	पुत्रवधू		वि.	व्यापारी दाना ओली
३१३—	श्री महावीर प्रसाद बरैया	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-ग्वालिघर रेसल
	श्रीमती कुसुमलता	१६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्रीमती दक्खी बाई	५०	माँ		विधवा	
३१४—	श्री तेजीचन्द मडारी	२२	मुखिया	एम. ए.	वि.	सर्विस-बैंक ऑफ इण्डिया, बाल-

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती मुन्नीदेवी	१६	पत्नी		वि.	बाजार, जशकर
३१५—	श्री रमेशचन्द वरैया	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सिमको, बिरसागरे
	श्रीमती माया देवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
३१६—	श्री शान्तीलाल	२४	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-वस्त्रों की दुकान, सुभाष मार्केट
	श्रीमती पार्वती बाई	२०	पत्नी		वि.	
३१७—	श्री मुसालाल वरैया	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम भैरोदान बीसूलाल सराफ, सराफा बाजार
	श्रीमती कपूरी बाई	४२	पत्नी		वि.	
	श्री सतीश चन्द	२१	पुत्र	बी कॉम.	वि.	
	श्रीमती मुन्नी देवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री अशोक कुमार	१७	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
	श्री अरुण कुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३१८—	श्री बलन्त कुमार वरैया	१५	मुखिया		अवि.	
३१९—	श्री पुरनचन्द वरैया	४५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	कजाची, सैन्ट्रल बैंक आफ इन्डिया
	श्रीमती मुन्नीबाई	३५	पत्नी	हाईस्कूल	वि.	
	श्री पद्मचन्द	१८	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री विमलचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
३२०—	श्री रामजीत वरैया	४५	मुखिया	B A., LL.B.	वि.	एडवोकेट, हाईकोर्ट, म० प्र०
	श्रीमती कपूरी देवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री जनश्यामदास	२२	पुत्र	हा० से०	वि.	सर्विस
	श्रीमती मशीकला	१६	पत्नी		वि.	
	श्री सुशील कुमार	१८	पुत्र		अवि.	
३२१—	श्री सुरेन्द्र कुमार रावका	३५	मुखिया		वि.	सर्विस, बालकिशन तस्तेवाले,
	श्रीमती शान्तीबाई	३०	पत्नी		वि.	दोलतगंज चौराहा
३२२—	श्री रामूलाल चांदवाड	५०	मुखिया		अवि.	सर्विस, मे. लेखराज जमनादाम
३२३—	श्री मोतीलाल जैसवाल	६१	मुखिया		वि.	सर्विस, मे. रामनारायण गोपालदाम
	श्रीमती सोना बाई	५८	पत्नी		वि.	नया बाजार
	श्री पुष्पोत्तमदास	२५	पुत्र	B. A.	वि.	टाईपिस्ट हाकोर्ट (म० प्र०)
	श्रीमती कमलावती	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री महेशचन्द	२२	पुत्र	B. E.	वि.	टेलीफोन ट्रेनिंग सेन्टर, जयपुर
	श्रीमती सावित्री देवी	२०	पुत्रवधू	B A. I	वि.	
	श्री हरीशचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	जैन सोय वर्क्स, नया बाजार
३२४—	श्री शिखरचन्द अगरैया	५८	मुखिया		वि.	मिष्ठान विक्रेता
	श्रीमती केशरबाई	५५	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री नरेन्द्र कुमार	२३ पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सरोज बाई	२० पुत्रवधू		वि.	
३२५—	श्री गिरधारीलाल जैसवाल	४५ मुखिया	मिडिल	वि.	मे. पन्नालाल गिरधारीलाल, कपड़े के
	श्रीमती महेन्द्रा देवी	४० पत्नी		वि.	बोक व्यापारी, नया बाजार
	श्री अशोक कुमार	१७ पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री मोहनी बाई	१६ पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
३२६—	श्री बाबूलाल जैसवाल	४० मुखिया		वि.	मे. बाबूलाल सुरेश चन्द, किराना
	श्रीमती बाबूलाल	३५ पत्नी		वि.	मर्चेंट, दानाओली
	श्री सुरेशचन्द	२५ पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती शकुन्तला	२० पुत्रवधू		वि.	
३२७—	श्री पचाराम जैसवाल	४० मुखिया		वि.	दूध की डेयरी, दाना ओली
	श्रीमती अनारो देवी	३५ पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्र कुमार	२२ पुत्र	B. A. I	वि.	क्लर्क. हाईकोर्ट (म० प्र०)
	श्रीमती प्रेमवती	२० पुत्रवधू		वि.	
	श्री भागचन्द	१६ पुत्र	हा० से०	वि.	मिथुन विर्कता
	श्रीमती भान्ती बाई	१७ पुत्रवधू		वि.	
	कुमारी पुष्पा	१८ पुत्री		अवि.	
	श्री विनेशकुमार	१६ पुत्र		वि.	
३२८—	श्री राजकुमार जैसवाल	२६ मुखिया	M.Com.	वि.	सर्विस, ए. जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती राजकुमारी	१८ पत्नी	इन्टर	वि.	
३२९—	श्री सुगनचन्द गोलसिंधारे	५० मुखिया	मिडिल	वि.	श्री के व्यापारी, मोची ओली
	श्रीमती लालीबाई	४० पत्नी		वि.	
	श्रीमती अगबानीबाई	८० माँ		विधवा	
	कुमारी लज्जावती	१६ पुत्री	मिडिल	अवि.	
३३०—	श्री सुगनचन्द बरैया	३२ मुखिया	B. A. I	वि.	सर्विस, मेसर्स पारख एन्ड सन्स,
	श्रीमती शीला देवी	२६ पत्नी		वि.	सराफा बाजार
३३१—	श्री रामबाबू परवार	३२ मुखिया	हा० से०	वि.	सर्विस, ए. जी. आफिस, ग्वालियर
	श्रीमती सुशीला	२० पत्नी	मिडिल	वि.	
३३२—	श्री छोटेलाल जैसवाल	६० मुखिया		वि.	श्री के व्यापारी, दाना ओली
	श्रीमती गेन्दाबाई	५५ पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	१६ पुत्र		वि.	
	श्रीमती विमला	१७ पुत्रवधू		वि.	
	श्री स्वरूपचन्द	१७ पुत्र		अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३३३—	श्री ज्ञानचन्द जैसवाल	२२	मुलिया		वि.	व्यापार
	श्रीमती बिमला	२०	पत्नी		वि.	
३३४—	श्री सुरेशबाबू गंगेरवाल	२८	मुलिया	इन्टर	वि.	सर्विस, कृषि विभाग
	श्रीमती कमला	२३	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
३३५—	श्री पारस दास बुढेलवाल	२४	मुलिया	B.Com.	वि.	सर्विस-ए. जी. ऑफिस, जामश
	श्रीमती शकुन्तला	२१	पत्नी		वि.	महल, ग्यालियर
३३६—	श्री महेशचन्द जैसवाल	२५	मुलिया	M. A.	अवि.	सर्विस, ए. जी. ऑफिस
३३७—	श्री किशनलाल बरैया	५०	मुलिया		विधुर	मिष्ठान-विक्रेता
	श्री देवीलाल	४०	भाई		वि.	
	श्रीमती लीलावती	३०	भ्रातावधू		वि.	
	श्री हजारीलाल	३५	भाई		वि.	
	श्रीमती शकुन्तला	२५	भ्रातावधू		वि.	
३३८—	श्री जोहरीलाल बरैया	५०	मुलिया		वि.	सर्विस—गोपालदास हरबिलास,
	श्रीमती कपूरीबाई	४०	पत्नी		वि.	इन्द्रगंज
	श्री सुषमादेवी	१६	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३३९—	श्री सुमहरीलाल जैसवाल	३५	मुलिया	मिडिल	वि.	सर्विस, छेदीलाल फूलचन्द,
	श्रीमती शान्तिबाई	३०	पत्नी		वि.	नयाबाजार
	श्री व्यारेलाल	६०	पिताजी		विधुर	
३४०—	श्री भवरलाल बड़जात्या	५४	मुलिया		अवि.	सलाहकार, विक्रय कर
	श्री कपूरचन्द	४२	भाई		अवि.	मकानों की बलासी
३४१—	श्री चौधमल बड़जात्या	३०	मुलिया		वि.	जल-विभाग, गुना
	श्रीमती मुन्नाबाई	२५	पत्नी		वि.	
३४२—	श्री चिरंजीलाल बड़जात्या	४०	मुलिया	बी० ए०	वि.	नगर पालिका निगम
	श्रीमती चन्द्रकला	२८	पत्नी		वि.	
	कु० ममता	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री पवनकुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३४३—	श्री शान्तिचन्द वैद्य	३५	मुलिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस—नगर पालिका निगम ग्वा.
	श्रीमती शकुनकुमारी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	१८	साला	मेट्रिक	अवि.	सर्विस
३४४—	श्री हजारीलाल बरैया	५०	मुलिया		अवि.	व्यापार
३४५—	श्री मोहनलाल बरैया	४८	मुलिया		विधुर	सर्विस-जैन पाठशाला माधवगंज
	श्री कपूरचन्द	२५	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस-मलेरिया विभाग, जयेंद्रगंज
	श्रीमती बिमलादेवी	२२	पुत्रवधू		वि.	

स्थापना : १९५६

टेलीफोन : २०८८

उत्तर भारत की एकमात्र विश्वसनीय
निर्माणा शाला में निर्मित:-

औद्योगिक सुगंधियाँ

एवं

अगरबतियाँ

निर्माता:-

भावना केमीकल

एराड

परफ्यूमरी प्राडक्ट्स

सराफा बाजार, ग्वालियर-१

सुगंध सम्राट:-

भावना स्पेशल अगरबत्ती

सदैव प्रयोग करें !

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३४६—	श्री मंगलचन्द जैसवाल	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-ग्वालियर रेयन, बिरलानगर
	श्रीमती प्रेमदेवी	३६	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस-हिंद ट्रेडिंग कम्पनी,
	श्रीमती दुलारीबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	नया बाजार
	श्री सुरेशचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
३४७—	श्री ताराचन्द बरैया	६०	मुखिया		अवि.	किराने की दुकान
३४८—	श्री बिहारीलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	किराने की दुकान
	श्रीमती कमलाबाई	३५	पत्नी		वि.	
३४९—	श्री कमलकुमार परवार	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	अध्यापक, जैन पाठशाला नया-
	श्रीमती प्रेमकान्ता	३१	पत्नी	मिडिल	वि.	बाजार
	श्री किशोरीलाल	३३	भाई हा.से.	साहित्यरत्न	वि.	अध्यापक, अनिवार्य प्राथमिक विद्या-
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२५	भ्रातावधू		वि.	लय, जहाँगीर कटरा, ग्वालियर
३५०—	श्री पूरनचन्द्र जैसवाल	३५	मुखिया		वि.	मिष्ठान्न विक्रेता
	श्रीमती मुन्नीदेवी	२०	पत्नी	हा. से.	वि.	
३५१—	श्री ताराचन्द बरैया	६३	मुखिया	मिडिल	अवि.	किराने की दुकान, साठे की गोठ
३५२—	श्री सुरेश कुमार	१९	मुखिया	B.Sc.II	अवि.	
	श्री असोककुमार	१६	भाई	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती गुलाबबाई	६५	दादी		विधवा	
	श्रीमती अमूरीबाई	३५	माँ		विधवा	
३५३—	श्री रामचरणलाल जैसवाल	३२	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम
	श्रीमती कपूरीबाई	२२	पत्नी		वि.	
३५४—	श्री मांगीलाल	२४	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती पद्मावती	१८	पत्नी		वि.	
३५५—	श्री मन्मथलाल बरैया	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-चिरोजीलाल रामजीलाल,
	श्रीमती कपूरीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती मोनाबाई	७०	माँ		विधवा	
३५६—	श्री पारसमल कागदी	४५	मुखिया	बी० ए०	वि.	कागज के व्यापारी, सराफा बाजार
	श्रीमती पुष्पारानी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	लक्कर
	कु० इन्दूरानी	१९	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	कु० रञ्जना	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
३५७—	श्री लक्ष्मीचन्द्र मित्तल	५६	मुखिया		वि.	मे० गोपीलाल लक्ष्मीचन्द सराफ
	श्रीमती नारायणीदेवी	५२	पत्नी	मिडिल	वि.	फोन न.—निवास ६७१, दुकान २१६१
	श्री बाबूलाल	४०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	मे० मोतीलाल बाबूलाल

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती अनारदेवी	३८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री भगवानदास	३४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	३०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	डा. राधेलाल जैन	३०	पुत्र	एम.बी.बी.एस.	वि.	जैन क्लीनिक, सदर बाजार मुरार
	श्रीमती शीलादेवी	२८	पुत्र वधू		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द्र	१४	पुत्र	हाई स्कूल	वि.	लाद्याल विक्रेता, दाल बाजार
	श्रीमती कमलादेवी	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बालकिशन	२२	पौत्र	B.Sc. II	वि.	
	श्रीमती आशादेवी	२०	पौत्रवधू	B.A.(Pre)	वि.	
	श्री रामकिशन	१८	पौत्र	B.Sc.I	अवि.	
३५८—	श्री गोपीलाल मित्तल	५८	मुखिया	मिडिल	विधुर	लाद्याल विक्रेता, दाल बाजार १५४७
	श्री मोतीलाल	४२	पुत्र	B. A.	वि.	गोपीलाल लक्ष्मीचन्द, सोने/बाही
	श्रीमती लीलादेवी	३४	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	के व्यापारी, सराफा
	श्री रामस्वरूप	३८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	मे० हरीदास प्रकाश १:३
	श्रीमती भगवतीदेवी	३४	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री हरिदास	३४	पुत्र	B. Com	वि.	मे० अशोककुमार मुकेशकुमार
	श्रीमती बर्फीदेवी	२६	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	डॉक्टर छोटेनाल	२६	पुत्र	M. B. B. S.	वि.	जैन क्लीनिक, दानाओली लश्कर
	श्रीमती सरोजकुमारी	२४	पुत्रवधू	हा० से०	वि.	
३५९—	श्री. घासीराम जैन	७०	मुखिया	M. Sc. 1926	वि.	रिटा० विभागाध्यक्ष, औतिकी, माधव
	श्रीमती घासीराम जैन	५५	पत्नी		वि.	इजी० कॉलेज, २२३ धापर नगर, मेरठ
३६०—	श्री प्रकाशचन्द्र अग्रवाल	४५	मुखिया	बी० ए०	वि.	रिटेल व्याप, देहली कलाथ मिक्स.
	श्रीमती त्रिवेणीदेवी	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	सराफा बाजार लश्कर, शास-सदर
	श्री सुरेशचन्द	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	बाजार मुरार
	कु० आशा	२०	पुत्री	एम. ए.	अवि.	
	कु० शशि	१६	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
३६१—	श्री ज्ञानचन्द पाटीदी	५१	मुखिया	मेट्रिक	वि.	कमीशन एजेन्ट, सेंट्रल इंडिया,
	श्रीमती बसेलीबाई	४२	पत्नी		वि.	कमलियल एक्सचेंज, लश्कर
	श्री नरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	बी. कॉम II	अवि.	
३६२—	श्री कल्याणमल कासलीवाल	५५	मुखिया		वि.	सर्विस, ग्वालियर रेवन
	श्रीमती अनारबाई	५२	पत्नी		वि.	
	श्री चांदमल	३५	पुत्र	मिडिल	वि.	सिलाई का कार्य
	श्रीमती कमलाबाई	२३	पुत्रवधू	हा० से०	वि.	

परिवार संस्था	नाम	आयु	सम्बन्ध	लिखा	वैवाहिक स्थिति	माजीबिका विवरण
	श्री साराचन्द	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस—ग्राजिवर रेयन
	श्रीमती शाल्मीबाई	२५	पुत्र बन्धू	मिडिल	वि०	
	श्री विमलकुमार	२२	पुत्र	बी. कॉम	अवि.	सर्विस—ए० जी० आफि।
	श्री पदमचन्द	१८	पुत्र	हा० से०	अवि.	
३६३—	श्री नाथूलाल बरैया	५०	मुखिया		वि.	सर्विस—साबुन कारखाना
	श्रीमती रतनबाई	३५	पत्नी		वि.	
३६४—	श्री फूलचन्द बरैया	५०	मुखिया		वि.	मिष्ठान-विक्रेता
	श्रीमती चमेलीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री विमलचन्द	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस
३६५—	श्री मुरारीलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	मिष्ठान-विक्रेता, सराफा बाजार
	श्रीमती डमरती देवी	२८	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	२८	भाई		वि.	
	श्रीमती मन्नोदेवी	२२	आता बन्धू		वि.	
	श्रीमती अनारदेवी	६०	मां		विधवा	
३६६—	श्री प्रेमचन्द अग्रवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मे. कमनलाल जीतलप्रसाद, गल्ले
	श्रीमती इलायचीदेवी	२४	पत्नी		वि.	के व्यवसायी, बानाओली
	श्री प्रकाशचन्द्र	२५	भाई	मिडिल	वि.	रेडीमेड कपड़ा व्यापारी
	श्रीमती सावित्रीबाई	२३	आता बन्धू		वि.	
	श्री बालकिशन	२१	भाई	मिडिल	अवि.	
	श्री जीतलप्रसाद	१८	भाई	हा० से०	अवि.	
	श्री महावीरप्रसाद	१४	भाई		अवि	
श्री भोकमचंद जैन मार्ग (गस्त का ताजिया)						
३६७—	श्री मिश्रीलाल पाटनी	६५	मुखिया	मिडिल	वि.	साहूकारी, व. नेनदेन
	श्रीमती अण्णोबाई	५०	पत्नी		वि	
	श्री सुमेरचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
३६८—	श्री सूरजमल पांडया	४०	मुखिया	एम. कॉम.	वि.	ऑफीसर-सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया
	श्रीमती राजुलदेवी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	
३६९—	श्री शान्सीचन्द पाटोदी	३५	मुखिया		वि.	सर्विस मे. गुलाबचन्द रेगमचन्द,
	श्रीमती मुन्नीदेवी	३०	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
३७०—	श्री जगन्नाथप्रसाद अग्रवाल	७०	मुखिया		वि.	फर्म-अग्रवाल इलेक्ट्रिक स्टोर्स, गस्त
	श्रीमती ग्यासीबाई	६५	पत्नी		वि.	का ताजिया, डोडवाना ओली
	श्री नारायणदास	३५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	फर्म-जयपुर ब्यूटी करनीचर मार्ट
	श्रीमती राधाबाई	३०	पुत्रबन्धू		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री गोवर्धनदास	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कान्तीबाई	२०	पुत्र वधू	मेट्रिक	वि.	
	कु० शकुन्तला	२२	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३७१—	श्री भानुकुमार	६०	मुखिया	मिडिल	विधुर	सर्विस
	श्री अक्षयकुमार	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस-जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती रत्नेश्वरी	२५	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
३७२—	श्री विनोदकुमार अग्रवाल	४५	मुखिया	B.A., LL.B.	वि.	सर्विस-वन विभाग
	श्रीमती कमलादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती बिस्मोदेवी	७०	माँ		विधवा	
३७३—	श्री भगवानदास बरैया	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-भगवानदास जीहरीलाल,
	श्रीमती कौशल्याबाई	५०	पत्नी		वि.	गुड़ व भूगफली के थोक व्यापारी
	श्री जोहरीलाल	५२	भाई		विधुर	इन्दरगंज
	श्री सुरेशचन्द	२०	भतीजा	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सुशीलाबाई	१६	भतीजवधू	मिडिल	वि.	
	श्री नरेशचन्द	१७	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३७४—	श्री हीरालाल बरैया	६०	मुखिया		वि.	कृषि-कार्य, (वनवार ग्राम)
	श्रीमती चिरींजीबाई	५४	पत्नी		वि.	
	श्री कपूरचन्द	४०	पुत्र	मिडिल	वि.	ठेकेदार
	श्रीमती शीलाबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मेमीचन्द	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	दुकानदारी, (वनवार ग्राम)
	श्रीमती ब्रह्मादेवी	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विमलचन्द	२०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती मुन्नीदेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
३७५—	श्री कपूरचन्द सोनी	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	कम्पाउन्डर, जनकगंज हॉस्पिटल
	श्रीमती इन्द्रादेवी	२५	पत्नी		वि.	
३७६—	श्रीमती चिरींजीबाई	६०	मुखिया		विधवा	
३७७—	श्री उत्तमचन्द सोनी	४५	मुखिया	मिडिल	अवि.	सर्विस-भार. जे. एण्ड संस, सराफा
३७८—	श्री भरोसीलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	खोंमचा
	श्रीमती कृष्णाबाई	३०	पत्नी		वि.	
३७९—	श्री रामचन्द बरैया	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	होटल (आंतरी अदालत)
	श्रीमती सीताबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री राजकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि	
	श्रीमती रक्खोबाई	६०	माँ		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३८०—	श्री खन्धुराम बरैया	६५	मुखिया		विधुर	
	श्री सतीशचन्द	२८	पुत्र	हा० से०	वि.	कम्पाउन्डर-डॉ. मिश्रा का दवाखाना
	श्रीमती जंगूरीबाई	२३	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	पाटनकर बाजार
	श्री राजेन्द्र कुमार	१७	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३८१—	श्री फूलचन्द बरैया	४५	मुखिया		वि.	सर्विस, विजय रेस्टोरेंट, नई सड़क
	श्रीमती रामप्यारी बाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री सुगनचन्द	२०	पुत्र	मिडिल	वि.	खोंमचा
	श्रीमती सागरदेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
३८२—	श्रीमती बेटीबाई बरैया	४५	मुखिया		विधवा	कृषिकार्य, (सिरसा ग्राम चाटीगांव)
३८३—	श्री रामसिंह बरैया	४०	मुखिया		विधुर	
	श्रीमती सुमित्रादेवी	७०	मां		विधवा	
	श्री महावीरप्रसाद	२४	पुत्र		वि.	सर्विस
	श्रीमती सुशीलादेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
३८४—	श्री रतनलाल बरैया	५०	मुखिया		वि.	परचूनी की दुकान
	श्रीमती विसालोबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री सरदारसिंह	१६	पुत्र	हा० से०	वि.	परचूनी की दुकान
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	१५	पुत्रवधू		वि.	
३८५—	श्री रघुनाथराम बरैया	४५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	गायनाचार्य
	श्रीमती बेटीबाई	४०	पत्नी		वि.	
३८६—	श्री बलभद्रप्रसाद जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	खोंमचा, गस्त का ताजिया
	श्रीमती इमलीदेवी	५०	पत्नी		वि.	
	कु० मुखीबाई	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३८७—	श्री कृष्णकुमार अग्रवाल	१८	मुखिया	इन्टर	अवि.	
३८८—	श्री सीभाग्यमल पाटनी	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती कान्तादेवी	४५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री प्रमोद कुमार	१६	पुत्र	B. Com. I	अवि.	
	श्री प्रदीप कुमार	१४	पुत्र	नवी	अवि.	
३८९—	श्री कपूरचन्द गोषा	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-मे० लालचन्द कपूरचन्द जैन,
	श्रीमती कंचनदेवी	४२	पत्नी		वि.	कन्ट्रोल की दुकान, फालके बाजार
	श्रीमती अचरजदेवी	७०	मां		विधवा	
३९०—	श्री बाबूलाल बरैया	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	मे० जैन इलेक्ट्रिक वर्क्स,
	श्रीमती भीमाबाई	२६	पत्नी		वि.	डोडवाना ओली

परिवार संख्या	नाम	आयु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
------------------	-----	-------------	--------	-------------------	---------------

श्री भीकमचंद जैन मार्ग (डीडवाना ओली)

३६१—	श्री बिमलचन्द दाकलीवाल	४०	मुखिया	वि.	फर्म—चन्दरलाल मण्णलाल, लोहे
	श्रीमती शान्तीबाई	३५	पत्नी	वि.	एवं पार्स के व्यापारी,
	श्री नेमीचन्द	३५	भाई	वि.	डीडवाना ओली (फो. २२८०)
	श्रीमती बिमलाबाई	३२	भ्राता बधू	वि.	
	श्रीमती गुलाबबाई	४०	भ्राता बधू	विधवा	
	श्री धर्मचन्द	२४	भतीजा B. Com.	वि.	
	श्रीमती स्नेहलता	१६	भतीजाबधू B A.II	वि.	
	श्री अभय कुमार	१७	पुत्र B. Com	अवि.	
	कु० पुष्पा	१६	पुत्री हा० से०	अवि.	
	कु० मन्जु	१५	भतीजी	मेट्रिक अवि.	
	श्रीमती केशरबाई	६५	माँ	विधवा	
३६२—	श्री रघुवीर दयाल अग्रवाल	७०	मुखिया	विधुर	फर्म—नेशनल साईकल स्टोर,
	श्री ताराचन्द	४५	पुत्र	मेट्रिक वि.	सराफा बाजार, फो. नं. २०३२
	श्रीमती रामकली	४०	पुत्र बधू	वि.	
	श्री सुरेन्द्र कुमार	२४	पौत्र M. A.	अवि.	फर्म—मे० विजय केमिकल्स, मि०ड
	श्री बीरेन्द्र कुमार	१६	पौत्र B.Sc. I	अवि.	
	श्री विजय कुमार	१७	पौत्र B. Sc. I	अवि.	
	कु० सरोज	१७	भतीजी M. B. B. S. II	अवि.	
	श्री प्रमोद कुमार	१५	पौत्र	अवि.	
	श्री सुनील कुमार	१४	पौत्र हा० से०	अवि.	
३६३—	श्री नेमीचन्द अग्रवाल	३५	मुखिया	मिडिल वि.	फर्म—गुलाबचन्द नेमीचन्द सराफ,
	श्रीमती शान्तीबाई	३०	पत्नी	वि.	सराफा बाजार
	श्री सीताराम	३०	भाई	मेट्रिक वि.	फर्म—गुलाबचन्द सीताराम सराफ
	श्रीमती सूरजबाई	२५	भ्राता बधू	वि.	
	श्री श्रीराम	२६	भाई B. Com.	वि.	फर्म—गुलाबचन्द श्रीराम, वस्त्र
	श्रीमती शान्तीबाई	२२	भ्राता बधू	वि.	व्यापारी, सराफा बाजार
	श्री बिमलचन्द	१६	भाई	मेट्रिक अवि,	
	श्रीमती बसन्तीबाई	४५	माँ	विधवा	
३६४—	श्री मोतीलाल अजमेरा	६०	मुखिया	विधुर	सबिस—मोदी ब्रदर्स
	श्री देवेन्द्र कुमार	२४	पुत्र B. Com	अवि.	सबिस—यू. को. बैंक, डबरा शाखा
३६५—	श्री जय कुमार बड़वात्या	३२	मुखिया	मेट्रिक वि.	सबिस
	श्रीमती पुनराजबाई	२७	पत्नी	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	बाजीबिका विवरण
३६६—	श्री कन्हैयालाल अग्रवाल	५६	मुलिया		विधुर	फर्म—पुष्पामल कन्हैयालाल सराफ
	श्री लक्ष्मण दास	३६	पुत्र		वि.	फर्म—लक्ष्मणदास अजीतकुमार सराफ
	श्रीमती विवेकीबाई	३४	पुत्र वधू		वि.	
	कु० सेरोज	१४	पौत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री रामजीदास	३०	पुत्र	B. A. LL. B.	वि.	पेट्रोल पम्प, पाटनकर बाजार
	श्रीमती रामकली	२६	पुत्र वधू		वि.	
३६७—	श्रीकृष्णचन्द अग्रवाल	४०	मुलिया		वि.	फर्म—पुष्पामल कन्हैयालाल सराफ
	श्रीमती कस्तुरी बाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री रत्नवदास	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
३६८—	श्री हीरालाल अग्रवाल	४५	मुलिया		वि.	फर्म—पुष्पामल कन्हैयालाल सराफ
	श्रीमती शान्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	
३६९—	श्री रामबाबू अग्रवाल	२५	मुलिया	मेट्रिक	वि.	फर्म—मे० क्याम मेटल स्टोर्स
	श्रीमती पुष्पाबाई	२०	पत्नी		वि.	
	श्री राजाराम	२३	भाई	मेट्रिक	अवि.	
	श्री रामरतन	२१	भाई	B. A. II	अवि.	
	श्री जगवानदास	१७	भाई	मेट्रिक	अवि.	
	श्री हरमोचिन्द	१४	भाई	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती असफाबाई	५५	माँ		विधवा	
४००—	श्री कच्छुराम बरैया	६०	मुलिया		वि.	लविस, मे. बन्नीवर बिलचन्द जैन
	श्रीमती छोटीबाई	५४	पत्नी		वि.	लोहिया बाजार
४०१—	श्री फुन्डीलाल बरैया	५५	मुलिया		विधुर	दालसेव का ऑमखा
	श्री प्रतापचन्द	४०	पुत्र	मिडिल	वि.	फर्म—जैन इलेक्ट्रिक वर्क्स.
	श्रीमती रामकली	२७	पुत्रवधू		वि.	डीडवाना जोली
४०२—	श्री छोटेलाल अग्रैया	७६	मुलिया	इन्टर	विधुर	रिटायर्ड
	श्री अशोक कुमार	२०	नाती	B. A. II	अवि.	
४०३—	श्रीमती बालाबाई	५०	मुलिया		विधवा	
	श्री मोहनलाल	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	कम्पाउण्डर, बीमा अस्पताल
	श्रीमती सुखीबाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेन्द्र कुमार	२०	पुत्र	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती बिमलाबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कैशरीमल	११	पुत्र	B. A. II	अवि.	

Phone : { Office : 398
Residence : 312

Gram : 'Barjatya'

BARJATYA TRADERS

General Merchants & Commission Agents

Agents :— **PRAG VANASPATI PRODUCTS (GOPI BRAND) ALIGARH**
Behind Purana Mills, Vijaynagar, Hathras (U. P.)

Always Avail Our Services For Purchase or Sale :

**Grains, Pules, Cotton. Oilseeds, Cattle
Fodder, Vanaspati Oils Etc.**

Associated Concern :

SHREE ARIHANT DALL MILLS

Behind Purana Mills, Vijaynagar, Hathras (U. P.)

Manufacturers of Qualitative Pulses By Modern
Scientifically & Hygienically Ways



He's only 5 years old -and already he's earning money!

Smart boy? Maybe. But wiser parents. They opened a Minors' Savings Account in his name with the Bank of Baroda. A present for his last birthday.

When he grows up, he'll have enough money for his education. Medicine? Law? Engineering? Whichever he decides on.

The Bank of Baroda Ltd. can help your child, too, save for his future. Open a Minors' Savings Account in his name today!

- You can start a Minors' Account even with Rs. 1...and earn 4% interest p.a.!
- You operate the account till your child is 14 years of age. Then he starts operating it himself—and so begins his education in thrift.



Then shalt forever be prosperous with

The Bank of Baroda Ltd.

(Estd. 1906) Head Office: Mandvi, Baroda. Over 300 branches in India and abroad.

Please ask for a FREE copy of our 'MAY WE HELP YOU' Booklet at your nearest branch, or write for it.

Shilpi bab 11A/67

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
---------------	-----	-----	---------	--------	----------------	---------------

भोची भोली लडकर

४०४—	श्री रूपचन्द गोधा	४१	मुखिया	B.A.L.L.B.	वि.	सर्विस-बोर्ड आफ रेवेन्यू
	श्रीमती गुणमाला	३८	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री हरिश्चन्द्र	३८	भाई	इन्टर	वि.	अध्यापक, जे. सी. मिश्र स्कूल
	श्रीमती प्रेमदेवी	३२	भ्राताभग्न	मिडिल	वि.	
	श्री विजय कुमार	२५	भाई	B. A.	वि.	सर्विस-सांख्यिकीय विभाग, भेलसा
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२२	भाईवधू	B.A. I	वि.	
	श्री नरेश कुमार	१८	पुत्र	B.Sc. II	अवि.	
	श्री अनिल कुमार	१६	पुत्र	B.Com. I	अवि.	
	श्रीमती कमलादेवी	५५	मां		विधवा	
४०५—	श्री प्रेमचन्द पल्लीवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-बरीया वस्त्र अम्बार,
	श्रीमती रामवती	२५	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
४०६—	श्री लक्ष्मीचन्द जैसवाल	५५	मुखिया		वि.	कर्म:- सुनील केमिकल्स कम्पनी
	श्रीमती जमनादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री स्वरूपचन्द	३५	पुत्र		वि.	
	श्रीमती सुक्लोबाई	३२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री लूचन्द	२२	पुत्र	हा. से,	वि.	
	श्रीमती अन्नूरीदेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
	कु. ज्ञानवती	१५	पौत्री	मिडिल	अवि.	
	कु. पंचवती	१४	पौत्री		अवि.	

कसेरा भोली

४०७—	श्री फतेहचन्द गोधा	४५	मुखिया	इन्टर	वि.	कर्म : जैन केमीकल्स कम्पनी,
	श्रीमती पद्ममाबाई	७५	मां		विधवा	एजेन्ट व स्टॉकिस्ट-हेवी केमीकल्स
	श्रीमती विमलेश	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	व मिनिरल एलिजन्स,
	श्री बर्मकुमार	२४	पुत्र	M.Sc.(Pre)	अवि.	डेकेदारी-केमीकल्स व जनरल
	श्री प्रद्युम्न कुमार	२१	पुत्र	B. Com. II	अवि.	सप्लायर्स
	कु. रबनी	१७	पुत्री	B. A. I	अवि.	
	कु. कुमुदनी	१५	पुत्री	हा. से.	अवि.	
४०८—	श्री प्रकाशचन्द पाटनी	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-ऐबंर फोर्स ऑफिस,
	श्रीमती गुणमाला	३३	पत्नी	मिडिल	वि.	महाराजपुरा, थालियर
४०९—	श्रीमती कस्तूरीबाई गौधा	४५	मुखिया		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४१०—	श्री कन्तिबन्ध गिरधरबाल	६०	मुलिया	B. A.	विधुर	एकाउन्टेन्ट, सुपर मार्केट, मोराल
	श्री रतनबन्ध	३४	पुत्र	B.A., B.Ed.	वि.	सर्विस—जीवाजी राव जू० कॉलेज
	श्रीमती कमलेशदेवी	२७	पुत्रवधू	B. A.	वि.	
	श्री निर्मलकुमार	२३	पुत्र	B. E.	अवि.	
४११—	श्री कान्तिबन्ध गिरधरबाल	४१	मुलिया	M Com.	वि.	प्रो-गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, माहडोल
	श्रीमती फूलवती	३३	पत्नी	B. A.	वि.	
	श्री सुरेशबन्ध	३६	भाई	इन्टर	वि.	मलेरिया इन्स्पेक्टर, भोपाल
	श्रीमती गुणमाला	३०	भ्रातावधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री विमलबन्ध	२५	भाई	M. A.	अवि.	सर्विस—शासकीय विद्यालय, इन्दौर
	श्री प्रमोद कुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
४१२—	श्रीमती लीलोबाई बरैया	४०	मुलिया		विधवा	
४१३—	श्री छोटेराल पल्लीवाल	५०	मुलिया		विधुर	
	श्री नेमीबन्ध	२६	पुत्र	M.Com C.A.I.I B.	वि.	सर्विस—पू. को. बैंक, नयाबाजार
	श्रीमती शिमलादेवी	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री पदमबन्ध	२०	पुत्र	D.M.E., B.Com. II	अवि.	सर्विस—स्टेट बैंक ऑफ इन्डिया
	श्री रतनबन्ध	१८	पुत्र	B.Com. II	अवि.	
४१४—	श्री कपूरबन्ध बरैया	४५	मुलिया	M. A.	वि.	माडीटर—ए. जी. ऑफिस
	श्रीमती बन्धनदेवी	४०	पत्नी	हा० से०	वि.	
	श्री नेमीबन्ध	३०	भाई	B. A.	वि.	सर्विस—के. बी. बैंक, जयनगर
	श्रीमती चन्दाबाई	२०	भ्रातावधू		वि.	
४१५—	श्री गुलाबबन्ध बरैया	४५	मुलिया	मिडिल	वि.	मुनीम, परचूनी की दुकान,
	श्रीमती शान्तिदेवी	३५	पत्नी		वि.	इन्दर गंज
	श्री मटकमल	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
४१६—	श्रीमती सुमित्रा बरैया	४५	मुलिया		विधवा	
४१७—	श्री हंसराज गोलाबारे	४५	मुलिया	मिडिल	वि.	पान की दुकान, जीवाजी चौक
	श्रीमती शान्तिदेवी	३५	पत्नी		अवि.	
	श्री अजित कुमार	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० बेटीबाई	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
४१८—	श्री कन्हैयालाल पाटनी	४८	मुलिया	मिडिल	वि.	केलियर-ट्रेडरी, गोरखी
	श्रीमती बिट्टीबाई	४२	पत्नी		विधवा	
	श्रीमती छोटीबाई	७०	मां		वि.	
४१९—	श्री इन्दरबन्ध झाबड़ा	६७	मुलिया	मेट्रिक	विधुर	पेन्शनर सजाफी, स्टेट बैंक
	श्री देवेन्द्र कुमार	३०	पुत्र	B. A.	वि.	केलियर-स्टेट बैंक, आलियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
४२०—	श्री फूलचन्द काला	७०	मुखिया		अवि.	कवि, साहित्यकार प्रकाशक
४२१—	श्रीमती अंगूरी पहाड़िया	३५	मुखिया	मेट्रिक	विधवा	अध्यापिका-कल्याणी कन्या शाखा
४२२—	श्री अजयलाल बरया	६५	मुखिया		वि.	दुकान (आमोल, शिवपुरी)
	श्रीमती हमरतीबाई	५४	पत्नी		वि.	
	श्री हरीलाल	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	मुनीम, मे० क्षेत्रीय फूलचन्द,
	श्रीमती असरफीबाई	३२	पुत्रवधू		वि.	नयाबाजार
	श्री सुरेशचन्द	२०	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	१६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
४२३—	श्रीमती केसरबाई वाकसीवाल	५५	मुखिया		विधवा	साहूकारी, लेन-देन
४२४—	श्री दीपचन्द रात्रा सोमानी	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम, सिच महात्रन एक्सचेंज लि०
	श्रीमती बावामीबाई	३०	पत्नी		वि.	
	कु० शकुन्तला	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
४२५—	श्री अमोलक चन्द सोमानी	३३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	होटल-कसेरा ओलो
	श्रीमती गुनमालाबाई	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री विजय कुमार	१४	पुत्र	नहीं	अवि.	
	श्रीमती कपूरीबाई	७०	मां		विधवा	
४२६—	श्री कन्हैयालाल कटारिया	५५	मुखिया		वि.	किराने की दुकान, बाना ओली
	श्रीमती मूलीबाई	४०	पत्नी		वि.	
४२७—	श्रीमदनलाल कटारिया	३८	मुखिया		वि.	किराना व्यापारी, कसेरा ओलो
	श्रीमती भीलाबाई	३०	पत्नी		वि.	
४२८—	श्री भीषमचन्द कटारिया	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	सबिस, विजय इलेक्ट्रिक स्टोर्स,
	श्रीमती कुसुमलता	२५	पत्नी		वि.	डीडबाना ओली
४२९—	श्री प्रेमचन्द बरैया	६०	मुखिया		वि.	सबिस, प्रहलादवास हजारीलाल,
	श्रीमती त्रिवेणी	५०	पत्नी		वि.	इन्दरगंज
४३०—	श्री कैलाशचन्द जंसवाल	२८	मुखिया	हा० से०	वि.	सबिस, मे० मुन्शीलाल महेन्द्रकुमार
	श्रीमती विमलादेवी	२५	पत्नी		वि.	माधवगंज
४३१—	श्री लालमन बरैया	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	बरैया आभूषण भण्डार,
	श्रीमती सुशीलाबाई	२५	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
	श्री शीतल प्रसाद	१५	आई	मेट्रिक	अवि.	
मनीराम का बाड़ा						
४३२—	श्री मदनलाल साहू	४५	मुखिया		विधुर	मिष्ठान व्यवसाय,
४३३—	श्री कैलाश चन्द टोंगवा	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	वस्त्र व्यवसायी
	श्रीमती कमेलीबाई	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री महावीरप्रसाद	२५	भाई	हा० से०	अवि.	सर्विस, जीवाजी विश्वविद्यालय,
	कुमारी किरन	१८	बहिन	B.A. II	अवि.	शालियार
	कु० कमल	१५	बहिन	मेट्रिक	अवि.	
४३४—	श्री उम्मेदीलाल छाबड़ा	५५	मुलिया	मिडिल	वि.	सर्विस, मे. मोहनलाल हरणीविन्द
	श्रीमती आबिबीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री लक्ष्मी चन्द	३६	पुत्र	B.A., LL.B.	वि.	सर्विस जे. ए. हास्पिटल
	श्रीमती कंचनदेवी	३५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री विमल चन्द	३७	पुत्र	B. Com.	वि.	D.A.O. राज्य, परिवहन निगम, मद्रास
	श्रीमती शान्तीदेवी	२६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुमेरचन्द	३३	पुत्र	M. A.	वि.	सु००, ए. जी. आफिस
	श्रीमती विमलादेवी	२८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री भरमचन्द	३०	पुत्र	B.Com., S.A.S.	वि.	इन्स्पेक्टर
	श्रीमती निर्मला देवी	२६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री रावेन्द्र कुमार	२५	पुत्र	M. Sc.	अवि.	लेक्चरर, दलिया हा. से. स्कूल
	श्री नामिकचन्द	२१	पुत्र	M.B.B.S. IV	अवि.	
	श्री नरेन्द्र कुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
४३५—	श्री चिरीजीलाल काला	३०	मुलिया	मिडिल	वि.	मुनीम
	श्रीमती ऊवादेवी	२७	पत्नी		वि.	
४३६—	श्री गेंडालाल	५०	मुलिया	मिडिल	अवि.	सर्विस, दैनिक नवप्रभात प्रेस
४३७—	श्री भागीरथ प्रसाद बरैया	४७	मुलिया		वि.	सर्विस, गुड अर्चेंट, बाल बाजार
	श्रीमती ककुन्तलाबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री कपरचन्द	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
४३८—	श्री महेशचन्द बरैया	२१	मुलिया	हा० से०	वि.	रेडियो मेकेनिक
	श्रीमती ओमवती	१६	पत्नी	मिडिल	वि.	
४३९—	श्री संतोषीलाल बरैया	३०	मुलिया		वि.	सर्विस-सिमको, बिरलानगर
	श्रीमती विद्यादेवी	२५	पत्नी	हा० से०	वि.	
४४०—	श्री खेरातीलाल बरैया	४८	मुलिया	मिडिल	विधुद	रेडियो फिक्सर, जाल्हा नायक
४४१—	श्री सुयचन्द मोलालारे	४०	मुलिया		वि.	बर्तनों का व्यवसाय
	श्रीमती राजोबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
४४२—	श्री विहारीलाल मोलालारे	३२	मुलिया		वि.	सिक्किम सधम
	श्रीमती लोमबाई	२८	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४४३—	श्री वस्तीलाल जैसवाल	३०	मुलिया	मेट्रिक	वि.	फर्म—नस्तीलाल अशोक कुमार,
	श्रीमती बैकुण्ठीबाई	२६	पत्नी		वि.	बलोच मर्चेन्ट, बहेमण्डी
	श्री प्यारेलाल	६०	पिता		विधुर	
४४४—	श्री वीरेन्द्र कुमार जैसवाल	५५	मुलिया	मिडिल	वि.	सबिस, फेन्सी जैन बलोच स्टोर,
	श्रीमती फूलदेवी	५०	पत्नी		वि.	भाषवगंज
४४५—	श्री मांगीलाल	४५	मुलिया	मेट्रिक	वि.	रिटायर्ड
	श्रीमती गिदोडाबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री मूलचन्द	२०	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
	श्रीमती अम्मा जी	६८	माँ		विधवा	
४४६—	श्री गणेशीलाल काला	५२	मुलिया	मिडिल	अवि.	सबिस—चंदरलाल गणूवाल,
४४७—	श्री ज्ञानचन्द जैसवाल	३६	मुलिया	B. A, LL. B.	वि.	पार्टनर—गोब मोर्टर्स पार्ट्स
	श्रीमती प्रमोद कुमारी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	मैन्यू०, लोहिया बाजार
४४८—	पं. खजूराम बरैया	५५	मुलिया	ज्यो० मार्शल	वि.	पंडित, आटे की दुकान
४४९—	श्री चन्द्रसेन बरैया	३०	मुलिया	M-Com-LL.B.	वि.	सेक्रेटरी, म्युनिस्पल बोर्ड, ग्वालियर
	श्रीमती सुलियाबाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाश चन्द	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती कटोरीबाई	६०	माँ		विधवा	
४५०—	श्री चुनसोमल	५५	मुलिया		वि.	हलबाई
	श्रीमती सुलियाबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री नन्दलाल	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मुन्नीलाल	२३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
४५१—	श्री गुलजारीलाल खरोजा	६०	मुलिया		वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री राजमल	२४	पुत्र		वि.	पान की दुकान
	श्रीमती निर्मला	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कस्तूर चन्द	१६	पुत्र		अवि.	
	कु० मुन्नीबाई	१४	पुत्री		अवि.	
४५२—	श्री सुभाषचन्द्र बरैया	२६	मुलिया	मिडिल	वि.	सबिस, एस. ए. एफ. सेक्टर
	श्रीमती चन्द्रकांता	२२	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४५३—	श्री लालचन्द जैसवाल	५६	मुखिया		वि.	फर्म—मे० लालचन्द महेशचन्द,
	श्रीमती केसरबाई	५०	पत्नी		वि.	क्लाथ मर्चेट, दहीमन्डी
	श्री कान्तीचन्द	२५	पुत्र	M. Com.	वि.	सत्रिस, ए. जी. आफिस
	श्रीमती अम्बिका चन्द	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री दिनेशचन्द	१९	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री महेशचन्द	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
घोसी बाड़ा, दाना घोसी						
४५४—	श्री रामचरणलाल बरैया	३३	मुखिया		वि.	सर्विस, चिन्तामन, किसानलाल
	श्रीमती कमलादेवी	२८	पत्नी		वि.	बजाज, नया बाजार, लखर
	श्री विमल चन्द	१८	पुत्र	B. A. I	अवि.	
	श्री महेश कुमार	१४	पुत्र	मिडिल	वि.	
४५५—	श्री पूरनचन्द सिन्हाई	२४	मुखिया		वि.	जलजीरे का खीमचा
	श्रीमती मुष्मीबाई	२०	पत्नी		वि.	
४५६—	श्री सुगनचन्द बरैया	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस, जगदीशप्रसाद रमेशचन्द,
	श्रीमती मुष्मीबाई	२०	पत्नी		वि.	नया बाजार
	श्री प्रभुदयाल	१४	भाई	मेट्रिक	अवि.	
४५७—	श्री देवीलाल बरैया	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मुनीम
	श्रीमती मुष्मीबाई	२२	पत्नी		वि.	
४५८—	श्री मंगलचन्द बरैया	५४	मुखिया		वि.	खीमचा
	श्रीमती रामकली	५०	पत्नी		वि.	
	श्री नैमीचन्द	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	खीमचा
	श्रीमती मालती	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विमलचन्द	२०	पुत्र		वि.	खीमचा
	श्रीमती विमला	१८	पुत्रवधू		वि.	
४५९—	श्री ह्यामलाल जैसवाल	५८	मुखिया	मिडिल	वि.	कृषि-कार्य
	श्रीमती म्यासोबाई	५०	पत्नी		वि.	
४६०—	श्री शंकरलाल जैसवाल	५२	मुखिया		वि.	नमकीन का खीमचा
	श्रीमती अशाफती	४५	पत्नी		वि.	
	श्री कमनलाल	२२	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती मुष्मीबाई	१९	पुत्रवधू		वि.	
	कु० गुस्लोबाई	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
४६१—	श्री कूलचन्द जैसवाल	४५	मुखिया		वि.	नमकीन का खीमचा
	श्रीमती कलावती	४०	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
---------------	-----	-------------	--------	----------------	---------------

	श्री मायाचन्द	२५ पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती बंगूरी	२१ पुत्रवधू		वि.	
४६२—	श्री छोटेलाल जैसवाल	४८ मुखिया		विधुर	मिष्ठान व्यापारी
	श्री कैलाशचन्द	२२ पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस-मे० मूलचन्द बबोभ्या प्रसाद
	श्रीमती किरनदेवी	१७ पुत्रवधू		वि.	हन्वरगंज
४६३—	श्री मानिकबाल जैसवाल	२५ मुखिया		वि.	सर्विस, हलवाई की दुकान
	श्रीमती जमनादेवी	२२ पत्नी		वि.	
	श्री शान्तिलाल	२३ भाई		वि.	सर्विस, साबुन कारखाना
	श्रीमती कमलादेवी	२० भ्रातावधू		वि.	
४६४—	श्री जयकुमार गोलालारे	४० मुखिया		वि.	कबाड़े के सामान का व्यवसाय
	श्रीमती मायादेवी	३३ पत्नी		वि.	
४६५—	श्री छोटेलाल गोलालारे	७० मुखिया		विधुर	
	श्री भागचन्द	५० पुत्र		वि.	मुनीम
	श्रीमती कमलाबाई	४० पत्नी		वि.	

पारस जी का बाड़ा

४६६—	श्री मानिक चन्द पांड्या	६५ मुखिया	मेट्रिक	अवि.	रिटायर्ड
	श्री विजय कुमार	३५ पुत्र	मेट्रिक	वि.	विद्यम इलेक्ट्रिक एंजिनीयर
	श्रीमती रमारानी	१८ पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
४६७—	श्री प्रतापचन्द	४५ मुखिया		वि.	खोये का व्यवसाय
४६८—	श्री हीरालाल बरैया	१८ मुखिया	इन्टर	अवि.	बरैया क्लाय मर्चेंट सराफा बाजार
	श्रीमती सोनाबाई	४५ माँ		विधवा	
४६९—	श्री पन्नालाल बरैया	४० मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस-पोस्ट आफिस
	श्रीमती बादामीबाई	२८ पत्नी		वि.	
	श्री द्वारका प्रसाद	२५ पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री नाथूलाल	२२ पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विस-एअर फीस, महाराजपुरा
	श्री सुभाष कुमार	१५ पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री दिनेश कुमार	१४ पुत्र		अवि.	
	श्रीमती सोनाबाई	६४ माँ		विधवा	

सराफा बाजार

४७०—	श्री पवनकुमार सेठी	३० मुखिया	M. A.	वि.	सर्विस, रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज,
	श्रीमती साददेवी	२८ पत्नी		वि.	कार्यालय
४७१—	श्रीमती मुलाबदेवी सेठी	२५ मुखिया	मिडिल	विधवा	अध्यापक

गार { बरिहंत
ARIHANT

दूरभाष { कार्यालय 275872
निवास 262624

सुमेरचन्द जैन

होलसेल कलथ मर्चेन्डिस एन्ड कमीशन एजेन्ट्स
कटरा शहनशाही, चाँदनी चौक, देहली-६

स्टाकिस्ट :

आर्ट सिल्क और टैरीन गुड्स

- * दि ग्वालियर रेयन सिल्क मिल्स बिरलागनर (ग्वालियर)
- * डी० सी० एम० सिल्क मिल्स देहली
- * विनार मिल्स कलकत्ता
- * श्रीराम सिल्क मिल्स कलकत्ता
- * कलकत्ता सिल्क मिल्स कलकत्ता
- * पेंरागन मिल्स बम्बई
- * एलोरा सिल्क मिल्स बम्बई
- * गारडन सिल्क मिल्स सुरत
- * एन० एस० सिल्क ग्रहमबाबाद
- * उजागर प्रिन्ट्स बम्बई

इन मिलों के अलावा और मिलों का माल हमारे
यहाँ बहुत ब्यापल से मिलता है ।

हमारे यहाँ हर प्रकार की सहुलियत व्यापारी
को दी जाती है ।

व्यापारी की भलाई हमारी भलाई है ।

हेड ऑफिस:—

सूरजलाल सुमेरचन्द

कटरा शहनशाही, चाँदनी चौक, देहली-६

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४७२—	श्री परशुराम पत्नीबाल	५८	मुखिया	मिडिल	वि.	सविस-गंगवाल इन्स्टीट्यूट
	श्रीमती पंथोबाई	५३	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	२२	पुत्र	M. Com.	वि.	सविस, ए. बी. आफिस
	श्रीमती मनोरमा	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
४७३—	श्री अयुध्याप्रसाद अग्रवाल	६५	मुखिया		वि.	फर्म—मे० चम्पालाल अयुध्या प्रसाद सराफ, सराफा बाजार
	श्रीमती सूरजबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री भोगीराम	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सोनाबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	३०	पुत्र	हा. से.	वि.	
	श्रीमती शकुन्तलाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
४७४—	श्री शकरलाल अग्रवाल	५७	मुखिया	मिडिल	वि.	मिठान व्यापारी, सराफा बाजार
	श्रीमती चमेलीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	३७	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री जगदीश प्रसाद	२०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती जैनमती	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री लक्ष्मीनारायण	१८	पुत्र	हा. से.	अवि.	
४७५—	श्री चिरंजीलाल	७०	मुखिया	मिडिल	वि.	सोने, चांदी के दलाल
	श्रीमती श्यामाबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती अमृतबाई	३५	पुत्र		विधवा	
	श्री देवेन्द्र कुमार	२०	पुत्र	हा. से.	अवि.	
	कु. उमिला	१४	पौत्री	मिडिल	अवि.	
४७६—	श्री गुलाबचन्द अग्रवाल	७२	मुखिया		विधवा	फर्म—अग्रवाल केमिकल्स सराफा फो. नं. २०८६
	श्रीमती अयुध्याबाई	६०	मां		विधवा	
	श्री बाबूलाल	४७	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मिन्टोबाई	४५	पुत्रवधू		वि.	
४७७—	श्री विमलचन्द वैद्य	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	पेन्सनर
	श्रीमती अयुध्याबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री जगदीश कुमार	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	कढ़ाई कसीदे की दुकान
	श्रीमती कृष्णकुमारी	२३	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
४७८—	श्री प्रकाशचन्द गंगवाल	५५	मुखिया		वि.	हैड केमिस्ट—के० बी० बैंक, लखनऊ
	श्रीमती सुकमोबाई	५७	पत्नी		वि.	
	श्री कमलचन्द	३०	पुत्र	इन्टर	वि.	हैड केमिस्ट—यू० को० बैंक,

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती आशादेवी	२६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	विरसानगर
	श्री ब्रह्मन्तकुमार	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	जैन धूर्ड मैन्सू केम्बरिंग कं० सराफा
	श्रीमती मनीरमादेवी	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२५	पुत्र	B.Com.L.L.B.	वि.	कर सलाहकार
	श्रीमती रागनीदेवी	२१	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री चन्द्रकुमार	१६	पुत्र	M. B.B. S.II	अवि.	
	कु० प्रेम	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री महावीरकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
४७६—	श्री सानिकचन्द गंगवाल	४६	मुखिया	MA LL.B.	वि.	जासकीय अभिभावक, फोन नं० २०६४
	श्रीमती बाई	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री उत्तमचन्द	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	महावीर धर्म कांटा, चन्द्रवदनी नाका
	श्रीमती प्रमिला	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२३	पुत्र	B.Com.,LL.B.	अवि.	अभिभावक
	श्री अशोककुमार	१६	पुत्र	बी.एस. सी I	अवि.	
	कु. सरोज	१६	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	श्री बोरेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
४७७—	श्री निरंजनलाल गंगवाल	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म:-म्बालियर गोटा केन्द्री
	श्रीमती कान्ताबाई	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री विनीतकुमार	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० मन्जु	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
४८१—	श्री गुलाबचन्द पापड़ीवाल	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	भूमिपति
	श्रीमती चन्द्रमुखी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२८	पुत्र	एफ० ए०	वि.	सर्विस-सहकारी भण्डार
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	२५	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२४	पुत्र	बी०ए० III	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
४८२—	श्रीमती सरस्वतीबाई	६२	मुखिया		विधवा	
४८३—	श्री सूरजमल लुहाड़िया	६०	मुखिया		अवि.	भूमिपति
४८४—	श्री रामचरणलाल अग्रवाल	५५	मुखिया		वि.	सोने बांड़ी के दलाल
	श्रीमती तुलसीबाई	४५	पत्नी		वि.	
४८५—	श्री भजनलाल लुहाड़िया	५५	मुखिया		विधुर	भूमिपति
	श्रीमती सोनाबाई	६०	भान्जी		विधवा	
४८६—	श्री बाबूलाल अग्रवाल	५५	मुखिया		वि.	सोने-बांड़ी की दलाली

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती रामप्यारीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री रामकुमार	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	रोय प्रोक्कसन, रंग बनील के निर्माता
	श्रीमती कमलाबाई	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मोहनलाल	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सचिव-जे. डी. मिल्ल बिरलानगर
	श्रीमती कस्तूरीबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० शान्तीबाई	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
४८७—	श्री तोताराम अग्रवाल	५२	मुखिया		वि.	कर्म:-तोताराम गंगाराम, बदन
	श्रीमती बदामीदेवी	४५	पत्नी		वि.	व्यापारी
	श्री गंगाराम	४८	भाई		वि.	न्यू बोती हाऊस, तशका बाजार
	श्रीमती छोटनबाई	४१	भ्रातावधू		वि.	
	श्री रामजीदास	३५	भाई		वि.	ऐजेन्ट-एकलसियर सिलाई मशीन,
	श्रीमती दक्खोबाई	३०	भ्रातावधू		वि.	डीडवानाओली
	श्री शिलरचन्द	२४	भाई B. Sc. I'		वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	१८	भाईवधू	मिडिल	वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१८	भतीजापुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री कैलाशचन्द	१४	भतीजापुत्र	मिडिल	अवि.	
४८८—	श्री रमेशचन्द अग्रवाल	३५	मुखिया		वि.	कर्म-विधीचण्ड रमेशचन्द सरफि
	श्रीमती कमलादेवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	१७	पुत्र	हा. से.	वि.	
	श्रीमती शीलादेवी	१४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्रीमती बदामीबाई	५०	मां		विधवा	
४८९—	श्री गुलाबचन्द अग्रवाल	४६	मुखिया	मिडिल	वि.	कर्म-लक्ष्मीचन्द गुलाबचन्द सरफि
	श्रीमती विद्यावती	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री जगदीशचन्द	३८	भाई	मिडिल	वि.	
	श्रीमती उमिला	३३	भाईवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री पदमचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सतीशचन्द	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती सरस्वतीदेवी	५२	मां		विधवा	
	कु० ऊषा	१६	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	कु. रेखा	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
४९०—	श्री गणेशराम अग्रवाल	६४	मुखिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती भालसीदेवी	६०	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री किशनलाल	४२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	मुनीम
	श्रीमती कान्तादेवी	३८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री कूलचन्द	३६	पुत्र		वि.	सर्विस, नगर पालिका
	श्रीमती रामकृष्णी	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बालकिशन	२३	पुत्र	D. E. E.	अवि.	सर्विस-वे० शी० मिस्त्र
	श्री विमलचन्द	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० लक्ष्मी	१६	पुत्री	हा०से०	अवि.	
	कु० आशादेवी	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
४६१—	श्री आमाराम अग्रवाल	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म:-पुष्पामल कन्हैयालाल सराफ
	श्रीमती मंतीबाई	३५	पत्नी		वि.	सराफा बाजार, फोन न० २२२६
	श्री विमलचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
४६२—	श्री गुलाबचन्द शाह	७५	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म:-गुलाबचन्द रेशमचन्द, सराफा
	श्रीमती नरसीबाई	७०	पत्नी		वि.	बाजार, फोन न. २२२६
	श्री रेशमचन्द	३३	भतीजा	मिडिल	वि.	
	श्रीमती लाराबाई	३०	भतीजा वधू		वि.	
	श्रीमती कूलबाई	७०	मा		विधवा	
	श्री पवनकुमार	१७		हा०.से०	अवि.	

मई-सड़क—

४६३—	श्री मूलचन्द जैन परिवार	६५	मुखिया		वि.	मूलचन्द कैलाशचन्द, कपड़े के
	श्रीमती मंदाबाई	६०	पत्नी		वि.	व्यापारी, दुकान नं. २१, दही मण्डी
	श्री निर्मलकुमार	३४	पुत्र	डिप्लोमा	वि.	सबकर
	श्रीमती शीलाबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२०	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	१७	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
४६४—	श्री छदामीलाल गोलसिंधारे	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	महावीर अनरल स्टडीस
	श्रीमती चमेलीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री चन्द्रसेन	२५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री प्रेमचन्द	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१८	पुत्र		अवि.	
४६५—	श्रीमान्तीलाल	२२	मुखिया	M. A., LL. B.	अवि.	व्यवसाय

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	व्यवसायिक विवरण
४६६—	श्री पी. सी. परवार	३६	मुखिया	B. Sc.	वि.	स्टेटस्टिकल, एन. एस. एस. भारत—
	श्रीमती शशी	२४	पत्नी	मिडिल	वि.	सरकार फोन ७६
४६७—	श्री सुगनचन्द	३५	मुखिया	B. Sc. (Ag)	वि.	सहसंचालक
	श्रीमती पुष्पलता	२८	पत्नी		वि.	
६६८—	श्री श्यामलाल गोयल	६०	मुखिया	B. Com.	वि.	मेंनेजिंग डायरेक्टर—बालाजी ग्लास
	श्रीमती गायत्री	४५	पत्नी	मेट्रिक	वि.	बक्स
	कु० अन्जना	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
४६९—	श्री निर्मलकुमार प. परवाल	२६	मुखिया	M. E.	वि.	लेक्चरर, माधव इन्जीनियरिंगकालेज
	श्रीमती कमलाबाई	२०	पत्नी	ग्वारबी	अवि.	
	श्री गणेशरकुमार	२०	भाई	B. Sc. I	अवि.	
५००—	श्री आनंदकुमार गोयल	२२	मुखिया	M. Com	अवि.	
५०१—	श्री महावीरप्रसादगोखलेकरे	२०	मुखिया	D. M. E., B. A. II	अवि.	
	श्री उग्रसेन	१६	भाई	D. E. C	वि.	पान की दुकान
५०२—	श्री मुरारीलाल कुडेलबन्ध	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती रामदेवी	४२	पत्नी		वि.	दिजली के ठेकेदार
	श्री रामकिशन	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती रुक्मणी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री लक्ष्मीनारायण	२४	पुत्र	नवी	वि.	
	श्रीमती प्रेमलता	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रामसेवक	२०	पुत्र	नवी	वि.	
	श्रीमती शकुन्तला	१७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विद्यासागर	१६	पुत्र	ग्वारबी	अवि.	
५०३—	श्री बुधमल गंगवाल	६७	मुखिया		वि.	मे० गणेशीलाल फूलचन्द फोन नं. ५७७
	श्रीमती गृह्याबाई	६५	पत्नी		वि.	
	श्री केशरीमल	४५	पुत्र		वि.	मेसर्स श्री केशरीमल गंगवाल
	श्रीमती धनोजकुमारी	४३	पुत्रवधू		वि.	फोन नं. २४२१
	डा० बीरेन्द्रकुमार	२४	पुत्र	M. Com, LL. B. Ph. D.	वि.	गंगवाल इन्डस्ट्रीज फोन नं. २२६३
	श्रीमती चन्द्रलेखा	२३	पुत्रवधू	M. A.	वि.	
	श्री शारदाकुमार	२६	पुत्र	M. Com.	वि.	
	श्रीमती शकुन्तलादेवी	२३	पुत्रवधू	B. A.	वि.	
गोंडेवाली संघ—						
५०४—	श्री सरदारमल विलास	४०	मुखिया		वि.	सबिस, ग्वालियर स्टोर्स,
	श्रीमती गुलाबबाई	३५	पत्नी		वि.	सराफा बाजार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कु० तेज	१८	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री प्रवेशकुमार	१६	पुत्र	दशवी	अवि.	
५०५—	श्री मुसाबचन्द बेद्य	५०	मुखिया		विधुर	हलवाई
	श्रीमती सुमित्राबाई	६०	मांमी		विधवा	
५०६—	श्री पद्मासाध भोलसारे	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती घनदेवी	५१	पत्नी		वि.	
	श्री तेजाचन्द	२६	पुत्र	मिडिल	वि.	सविस
	श्रीमती मालतीबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बीरसेन	२१	पुत्र		अवि.	सत्रिस
५०७—	श्री मुलआरीसाध लरोआ	६०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती श्रीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२८	पुत्र	नहीं	वि.	सविस, बिजलीघर
	श्रीमती इन्द्राणी	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती रानीदेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
५०८—	श्री सतीशचन्द लरोआ	३०	मुखिया		वि.	सविस, बिजलीघर
	श्रीमती कमलाबाई	१६	पत्नी		वि.	
५०९—	श्री मन्नीलाल लमेचू	४६	मुखिया		वि.	पान की दुकान
	श्रीमती सुनहरीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री स्वल्पचन्द	२१	पुत्र		वि.	
	श्रीमती सुशीलाबाई	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मूलचन्द	१६	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती पद्माबाई	११४	पुत्रवधू		वि.	
५१०—	श्री बाबूलाल गोलसिंधारे	५५	मुखिया		वि.	गस्ते के व्यापारी
	श्रीमती रामवती	४५	पत्नी		वि.	
	श्री बालचन्द	३८	पुत्र		वि.	
गौलतगज:-	श्री इन्द्रादेवी	२६	पुत्रवधू		वि.	
५११—	श्री अशोककुमार बड़वाल	१८	मुखिया	B. Sc. II	अवि.	जीरा निवासी
५१२—	श्री सुरेन्द्रकुमार जैसवाल	२८	मुखिया	M.Com.	वि.	आर्टीटर, ए०.जी० आफिस, जाधव
	श्रीमती कमला जैसवाल	२४	पत्नी	B. A.	वि.	महल, लक्ष्कर
५१३—	श्री भगवानदास जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	मिष्ठान बिस्केता वही मन्त्री
	श्रीमती कलावती	३०	पत्नी		वि.	
५१४—	श्री सीताराम जैसवाल	२६	मुखिया		वि.	मिष्ठान बिस्केता, हुजरात पुल

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कस्तूरीबाई	२५	पत्नी		वि.	
५१५—	श्री आनन्द स्वरूप अग्रवाल	३५	मुखिया	B.A, LL.B.	वि.	अभिभाषक
	श्रीमती जमावती	३०	पत्नी		वि.	
५१६—	श्री रामचन्द जैसवाल	६०	मुखिया		विधुर	चाट की दुकान
	श्री रामदास	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस-दैनिक नवप्रभात
	श्रीमती रामकली	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२४	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस-दैनिक नवप्रभात
	श्रीमती पुष्पाबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुमतचन्द	१७	पुत्र	मिडिल	अवि.	
५१७—	श्री धर्मचन्द बरैया	२१	मुखिया		वि.	सर्विस-लक्ष्मी फैन्सी स्टोर्स
	श्रीमती बैजोबाई	१६	पत्नी		वि.	
	श्री हेमराज	५०	बाबा		अवि.	व्यापार
	श्री बाबूलाल	४०	बाबा		अवि.	सर्विस-विटोला में
	श्री बद्धीप्रसाद	४६	बाबा		अवि.	सर्विस
	श्रीमती शान्तीबाई	४०	मां		विधवा	
५१८—	श्री हयाप्रकाश पद्मावती परवाल	२२	मुखिया	M.Com.	वि.	आर्मीटर ए. जी. आफिस ग्वालियर
	श्रीमती सुशीलादेवी	१९	पत्नी		वि.	
५१९—	श्री सत्यप्रकाश पद्मावती परवाल	२४	मुखिया	बी० ए०	वि.	अध्यापक, मोरली विद्यालय
	श्रीमती सरोजबाला	१९	पत्नी		वि.	
५२०—	श्री सुरजनाथरायण अग्रवाल	५८	मुखिया		वि.	न्यू जनता ट्रान्सपोर्ट कम्पनी,
	श्रीमती रामादेवी	३५	पत्नी		वि.	लोहिया बाजार, फोन नं. ७१९
५२१—	श्री राजेन्द्रकुमार पांड्या	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-नगर पालिक निगम
	श्रीमती सारादेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
५२२—	श्रीमती तीर्थाबाई पांड्या	६३	मुखिया		विधवा	
५२३—	श्री धर्मचन्द वाकलीवाल	३६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मे० विनोद फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स
	श्रीमती सुमतिबाई	३४	पत्नी		वि.	
	श्री प्रदीपकुमार	१४	पुत्र	नहीं	अवि.	
	श्री विमलचन्द	३०	भाई	मेट्रिक	वि.	व्यापार
	श्रीमती रत्नमाला	२६	पत्नी		वि.	
	श्रीमती मन्नीबाई	५८	मां		विधवा	
	श्री कम्पाबाई	५२	बुआ		विधवा	
	श्री भानुकुमार	२६	भान्जा	बी. ए.	अवि.	
	श्री विनोदकुमार	१६	भतीजा	११वीं	अवि.	

आफिस फोन नं० { २६६२५६
२६४६३२

शुभ कामनाओं सहित !

सिद्धोमल एन्ड संस

चावडी बाजार, देहली-६

हर प्रकार के देशी तथा विनायती
कागज के थोक व्यापारी

फोन नं० . ३३३६

शुभ कामनाओं सहित !

गुलाबचन्द रेशमचन्द जैन

सोना, चांदी एवं आभूषणों के थोक विक्रेता

सराफा बाजार, लश्कर-वालिअर (म. प्र.)

सोने एवं चांदी के सुन्दर आकर्षक

आभूषण

मिलने का एक मात्र स्थान !

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री कमलकुमार	२३	भतीजा	बी. कॉम	वि.	सर्विस-विनोद पिक्चर्स
	श्रीमती सरोजकुमारी	१८	भतीजा बधू		वि.	
५२४—	श्री साराचन्द सेठी	४३	मुखिया		वि.	मे० सेठी कलर इन्टरट्रीज, ग्वालियर
	श्रीमती कस्तूरीबाई	३३	पत्नी		वि.	
	श्री भागचन्द	१६	पुत्र	नवीं	वि.	
५२५—	श्री मुन्नालाल सोनी	३६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शासकीय टैकेदार
	श्रीमती विद्याबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री विजयकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
	श्री पदमकुमार	२३	भान्जा बी. एससी.		वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती बीणाबाई	२०	भान्जा बधू		वि.	ग्वालियर
५२६—	श्री राजमल चौधवाड़	४५	मुखिया		वि.	व्यापार
	श्रीमती मुन्नाबाई	३७	पत्नी		वि.	
	कु० चन्दाबाई	१७	पुत्री	B. A. I	अवि.	
	श्री सतोशकुमार	१५	पुत्र	१० वीं	अवि.	
	श्री सुमतचन्द	२२	भाई	M Com.	वि.	सर्विस-यू. को. बैंक, नया बाजार
	श्रीमती किरण	१७	भ्राता बधू	११ वीं	वि.	सरकर
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१८	भाई	१२ वीं	अवि.	
	श्री सन्तोषकुमार	१८	पुत्र	B. Com.	अवि.	
	श्रीमती कमलादेवी	३८	मां		वि.	
५२७—	श्री मदनलाल रांका	३०	मुखिया		वि.	मे० मदनलाल, बन्नालाल कलई
	श्रीमती सरोजबाई	२५	पत्नी		वि.	के व्यापारी फोन नं० २१०१
५२८—	श्री भरोसीलाल	४१	मुखिया		वि.	व्यापार
	श्रीमती भगवतीदेवी	३२	पत्नी		वि.	
	श्रीमती छोटीबाई	५५	मां		विधवा	
५२९—	श्री सालिग्राम बरैया	४०	मुखिया		अवि.	सुपारी के व्यापारी
	श्री स्वादाबाई	७०	मां		विधवा	
	श्री भूरेलाल	३०	भाई		अवि.	
५३०—	श्री जमनादास जैसवाल	३२	मुखिया		वि.	मिष्ठान व्यापारी
	श्री बिमलानाई	२७	पत्नी		वि.	
५३१—	श्री दाताराम जैसवाल	२७	मुखिया	B. A.	वि.	इन्डिया ओटोपिस्टन एण्ड मोटर
	श्रीमती विजयबाई	२६	पत्नी		वि.	पाटंस मैन्यूफैक्चरर, फोन नं० ३०
५३२—	श्री मांगीलाल चौधरी	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती कस्तूरीबाई	६७	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री अनूपचन्द	२५	पुत्र	बी. कॉम	वि.	आयकर-विक्रय कर सलाहकार
	श्रीमती कमलाबाई	२१	पुत्रवत्		वि.	
५३३—	श्री बाबूलाल चोधरी	४२	मुखिया	B.A., LL.B.	वि.	अभिभाषक, कर सलाहकार, फोन नं० २६०५
	श्री शान्तीदेवी	४०	पत्नी		वि.	
	कु० रजनी	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
५३४—	श्री फूलचन्द पाटीदी	६०	मुखिया		वि.	सोने-चांदी के हलाल
	श्रीमती बिरोजीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री हृदरचन्द	३०	पुत्र		वि.	जैन होटल, दीलतगंज
	श्रीमती सुशीलाबाई	२६	पुत्रवत्		वि.	
	कु० बिजया	१५	पुत्री		अवि.	
५३५—	श्री बाबूलाल पाटीदी	५०	मुखिया		वि.	हृदरचन्द फूलचन्द एन्ड संस, वस्त्र व्यापारी, फोन नं० २०८१
	श्रीमती किरणबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री मानकचन्द	४०	भाई		वि.	
	श्रीमती कंचनबाई	३६	आता वधू		वि.	
	श्रीमती फूलबाई	७०	माँ		विधवा	
५३६—	श्री बाबूलाल टोंग्या	४५	मुखिया		वि.	मकानों के हलाल
	श्रीमती रतनबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री बन्शीधर	२५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विस-मे० गणेशीलाल फूलचन्द,
	श्री किशनचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
	श्री धनकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती सगुनीबाई	७०	माँ		विधवा	
५३७—	श्री मन्मथलाल बरैया	३२	मुखिया		वि.	सर्विस, ग्वालियर गोटा फैंक्ट्री
	श्रीमती गुनमाला	२८	पत्नी		वि.	
	श्री प्रदीप कुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
५३८—	श्री गनपतलाल अग्रवाल	५५	मुखिया		वि.	टिम्बर मर्चेन्ट, दीलतगंज
	श्रीमती गनेशीदेवी	५२	पत्नी		वि.	
	श्री ओम प्रकाश	२६	पुत्र	B. Com.	वि.	कर सलाहकार
	श्रीमती कृष्णादेवी	२६	पुत्रवत्		वि.	
	श्री धर्म प्रकाश	२७	पुत्र	मेट्रिक	वि.	टिम्बर मर्चेन्ट
	श्रीमती इयामादेवी	२४	पुत्रवत्		अवि.	
	श्री चन्द प्रकाश	२५	पुत्र	B. A. II	अवि.	
	श्री पदम चन्द	२३	पुत्र	B. A. II	अवि.	
	कु० बिष्णुबाई	१८	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कु० पदमाबाई	१५	पुत्री	मेट्रिक	वि.	
५३६—	श्री मदनलाल कटारिया	५७	मुखिया		वि.	जैन बसंत, टोरी बाजार
	श्रीमती अंगूरीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री नरेश कुमार	२२	पुत्र	B. E.	वि.	
	श्रीमती त्रिशला कुमारी	१८	पुत्रवधू		वि.	
५४०—	श्री रोशनलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	ऐपको मोटर पार्ट्स मैन्यू-
	श्रीमती ऐशोबाई	४८	पत्नी		वि.	फैक्टरर्स, जयनगर
	श्री किशन चन्द	३२	पुत्र	B. A.	वि.	जैन मोटोमोबाइल, जयनगर
	श्रीमती प्रभादेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री निरजनलाल	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती इन्द्रादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सतीशचन्द	३३	काका	B. Com.	वि.	
	श्री योगेशकुमार	१६	पुत्र	६ वीं	अवि.	
	श्री निर्मलकुमार	१४	पुत्र	७ वीं	अवि.	
५४१—	श्री मूलचन्द जैसवाल	४५	मुखिया		वि.	स्टेशन मास्टर, दतिया
	श्रीमती कपूरीदेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री सतीशचन्द	२०	पुत्र	D. E. E.	अवि.	
	श्री नरेशचन्द	१८	पुत्र	B. Sc.	अवि.	
	कु० प्रमिता	१६	पुत्री	B. Sc. III	अवि.	
५४२—	श्री प्रयागलाल बरैया	३०	मुखिया		वि.	सबिस, स्टील फाऊन्ड्री
	श्रीमती ताराबाई	२५	पत्नी		वि.	
५४३—	श्री मुरारीलाल	२५	मुखिया	B A., LL.B.	अवि.	अभिभावक

हुजरात मार्ग—

५४४—	डॉ. के. ओ. एस. वीवान	५६	मुखिया	M.B.B.S. IM.S.(X)	वि.	ईश्वरी प्रसाद सर्जिकल एण्ड
	श्रीमती कलावतीदेवी	७५	माँ		विधवा	मेडिकल होम, हुजरात रोड लखन
	श्रीमती रामकलीदेवी	५४	पत्नी		वि.	
	डॉ. अजीतप्रकाश	३०	पुत्र	M.B.B.S. T. D. D.	वि.	मेडिकल आफिसर इन्चार्ज सिविल
	श्रीमती आदर्शकुमारी	२१	पत्नी	M.B.B.S. IV	वि.	फोटो एण्ड सिमिया स्कूल
	डॉ. विमलेशकुमार	२८	पुत्र	M.B.B.S.	अवि.	रेजिडेन्ट पेथोलिस्ट, जी. आर. मेडिकल कालेज एण्ड जे. ए. ग्रुप आफ हा०
	डॉ. नामिराजा	२६	पुत्र	M.B.B.S. D.L.O.E. विरलेचिह्न	अवि.	एम. एस. अमृतसर कालेज
	कु० पद्मा	२२	पुत्री	M.B.B.S. IV	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री अजयकुमार	१८	पुत्र	M.B.B.S.III	अवि.	
	कु० मधु	१७	पुत्री	B. Sc. II	अवि.	
५४५—	श्री कम्मनलाल सक्सेना	५८	मुखिया		वि.	कास्तकारी, अटेर (मिण्ड)
	श्रीमती अनारबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री प्रभाचन्द्र	३८	पुत्र	B.A., LL.B.	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस, ऐ. सी.
	श्रीमती हृदयवती	३४	पत्नी	मिडिल	वि.	डि. सेक्शन
	कु० सरिता	१५	पुत्री	११ वी	वि.	अध्ययन
५४६—	श्री प्रकाशचन्द परवार	२८	मुखिया	M.B.B.S.M.D.	वि.	जे. ए. हास्पिटल,
	श्रीमती उमिला	२४	पत्नी	M A.	वि.	
	कु० सुलोचना	२०	बहिन	B. A. III	अवि.	अध्ययन
	श्री महेन्द्रकुमार	१७	भाई	B. Sc. II	अवि.	अध्ययन
	श्री विजयकुमार	१७	क. भाई	B A. I	अवि.	
५४७—	श्री प्रेमचन्द परवार	६०	मुखिया		वि.	शंयालाल प्रेमचन्द, थोक कपड़े के
	श्रीमती मम्मोबाई	५५	पत्नी		वि.	व्यापारी, नया बाजार फो.न. १६४१
	श्री बिरधीचन्द	४०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती चन्दनबाई	३६	पत्नी		वि.	
	श्री बालचन्द	३८	पुत्र		वि.	
	श्रीमती पार्वतीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१८	पौत्र	M B B.S. II	अवि.	
नया बाजार—						
५४८—	श्री हुकमचन्द बाकलीवान	४२	मुखिया		वि.	अमोलकचन्द जोहरीलाल नया बाजार
	श्रीमती केशरबाई	६२	माँ		विषया	कागज व स्टेशनरी विक्रेता
	श्रीमती हमरतीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री गणेशकुमार	१८	पुत्र	B.Com.	अवि.	
	कु० सन्तोष	१४	पुत्री	सातवी	अवि.	अध्ययन
५४९—	श्री रूपचन्द पाटनी	६२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फोटोग्राफर, होम्योपैथ-चिकित्सक
	श्रीमती माहीरबाई	५०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री रिद्धिकरन	२८	पुत्र	B A, LL.B.	वि.	अभिभाषक
	श्रीमती मुष्मी	२२	पत्नी	मिडिल	वि.	
५५०—	श्री गोपालदास साहू	३६	मुखिया		वि.	कागज की दुकान, नया बाजार
	श्रीमती गोपालबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री गणेशकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	अध्ययन
५५१—	श्री मोतीलाल परवार	६५	मुखिया		वि.	कपड़े की दलाली, नया बाजार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती चेनाबाई	१५	पत्नी		वि.	
	कु० विमला	१५	पुत्री	दसवी	अवि.	अध्ययन
	श्री हुकमचन्द	३५	पुत्र		वि.	कपड़े की दुकाली, नयाबाजार
	श्रीमती कमलाबाई	३०	पत्नी		वि.	
५५२—	श्रीमती लालचदावती परिवार	५०	मुखिया	B. A.	वि.	असिस्टेन्ट इन्स्पेक्टर, शिक्षा, विभाग
	श्रीमती श्रीदेवी	४५	पत्नी		वि.	मंडल ग्वालियर
	श्री सुरेशचन्द	३०	पुत्र	टे. जौ. सियर	वि.	ओवर सियर पब्लिक हेल्थ,
	श्रीमती उषा किरन	२८	पत्नी		वि.	डिपार्टमेंट जिलापुरी
	श्री अरविन्दकुमार	२०	पुत्र	P. T. 4th Semi.	अवि.	अध्ययन, से० टे० इन्स्टीट्यूट
	कु० सुनन्दा	१६	पुत्री	B. A. II	अवि.	अध्ययन
५५३—	श्री निमनकुमार लरऊआ	४०	मुखिया	B.A., LL B.	वि.	दीवानी-फीजदारी बकालात
	श्रीमती मोहनदेवी	६५	मां		विधवा	
	श्रीमती वमेलीदेवी	३६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री उदयकिशोर	१६	पुत्र	B. Sc.	अवि.	अध्ययन
५५४—	श्री हुकमचन्द अजमेरा	३७	मुखिया	B.Com.	वि.	सेल्म टे०, हुकम टे० प्रेसिडेंसन
	श्रीमती कनकदेवी	३२	पत्नी		वि.	
५५५—	श्री जिनेश्वर प्रसाद दीवान	४५	मुखिया	B Sc., LL.B	वि.	दीवानी-फीजदारी बकालात
	श्रीमती कलावती	७०	मा		विधवा	
	श्रीमती श्यामादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री ऋषिकुमार	१८	पुत्र	B.Sc. I	अवि.	
	कुमारी ऊषा	१६	पुत्री	B. Sc. I	अवि.	
५५६—	श्री रामचरनलाल वरैया	३५	मुखिया		वि.	प्रोफेसर गवर्नमेन्ट मार्टिन कॉलेज,
	श्रीमती कुन्तीबाई	३०	पत्नी		वि.	लखनऊ
५५७—	श्री राजकुमार परिवार	२०	मुखिया	B. Com. II	अवि.	कर्म:-लखमीचन्द राजकुमार
	श्री प्रकाशचन्द	१८	भाई	B. A. I	अवि.	बोक क्लोथ मर्चेन्ट, नयाबाजार
५५८—	श्री लखमीचन्द परिवार	४३	मुखिया		वि.	लखमीचन्द राजकुमार, नयाबाजार
	श्रीमती बनी बाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री उत्तमचन्द	१६	पुत्र	B. Sc.	अवि.	
५५९—	श्री कुन्दनलाल परिवार	३६	मुखिया	मिडिल	अवि.	सोनेलाल कुन्दनलाल, कपड़े के
	श्रीमती संगीबाई	५०	मां		विधवा	ध्यापारी, नयाबाजार
	श्रीमती चन्दोबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री अनन्त कुमार	१६	पुत्र	B. Sc. II	अवि.	
५६०—	श्री बीरेन्द्रकुमार परिवार	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	जैन क्लोथ स्टोर, नयाबाजार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कस्तूरीबाई	३६	मां		विधवा	
	श्रीमती कमलाबाई	२३	पत्नी	हा. से.	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२३	भाई	B.Com. I	अवि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	२१	भाई	B. Sc. II	अवि.	
	श्री विनोदकुमार	१६	भाई	B. E. II	अवि.	माधव इन्जीनियरिंग कॉलेज
	श्री नन्दनकुमार	१७	भाई	मेट्रिक	अवि.	
	श्री असोककुमार	१५	भाई	मिडिल	अवि.	
५६१—	श्रीसोमबाबूपचावती परबाल	३०	मुलिया	इन्टर	वि.	सर्विस, कलेक्ट्रेट, मुरना
	श्रीमती सरलादेवी	२५	पत्नी	B. A.	वि.	अध्यापिका
५६२—	श्री मन्मथलाल बरैया	२२	मुलिया	Medical II	अवि.	
५६३—	इन्द्रसेन गोलालारे	४०	मुलिया		वि.	सब-रजिस्ट्रार, म्हालियर
	श्रीमती लोंगधी	३२	पत्नी		वि.	
५६४—	श्री कुशलचन्द गोलालारे	१७	मुलिया	B.Com.	अवि.	कुशलचन्द कैलाशचन्द जैन,
	कैलाशचन्द	१४	भाई	नवी	अवि.	नयाबाजार, कपड़े के व्यापारी
५६५—	श्री चम्पालाल बरैया	४०	मुलिया		वि.	कपड़े की दुकान, नयाबाजार
	श्रीमती मगवतीदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	कु० निर्मला	१७	पुत्री	हा. से.	अवि.	
५६६—	श्री बाबूलाल परवार	६०	मुलिया		वि.	अभिनन्दनकुमार सुरेन्द्रकुमार,
	श्रीमती सोनाबाई	५८	पत्नी		वि.	होमसेल स्टाफ मर्चेंट, नयाबाजार
	श्री अभिनन्दनकुमार	३५	पुत्र	मिडिल	वि.	फोन : १२०२
	श्रीमती शान्तिबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	२५	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती विमलादेवी	२२	पत्नी		वि.	
	श्री राजकुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
५६७—	श्री देवेन्द्रकुमार गोलालारे	२१	मुलिया	M.A. Final	अवि.	
५६८—	श्री नेमीचन्द	२२	मुलिया	M.A. Final	वि.	सर्विस-ए. जी. ऑफिस, यू. डी. सी.
	श्रीमती नेमीचन्द	२०	पत्नी	इन्टर	वि.	जायस महल,
५६९—	श्री कपूरचन्द परवार	३५	मुलिया	मिडिल	वि.	कपड़े की दुकान, नयाबाजार
	श्रीमती शान्तिबाई	३०	पत्नी		वि.	
	कुमारी विमलेक्ष	१५	पुत्री	नहीं	अवि.	
५७०—	श्री मानिकचन्द गोलालारे	३७	मुलिया	B.Com.L.L.B.	वि.	अभिधाषक, हाई कोर्ट (म० प्र०)
	श्रीमती शोभाकुमारी	३२	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री रविकान्त	१४	पुत्र	हा० से०	अवि.	

नया बाजार, ग्वालियर-१

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
५७१—	श्री उत्तमचन्द कटारिया	३२	मुखिया	इन्टर	वि.	स्टोर्स इन्चार्ज, कमलाराजा
	श्रीमती प्रेमादेवी	२६	पत्नी	मिडिल	वि.	अस्पताल, लखर
	कुमारी बीरा	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१४	पुत्र	मर्बी	अवि.	
५७२—	श्री नरेन्द्रकुमार जैन	२८	मुखिया	M.Com., LL.B.	वि.	सिमल एन्ड कं. चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट,
	श्रीमती मोतीरानी	२४	पत्नी		वि.	नयाबाजार, फोन नं. १४१५
	श्री सत्येन्द्रकिशोर	१८	भाई	B. Sc.	अवि.	,
५७३—	श्री प्रेमचन्द लमेंबू	४५	मुखिया		वि.	मे. प्रेमचन्द सतीशचन्द, नयाबाजार
	श्रीमती मुन्नीदेवी	२५	पत्नी		वि.	
	श्री सतीशचन्द	१८	पुत्र	बी. एससी. I	अवि.	
	श्री अमरचन्द	१६	पुत्र	बी. कॉम. I	अवि.	
	कुमारी सरिता	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
५७४—	श्री पवनकुमार जैसवाल	२३	मुखिया	B.Com., LL.B.	अवि.	विद्याध्ययन
५७५—	श्री प्रयागनारायण जैसवाल	२४	मुखिया	बी. ई. IV	अवि.	,
५७६—	श्री महेशचन्द जैसवाल	२२	प्रमुख	बी. ई. V	अवि.	,
५७७—	श्री नरेन्द्रकुमार परवार	२३	मुखिया	B. A., LL. B.	अवि.	,
५७८—	श्री चम्पालाल	२३	मुखिया		अवि.	,
५७९—	डॉ० ज्ञानप्रकाश जैन	३८	मुखिया	M. Sc., Ph.D.	वि.	प्रोफेसर, जीव-विज्ञान,
	श्रीमती प्रेमकान्ता जैन	३१	पत्नी	M. A.	वि.	शा. विज्ञान महाविद्यालय, ग्वा.
लोहिया बाजार—						
५८०—	श्री रामस्वरूप गोलालारे	५४	मुखिया		वि.	डायमन्ड सेफ इन्डस्ट्रीज, नयाबाजार
	श्रीमती रामश्री	४५	पत्नी		वि.	
	श्री राजकुमार	३२	पुत्र	B.Com., LL. B.	वि.	सेल्स टेक्स व इन्कमटेक्स बकालत
	श्रीमती हंसमुखी	२८	पत्नी		वि.	
	श्री भानुकुमार	२६	पुत्र	M. A.	वि.	शिक्षक, अमायन (मिन्ड)
	श्रीमती रानीदेवी	२५	पत्नी		वि.	
	डॉ० बीरकुमार	२७	पुत्र	M.B., B.S.; D.T.C.D.	वि.	असिस्टेंट सर्जन, मुरार
	श्रीमती महेन्द्रकुमारी	२३	पत्नी	M. A.	वि.	
	श्री आर. कुमार	२५	पुत्र	इन्टर	वि.	कपड़े के व्यापारी व बैंकर्स,
	श्रीमती शशिकुमारी	२२	पत्नी		वि.	अमायन
	श्री प्रकाशचन्द	२२	पुत्र	M. Sc. (Ag)	अवि.	छात्र एग्रीकल्चर कालेज, लखर
	श्री नरेशचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द पुत्र मन्मथलाल	२१	पुत्र	B.E. II	अवि.	छात्र, इन्जीनियरिंग कान्पेन, रायपुर

शुभ कामनाओं सहित ।

कॉपर वायर एवं जाली के निर्माता

व

गवर्नमेन्ट सप्लायर्स

मै. सोभाग्यमरु जी लुकमान जी

राजा दरवाजा, वाराणसी (यू. पी.)

लोहिया बाजार, खालियर-१

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कु० कृष्णा पुत्री मन्सूनलाल	१५	पौत्री बी. ए.		अवि.	
५८१—	श्री देीराम पल्लीवाल	३४	मुखिया		वि.	जैन आयरन स्टोर्स, लोहिया बाजार
	श्रीमती आनन्दीबाई	१०	माँ		विधवा	
	श्रीमती चन्द्रकला	२८	पत्नी		वि.	
	श्री मिश्रीलाल	३०	भाई		वि.	
	श्रीमती शान्तीबाई	२८	पत्नी		वि.	
५८२—	श्री बन्शीधर पल्लीवाल	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	मेस० बन्शीधर विमलचन्द जैन,
	श्रीमती अजुद्दीदेवी	५२	पत्नी		वि.	आयरन मर्चेन्ट, लोहिया बाजार,
	श्री सुरेशचन्द	२१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	फोन नं० ७२१
	श्रीमती विमलादेवी	१८	पत्नी	मिडिल	वि.	
५८३—	श्री दामोदरदास पल्लीवाल	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	मे० सुभाषचन्द नरेन्द्रकुमार,
	श्रीमती दुर्गाबाई	४५	पत्नी		वि.	लोहिया बाजार, लखनऊ
	श्री रमेशचन्द	३०	पुत्र	नवी	वि.	
	श्रीमती अमूरीबाई	२७	पत्नी		वि.	
५८४—	श्री मिश्रीलाल पल्लीवाल	४५	मुखिया		वि.	गल्ला व किराना के दाना
	श्रीमती गुल्लोबाई	१०	मा		विधवा	
	श्रीमती सुशीलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री राजकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री स्वरूपचन्द	३५	भाई	B. Com.	वि.	सर्विस-जे. सी. मिस्स, बिरलानगर
	श्रीमती सरोज	३०	पत्नी		वि.	
५८५—	श्री कन्हैयालाल पल्लीवाल	४५	मुखिया		वि.	मे. कन्हैयालाल कस्तूरचन्द, आयरन
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	३८	पत्नी		वि.	मर्चेन्ट, लोहिया बाजार
	कु० गुणमाला	१४	पुत्री	नवी	अवि.	
	श्री सोहनलाल	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती आकाशानी	२२	पत्नी		वि.	
	श्री सन्तोषकुमार	२३	पुत्र	हा० सेकेन्ड्री	वि.	
	श्रीमती गुणमाला	१९	पत्नी		वि.	
	श्री बीरेन्द्र कुमार	२०	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
५८६—	श्री गंगाराम पल्लीवाल	६५	मुखिया		वि.	मे० विजय आयरन स्टोर्स लोहिया
	श्रीमती मुराबाई	५५	पत्नी		वि.	बाजार, लखनऊ
	श्री नैसीचन्द	२२	पुत्र	बी ए	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२१	पत्नी		वि.	
	श्री पद्मचन्द	१९	पुत्र	हा०.से०	अवि.	

लोहिया बाजार, ग्वालियर-१

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
५८७—	श्री लालाराम पल्लीवाल	४७	मुखिया		वि.	परचूनी की दुकान
	श्रीमती केशरबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री दर्शनलाल	१४	पुत्र		अवि.	
	श्री अमर्फीलाल	२३	पुत्र		वि.	पान की दुकान, नई सड़क
	श्रीमती कूलवती	१८	पत्नी		वि.	
	श्रीमती गौरीबाई	६५	मां		विधवा	
५८८—	श्री कुशलचन्द पल्लीवाल	१८	मुखिया	B. Sc I	अवि.	कुशलचन्द कैलाशचन्द, लोहे के
	श्रीमती रामप्यारी	३५	मां		विधवा	व्यापारी, लोहिया बाजार
	श्री कैलाशचन्द	१४	भाई	मेट्रिक	अवि.	
५८९—	श्री भरोसीलाल पल्लीवाल	३०	मुखिया		वि.	महावीर आयरन स्टोर, फोन नं.
	श्रीमती राजाबेटी	२५	पत्नी		वि.	७४३
	श्री पदमचन्द	२०	भाई	हा० सेकेण्डी	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	१८	पत्नी		वि.	
५९०—	श्री हरीबाबू पल्लीवाल	२५	मुखिया	मिडिल	वि.	जैन किराना स्टोर्स, लोहिया
	श्रीमती रामकली	२५	मुखिया		वि.	बाजार
५९१—	श्री राजकुमार पल्लीवाल	२८	मुखिया	एम. कॉम.	वि.	हीरालाल छोटेला, दालबाजार
	श्रीमती कमलाबाई	२२	पत्नी		वि.	
५९२—	श्री रत्नलाल पल्लीवाल	४६	मुखिया		वि.	प्रकाश आयरन स्टोर्स, लोहिया
	श्रीमती सोनाबाई	५०	मां		वि.	बाजार
	श्रीमती कस्तूरीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री पातीराम	४०	भाई	मिडिल	वि.	
	श्रीमती राजश्री	३१	पत्नी		वि.	
	श्री भोमप्रकाश	१८	पुत्र		अवि.	
५९३—	श्री बाबूलाल पल्लीवाल	७२	मुखिया		वि.	भोलानाथ सन्तोषकुमार, लोहिया
	श्रीमती दुर्गादेवी	६५	पत्नी		वि.	बाजार, फोन १७३४
	श्री भोलानाथ	२७	पुत्र		वि.	
	श्रीमती रामबाई	२४	पुत्रवधू		वि.	
इन्दरगंज—						
५९४—	श्री नेमीचन्द बाकल, परिवार	४५	मुखिया		वि.	दलाल, इन्दरगंज
	श्रीमती चिरीजीदेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	३०	पुत्र	बी० ए०	अवि.	
	श्री हरीबाबू	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	दलाल, इन्दरगंज
	कु० भारदादेवी	१५	पुत्री	नवी	अवि.	

इन्दरगंज, ग्वालियर-१

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
५६५—	श्री चम्पालाल परवार	६०	मुखिया		वि.	मे० चम्पालाल एण्ड कं०, कमीशन
	श्रीमती रतनदेवी	५०	पत्नी		वि.	एजेन्ट, दाल बाजार
	श्री बाबूलाल	२८	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	
	श्रीमती शकुन्तलादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२५	पुत्र	बी० ए०	वि.	
	श्रीमती मालतीदेवी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री छोटे लाल	५०	भाई		अवि.	
५६६—	श्री हुकमचन्द परवार	४५	मुखिया	B. Sc.	वि.	दलाल—दाल बाजार
	श्रीमती किशनदेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	D. C.E. (Fin)	अवि.	
	श्री हेमेशकुमार	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० पुष्पा	१६	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
५६७—	श्री हजारीलाल बरैया	५४	मुखिया		अवि.	
	श्री कुन्दीलाल	५२	भाई		वि.	जैन मिष्ठान भण्डार, इन्द्रगंज
	श्रीमती शान्तीदेवी	४८	भाईवधू		वि.	
	श्री लक्ष्मणप्रसाद	१८	भाईपुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्रीमती आशा	१६	भाई पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री महेशचन्द	१५	भाईपुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती भगोबाई	५०	भाईवधू		विधवा	
५६८—	श्री महाचन्द्र बरैया	७५	मुखिया		विधुर	मिष्ठान विक्रेता, इन्द्रगंज
	श्री शकरलाल	६५	भाई		विधुर	
	श्री भगवानदास	५०	भाई		विधुर	किराना सर्वेन्ट, चन्द्रवदनी का नाका
	श्री चन्दलाल	४५	भाई		वि.	इन्द्रगंज
	श्रीमती बसन्तीबाई	४०	भाईवधू		वि.	
	श्री सुरेशकुमार	१५	भाईपुत्र	मिडिल	अवि.	
	कु० निर्मला	१४	भाईपुत्री		अवि.	
५६९—	श्री बाबूलाल बरैया	२५	मुखिया	इन्टर	वि.	अभिलेख-कॉपरेटिव बैंक
	श्रीमती नारामणी बाई	२२	पत्नी		वि.	
	श्री विमलचन्द	२२	भाई	मेट्रिक	वि.	पटवारी, मिठरवार
	श्रीमती विमलाबाई	२०	भाईवधू		वि.	
	श्री नत्थीलाल	२०	भाई		वि.	हलवाई, रोमलीबर
	श्रीमती भीनाबाई	१८	भाईवधू		वि.	
	श्रीमती चन्दनबाई	४०	माँ		विधवा	

इन्टरगैंग, ज्वालियर-१

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६००—	श्री प्यारेलाल बरैया	६५	मुलिया		वि.	घर्म-ध्यान एवं कवि
	श्रीमती इमरतीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री इन्द्रचन्द्र	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	व्यवसाय—कुटी मशीन
	श्रीमती बसन्तीबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१६	पौत्र	बी० ए० II	वि.	
	श्रीमती देवा	१६	पौत्रवधू		वि.	
	श्री पद्मचन्द्र	१५	पौत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री सुगनचन्द्र	३०	पुत्र	एम० ए०	वि.	सर्विस—वाटरवर्क्स
	श्रीमती श्रीलादेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द्र	२१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती कुसमदेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
६०१—	श्री निमेषकुमार परवार	२७	मुलिया	B. Sc.	वि.	मेडीकल रिपरिजेन्टेटिव, एलेम्बिक
	श्रीमती अरुणादेवी	१६	पत्नी	बी० ए०	वि.	कम्पनी
६०२—	श्री नंदन चंदेलिया गेलापूर्व	३७	मुलिया	B Sc., LL.B.	वि.	सुपरवाइजर, टेलीग्राफ आफिस
	श्रीमती रत्नप्रभा	३२	पत्नी	१० वी	वि.	जयेन्द्रगंज
	कुमारी चन्द्रना	१४	पुत्री	११ वी	अवि.	
६०३—	श्री कर्मोमल जैसवाल	४३	मुलिया	मिडिल	वि.	कर्म-रामचन्द्र फुन्दीसाल, भोपाल
	श्रीमती भगवानदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	कु० निमल कान्ता	१८	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	५० उर्मिला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री बाबूलाल	३६	भाई	मेट्रिक	वि.	जैन महावीर स्टोर्स, इन्द्रगंज चौराहा
	श्रीमती कुसुमलता	३०	भाईवधू		वि.	
	श्री प्रदीपकुमार	१६	भाईपुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती बालोबाई	६०	मां		विधवा	
६०४—	श्री भागचन्द जैसवाल	४०	मुलिया		वि.	सायकल स्टोर्स, इन्द्रगंज
	श्रीमती रामनरूपी	३५	पत्नी		वि.	
	कु० गुणमाला	१८	पुत्री	मिडिल	अवि.	
६०५—	श्री भोगीराम जैसवाल	५०	मुलिया		विधुर	व्यवसाय
	श्री कलाशचन्द्र	३०	पुत्र	बी० ए०	वि.	सेक्रेटरी-अण्डी कमिटी, मुरार
	श्रीमती सान्तीबाई	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री हीराचन्द्र	१५	पौत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० सरला	१४	पौत्री	मिडिल	अवि.	
६०६—	श्री जवाहरमल जैसवाल	६०	मुलिया		वि.	सर्विस

इन्दरगंज, मालियर-१

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती रामदेवी	५५	पत्नी		वि.	
	श्री मुनेन्द्रकुमार	२५	पुत्र	B. A.	वि.	
६०७—	श्री रामदयाल बरैया	४५	मुखिया		वि.	जनरल मर्चेन्ट, इन्द्रगंज
	श्रीमती शान्तीदेवी	४०	पत्नी		वि.	
६०८—	श्री गदूदलाल परकार	४०	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती गुणमालादेवी	३६	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द्र	२५	भाई	D. C. E.	वि.	ओरेंजसिटी-टाऊन बिल्डिंग विभाग
	श्रीमती सुधादेवी	२२	भाईबहन		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द्र	२०	भाई	B. A. III	अवि.	
	श्री उमेशचन्द्र	१८	भाई	ग्यारवी	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१५	भाई	मिडिल	अवि.	
६०९—	श्री ज्ञानचन्द्र चौधरी	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	ज्ञानचन्द्र जयकुमार, अनाज विक्रेता, इन्द्रगंज
	श्रीमती प्रेमाबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री जयकुमार	२२	पुत्र	ग्यारवी	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	१८	पुत्रबहन		वि.	
	श्री कृष्णकुमार	१८	पुत्र	B. Sc. I	वि.	
	श्रीमती बिमलाबाई	१४	पुत्रबहन		वि.	
६१०—	श्री जेनेन्द्रकुमार	१६	मुखिया	D.C.E.II	अवि.	छात्र, केन्द्रीय तकनीकी संस्थान
६११—	श्री कृष्णकुमार	२०	मुखिया	D.E.E.II	अवि.	(प्रीलीटेकनीकल) कालेज
६१२—	श्री कैलाशचन्द्र	२०	मुखिया	D.E.E.II	अवि.	" " "
६१३—	श्री सुगनचन्द्र बरैया	४२	मुखिया		वि.	इयामल, ल सुगनचन्द्र, गल्ले के व्यापारी, इन्द्रगंज
	श्रीमती चन्दनश्री	३५	पत्नी		वि.	
	श्री जयकुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
	श्री नेमीचन्द्र	३०	भाई	मेट्रिक	वि.	अध्यापक-प्राथमिक विद्यालय, बरेठा
	श्रीमती राजकुमारी	२७	भाई बहन		वि.	
६१४—	श्री विधीचन्द्र बरैया	४५	मुखिया		वि.	दलाल इन्द्रगंज
	श्रीमती कौशल्यादेवी	३६	पत्नी		वि.	
६१५—	श्री सुन्दरलाल	६५	मुखिया		विधुर	होटल
	श्री भरोसीलाल	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२०	पुत्रबहन		वि.	
६१६—	श्रीमन्मारीलाल गोलसिंधारे	६०	मुखिया		विधुर	बाबूलाल मित्राजीलाल, इन्द्रगंज
	श्री बाबूलाल	५०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती चमेनीबाई	४५	पुत्रबहन		वि.	

इन्द्रगंज, ग्वालियर-१

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री राजकुमार	२०	पौत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सुरेशकुमार	१४	पौत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री मिर्जाजीलाल	४५	पुत्र	आयुर्वेदाचार्य	वि.	
	श्रीमती राजकुमारी	३२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री रतनलाल	२५	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस, मण्डी कमेटी, लश्कर
	श्रीमती बसन्तीबाई	३२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री ताराचन्द्र	२३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती बिमलादेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
६१७—	डॉ. प्रकाशचन्द गोलसिंधारे	४३	मुखिया	A. L. M. S.	वि.	प्रकाश क्लीनिक, इन्द्रगंज
	श्रीमती हरलोदेवी	३२	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री शान्तकुमार	२०	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री सुमनचन्द	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
६१८—	श्री प. जगराम गोलसिंधारे	८०	मुखिया	जैन प०	विदुर	महाजन
	श्री महेशकुमार	३८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, ग्वालियर ट्रंजरी
	श्रीमती शान्तीदेवी	३४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सनदकुमार	१८	पौत्र	B. Sc. II	अवि.	
६१९—	श्री द्वारकाप्रसाद बरैया	१६	मुखिया	एम. कॉम.	वि.	सर्विस, महिला बुनियादी शिक्षण,
	श्रीमती कमलादेवी	२३	पत्नी	विद्याविनोदनी	वि.	संस्था ग्वालियर
६२०—	श्री दुर्गेशकुमार जैतवाल	३७	मुखिया	एम. ए.	वि.	प्रधानाध्यापक, तिलक नगर
	श्रीमती बनमालादेवी	३३	पत्नी		वि.	
६२१—	श्री शंकरलाल गोयल	३४	मुखिया		वि.	एडवोकेट
	श्रीमती उमादेवी	३०	पत्नी		वि.	
६२२—	श्री गुलाबचन्द बघेरवाल	३६	मुखिया	मिडिल	वि.	शेफ, इन्स्पेक्टर, सी. टी. आई.,
	श्रीमती रामश्रीदेवी	३०	पत्नी		वि.	स्टेशन रोड
ललितपुर कॉलोनी—						
६२३—	श्री एन० के० जैन	२०	मुखिया	ग्यारवीं	वि.	अध्यापक
	श्रीमती आई. के. जैन	१७	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री एस. के. जैन	१६	माई	बी. एस-सी.	अवि.	
	श्री बी. के. जैन	२६	माई	हा० से०	अवि.	
जिम्सी नाला, हाईकोर्ट—						
६२४—	श्रीमती चम्पाबाई बरैया	४५	मुखिया		विधवा	कुटी, आटे की व दूध की दुकान
६२५—	श्री सूरजमल बरैया	४०	मुखिया		वि.	अत्तार, दुधरात पुल के पास

जिन्सी नाला, हाईकोर्ट, लहकर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	मिला	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती नर्मदा	३५	पत्नी		वि.	
	श्री कुलदीप कुमार	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री मानिकचन्द	४५	भाई		वि.	टेला मोमबा
	श्रीमती लच्छोबाई	४०	भाई बन्धु		वि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	१५	भाई पुत्र		अवि.	
	श्री असोककुमार	२८	भाई		वि.	सर्विस-भाटे की बक्की पर,
	श्रीमती चमेलीबाई	२५	भाई बन्धु		वि.	जिन्सी नाला
६२६—	श्री बाबूलाल बरैया	५०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती चमेलीदेवी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री हृकमचन्द	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	मुन्गी (मदनमोहन कौशिक,
	श्रीमती कलावती	२५	पुत्रबन्धु		वि.	एडबोकेट के बर्ही)
	श्री हेमचन्द	२०	पुत्र	हा० से०	वि.	कन्डक्टर
	श्रीमती मुन्नीदेवी	१८	पुत्रबन्धु		वि.	
६२७—	श्री कामताप्रसाद बरैया	४०	मुखिया		विधुर	असार, हुजरात पुल के पास
	श्री नन्नु लाल	२०	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विस-सनातन बर्म कन्वा जूनियर
	श्री चन्द्रशेखर	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	कॉलेज, बर्म मंदिर मार्ग, लहकर
६२८—	श्री कैलाशचन्द बरैया	४५	मुखिया		वि.	सर्विस, मेसर्स द्वारकादास पुरपोलम
	श्रीमती कुन्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	दास, १३ बली वाले, सराफा बाजार
	कुमारी उर्मिला	१४	पुत्री	६ वीं	अवि.	
६२९—	श्री रोशनलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस, रामस्वरूप मदनलाल,
	श्रीमती कलावती	३२	पत्नी		वि.	माघबमन
६३०—	श्री लालचन्द बरैया	२९	मुखिया		वि.	सर्विस, मेसर्स पन्नालाल रोसलाल,
	श्रीमती गीलाबाई	२५	पत्नी		वि.	दालबाजार
६३१—	श्री मुकन्दीलाल बरैया	४५	मुखिया		वि.	भाटे की बक्की, ग्वालियर
	श्रीमती मुकन्दीलाल	४०	पत्नी		वि.	
६३२—	श्री शिवकुमार बरैया	२०	मुखिया		वि.	जैन भोजनालय, जिन्सी नाला,
	श्रीमती रज्जोबाई	४०	माँ		विधवा	लहकर
६३३—	श्री मोहनलाल बरैया	५५	मुखिया		वि.	जैन रेस्टोरेंट, जिन्सी नाला
	श्रीमती कलावती	४८	पत्नी		वि.	
	श्री शंकरलाल	३३	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती शान्तीदेवी	२५	पुत्रबन्धु		वि.	
	श्री रमेशचन्द	३०	पुत्र	मिडिल	वि.	

शुभ कामनाओं सहित:-

फोन नं. {२२६३
२८२१

गंगवाल
इण्डस्ट्रीज
लश्कर, ग्वालियर

फोन नं. ५७७

मे. गनेशीलाल फूलचन्द

होल सेल क्लोथ मर्चेन्ट

नया बाजार, लश्कर

जिल्हे नावा, हाईकोर्ट, लवकर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	लिङ्ग	पैदाहिक स्थिति	माजीविका विवरण
	श्रीमती कमलश्री	२५	पुत्रवधू	६	श्री वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	५३	आई वधू		विधवा	
६३४—	श्री अमरचन्द जैसवाल	४५	मुलिया	M. A., LL. B.	वि.	प्रोफेसर, राजकीय कायदा, गवर्मेन्ट, कॉलेज, भिन्ड
	श्रीमती बसन्तीदेवी	४२	पत्नी		वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
	श्री महेशकुमार	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
६३५—	श्री रोगनलाल पद० परवाल	५५	मुलिया		वि.	इंजिनियर, कैलाश लॉक, पाटनकर,
	श्रीमती मालादेवी	४०	पत्नी		वि.	बाजार लवकर
	श्री सतीशचन्द	२३	पुत्र	मिडिल	वि.	वाट का ठेका
	श्रीमती कंचनदेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री महेशचन्द	१६	पुत्र		वि.	
शिन्डे की छावनी :—						
६३६—	श्री गुलाबचन्द लमेचू	३६	मुलिया	मिडिल	वि.	दुकान-सुगर कन्ट्रीन
	श्रीमती बसन्तीदेवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	पुत्र	ग्यारवी	अवि.	
६३७—	श्री बाबूलाल जैसवाल	५०	मुलिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती अंगूरीदेवी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	२१	पुत्र	ग्यारवी	वि.	
	श्रीमती मुन्नीदेवी	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री रमेशचन्द	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६३८—	श्री बनारसीदास अगवाल	६१	मुलिया	हाई स्कूल	वि.	रिटायर्ड-पोस्ट मास्टर
	श्रीमती सरस्वती देवी	५८	पत्नी		वि.	
	श्री रघुवीरप्रसाद	३६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	पोस्ट मास्टर, R.P.O., ग्वालियर
	श्रीमती डा० सुसीलादेवी	३८	पुत्रवधू	M.D.H. विभाग	वि.	जैन होम्योपैथिक मेडीकल हॉल,
	श्री विनोदकुमार	२१	पौत्र	B. Sc.	अवि.	रामदास बाटी, लवकर
	श्री सन्तोषकुमार	१८	पौत्र	B. A.	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१६	पौत्र	ग्यारवी	अवि.	
	श्रीमती मधु	२३	पौत्री	M.A. कम्प्युटर	वि.	
	श्री प्रमोदकुमार	२१	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६३९—	श्री ग्यासीलाल जैसवाल	३०	मुलिया	छठवीं	वि.	ठेका
	श्रीमती मोनादेवी	२५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती ज्योतीदेवी	६०	मां		विधवा	

शिन्हे की छावनी, लहकर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६४०—	श्री राजेन्द्रप्रसाद जैसवाल	२५	मुलिया	M.Com.	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस, जाधव
	श्रीमती सीमादेवी	२०	पत्नी	हाई स्कूल	वि.	महल
६४१—	श्री गोविंदीलाल जैसवाल	६०	मुलिया		वि.	
	श्रीमती किम्बोदेवी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री विविचन्द्र	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस-बीज भंडार, ग्वालियर
	श्रीमती सान्तीदेवी	२६	पुत्र बच्चा		वि.	
	श्री भागचन्द	२७	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती फूलोदेवी	२४	पुत्रबच्चा		वि.	
	श्री पदमचन्द	२३	पुत्र	पाचवी	अवि.	
	श्री प्रीतमचन्द	२०	पुत्र		अवि.	
६४२—	श्री बाबूलाल	५६	मुलिया		वि.	
	श्रीमती पदमादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री मुकालाल	१८	पुत्र		अवि.	
६४३—	श्री नरेशचन्द	३५	मुलिया	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती नरेशचन्द	३०	पत्नी		वि.	
	कु० मालती	१४	पुत्री		अवि.	
	श्री रमेशचन्द	३२	भाई	मेट्रिक	अवि.	
शिन्हे की छावनी, हनुमान घाटी :—						
६४४—	श्री बंगालीबाबू जैसवाल	२८	मुलिया	मिडिल	वि.	हुकानदारी
	श्रीमती प्रेमवती	२६	पत्नी		वि.	
	श्री कीर्तुरीलाल	२५	भाई	मिडिल	वि.	
	श्रीमती मुन्नीदेवी	२२	भाई बच्चा		वि.	
	श्री रामदयाल	५५	पिता	छटी	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	५०	मां		वि.	
	श्री शंकरपाल जैसवाल	५५	मुलिया		वि.	किराना मर्चेंट
	श्रीमती चमेलीदेवी	३६	पत्नी		वि.	
	श्री दर्शनलाल	२४	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती बलामोदेवी	२२	पुत्रबच्चा		वि.	
	श्री नेमीचन्द	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६४५—	श्री छोटेला जैसवाल	४०	मुलिया	मिडिल	वि.	सेती
	श्रीमती शकुन्तला	३६	पत्नी		वि.	
	श्री किशोरचन्द	२१	पुत्र	B. A. II	वि.	सर्विस-फ्रेन्ड्स कोलापरेटिव स्टोर्स,

शिबे की छावनी, हनुमान घाटी, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	व्यावसायिक विवरण
	श्रीमती मुन्नीबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पुत्र		अवि.	
६४६—	श्री श्रीरेन्द्रकुमार प. परवाल	३५	मुखिया	बी. ए.	वि.	सुपरवाइजर-सेन्ट्रल टेलिग्राफ आफिस, जयपुरगंज
	श्रीमती राजकुमारी	३२	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री विजेन्द्रकुमार	२१	भाई	B. E. IV	अवि.	
६४७—	श्री प्रकाशचन्द पया. परवार	३२	मुखिया	बी. ए.	वि.	' केथिवर-यूनाइटेड कामशिवल बैंक, सराफा बाजार
	श्रीमती प्रकाशदेवी	२८	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
६४८—	श्री गोपीलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	दिनेश बी स्टोर्स, जिन्दे की छावनी
	श्रीमती सद्गुदाबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती अशरफीबाई	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	सातवीं	अवि.	
६४९—	श्री बिरोडीलाल जैसवाल	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	जैन रेस्टोरेन्ट, जिन्दे की छावनी
	श्रीमती बमेलीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री भान्सीलाल	३०	पुत्र	मिडिल	वि.	सेतीबाड़ी
	श्रीमती नारायणीबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री गुलजारीलाल	२३	पुत्र	बी. ए., बी. एड.	वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	२१	पुत्रवधू	बिद्याविनोदनी	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६५०—	श्री पोथीराम जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	श्री महावीर फ्लोर मिल, जिन्दे की छावनी
	श्रीमती अजुढीबाई	४८	पत्नी		वि.	
६५१—	श्री शंकरलाल चौधरी	४५	मुखिया		वि.	डाइवर-बम्बल केनाल विभाग
	श्रीमती कीसावती	३८	पत्नी		वि.	
	श्री अनिलकुमार	२१	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	मुन्नी
	श्रीमती चम्पाकिरण	१६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
६५२—	श्री केशरीलाल बरवा	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	परिचालक-एम. पी. आर. एस. टी.
	श्रीमती रामकलीबाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्री सुगनचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६५३—	श्रीमती अंगूरीबाई	३८	मुखिया		विधवा	पान की दुकान
	श्री अशोककुमार	१२	पुत्र		अवि.	

शुभकामनाओं सहित :—

फोन नं० ५०

मुरेना आयरन एन्ड स्टील इन्डस्ट्रीज

परगज, छुरी, वस्तुआ, फाल, कीलें, कुन्दा, चून,
हुंनर, गेंदी इत्यादि के निर्माता

जीवाजीगंज रोड, मुरेना

व

फोन नं० ७२१

बन्शीधर विमलचन्द जैन

आयरन मर्चेन्ट, छोहिया बाजार, लखर

फोन नं० २००६

शुभकामनायें अर्पित करते हूँ :—

मे. रतीलाल बेचरदास

मोटर पार्टस बिक्रेता, सराफा बाजार, लखर
पेट्रोल पम्प, महारानी लक्ष्मीबाई रोड, लखर

ए व म्

फोन नं० १६८६

ग्वालियर मोटर हाऊस

जयसुन्दरगंज, लखर

मोटर पार्टस् एवं टायर ट्यूब बिक्रेता

शिंदे की छावनी, हनुमान घाटी, लखर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६५४—	श्री छोटेला परवार	२७	मुलिया	M. Com.	वि.	सर्विस-लेन्ड रिकार्ड्स
	श्रीमती सुशीलाबाई	२३	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
६५५—	श्री दशंतल बरैया	४०	मुलिया		वि.	हलवाई की दुकान
	श्रीमती अंगूरीबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री फूलचन्द	५२	भाई		अवि.	
६५६—	श्री बाबूलाल बरैया	४५	मुलिया		अवि.	बाबूलाल ओडेवाल, किराना मर्चेन्ट
	श्री ओखेलाल	४२	भाई		वि.	शिन्दे की छावनी
	श्रीमती सुशीलाबाई	२५	भाई वधू		वि.	
६५७—	श्रीमती जमनाबाई बरैया	५५	मुलिया		विधवा	
६५८—	श्री चिरंजीलाल बरैया	६०	मुलिया		वि.	हलवाई की दुकान, शिन्दे की
	श्रीमती ग्यासोदेवी	५५	पत्नी		वि.	छावनी
	श्री पूरनचन्द	४०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती शकुन्तादेवी	२७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बाबूलाल	३७	पुत्र	इन्टर	वि.	किराना जनरल स्टोर्स, शिन्दे की
	श्रीमती सुलदेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	छावनी
	श्री जगदीशचन्द	३४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	१८	पुत्रवधू		वि.	
६५९—	श्री घनसुन्दरलाल बरैया	४२	मुलिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री अशोककुमार	१५	पुत्र	छठीं	अवि.	
	कु. शकुन्तला	१४	पुत्री	छठीं	अवि.	
६६०—	श्री नवलकिशोर बरैया	२८	मुलिया	मेट्रिक	वि.	नवलकिशोर रामकिशोर, किराना
	श्रीमती दक्खोबाई	२५	पत्नी		वि.	मर्चेन्ट, शिन्दे की छावनी
६६१—	श्री काशीराम बरैया	३६	मुलिया	सातवीं	वि.	हलवाई
	श्रीमती सुशीलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	कु० कमला	१४	पुत्री	सातवीं	अवि.	
६६२—	श्री भागीरथ बरैया	२५	मुलिया		वि.	घाट भण्डार
	श्रीमती बरामोदेवी	२१	पत्नी		वि.	
	श्री चन्नालाल	२२	भाई		अवि.	
	श्रीमती गोमतीबाई	५०	मां		विधवा	
६६३—	श्री गनपतलाल बरैया	४२	मुलिया		विधुर स्वास्तिक जनरल स्टोर्स, कालका बाजार	
	श्री अनन्त कुमार	२३	पुत्र	एम. एससी.	वि.	सर्विस-ए० जी० आफिस

शिन्धे की छावनी, लखर

परिवार संख्या	नम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सुशीलादेवी	१६	पुत्रवधू	सातवी	वि.	
	श्री केशरीमल	२१	पुत्र	एफ० ए०	वि.	सर्विस-सी० ओ० डी०, भागरा
	श्रीमती सुशीलादे	१८	पुत्रवधू	सातवी	वि	
	श्री पदमचन्द	१८	पुत्र बी०	एससी० I	अवि	
६६४—	श्री हरमाल बरैया	५६	मुलिया		वि.	
	श्रीमती प्रकाशवती	४०	पत्नी		वि.	
	श्री नयनमाल	१६	पुत्र	एफ० ए०	वि.	सर्विस-कोआपरेटिव बैंक, गोहद
	श्रीमती रामादेवी	१७	पुत्र वधू	छठी	वि.	
६६५—	श्री मुरारीमाल गोमालारे	४३	मुलिया	एफ० ए०	वि.	एकाउन्टेन्ट-यू० को० बैंक, सराका
	श्रीमती बनोबाई	३५	पत्नी		वि.	बाजार
	कु० ऊवारानी	१६	पुत्री	ग्यारवीं	अवि.	
६६६—	श्री मुन्नीमाल गोमालारे	३३	मुलिया	मिडिल	वि.	हलवाई
	श्रीमती मायादेवी	२८	पत्नी		वि.	
६६७—	श्री गुलाबचन्द लारीजा	४५	मुलिया		वि.	मैनपुरी तम्बाकू
	श्रीमती पदमश्री	३३	पत्नी		वि.	
	श्री सुभाषचन्द	१८	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री प्रभातचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
६६८—	श्री राजाराम जंसमाल	६५	मुलिया		विधुर	नमकीन का ठेला
	श्री किशोरीलाल	४०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती गोरीबाई	२५	पुत्र वधू		वि.	
६६९—	श्री जगदीशकुमार पाटनी	२६	मुलिया	एम० ए०	विधुर	सर्विस-युनाइटेड कॉमर्सियल बैंक
६७०—	श्री सुमनकुमार पाटनी	३६	मुलिया	सातवीं	वि.	तेल और बी का व्यवसाय
	श्रीमती कुन्धादेवी	३०	पत्नी	सातवीं	वि.	
६७१—	श्री प्रकाशचन्द पाटनी	४०	मुलिया	मेट्रिक	वि.	मुल्लाल प्रकाशचन्द, किराना
	श्रीमती कन्धनबाई	३५	पत्नी.	मिडिल	वि.	स्टोर्स शिन्धे की छावनी
	श्री राजकुमार	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० शोभारानी	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	कु० सुषमारानी	१४	पुत्री	पांचवीं	अवि.	
६७२—	श्री देवेन्द्रकुमार कासलीवाल	३०	मुलिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-मंगमाल फेक्ट्री
	श्रीमती पुष्पादेवी	२६	पत्नी	नवीं	वि.	
	श्री आनिलकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती चंदादेवी	६०	मां		विधवा	

शिक्षण की छावनी, लखनऊ

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६७३—	श्री कमलचन्द कासलीवाल	२८	मुलिया	बी० ए०	वि.	सर्विस-मू. की बैंक, नया बाजार
	श्रीमती कुसुम	२२	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
६७४—	श्री सुरेन्द्रकुमार	३३	मुलिया	सातवीं	वि.	
	श्रीमती मुन्नीदेवी	२६	पत्नी		वि.	
	श्री सतीशचन्द	१८	माई	D.M.E., B.E. III	अवि.	
	श्रीमती अगूरीबाई	६०	मां		विधवा	
६७५—	श्री करणसिंह जैसवाल	५०	मुलिया		वि.	व्यापार
	श्रीमती घन्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्रीकपूरचन्द	३०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती राजवती	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री भागचन्द	२५	पुत्र		वि.	
	श्रीमती प्रकाशवती	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रामभरोसी	२२	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस-विद्यकी फॅक्ट्री
	श्रीमती मुन्नीबाई	१८	पुत्र वधू		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१८	पुत्र		अवि.	
६७६—	श्री यतीन्द्रकुमार परजीवाल	३२	मुलिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-रेलवे स्टेशन, ग्वालियर
	श्रीमती सरोजकुमारी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
६७७—	श्री चम्पालाल लमैचू	५६	मुलिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती राजमती	५६	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	३०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती कुमुदनी	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री उपसेन	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सावित्री	२३	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	१९	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती बीरेन्द्रकुमार	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री विनोदकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६७८—	श्री कपूरचन्द लमैचू	४७	मुलिया	सातवीं	वि.	कपूरचन्द विनोदकुमार, मिष्ठान
	श्रीमती कैलाशीबाई	४०	पत्नी		वि.	मन्डार
	श्री विनोदकुमार	१६	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री अमोदकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती जैनाबाई	७०	मां		विधवा	

स्थापित सं० १९६५

फोन नं० : २०७९

हार्दिक शुभकामनायें अर्पित करते हुए—

मस्तुत करते हैं !

सोना, चांदी व उसके आधुनिक आभूषण

नमूने के अनुसार सुन्दर आभूषण बनवाईयेगा

जौहरी रिववदास मोतीलाल जैन (धरमोदी, वाले)

सराफा बाजार, लश्कर-ग्वालियर

फोन नं० २२८०

- ① टाटा आयरन एण्ड स्टील कंपनी लि०
- ① स्टील कारपोरेशन ऑफ बंगाल लि०
- ① वि इन्डिया आयरन स्टील कंपनी लि०
- ① इन्डियन टूयब कंपनी लिमिटेड के

स्टाकिस्ट →

चन्दरलाल गप्पुलाल

मर्चेण्ट्स एण्ड कन्ट्राक्टर्स, इम्पोर्टर्स एण्ड एक्सपोर्टर्स

डीडवाना ओली, ग्वालियर-२

अपनी शुभ कामनायें पेश करते हैं !

शिन्दे की छावनी, सहकार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६७६—	श्री ग्यासीलाल जैसवाल	६२	मुखिया		विधुर	जैनग्रन्थ भण्डार, शिन्दे की छावनी
	श्री टीकाराम	४०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती बाबामीबाई	३६	पुत्रवधू		वि.	
६८०—	श्री कपूरचन्द लमेचू	४०	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती कुसुमदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री गोरेलाल	३५	भाई	नवीं	वि.	
	श्रीमती शीलादेवी	३०	भाई वधू		वि.	
६८१—	श्री श्रीचन्द लमेचू	४०	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती पुष्पलता	३०	पत्नी		वि.	
	श्री हृदयकुमार	१४	पुत्र	सातवीं	अवि.	
६८२—	श्री स्वदेशीलाल लमेचू	३०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती दाक्षिणीदेवी	२५	पत्नी		वि.	
६८३—	श्री रामनाथ शिववारी जैसवाल	३५	मुखिया	पाँचवीं	वि.	छोटेला रामनाथ हलवाई, शिन्दे की छावनी-चौराहा
	श्रीमती मालतीदेवी	२५	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाश	२०	भतीजा	ग्यारवीं	अवि.	
६८४—	श्री रामप्रसाद कपरिया	४०	मुखिया		विधुर	हलवाई
	श्री बाबूलाल जैन	२२	भाई पुत्र	ग्यारवीं	वि.	भंग व गांजे के ठेकेदार
	श्रीमती पुष्पादेवी	२०	भाई पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्रीमती घनवन्ती	५०	भाभी		विधवा	
६८५—	श्री नेमीचन्द जैसवाल	२५	मुखिया	M.Com., LL.B.	वि.	प्रबन्धक—ग्वालियर जिला सहकारी भू-विकास बैंक
	श्रीमती कान्ताबाई	२०	पत्नी	इन्टर	वि.	

स्टेशनरोड, शिन्दे की छावनी:—

६८६—	श्री गनपतलाल जैसवाल	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	गनपतलाल पन्नालाल, किराना मर्चेन्ट, स्टेशनरोड, ग्वालियर
	श्रीमती लालोबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री पन्नालाल	३५	पुत्र	सातवीं	वि.	
	श्रीमती छोटीबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मांगीलाल	२५	पुत्र	नवीं	वि.	जैन जनरल स्टोर्स
	श्रीमती उमिलादेवी	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री मुन्नालाल	२३	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	
	श्रीमती शीलादेवी	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री स्वर्णचन्द	२०	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	१४	पुत्रवधू	ग्यारवीं	वि.	

शिबे की छावनी, स्टेशन रोड, लुकर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६५७—	श्री जवाहर राम	५०	मुखिया		वि.	किराना मर्चेट, श्रीकृष्ण धर्मशाला
	श्रीमती सरजूदेवी	४५	पत्नी		वि.	स्टेशन रोड, लुकर
	श्री मानिकलाल	२५	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती शारदादेवी	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री पन्नालाल	६०	भाई		वि.	
	श्रीमती राजमतीदेवी	४५	भाई वधू		वि.	
खन्नावन्दनी नाका: —						
६५८—	श्री रामसहाय	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-गवर्नमेंट रीजनल प्रेंस
	श्रीमती लीलावती	३५	पत्नी		वि.	
	श्री लक्ष्मीबाई	५५	बहिन		विधवा	
	श्री बाबूलाल	४०	भाई		अवि.	
६५९—	श्री भगवानलाल बरैया	५२	मुखिया		वि.	किराना मर्चेट
	श्रीमती आनन्दी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री रामप्रसाद	१६	पुत्र	ग्यारवी	अवि.	
६६०—	श्री ओमचन्द	२५	मुखिया	B. A., LL.B.	वि.	सर्विस-ए० जी० आफिस
	श्रीमती सुप्रभा	२०	पत्नी		वि.	
पाटनकर बाजार: —						
६६१—	श्री कन्हैयालाल गोयल	३३	मुखिया	एम० ए०	वि.	जैन पुस्तक सदन, पाटनकर बाजार
	श्रीमती निर्मलाकुमारी	३०	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
६६२—	श्री ओमप्रकाश अग्रवाल	३४	मुखिया	B. A., LL.B.	वि.	मेस. आर.एल.अग्रवाल एण्ड कम्पनी,
	श्रीमती मायादेवी	३०	पत्नी	मेट्रिक	वि.	वाटर प्रूफ एवं काई पेपर निर्माता
६६३—	श्री हरीशचन्द्र जैसवाल	३२	मुखिया	ग्यारवी	वि.	हरीशचन्द्र-हार्डवेयर मर्चेट, दीलत
	श्रीमती कमला देवी	२२	पत्नी	मिडिल	वि.	गंज
६६४—	श्री० बाबूलाल ओ पोरवाल	३०	मुखिया	M.Sc (एग्री.)	वि.	आस्थाता, कृषि महाविद्यालय
	श्रीमती फूलवती	२५	पत्नी	इन्टर	वि.	
६६५—	श्री सूरजमल	२५	मुखिया	B. A., LL.B.	अवि.	
६६६—	श्री प्रकाशचन्द्र बरैया	३८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	बजलाल प्रकाशचन्द्र, असार
	श्रीमती कमलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द्र	२४	भाई	सातवीं	वि.	
	श्रीमती निर्मलाकुमारी	१९	भाई वधू		वि.	
	श्री सुरेशचन्द्र	२१	भाई	B. A. II	अवि.	

पाठनकर बाजार, लखनऊ

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सरस्वतीदेवी	५६	मां		विधवा	
६६७—	श्री हजारीलाल बरैया	४५	मुखिया		वि.	नौकरी
	श्रीमती प्रेमाबाई	२६	पत्नी		वि.	
फालके का बाजार:—						
६६८—	प्रो० नरेन्द्रलाल जैन	३५	मुखिया	M Com., साहित्य	रत्न वि.	आनन्दभवन, व्याख्याता-स. ल. वा.
	श्रीमती मालतीदेवी जैन	२६	पत्नी	हायर सेकेन्ड्री	वि.	कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
	श्री ज्ञानचन्द्र	२०	मतीजा	B.Sc. II	अवि.	
	श्री रत्नचन्द्र	१४		मिडिल	अवि.	
६६९—	श्री बाबूलाल कागला	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मे० मायाचन्द्र मनेशराम
	श्रीमती मुन्नीबाई	४९	पत्नी		वि.	
	श्री हनुमन्चन्द्र	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	मे० हनुमन्चन्द्र विनोदकुमार,
	श्रीमती गिरजाकुमारी	२८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	साक्षान्न विक्रेता
	श्री विनोदकुमार	१७	पुत्र	ग्यारवी	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१४	पुत्र	दसवी	अवि.	
	श्रीमती अशर्फीबाई	७०	मां		विधवा	
७००—	श्री मनीराम लमेंचू	६०	मुखिया		वि.	जैन मिष्ठान्न भण्डार, फालका
	श्रीमती शान्तीबाई	४२	पत्नी		वि.	बाजार
	श्री धनपतलाल जैन	२५	पुत्र	B. Sc., LL.B.	वि.	
	श्रीमती अशोककुमारी	२२	पुत्रवधू		वि.	
७०१—	पं त्रिलोकचन्द्र शास्त्री जैस.	६५	मुखिया	पं० शास्त्री	वि.	साहूकारी, भूमिपति, स्थायी निवास
	श्रीमती राजमती	५८	पत्नी	मिडिल	वि.	छोपीटोला, आगरा
	श्री नवीनचन्द्र	२४	पुत्र	M. Com.	वि.	एकाउन्टेन्ट, अल्यूमीनियम कार-
	श्रीमती सरलारानी	२२	पुत्रवधू	B. A. II	वि.	पोरेशन ऑफ इण्डिया, कलकत्ता
	श्री विपिनचन्द्र	२२	पुत्र	बी. ए.	अवि.	
	श्री सुधीशचन्द्र	२१	पुत्र	बी. ए.	अवि.	
	श्री जिनेशचन्द्र जैन	१८	पुत्र	B. E. I	अवि.	
७०२—	श्रीमती शान्ती प्रेमचन्द्र जैस.	५५	मुखिया	मिडिल	विधवा	मे. ओषाराम प्रेमचन्द्र जैन,
	श्री रवीन्द्र "मालव"	२०	पुत्र	D.M.E. B.A., फिलारट	अवि.	मे० मालव ट्रेडर्स,
	श्रीमती ऊषा	१८	पुत्री	M. A. (Pol. Sc.)	वि.	
७०३—	श्री भूलचन्द्र, जंसवाल	५८	मुखिया	मिडिल	वि.	किशाना व्यापारी, हरलाल भूलचं
	श्रीमती शान्तीदेवी	५४	पत्नी		वि.	जैन, फालका बाजार

फालका बाजार, लहकर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री नरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	वस्त्र व्यापारी, मे० फूलचन्द्र नरेन्द्र
	श्रीमती मनोरमादेवी	२४	पुत्र	मिडिल	वि.	कुमार, फालके बाजार
	श्री ज्ञानचन्द्र जैन	२४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	अनाज व्यापारी—मे० फूलचन्द्र
	श्रीमती चन्द्रमुखी	२३	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	ज्ञानचन्द्र
	श्री मानिकचन्द्र	२१	पुत्र	B. Com. III	वि.	सर्विस-सेल्स मैन-लिपटन टी कं०
	कु० लक्ष्मी	१४	पुत्री	नवमी	अवि.	
७०४—	श्री बुद्धसैन	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	हुण्डी के दलाल
	श्रीमती सुशीलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द्र	२३	पुत्र	B. Com. III	अवि.	
	कु० माया	१६	पुत्री	ग्यारवी	अवि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	नवमी	अवि.	
७०५—	श्री मोहनलाल जैसवाल	७७	मुखिया		विधुर	कास्तकारी
	श्री लक्ष्मीचन्द	६०	दामाद		विधुर	
	श्री कैलाशचन्द	४०	धेवता	मेट्रिक	वि.	दिनेश ओटोमोबाइल्स, पाटनकर,
	श्रीमती सुलोचना	३५	धेवता वधू	मिडिल	वि.	बाजार
	श्री कुशलचन्द	२५	धेवता	B. Sc. I	वि.	
	श्रीमती स्वरूपदेवी	२०	धेवता वधू		वि.	
	कु० चन्द्रलेखा	१६	धेवता पुत्री	ग्यारवी	अवि.	
	श्री दिनेशचन्द	१५	धेवता पुत्र		अवि.	
जरी पटका, फालका बाजार:—						
७०६—	श्री बाबूलाल जैसवाल	२८	मुखिया	मिडिल	अवि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स, ग्वालियर
	श्री शिवचरणलाल	२६	भाई		वि.	जैन साइकल स्टोर्स, फालके बाजार
	श्रीमती यशोदा देवी	५५	मां		विधवा	
७०७—	श्री ग्यासीराम जैसवाल	५८	मुखिया		वि.	
	श्रीमती पार्वतीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री ग्यासीलाल	३५	दामाद		वि.	
	श्रीमती प्रेमबाई	३२	पुत्री		वि.	
	कु० लक्ष्मीबाई	१४	नातिनी		अवि.	
कमलसिंह का बाग, शिन्धे की छावनी:—						
७०८—	श्री फुन्टीलाल गोलसिंहारे	४५	मुखिया		वि.	कन्ट्रोल की दुकान
	श्रीमती रामवती	३५	पत्नी		वि.	

कमलसिंह का बाग, सिंदी की छावनी, लखनऊ

परिवार संस्था	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री रामबाबू	२७	भाई		विधुर	नौकरी
	श्री किशनलाल	२५	पुत्र		विधुर	
	श्रीमती किशनलाल	२२	पुत्रवधू		वि.	किराना व्यापारी — किशनलाल
	श्री जयकुमार	२१	पुत्र		वि.	किराना मर्चेट, फालके बाजार
	श्रीमती जयकुमार	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री राजकुमार	१८	पुत्र		वि.	
	श्रीमती राजकुमार	१५	पुत्रवधू		वि.	
७०६—	श्री जवाहरलाल जैन	३५	मुखिया	M.B., B.S.	वि.	हॉस्पिटल, प्रेमनगर लेडापति
	श्रीमती गुणवती	५४	मां		विधवा	कालोनी
	श्रीमती आशा	२५	पत्नी	बी. ए.	वि.	
	प्रो० चन्द्रकान्त	२५	भाई	M.Sc (Ag.) LL.B.	अवि.	व्यक्त्याता ऐग्रीकलचर कालेज,
	श्री सूर्यकान्त	२३	भाई	B. Sc. (Ag.)	अवि.	
	कु० कमला	३०	बहिन	एम. ए.	अवि.	शासकीय सेवा, भोपाल
	कु० कृष्णा	२४	बहिन	M.A., (Pol) Sc.	अवि.	
	डा० कस्तूरचन्द	३४	मामा	M. B. B. S.	अवि.	टी. टी. नगर अस्पताल, भोपाल

सरफा बाजार:—

७१०—	श्री काशीराम बैरैया	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	जन व विद्युत. बिज डिप्लोमेट
	श्रीमती कस्तूरी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री नरथीलाल	१४	पुत्र		अवि.	
७११—	श्री भंवरलाल साहू	४६	मुखिया	M. Com., LL.B.	वि.	एकाउण्टेन्ट-बैंक ऑफ बड़ौदा
	श्रीमती कमलादेवी	४०	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
७१२—	रिखचन्द्र बड़जात्या	४२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती शांतीबाई	३७	पत्नी		वि.	विक्रय-विभाग, बिरलानगर
	श्री श्यांसकुमार	२०	पुत्र	B. E. Final	अवि.	
	कु० अनिता	१८	पुत्री	B. A. II	अवि.	
	श्री उदककुमार	१७	पुत्र	B. Sc. II	अवि.	
	कु० मन्जु	१४	पुत्री	नवीं	अवि.	
७१३—	श्री प्रेमचन्द बैरैया	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	
७१४—	श्री बीरेन्द्रकुमार जैसवाल	२३	मुखिया	बी. ए.	वि.	सर्विस-ए० जी० ऑफिस
	श्रीमती ऊषा	२०	पत्नी	एक. ए.	वि.	

सराभा बाजार, माधवगंज, बौलतगंज, लखर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	माजीविका विवरण
	श्रीमती सुखदेवी	५५	मा		विधवा	
७१५—	श्री तेजकुमार गंगवाल	२६	मुलिया	एम. ए.	वि.	सर्विस-सोशल बेल फेयर डिपॉ०
	श्रीमती ऊषाकुमारी	२५	पत्नी	एक ए.	वि.	छत्री रोड, लखर
	श्री दुलीचन्द	२८	भाई	मिडिल	अवि.	
	श्री जिनेन्द्रकुमार	२६	भाई	एफ. ए.	अवि.	मरीना जनरल स्टोर्स,
	श्री रूपचन्द	२४	भाई	एफ. ए.	अवि.	सराभा बाजार, फो० नं० २६३५
	श्री हुकमचन्द	२३	भाई	हायर सेकन्ड्री	अवि.	
	श्रीमती कमलाबाई	५०	मा		विधवा	
७१६—	श्री सीभागमल विशायका	४६	मुलिया	एफ. ए.	वि.	सर्विस-बिजली घर
	श्रीमती कमलाबाई	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री प्रमोदकुमार	२५	पुत्र B. Sc.(Engg)	वि.		व्याख्याता-माधव इन्जीनियरिंग
	श्रीमती हेमलता	१८	पुत्र वधू	मेट्रिक	वि.	कालेज, ग्वालियर
	श्री विनोदकुमार	२१	पुत्र M. B. S. IV	अवि.		
७१७—	श्री पारसमल अत्रीमोड़ वैश्य	३३	मुलिया	M.Sc.	वि.	व्याख्याता, कृषि महाविद्यालय,
	श्रीमती मनोरमा	२६	पत्नी	मिडिल	वि.	नई सड़क, लखर
माधव गंज:—						
७१८—	श्री बुद्धामल बरैया	४०	मुलिया		वि.	पुटकर व्यवसाय
	श्रीमती कमलाबाई	३५	पत्नी		वि.	
७१९—	श्री पंचमलाल बरैया	२४	मुलिया		वि.	टेलर-फर्न, माधोगंज
	श्रीमती बिमलादेवी	२२	पत्नी		वि.	
७२०—	श्री केशरीमल बरैया	२०	मुलिया		वि.	साईकिल रिपेयरिंग, बालबाजार
	श्रीमती केशरीमल	१८	पत्नी		वि.	
	श्री सुपाश्वचन्द	१७	भाई		वि.	कम्पोजीटर एव टेलर
	श्रीमती सुपाश्वचन्द	१५	भाई वधू		वि.	
	श्रीमती कलावती	४०	मा		विधवा	सर्जि-स-मे० चंवरमाल गप्पूलाल
७२१	श्रीमती पुनियाबाई	५५	मुलिया		विधवा	साहूकारी, लेन, देन
बौलतगंज:—						
७२२—	श्री सन्तोषकुमार सेठी	१८	मुलिया B. Com.II	अवि.		स्थाई निवासी कलकत्ता
	श्रीमती कमलादेवी	३८	मा		वि.	
७२३—	श्री सुरेन्द्रकुमार जैसवाल	२५	मुलिया	एम. कॉम.	वि.	सर्विस. ए० जी० ऑफिस
	श्रीमती कमलादेवी	२२	पत्नी	बी० ए०	वि.	

दिगम्बर जैन-समाज, ग्वालियर

(१४ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का विवरण)

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
मोहल्ला सच्चाराम :-						
७२४—	श्री गोपीचन्द जैसवाल	४३	मुखिया	मिडिल	वि.	सवित-जे० सी० मिस्त
	श्रीमती जेनोबाई	३३	पत्नी		वि.	
७२५—	श्री मन्वीलाल जैसवाल	४३	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती जलदेवी	४२	पत्नी		वि.	
	श्री मुसालाल	३०	पुत्र		अवि.	सविज्ञ
७२६—	श्री बलवन्तराम जैसवाल	६३	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	५३	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२२	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सुगनाबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
७२७—	श्री रामजीदास अग्रवाल	२८	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती रामजीदास	२३	पत्नी		वि.	
लोहामण्डी :-						
७२८—	श्री अरविन्द्र कुमार	३८	मुखिया		वि.	सवित-जे० सी० मिस्त, बिरला नगर
	श्रीमती अरविन्दकुमार	३३	पत्नी		वि.	
	श्री महेशकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
	श्री सोहनलाल	३३	भाई		वि.	
	श्रीमती सोहनलाल	२८	भाई वधू		वि.	
	श्री सुनीलकुमार	१८	भाई		अवि.	
७२९—	श्री शंकरलाल जैसवाल	३३	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती शंकरलाल	१८	पत्नी		वि.	
७३०—	श्री सच्चाराम जैसवाल	६३	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती रक्कीबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री सान्दीप्रसाद	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	

टेलीफोन { दुकान २१६१
घर २६७१

गोपीलाल लखमीचन्द सराफ

थोक सोना एवं चांदी के जेवरों के व्यापारी
सराफा बाजार, लखनऊ

हमारी दुकान की विशेषताएँ:—

- * नेवरी * आमला * कड़ी
- * करघोनी * ककना * मनोला
- * पाजेब :—मद्रासी, कोलापुरो डेमलकटी, ग्रहमदाबादी
- * घुघरू * बिक्रुए इत्यादि हर समय तैयार मिलते हैं।

मुख्य मोहर:—

मोलीलाल बाबूलाल तथा गो. ल. देखकर ही खरीदिये।

स्थापित : १९१०

फोन नं० : २०६४

ग्वालियर गोटा फैक्टरी

सराफा बाजार, ग्वालियर-१

हमारे यहाँ,

शादी, विवाह इत्यादि के अवसर के लिये
जरूरीजी काम की कलात्मक

■ साड़ियाँ ■ ब्लाउज पीसेज ■ शाल आदि

हमेशा तैयार रहते हैं।

कृपया सेवा का अवसर दें !

सीहामण्डो, न्वासियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती गुणमाला	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री अशोककुमार	१८	पुत्र		अवि.	
७३१—	श्री ग्यासीराम जैसवाल	८३	मुखिया		वि.	तेल मिल
	श्रीमती रामोबाई	६३	पत्नी		वि.	
	श्री प्रभूदयाल	५८	पुत्र		अवि.	
७३२—	श्री मन्वकिशोर जैसवाल	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती रूपकुमारी	३८	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	१८	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री आदीशकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
७३३—	श्री जीताराम जैसवाल	३८	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल
	श्रीमती चमेलीबाई	३३	पत्नी		वि.	
	कु० शकुन्तला	१७	पुत्री	मिडिल	अवि.	
७३४—	श्री श्रीचन्द जैसवाल	३८	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल
	श्रीमती गुलकन्दी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री दुलीचन्द	३०	भाई		वि.	
	श्रीमती सावित्रीबाई	२८	भाई वधू		वि.	
७३५—	श्री प्यारेलाल जैसवाल	६८	मुखिया	सातवी	विधुर	सर्विस-जे० सी० मिल
७३६—	श्री नेमीचन्द जैसवाल	४३	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल
	श्रीमती बैकुण्ठीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	कु० जगदानदेई	१८	पुत्री		अवि.	
	कु० ओमवती	१४	पुत्री		अवि.	
	श्री जमनाप्रसाद	३५	भाई		अवि.	सर्विस-जे० सी० मिल
	श्री रामनिवास	२७	भाई		अवि.	
	श्रीमती बबानीबाई	६८	मा		विधवा	
७३७—	श्री हरीशचन्द जैसवाल	४३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल
	श्रीमती कान्हीदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री अनिलकुमार	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री पवनकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
	कु० सरिता	१६	पुत्री		अवि.	
७३८—	श्री मंगलचन्द जैसवाल	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	रिटायर्ड-पटवारी
	श्रीमती मधुराबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री केशवचन्द	२०	पुत्र	इन्टर	अवि.	

सोहरामजी, भालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री लक्ष्मीनारायण	१८	पुत्र		अवि.	
७३६—	श्री भूवचन्द जैसवाल	३३	मुखिया		वि.	सविस-जे० सी० मिस्स
	श्रीमती बैकुण्ठीबाई	२८	पत्नी		वि.	
	श्री हरप्रसाद	३५	भाई		अवि.	
	श्रीमती राजोदेवी	५८	मां		विधवा	
७४०—	श्री श्रीगुरीमल जैसवाल	५६	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती कपूरीदेवी	४३	पत्नी		वि.	
	श्री बंगालीप्रसाद	१६	पुत्र		अवि.	
	श्री लिवनारायण	१६	पुत्र		अवि.	
७४१—	श्री सुखलाल जैसवाल	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	गल्ला व्यवसायी
	श्रीमती रामश्री	४३	पत्नी		वि.	
	श्री विनेन्द्रकुमार	१७	पुत्र		अवि.	
	कु० माया	१५	पुत्री		अवि.	
७४२—	श्री नेमीचन्द जैसवाल	३३	मुखिया	मिडिल	वि.	गल्ला व्यवसायी
	श्रीमती मकुन्तला	३१	पत्नी		वि.	
७४३—	श्री हजारीलाल जैसवाल	६८	मुखिया		वि.	किराना व्यवसायी
	श्रीमती रामबाई	५६	पत्नी		वि.	
७४४—	श्री जगदीशलाल जैसवाल	८०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती रमकोबाई	७३	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	४८	पुत्र		वि.	सविस-जे० सी० मिस्स
	श्रीमती भगवतीबाई	४१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री अमलचन्द	२०	पौत्र		अवि.	
	श्री हुकमचन्द	१८	पौत्र		अवि.	
	श्री सुरेसचन्द	१५	पौत्र		अवि.	
७४५—	श्री ओखिलाल जैसवाल	४८	मुखिया		अवि.	सविस
७४६—	श्री नन्दकिशोर जैसवाल	७३	मुखिया		विधुर	आदत
	श्री पुरनचन्द	५३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती कलावती	४३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विमलचन्द	३२	पौत्र	ग्यारवी	अवि.	
	श्री भोमप्रकाश	१४	पौत्र		अवि.	
७४७—	श्री तुलसीराम जैसवाल	५३	मुखिया		वि.	किराना
	श्री महावीरप्रसाद	२१	पुत्र	एच. कॉम.	वि.	

लोहामण्डो, स्थालियर

परिवार संख्या	नाम	वयु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती महावीरप्रसाद	१६ पुत्रवधू		वि.	
७४८—	श्री मोतीलाल जगन्नाथ	७३ मुलिया		वि.	बस्त्र व्यवसायी
	श्रीमती "	६८ पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	५१ पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती "	४७ पुत्रवधू		वि.	
	श्री बंगालीप्रसाद	४३ पुत्र		वि.	
	श्रीमती "	३६ पुत्रवधू		वि.	
	श्री चन्द्रकुमार	३६ पुत्र	नवी	वि.	
	श्रीमती "	३४ पुत्रवधू		वि.	
	श्री विजयकुमार	३३ पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती "	३० पुत्रवधू		वि.	
	डा० महावीरप्रसाद	२६ पौत्र	M. Sc.	वि.	डिस्पेन्सरी-वेदापति कालोनी
	श्रीमती "	२४ पौत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री प्रविशमकुमार	२२ पौत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती "	१६ पौत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
७४९—	श्री मोतीलाल परवार	४३ मुलिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती चन्दनबाई	३३ पत्नी		वि.	
७५०—	श्री कस्तूरचन्द परवार	३८ मुलिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती शोलाबाई	२८ पत्नी		वि.	
७५१—	श्री बाबूलाल परवार	५१ मुलिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती रामश्रीदेवी	४५ पत्नी		वि.	
	श्री भगवानदास	२६ पुत्र		वि.	हलवाई
	श्रीमती कास्तादेवी	२५ पुत्रवधू		वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१६ पुत्र		अवि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	१५ पुत्र		अवि.	
	श्रीमती गेंदाबाई	७८ माँ		विधवा	
७५२—	श्री देवीराम परवार	४८ मुलिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती सूरिबाई	४१ पत्नी		वि.	
	श्री सुगनचन्द	२४ पुत्र	बी० कॉम०	वि.	मिलक—स्थालियर
	श्रीमती पुष्पाबाई	२२ पुत्रवधू		वि.	
	श्री जमुनाप्रसाद	२० पुत्र		अवि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१७ पुत्र	मेट्रिक	अवि.	

मोहामण्डो, ज्वालियर

परिवार संस्था	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री सुरेशचन्द्र	१५	पुत्र		अवि.	
७५३—	श्री भजनलाल जैसवाल	४५	मुखिया		वि.	गल्ला व्यवसाय
	श्रीमती भगवानदेवी	३८	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मालती देवी	२०	पुत्रवधू		वि.	
७५४—	श्री रामचन्द जैसवाल	३८	मुखिया		वि.	किराना व्यवसाय
	श्रीमती अशरफीदेवी	३३	पत्नी		वि.	
	कु. मनोरमा	१४	पुत्री		अवि.	
७५५—	श्री हीरालाल जैसवाल	४८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती कस्तूरीबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री जीवनलाल	२२	पुत्र		वि.	
	श्रीमती उमिलादेवी	३१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री लक्ष्मीचन्द	१७	पुत्र		अवि.	
	श्री पदमचन्द	१४	पुत्र		अवि.	

कोटा वाला मोहल्ला :—

७५६—	श्री बिहारीलाल जैसवाल	४२	मुखिया		वि.	अनाज का व्यवसाय
	श्रीमती अंगूरीबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री मुलालाल	१८	पुत्र		अवि.	
	श्री पदमचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
७५७—	श्री फूलचन्द जयवाल	५१	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती केशरबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नीलाल	३१	पुत्र		वि.	वस्त्र व्यवसाय
	श्रीमती कस्तूरीबाई	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री गणेशीलाल	२७	पुत्र	एम. कॉम.	वि.	सर्विस-ए० जी० अफिल
	श्रीमती अजलीदेवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१७	पुत्र	ग्याइवी	अवि.	
	श्री प्रेमचन्द	४३	आई		वि.	
	श्रीमती कटोरीबाई	३८	आतावधू		वि.	
	श्रीमती रामा	३३				
	कु० सीना	१४	पुत्री		अवि.	
	श्रीमती तुलसीबाई	६३	माँ		वि० ५१.	

कोटा जिला मोहल्ला, म्हालिमर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७५८—	श्री घन्नालाल जैन "धर्मवीर"	५८	मुखिया		वि.	व्यवसाय-गन्नामल घन्नालाल सराफ,
	श्रीमती रामस्वरूपीदेवी	५३	पत्नी		वि.	सराफा बाजार, लखर ।
	श्री अक्षयचन्द्र	३३	पुत्र	B.A., LL M.	वि.	व्याख्याता-विधि-विज्ञान, महारानी
	श्रीमती अमरफीदेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	लक्ष्मीबाई कालेज, म्हालिमर
	श्री अजितकुमार	२८	पुत्र	इन्टर	वि.	व्यवसाय-सराफ
	श्रीमती पुष्पादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
७५९	श्री मल्हारीलाल जैसवाल	६२	मुखिया		वि.	गल्ले का व्यवसाय
	श्रीमती पत्तोलाबाई	६०	पत्नी		वि.	
गंज :-						
७६०—	श्री किशोरीलाल अग्रवाल	४३	मुखिया	बी.ए.	वि.	लबिस, ए० जी० आफिस
	श्रीमती रामश्रीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री भरुसीलाल	३३	माई		अवि.	
	श्रीमती दुर्गाबाई	८३	मां		विधवा	
७६१—	श्री बोलेसाल जैसवाल	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	गल्ले का व्यापार
	श्रीमती रामश्रीबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	२१	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	विस्कुट व्यवसाय
	कु० सुलोचना	१७	पुत्री		अवि.	
	कु० रामोदेवी	१५	पुत्री		अवि.	
७६२—	श्री भोगीराम जैसवाल	५३	मुखिया	मिडिल	वि.	व्यवसाय कपड़ा
	श्रीमती सरमनीयाबाई	४२	पत्नी		वि.	
	श्री कुशलचन्द	२५	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	
	श्रीमती मुलीबाई	२९	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२३	पुत्र	B.Sc.	वि.	
	चन्द्रकान्ता	१७				
७६३—	श्री कुलचन्द जैसवाल	३३	मुखिया		वि.	हाटल व्यवसाय
	श्रीमती कमलादेवी	२१	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२८	माई		वि.	
७६४—	श्री चन्दनलाल	४२	मुखिया	मिडिल	वि.	गल्ले के व्यापारी
	श्रीमती सरवतीबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री कलहचन्द्र	२९	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मुलीबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	

गंज, पञ्जीयाड़ा, फोर्ट रोड—ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७६५—	श्री आनन्द जीसवाल	३५	मुलिया	मिडिल	वि.	कपड़े के व्यापारी
	श्रीमती जयकती	३३	पत्नी		वि.	
७६६—	श्री पूरुषन्द जीसवाल	५५	मुलिया		वि.	किराने के व्यापारी
	श्रीमती शांतीबाई	५३	पत्नी		वि.	
	कु० उमिला	१५	पुत्री		अवि.	
७६७—	श्री अजुदीप्रसाद जीसवाल	३८	मुलिया		वि.	हनवाई
	श्रीमती रामम्मी	३३	पत्नी		वि.	
पञ्जीयाड़ा :-						
७६८—	श्री राम अवतार सिंहल	३२	मुलिया	इन्टर	वि.	सर्विस, बोर्ड ऑफ सेकेन्डी-एजुकेशन,
	श्रीमती शकुन्तला	२६	पत्नी	मिडिल	वि.	मोपाल
	श्री कृष्णकुमार	२६	भाई	एम. कॉम.	वि.	असिस्टेन्ट आडीटर, मिनिस्ट्री मुरार
	श्रीमती इन्दिरादेवी	१८	पत्नी	बी. ए.	वि.	
७६९—	श्री प्रभुदयाल जीसवाल	६८	मुलिया		वि.	दयवसाय
	श्री अमरचन्द	४३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, नगरपालिका, ग्वालियर
	श्रीमती सुदर्शन माला	३२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	२१	पुत्र	बी.ए.	अवि.	
७७०—	श्रीमती बिम्बोबाई	७३	मुलिया		विधवा	
फोर्ट रोड :-						
७७१—	श्री हरप्रसाद अग्रवाल	४३	मुलिया	मिडिल	वि.	अनाज के व्यापारी
	श्रीमती अंगूरीदेवी	३२	पत्नी		वि.	
	श्री महेशचन्द	१८	पुत्र		अवि.	
	कु० मनोरमा	१३	पुत्री		अवि.	
७७२—	श्री नोनकरन अग्रवाल	४०	मुलिया		वि.	कपड़े का व्यवसाय
	श्रीमती कलावती	६८	माँ		विधवा	
	श्रीमती जमेलीबाई	३६	पत्नी		वि.	
	श्री सीताराम	२४	पुत्र	११. से.	वि.	तस्वीर की दुकान
	श्रीमती पुष्पादेवी	१७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रामकाङ्गू	२०	पुत्र		वि.	
	श्री जयदीनकाङ्गू	१७	पुत्र		अवि.	
७७३—	श्री नोनकरन अग्रवाल	६८	मुलिया		अवि.	व्यवसाय अनाज व सर्राफ
	श्रीमती बत्तोबाई	६३	पत्नी		वि.	

फोटो रोड, ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	मिडिल	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री चासीलाल	६३	बाई	मिडिल	वि.	
	श्री लक्ष्मणदास	२७	पुत्र		वि.	
	श्री ललितप्रसाद	३०	पुत्र		वि.	
	श्री महावीरप्रसाद	१४	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती शान्तीदेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती अमूरीदेवी	२४	पुत्रवधू		वि.	
७७४—	श्री बिरधीचन्द	६८	१ लिया	मेडिक	वि.	सबिस-जे० सी० मिल
	श्रीमती अमूरीबाई	३१	पत्नी		वि.	
७७५—	श्री बाबूलाल	४८	मुलिया	मिडिल	वि.	अवसाय
	श्रीमती जयमती	३३	पत्नी		वि.	
	श्री मुसालाल	१६	पुत्र		अवि.	

चौक बाजार :—

७७६—	श्री पद्मलाल अग्रवाल	५५	मुलिया	मिडिल	वि.	हलबाई
	श्रीमती बैकुण्ठीदेवी	५१	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२१	पुत्र		अवि.	
	श्री० शकुन्तला	१८	पुत्री		अवि.	
	श्री अदाहरलाल	१६	पुत्र		अवि.	
७७७—	श्री नारायणदास अग्रवाल	४५	मुलिया	मेडिक	वि.	अलार
	श्रीमती मूरीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री बेदप्रकाश	२४	पुत्र		वि.	
	श्रीमती सावित्रीदेवी	२१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री० जीवन्मता	१५	पुत्री		अवि.	
७७८—	श्री सुन्दरलाल अग्रवाल	६५	मुलिया		वि.	अवसाय
	श्रीमती सुरजदेवी	६३	पत्नी		वि.	
	श्री त्रिलोकचन्द	३३	पुत्र	मेडिक	वि.	सबिस-वाटर बयर्स
	श्रीमती इन्द्रादेवी	३१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	३०	पुत्र		वि.	सर्दिस
	श्रीमती पुष्पादेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	
७७९—	श्री रामजीदास	४५	मुलिया	मिडिल	वि.	सर्दिस
	श्रीमती बैकुण्ठीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री कलानारायण	३३	बाई		वि.	

सर्वोत्तम सुनाई के लिये !

OSWAL **जन** RAYMOND
यूनिवर्सल बंगाल

एवं खटाऊ की अनुपम साड़ियां
रिटेल शोरूम :-

बूल कॉरनर

सराफा बाजार
ग्वालियर-१

फोन : २१५१



रजत-वर्ष

१९८३

सफलता पूर्वक मनाते हुये, आपके अभूतपूर्व
सहयोग के प्रति आभार के साथ भविष्य
में पारस्परिक स्नेह की आकांक्षा करते हैं।

== **जैन स्टोर्स** ==

जयाजी चौक, ग्वालियर-१

घन्टाछाप (रजि.)
मैनपुरी लम्बाकू

एवं सुगंधित सुपारियों के एकमात्र
निर्माता।

शुभकामनाओं सहित :-

बापना क्लॉथ स्टोर

: और :

आर. बापना ब्रदर्स

सराफा बाजार
ग्वालियर-१

फोन : २८३६

जैन

आयरन स्टोर •

लोहिया बाजार, लखनऊ

कुटी काटने की मशीनें

कुछी मशीनें व

अन्य लोहे के सामान जो

मुख्य विक्रेता।

चौक बाजार, आसियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती अशरफीबाई	३०	भ्रातावधू		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती किरनदेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री पदमचन्द	१५	पुत्र		अवि.	
	कु० पुष्पा	१६	पुत्री		अवि.	
	कु० ओमवती	१४	पुत्री		अवि.	

सोडा का कुआ :—

७८०—	श्री हरीशचन्द अग्रवाल	५३	मुलिया	मिडिल	वि.	बैद्य ए० म् असार
	श्रीमती बादामीदेवी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	२७	पुत्र		वि.	
	श्रीमती ज्ञान्तीबाई	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विश्वगुप्ता	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री अनन्तकुमार	१८	पुत्र		अवि.	
	श्री पुरुषोत्तमदास	१४	पुत्र		अवि.	
७८१—	श्री राजाराम अग्रवाल	७३	मुलिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती बत्तीबाई	६८	पत्नी		वि.	
	श्री सीताराम	४३	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती आनन्दीबाई	३६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र		अवि.	
	श्री श्यामनारायण	१५	पुत्र		अवि.	
७८२—	श्री मोतीलाल बरैया	६३	मुलिया	मेट्रिक	विधुर	सबिस—डे० सी० मिंस
७८३—	श्री दुर्गाप्रसाद बरैया	३५	मुलिया		वि.	होटल-चौक बाजार
	श्रीमती शिन्दोबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री भगवानदास	२५	पुत्र		वि.	
	श्री दीनानाथ	२२	पुत्र		अवि.	
	श्री ओमप्रकाश	२०	पुत्र		अवि.	
	कु० रामबाई	१६	पुत्री		अवि.	
	कु० छोटीबाई	१४	पुत्री		अवि.	
	कु० चन्दाबाई	१२	पुत्री		अवि.	
७८४—	श्री कैलाशनाथ अग्रवाल	३३	मुलिया	बी० ए०	वि.	असार व बैद्य
	श्रीमती गंगादेवी	२८	पत्नी		वि.	

सोडा का कुम्रा, ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७८५—	श्री वृजलाल परमार	५५	मुखिया	मिडिल	वि. टेकेदार
	श्रीमती वृजलाल	५०	पत्नी		वि.
७८६—	श्री राजाराम अग्रवाल	७१	मुखिया		वि.
	श्रीमती बसन्तीबाई	६८	पत्नी		वि.
	श्री रामस्वरूप	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि. बिबली का काम व दवाइयां
	श्रीमती रामस्वरूप	१७	पुत्रवधू		वि.
	श्री हरप्रसाद	२३	पुत्र		अवि.
	श्री भगवानदास	१८	पुत्र		अवि.
	श्री महावीरप्रसाद	१४	पुत्र		अवि.
सखेरा गली :—					
७८७—	श्री मनोराम अग्रवाल	३८	मुखिया	मेट्रिक	वि. बीड़ी का कारखाना
	श्रीमती विमलादेवी	३५	पत्नी		वि.
	कु० स्नेहलता	१६	पुत्री		अवि.
	श्री अनिलकुमार	१६	पुत्र		अ. वि.
७८८—	श्री सुन्दरलाल अग्रवाल	५३	मुखिया		वि.
	श्रीमती नारोदेवी	४३	पत्नी		वि.
	कु० किरनदेवी	१६	पुत्री		अवि.
	कु० भीला	१७	पुत्री		अवि.
७८९—	श्री बासुदेव अग्रवाल	३३	मुखिया		वि. बीड़ी कारखाना, ग्वालियर
	श्रीमती विमलादेवी	२४	पत्नी		वि.
७९०—	श्री भूपेन्द्रकुमार अग्रवाल	२६	मुखिया	एम. काम.	वि. सविस्-जे० सी० मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती कलावती	५८	माँ		विधवा
	श्रीमती सुशीला	२०	पत्नी		वि.
७९१—	श्री सुरेन्द्रकुमार अग्रवाल	२८	मुखिया	मेट्रिक	वि.
	श्रीमती सुरेन्द्रकुमार	२६	पत्नी		वि.
	श्री सुमतिकुमार	१५	पुत्र		अवि.
७९२—	श्री राजेन्द्रकुमार	४३	मुखिया	मेट्रिक	वि. सविस्
	श्रीमती राजेन्द्रकुमार	३८	पत्नी		वि.
	श्री महेंद्रकुमार	२०	पुत्र		अवि.
	श्री सुभाषकुमार	१५	पुत्र		अवि.
	श्री नीरजकुमार	१४	पुत्र		अवि.

सखेरा मली, खालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७६३—	श्री किशनलाल जैसवाल	३३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती गोमतीबाई	२८	पत्नी		वि.	
	श्री रामेश्वरदयाल	१८	भाई		अवि.	
७६४—	श्री बलदेवप्रसाद जैसवाल	४८	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती बलदेवप्रसाद	४३	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	३३	भाई		वि.	
	श्रीमती प्रेमचन्द	२१	पत्नी		वि.	
	श्री भावचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
	कु० राजमती	१७	पुत्री		अवि.	
७६५—	श्री गेंदालाल जैसवाल	३०	मुखिया	मिडिल	अ.वे.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
७६६—	श्री रामबाबू जैसवाल	३३	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती राजकुमारी	२८	पत्नी		वि.	
	श्री अमरचन्द	१४	पुत्र		अवि.	
७६७—	श्री सुनहरीलाल जैसवाल	२८	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती अंगूरीबाई	२३	पत्नी		वि.	
	श्री मुसालाल	१७	भाई		अवि.	
७६८—	श्री उपसेन जैसवाल	३३	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती अंगूरीबाई	२८	पत्नी		वि.	
	कु० पद्मा	१४	पुत्री		अवि.	
७६९—	श्री छोटेबाल अग्रवाल	५८	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती कटोरीबाई	५३	पत्नी		वि.	
	श्री महावीरप्रसाद	२२	पुत्र		वि.	
	श्रीमती लीलावती	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री उत्तमचन्द	१७	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती लोंगशी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	कु० शकुन्तला	१५	पुत्री		अवि.	
८००—	श्री प्रेमचन्द अग्रवाल	३३	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती कैलाशी	२८	पत्नी		वि.	
८०१—	श्री ठूकमचन्द अग्रवाल	३३	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती मथुराबाई	२३	पत्नी		वि.	
८०२—	श्री बालचन्द अग्रवाल	३३	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती कमलाक्षी	२३	पत्नी		वि.	

सखेरा नली, ध्यालिमर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
८०३—	श्री मोतीलाल अग्रवाल	३९	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे. सी० मिल, बिरसानगर
	श्रीमती चन्दनबाई	३३	पत्नी		वि.	
८०४—	श्री नन्हैलाल जैसवाल	६३	मुखिया		विधुर	
	श्रीमती रम्भाबाई	८३	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	४१	पुत्र		अवि.	
८०५—	श्री कंचनलाल जैसवाल	५५	मुखिया	साहित्य-भूषण	वि.	सर्विस-जे० सी० मिस्स
	श्रीमती मालती	४६	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२८	पुत्र	एम० एससी०	वि.	सर्विस
	श्रीमती सुभाषिनी	२५	पुत्रवधू	एम० ए०	वि.	
	श्री रिषभकुमार	१८	भतीजा	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सतेन्द्रकुमार	१५	भतीजा	मिडिल	अवि.	
८०६—	श्री हरदयाल जैसवाल	६१	मुखिया	मेट्रिक	वि.	प्रिन्सिपल-जे० सी० मिस्स स्कूल
	श्रीमती भगवानदेवी	५५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री सुरेन्द्रबाबू	३१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्री धनेन्द्रबाबू	२६	पुत्र		वि.	सर्विस
	श्री राजेन्द्रबाबू	२८	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्री रवीन्द्रबाबू	१६	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती विमलदेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती गुणमाला	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती सुलोचनादेवी	२७	पुत्रवधू		वि.	
छोटा बाजार :—						
८०७—	श्री सीताराम अग्रवाल	४८	मुखिया		वि.	सर्विस-जे. सी० मिस्स
	श्री हरीशंकर	२५	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्री गोपालदास	१६	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्री भगवानदास	१६	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती सोनादेवी	२१	पत्नी		वि.	
८०८—	श्री बाबूलाल अग्रवाल	३७	मुखिया	मिडिल	वि.	जनरल मॅनेज
	श्रीमती वैजयंतीदेवी	३३	पत्नी		वि.	
	श्री नारायणदास	१६	पुत्र		अवि.	
	कु० उमा	१५	पुत्री		अवि.	
८०९—	श्री किशनलाल कोठीवाले	६१	मुखिया		वि.	नाज, गुड व मक्कर विक्रेता
	श्री रमेशचन्द	२७	पुत्र	इन्टर	वि.	

छोटा बाजार, ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री लक्ष्मीनारायण	२२	पुत्र	हा०	से०	अवि.
	श्री नेमीचन्द	२०	पुत्र	हा०	से०	अवि.
	श्री बीरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	मिडिल		अवि.
	श्री सुरेशचन्द	१६	पुत्र	सानवी		अवि.
	श्रीमती बसेलीदेवी	५३	पत्नी			वि.
	श्रीमती रामबाई	२६	पुत्रवधू			वि.
	श्रीमती सुशीलादेवी	२३	पुत्रवधू			वि.
	श्रीमती कमलादेवी	१८	पुत्रवधू			वि.
घास मण्डी :—						
८१०—	श्री कन्हैयालाल पंच	७३	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्री रामेश्वरदयाल	४३	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस-लाईफ इन्श्योरेन्स कं०
	श्री प्रेमचन्द	२१	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्री नेमीचन्द	१६	पुत्र		वि.	
	श्री बिसनकुमार	१७	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती कन्हैयालाल	६३	पत्नी		वि.	
	श्रीमती रामेश्वरदयाल	३८	पुत्रवधू		वि.	
८११—	श्री तोताराम अग्रवाल	४५	मुखिया		वि.	व्यवसाय-सोना-चांदी
	श्रीमती फूलाबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री रामकृष्ण	३३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती रामबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
८१२—	श्री किमोरीलाल अग्रवाल	५३	मुखिया		वि.	व्यवसाय-सोना-चांदी
	श्रीमती सोनाबाई	३७	पत्नी		वि.	
	श्रीमती मुनियाबाई	८०	माँ		विधवा	
	श्री लक्ष्मणदास	३३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री जगदीशप्रसाद	२७	पुत्र		वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
८१३—	श्री ग्यासीराम अग्रवाल	४३	मुखिया		वि.	सर्विस-जे. सी० मिल्स, बिरलानगर
	श्री तोताराम	५३	माई		वि.	
	श्री महावीरप्रसाद	२१	पुत्र		वि.	
	श्रीमती लसोबाई	५३			वि.	
	श्रीमती केतकीबाई	३८	पत्नी		वि.	

घास मण्डी ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती पुष्प.बाई	१६	पत्नी		वि.	
	कु० लक्ष्मी	१६	पुत्री		अवि.	
	कु० शारदा	१६	पुत्री		अवि.	
ताम्रेश्वर महादेव :—						
८१४—	श्री रामजीदास अग्रवाल	३६	मुलिया	B.A., LL.B.	वि.	एडवोकेट
	श्रीमती शान्तीदेवी	३७	पत्नी		वि.	
	श्री अशोककुमार	१५	पुत्र		अवि.	
	श्री लक्ष्मणदास	३१	भाई	मेडिक	वि.	सरफ
	श्री श्रीमतीदेवी	२६	भाईबधू		वि.	
८१५—	श्री दर्शनलाल	५८	मुलिया		वि.	कपड़े के व्यापारी
	श्रीमती कटोरीबाई	५३	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	३३	पुत्र	मेडिक	वि.	
	श्रीमती शान्तीदेवी	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री राधेश्याम	३०	पुत्र	B. Com., LL. B.	वि.	सबिस
	श्रीमती रामरती	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री जगदीशप्रसाद	२८	पुत्र	बी० ई०	वि.	
	श्री कलशचन्द	२३	पुत्र	बी० एस-सी०	वि.	
	श्री नेमीचन्द	२०	पुत्र		वि.	
	श्री पदमचन्द	१७	पुत्र		वि.	
	कु० किरण	१६	पुत्री		अवि.	
बिरसानगर :—						
८१६—	श्री नथमल अजमेरा	६०	मुलिया		वि.	
	श्रीमती मूलीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री विजयकुमार	३०	पुत्र	B. Com., LL B.	वि.	फैक्ट्री मैनेजर-जे० सी० मिल्स,
	श्रीमती शान्तीदेवी	२७	पुत्रवधू		वि.	सिमको, फोन ६३७
८१७—	श्री किशनलाल जंसवाल	३२	मुलिया	मेडिक	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती गुलाबदेवी	२८	पत्नी	मिडिल	वि.	
८१८—	श्री सुरेन्द्रसिंह जंसवाल	३५	मुलिया	बी० ए०	वि.	लेबर आफ सर, सिमको
	श्रीमती विद्यादेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री सेलेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मेडिक	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	६२	माँ		विधवा	

द्विगम्बर जैन समाज, मुरार

(१४ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का विवरण)

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
ठाठोपुर कॉलोनी :-						
८१६—	श्री जगदीशचन्द्र	३५	मुलिया बी० कॉम०	वि.		शासकीय-सेवा, लाईन नं० ६/२
	श्रीमती मनोरमा	२५	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
८२०—	श्रीचन्द्रशेखर जैसवाल	४८	मुलिया बी० कॉम०	वि.		शासकीय-सेवा, लाईन नं० ४/५
	श्रीमती सुशीला	४२	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री राजकुमार	२१	पुत्र बी० ई.		अवि.	
	कुमारी लजिता	१६	पुत्री बी० ए० प्रथम		अवि.	
८२१—	श्री बी० एस० जैन अग्रवाल	४०	मुलिया	मेट्रिक	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं० १२/४
	श्रीमती रामदुलारी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	कु० आशा	१८	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	श्री नवनीत	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
८२२—	श्री एस० एल० परवार	४२	मुलिया B. A., LL.B.	वि.		शासकीय-सेवा प्रिंसीपल, लाईन नं० ६/१३
	श्रीमती कुसुम	४०	पत्नी	हा० से०	वि.	
	कु० कुमुद	१६	पुत्री बी० ए० प्रथम		अवि.	
	श्री बृजभक्तकुमार	१५	पुत्र	नवीं	अवि.	
८२३—	श्री गणेशप्रसाद परवार	३५	मुलिया बी० ए०	वि.		शासकीय-सेवा, लाईन नं० ५/१६
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
८२४—	डा० पी० सी० जैन गोपालादे	३०	मुलिया बी० ए०	वि.		चिकित्सक, लाईन नं० १२/१०
	श्रीमती सुशीलाबाई	२५	पत्नी	मिडिल	वि.	
८२५—	श्री आर० एस० जैसवाल	३८	मुलिया एम० कॉम०	वि.		एकाउन्टेन्ट, लाईन नं० एच/४६
	श्रीमती राजकुमारी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री कृष्णवीर	१७	भतीजा बी० एससी.		अवि.	
८२६—	श्री नत्थीलाल जैसवाल	४२	मुलिया	मेट्रिक	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं० एच/२५
	श्रीमती प्रमोदकुमारी	३८	पत्नी	बी० ए०	वि.	शासकीय-सेवा
	श्री सुभाषचन्द्र	२२	पुत्र D.M.S., B.A.II		अवि.	
	श्री चन्द्रशेखर	१८	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	

अणुवत : जीवन-शुद्धि की मणिजल :-

“चाहे कोई किसी भी सम्प्रदाय में विश्वास करता हो, किसी भी जाति या कौम का हो, नैतिकता और सदाचार उनके लिए समान रूप से आवश्यक है। इसके बिना जीवन शान्ति के साथ कैसे चल सकता है ? अणुवत आन्दोलन लोक जीवन में व्यापक रूप से नैतिकता सदाचार को परिव्याप्त करना चाहता है। वह किसी भी तरह की संकीर्णता से जुड़ा नहीं है। यह तो मानव धर्म का विशाल राजपथ है, जिस पर चलता हुआ मानव समुदाय जीवन-शुद्धि की मञ्जिल प्राप्तानो से तय कर सके।” आचार्य श्री तुलसी—

विज्ञापित :-

टेलीफोन : २०६६

कमलाप्रसाद ओमप्रकाश

कटपीस कपड़े के थोक व्यापारी

नाधोगंज, लड्कर, ब्वालियर (मध्य-प्रदेश)

मिलावट विरोधी अभियान

टेलीफोन : २२७६

अधिकृत विक्रेता :-

मफालाल व लालमाई शुभ

विज्ञापित :-

गंगाधर इन्द्रचन्द

कटपीस कपड़े के थोक व्यापारी

नाधोगंज, ब्वालियर-१

(मध्य-प्रदेश)

“व्यापारी व्यापार के द्वारा उचित मार्ग से धन कमाये, इसमें किसी का विरोध नहीं हो सकता। किन्तु व्यापार में मिलावट जैसे अनैतिक और भ्रष्ट तरीके नहीं अपनाये जायें। मैं व्यापार को भी समाज सेवा का एक महत्व-पूर्ण साधन मानता हूँ। पिछले कुछ वर्षों में इस विधा में अर्जुन अणुवत समिति द्वारा डोस कार्य हुआ। उसका सुन्दर परिणाम ‘अणुवत उद्योग मंडल’ है—जिसने एक रचनात्मक दशा दी है।”

—वी० पी० नारईक
मुख्य मन्त्री, महाराष्ट्र

ठाठीपुर कौलोमी व. सदर बाजार, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
८२७—	श्री एम. एम. गोयल	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं० बी/१६
	श्रीमती पवनबाई	३३	पत्नी		वि.	
	श्री मुरेशचन्द	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
सदर बाजार—						
८२८—	श्री गोकलचन्द जैसवाल	४५	मुखिया	हा० से०	विधुर	* जनप्रिय फायनेन्स डिस्ट्रीब्यूशन,
	श्री सुरेशचन्द	२२	पुत्र	बी. ई. तृतीय	अवि.	सदर बाजार, फोन नं० १०५६
	कु० सुधा	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री पुष्पेन्द्र	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८२९—	श्री कालीचरण जैसवाल	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम
	श्रीमती भगवती	४२	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२५	पुत्र	एम.ए., एम.कॉम.	वि.	सर्विस-नगरपालिका निगम
	श्रीमती मानती	२२	पुत्रवधू	हा.से०	वि.	
	श्री महेंद्रकुमार	१६	पुत्र	बी० ए० प्रथम	अवि.	
८३०—	श्री बिहारीलाल जैसवाल	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-ओखेनाल बिहारीलाल, गज,
	श्रीमती चमेलीबाई	५५	पत्नी	मिडिल	वि.	मुरार, फोन ६७३
	श्री बीरेन्द्रकुमार	२८	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती उमिला	२३	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री पवनकुमार	२१	पुत्र	एम.बी.बी.एस०	अवि.	
	कु० कमला	२३	पुत्री	एम.बी.बी.एस.	अवि.	डा० जे. ऐ. हॉस्पिटल, लखर
	कु० मधू	१८	पुत्री	B. Sc. III	अवि.	
	कु० अमिलाबा	१५	पुत्री	हा० से०	अवि.	
८३१—	श्री वृन्दावनदास जैसवाल	७५	मुखिया		वि.	फर्म-वृन्दावनदास गोपीचन्द, कोत-
	श्रीमती द्रोपतीबाई	७०	पत्नी		वि.	वाली-संतर, मुरार
	श्री मोहनलाल	४६	पुत्र		वि.	फर्म-गोपीचन्द भागचन्द सदर बाजार
	श्रीमती कटोरीबाई	३८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री गोपीचन्द	४२	पुत्र		अवि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८३२—	श्री भुलजारीलाल	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम
	श्रीमती सुमित्रादेवी	४८	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	

सबर बाजार व चिक सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कटोरीदेवी।	२१	पुत्री		वि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र		अवि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
चिक सन्तर :-						
८३३—	श्री श्रीकाराम जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	कर्म-कल्याणदास श्रीकाराम, सबर
	श्रीमती चनवन्तीबाई	८५	मां		विधवा	बाजार, मुरार
	श्रीमती पार्वतीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री मोतीलाल	३५	पुत्र		वि.	
	श्री रामबाबू	२६	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२४	पुत्र	हा. से	अवि.	
	श्री बिमलचन्द	१७	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्रीमती श्रीलाबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती गुणमाला	२०	पुत्रवधू	आठवीं	वि.	
	कु० कुसुम	१६	पौत्री	नवमी	अवि.	
	कु० सरोज	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	कु० पुष्पा	१४	पौत्री		अवि.	
८३४—	श्री टुम्बेराम जैसवाल	७८	मुखिया	पाँचवीं	वि.	दुकान-मुरारगंज
	श्रीमती विट्ठोबाई	६६	पत्नी		वि.	
८३५—	श्री ज्ञानचन्द भंडारी जैस.	३५	मुखिया	पाँचवीं	वि.	कर्म-जैन किराना मर्चेन्ट, मुरार
	श्रीमती नान्दीबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१७	पुत्र	नवमी	अवि.	
८३६—	श्री प्रेमचन्द जैसवाल	४०	मुखिया	आठवीं	वि.	प्राइवेट नौकरी
	श्रीमती अशूरीबाई	३६	पत्नी		वि.	
८३७—	श्री दाताराम नायक जैस.	२५	मुखिया		वि.	दुकान
	श्री जयचन्द	२१	भाई	आठवीं	वि.	
	श्रीमती चन्द्रकला	१८	पत्नी		अवि.	
	कु० सुशीला	१४	बहिन		अवि.	
	श्री सुनेहरीलाल	१७	भाई बी० ए० प्रथम		वि.	
८३८—	श्री बंशीधर जैसवाल	३२	मुखिया	आठवीं	वि.	कर्म-सबर बाजार मुरार
	श्रीमती कमलादेवी	२५	पत्नी		वि.	
८३९—	श्री राजाराम जैसवाल	५२	मुखिया		वि.	दलाली-बिरला नगर स्टेशन

बिक सप्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	निका	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती बमुनाबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री जगतप्रसाद जी	२८	पुत्र	दसवीं	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती रामबाई	२४	पुत्रवधू	आठवीं	वि.	
	कु० शशि	१५	पुत्री	दसवीं	अवि.	
८४०—	श्री प्यारेलाल जैसवाल	८४	मुलिया		वि.	फर्म-प्यारेलाल बिमलचन्द जैन, मुरार
	श्रीमती मन्नीबाई	६३	पत्नी		वि.	
	श्री बिमलचन्द	२८	पुत्र	दसवीं	वि.	
	श्रीमती ज्ञानवती	२४	पुत्रवधू	दसवीं	वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२१	पुत्र	दसवीं	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	१६	पुत्रवधू	आठवीं	वि.	
	श्री उत्तमचन्द	१८	पुत्र	B. Sc. II	अवि.	
८४१—	श्री कन्हैयालाल जैसवाल	५७	मुलिया	आठवीं	वि.	फर्म-सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती मायादेवी	४३	पत्नी		वि.	
	कु० निर्मला	१५	पुत्री	ग्यारहवीं	अवि.	
८४२—	श्री मुरनीवर जैसवाल	७२	मुलिया	आठवीं	विधुर	फर्म-सदर बाजार, मुरार
	श्री कपूरचन्द	३२	पुत्र	बी० ए०	वि.	
	श्रीमती सत्यवती	३०	पुत्रवधू		वि.	
८४३—	श्री बालमुकुन्द जैसवाल	५१	मुलिया		वि.	फर्म-मुरारगंज एवं सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती भूरीदेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री डालचन्द	२२	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती मनोरमादेवी	१६	पुत्रवधू	दसवीं	वि.	
	श्री सुमनकुमार	१६	पुत्र	नववीं	अवि.	
	श्री लीलाधर	१६	पुत्र	दसवीं	अवि.	
८४४—	श्री लक्ष्मणलाल जैसवाल	७५	मुलिया		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	७०	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	३६	पुत्र	बी० ए०	वि.	फर्म-मुरार गज, फोन ६६५
	श्रीमती विद्यादेवी	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विनोदकुमार	१७	पौत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० ऊषा	१५	पौत्री	नवमी	अवि.	
८४५—	श्री जगन्नाथप्रसाद जैसवाल	५०	मुलिया		वि.	फर्म-अमरचन्द ओमप्रकाश जैन,
	श्रीमती राजोबाई	४५	पत्नी		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्री कैलाशचन्द	३९	पुत्र		वि.	फर्म-पोबीराम विनोदकुमार जैन

शिक सप्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती विद्यादेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्री पोथीराम	२८	पुत्र	दसवीं	वि.	कर्म-पोथीराम विनोदकुमार जैन
	श्रीमती विमलादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री अमरचन्द	२६	पुत्र		वि.	कर्म-पोथीराम विनोदकुमार
	श्रीमती विमलादेवी	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विनोदकुमार	१४	पुत्र	नवमी	अवि.	
८४६—	श्री गोभाराम जैसवाल	४५	मुखिया	आठवीं	वि.	चक्की-सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती अंगूरीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	दसवीं	अवि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	नवमी	अवि.	
८४७—	श्री सुमनचन्द जैसवाल	२५	मुखिया	दसवीं	वि.	मविमन्पू स्विमिन मिल
	श्रीमती पारोबाई	४६	माँ		विधवा	
	श्रीमती जैनादेवी	२२	पत्नी		वि.	
८४८—	श्री बाबूलाल जैसवाल	३३	मुखिया	आठवीं	वि.	कर्म-ज्वालाप्रसाद बाबूलाल, सदर
	श्रीमती शारदादेवी	२६	पत्नी		वि.	बाजार मुरार
८४९—	श्री किशोरीलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	कर्म-सुरेन्द्रसिंह केसवसिंह, मुरार
	श्रीमती बतारीबाई	४५	पत्नी		वि.	गज
	श्री बाबूलाल	३५	पुत्र		वि.	
	श्री बह्नीप्रसाद	३२	पुत्र	आठवीं	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुभाषचन्द	२५	पुत्र		वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विजयकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
८५०—	श्री छोटाराम जैसवाल	४२	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती चमेलीबाई	३६	पत्नी		वि.	
	कु० ऊषा	१४	पुत्री	नवमी	अवि.	
८५१—	श्री शकरलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	कर्म-रिसवदास महेन्द्रकुमार, सदर
	श्रीमती सरमनियाबाई	४५	पत्नी		वि.	बाजार, मुरार
	श्री रिसवदास	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
८५२—	श्री हजारीलाल जैसवाल	४२	मुखिया		वि.	कर्म-अनूपचन्द हजारीलाल
	श्रीमती फूलदेवी	३२	पत्नी		वि.	

चिक सन्तर व सत्यनारायण सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री दिनेशकुमार	१६	पुत्र	दसवीं	अवि.	
८५३—	श्री हेमचन्द जैसवाल	४२	मुखिया	आठवीं	वि.	दलाली, इन्धनगंड सहर
	श्रीमती कुन्वीदेवी	४१	पत्नी		वि.	
	श्री संजयकुमार	१७	पुत्र	दसवीं	अवि.	
	श्री संजीवकुमार	१४	पुत्र	नवमीं	अवि.	
	कुमारी करुपना	१६	पुत्री	बी. ए. III	अवि.	
८५४—	श्री मुरलीधर जैसवाल	५३	मुखिया		वि.	कर्म:-मुरलीधर कपूरचण्ड जैन,
	श्रीमती अमूरीबाई	४६	पत्नी		वि.	किराना मर्चेन्ट, मुरार
	श्री किशोरीनाथ	३३	पुत्र	आठवीं	वि.	
	श्रीमती अंजना	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कपूरचन्द	३०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	२७	पुत्रवधू	पाचवीं	वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२७	पुत्र	इन्टर	वि.	सविस, जे. सी. मिल्स बिरलानगर
	श्रीमती गीताबाई	२४	पुत्रवधू	आठवीं	वि.	
	श्री कमलचन्द	१८	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
८५५—	श्री केशरीमल बाकलीवाल	६०	मुखिया		वि.	व्यवसाय, दुकान, ठेकेदारी, एजेन्सी
	श्रीमती असरफीबाई	५४	पत्नी		वि.	
	श्री कमलचन्द	३६	पुत्र	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती विमला	२८	पुत्रवधू	उत्तमा	वि.	
	श्री मिलापचन्द	३२	पुत्र	एम. कॉम.	वि.	बाकलीवाल एण्ड सन्स, गर्वमेन्ट,
	श्रीमती इन्द्रा	२२	पुत्रवधू	दसवीं	वि.	कान्ट्रेक्टर मुरार (फोन : ८१६)
	श्री भागचन्द	२४	पुत्र	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती लम्बा	१६	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	
८५६—	श्री मुसालाल गोलालारे	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सबि-सेन्ट्रल पी. डब्ल्यू डी. मुरार
	श्रीमती शकुन्तला	२८	पत्नी		वि.	
८५७—	श्रीमती लाक्ष्मीबाई गोलालारे	४८	मुखिया	मेट्रिक	विधवा	अध्यापिका, चासमन्डी पाठशाला
८५८—	श्री मोतीलाल पल्लीबास	४५	मुखिया		वि.	दलाल
	श्रीमती कलावती	४०	पत्नी		वि.	
	कुमारी मनोरमा	१६	पुत्री	हा. से.	अवि.	
	श्री पूरनचन्द	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
सत्यनारायण सन्तर—						
८५९—	श्री धनीराम जैसवाल	४५	मुखिया		वि.	कर्म:-धनीराम हरिचन्द;

सत्यनारायण सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	४०	पत्नी		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती बसोबाई	७२	मां		विधवा	
	श्री सुगनचन्द	४०	भाई	मेट्रिक	वि.	कर्म:-सुगनचन्द मुन्नालाल,
	श्रीमती सरवतीबाई	३५	भाईवधू		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्री देवप्रसाद	३५	भाई	मिडिल	वि.	कर्म:-देवप्रसाद सुरेशचन्द,
	श्रीमती यशुलाबाई	३४	भाईवधू		वि.	गंज, मुरार
	श्री सुरेशचन्द	१६	भाईपुत्र	नबमी	अवि.	
	श्री भानुचन्द्र	१४	भाईपुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री मुन्नालाल (सुगनचन्द)	१६	भाईपुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कुमारी भगवतीबाई	१४	भाईपुत्री	मिडिल	अवि.	
८६०—	श्री गुन्धारीलाल जैसवाल	६५	मुखिया		वि.	कर्म:-जिमिपाल गुन्धारीलाल,
	श्रीमती देवाबाई	४६	पत्नी		वि.	गंज, मुरार (फोन : नं० ६७४)
	श्री कालीचरण	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती बिमलादेवी	२५	पुत्रवधू	मिडिल	विधवा	
	श्रीमती बिमलादेवी	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री महावीर प्रसाद	२१	पुत्र	इन्टर	वि.	कर्म:-महावीर नन्दन, माल रोड,
	श्रीमती मधुदेवी	१९	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	मुरार
	श्री लक्ष्मणप्रसाद	१९	पुत्र	बी. एस. सी.	अवि.	
	कुमारी पुष्पलता	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
८६१—	श्री मनोहरलाल जैसवाल	६०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती पोलमती	५०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	३२	पुत्र	मिडिल	वि.	कर्म:-प्रकाशचन्द कैलाशचन्द,
	श्रीमती अंगूरीदेवी	३०	पुत्रवधू		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्री नेमीचन्द	२८	पुत्र	बी. कॉम	वि.	
	श्रीमती रतनदेवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२५	पुत्र	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती हेमलता	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	१८	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री गिरनारीलाल	२८	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती अंगूरीदेवी	१८	पत्नी		वि.	
८६२—	श्री मूलचन्द नायक	५५	मुखिया		वि.	सबिल
	श्रीमती ग्यासोबाई	४८	पत्नी		वि.	

सत्यनारायण व जैन मंदिर सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	व्यावसायिक विवरण
	श्री रामचरण	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती विमला	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१८	पुत्र	नवीं	अवि.	
८६३—	श्री प्रेमचन्द जैसवाल	३०	मुखिया	M. Sc.	वि.	अध्यापक-भासकीय इन्टर कालेज,
	श्री अखिलेशकुमार	१६	भाई	मेट्रिक	अवि.	मुरार
८६४—	श्री गिरीशचन्द बीया	३१	मुखिया	B. Sc.	वि.	अध्यापक
	सुश्री राजमती	५२	मां		विधवा	
	श्रीमती सुषारानी	२४	पत्नी	B.A. II	वि.	
	कु० मुक्ता	१६	बहिन	हा० से०	अवि.	
८६५—	श्री अमीरचन्द जैसवाल	५०	मुखिया	बी० ए०	वि.	सर्विस-यातायात विभाग
	श्रीमती कुसुमलता	४८	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री अशोककुमार	२२	पुत्र	डिप्लोमा	अवि.	
	श्री हेमेशकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० रजनी	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	

जैन मंदिर सन्तर :—

८६६—	श्री कैलाशचन्द अग्रवाल	५०	मुखिया	इन्टर	वि.	चीफ-इन्स्पेक्टर ऑफीसर, अम्बाह
	श्रीमती कौशल्यादेवी	५१	भाईवधू		विधवा	
	श्रीमती चम्पाबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री नरेशचन्द	३३	भाई	B. Com., LL.B.	वि.	ग्युजिस्ट ऑफीसर, फूलदान लखनऊ
	श्रीमती मायादेवी	२६	भाईवधू	मिडिल	वि.	
	श्री रामसिंह	२७	पुत्र	बी० एससी०	वि.	सर्विस-व्हेरहाऊस कारपोरेशन,
	श्रीमती प्रेमदेवी	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	मुगावली
	श्री श्यामसिंह	२४	पुत्र	बी० एससी०	अवि.	सर्विस-व्हेर हाऊस कारपोरेशन, गुना
	श्री गजराजसिंह	२१	पुत्र	बी० एम० ई०	अवि.	सर्विस-सिमको स्टील फाउन्ड्री,
	श्री अशोककुमार	१७	पुत्र	हा० से०	अवि.	बिरलानगर
	श्री मदनमोहन	२३	भतीजा	बी० ई०	वि.	इन्जीनियर
	श्रीमती कृष्णादेवी	२१	भतीजा वधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री कृष्णमोहन	१७	भतीजा	हा० से०	अवि.	
	कु० सरोज	१८	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	कु० तारा	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	

स्थापित : १९१५

फोन : २०५१

आधुनिक एवं सुसुचिपूर्णा से
सुसज्जित साज सज्जा के वस्त्रों
का एक मात्र उत्तम स्थान ।



मे. इन्दरचन्द फूलचन्द एण्ड संस

गवर्नमेन्ट सप्लायर एण्ड क्लॉथ मर्चेन्ट,
दौलतगंज (लश्कर) ग्वालियर-१



ग्वालियर सूटिंग एवं सर्टिंग

बिनार, पैरागौन, अल्पार,
अलौरा तथा मोदी सूटिंग

धारीवाल, लाल इमली, लेन्ड,
जामनगर, O. C. M., मौडैला

चन्देरी, बनारसी,
औरंगावादी, बगलोरी,
कोयम्बटूरी, बौकठगिरी,



हैन्डलूम एवं अनेक प्रकार की सड़ियाँ

गंगामाई सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
गंगामाई सन्तर :—						
८६७—	श्री बाबूलाल जैसवाल	२७	मुखिया	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती भाग्यदेवी	५५	मां		विधवा	
	श्रीमती पुष्पादेवी	२३	पत्नी	हा० से०	वि.	
८६८—	श्री बाबूलाल जैसवाल	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	कर्म-श्रीमराज एन्ड सन्स, मुरार गंज
	श्रीमती रतनदेवी	३५	पत्नी		वि.	कर्म-प्रेम क्लाय स्टोर्स, सदर बाजार
	श्री ओमप्रकाश	१६	पुत्र	M. Sc.I	अवि.	
	श्री सुभाषचन्द्र	१७	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० निर्मला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
८६९—	श्री गप्पूलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती दुर्गाबाई	५५	भावी		विधवा	
	श्रीमती धनवती	४८	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	२६	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस-कोऑपरेटिव बैंक
	श्रीमती प्रेमवती	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	२२	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती शीला	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुमतचन्द	२०	पुत्र	इन्टर	अवि.	
	कु० मनोरमा	१४	पुत्री	नवमी	अवि.	
८७०—	श्री भगवानदास जैसवाल	३२	मुखिया	बी० ए०	वि.	अध्यापक-तिकोनिया कन्या पाठ-
	श्रीमती शान्तीदेवी	३०	पत्नी		वि.	शाला, मुरार
	श्री सुभाषचन्द्र	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८७१—	श्री पुरुषोत्तमदास जैसवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	दुकान-सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती पुष्पादेवी	२८	पत्नी		वि.	
८७२—	श्री उवालाप्रसाद जैसवाल	५७	मुखिया		वि.	कर्म-उवालाप्रसाद बालमुकन्द जैन,
	श्रीमती रामप्यारी	५४	पत्नी		वि.	गंज, मुरार
	श्री नत्थीलाल	२०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मनोरमा	१७	पुत्रवधू		वि.	
८७३—	श्री मांगीलाल जैसवाल	५२	मुखिया	मिडिल	वि.	दाली
	श्रीमती दीपदीबाई	६५	माईवधू		विधवा	
८७४—	श्री विनोदचन्द जैसवाल	३२	मुखिया	बी० ए०	वि.	अध्यापक वि० जैन-पाठशाला, मुरार
	श्रीमती कुसुमदेवी	२६	पत्नी		वि.	अध्यापिका-शाम० मा० पाठ०, मुरार
८७५—	श्री धनीराम जैसवाल	५८	मुखिया		विधुर	व्यवसाय-गंज मुरार
	श्री उत्तमचन्द	२७	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस:-एल. आर. ऑफिस, इन्दौर

गंगामाई सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती मनोरमा	२२	पुत्राभू	मेट्रिक	वि.	
	श्री महेशचन्द	२०	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती उर्मिला	१६	पुत्राभू	मेट्रिक	वि.	
	श्री सुरेशचन्द	१७	पुत्र	हा. से.	अवि.	
८७६—	श्री हंसराज जैसवाल	६५	मुखिया		विधुर	कर्म-हंसराज देवलाल-मिष्ठान-
	श्री देवलाल	५५	भाई		विधुर	भन्डार, सदर बाजार, मुरार
	श्री विजयकुमार	२४	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती गुणमाला	२१	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
८७७—	श्री बटनलाल जैसवाल	५३	मुखिया	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती फूलकुमारी	४३	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२८	पुत्र	ओवरसियर	वि.	ओवरसियर-पाली (गुजरात)
	श्रीमती शीलादेवी	२४	पत्नी	हा. से.	वि.	
	श्री जमेशकुमार	१८	पुत्र	हा. से.	अवि.	
८७८—	श्री बीमानाथ जैसवाल	५२	मुखिया		वि.	ठेकेदार
	श्रीमती पूनाबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री भगवानदास	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	२४	पुत्रवधू		वि.	
८७९—	श्री नरेशकुमार जैसवाल	३४	मुखिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती नारायतीबाई	५२	मां	मिडिल	विधवा	अध्यापिका-श्री दिगम्बर जैन
	श्रीमती तरस्वती	२८	पत्नी		वि.	पाठशाला, मुरार
	श्री मुकेशकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८८०—	श्रीमती ग्यासोबाई जैसवाल	७०	मुखिया		विधवा	
८८१—	श्री बारेलाल जैसवाल	२८	मुखिया		वि.	अध्यापिका-श्री दिगम्बर जैन,
	श्रीमती विमलादेवी	२२	पत्नी		वि.	पाठशाला, मुरार
८८२—	श्री गनेशराम जैसवाल	४८	मुखिया		वि.	कर्म-गनेशराम बाबूलाल जैन,
	श्रीमती केशरबाई	४५	पत्नी		वि.	नदी सन्तर, मुरार
	श्री बाबूलाल	२७	पुत्र		वि.	
	श्रीमती सुशीलाबाई	२१	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुगनचन्द	२२	पुत्र	हा. से.	वि.	कर्म-सुगनचन्द गनेशराम जैन
	श्रीमती मुन्नीबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बटनलाल	१७	पुत्र	मिडिल	अवि.	
८८३—	श्री मनोहरलाल जैसवाल	७०	मुखिया		विधुर	व्यवसाय-गंज, मुरार

गंगाभाई सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री परमानन्द	६५	भाई		विधुर	व्यवसाय-सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती प्यारो	५०	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	३६	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	सर्विस:- आर. टी. ओ. ऑफिस,
	श्रीमती पुष्पादेवी	३२	पुत्रवधू		वि.	इन्दौर
	श्री ज्ञानचन्द	३४	पुत्र	एम कॉम.	वि.	सेलर्टक्स ऑफिसर, उज्जैन
	श्रीमती मुन्नीदेवी	३२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	'
८८४-	श्री लालपती जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती दुर्गाबाई	५८	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	३२	पुत्र	मिडिल	वि.	मुनीस
	श्रीमती शांतिदेवी	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२०	पुत्र		अवि.	
८८५	श्री भजनलाल जैसवाल	७०	मुखिया		विधुर	व्यवसाय
	श्री गिरधरचन्द	४०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती कमलादेवी	३८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	२१	पौत्र	हा. से.	अवि.	सर्विस:-प्रासादात विभाग, भोपाल
	श्री नरेन्द्रकुमार	१६	पौत्र	ओवरसियर	अवि.	
	श्री अरविन्दकुमार	१७	पौत्र	बी. ए. I	अवि.	
	कुमारी सुनीता	१४	पौत्री	मिडिल	अवि.	
८८६-	श्री गुलाबचन्द जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	सर्विस:- प्रोजेक्टिब स्टोर, मुरार
	श्रीमती मुन्नीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री उमेशकुमार	१६	पुत्र		अवि.	
८८७-	श्री रतनलाल जैसवाल	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	अध्यापक
	श्रीमती कमलादेवी	२६	पत्नी		वि.	
८८८	श्री गिरधारीलाल जैसवाल	२६	मुखिया	इन्टर	वि.	प्रधान अध्यापक
	श्रीमती विद्यादेवी	२२	पत्नी	मिडिल	वि.	
८८९-	श्री विमलचन्द जैसवाल	३५	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	सर्विस:- कमिशनर ऑफिस, मोतीमहल
	श्रीमती विमलादेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
८९०-	श्रीलाल जैसवाल	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती बत्तोबाई	५०	भाईवधू		विधवा	
	श्रीमती बनोबाई	४७	पत्नी		वि.	
	श्री रामप्रसाद	५०	मतीजा	मिडिल	वि.	
	श्रीमती भगवतीबाई	३२	मतीजावधू		वि.	

गंगामाई सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री रत्नचन्द	२३	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस-सी० टी० आई
	श्रीमती गुणमाला	२२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री रमेशचन्द	२०	पुत्र	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती राधादेवी	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री अशोककुमार	१९	भतीजापुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री जीवनलाल	१५	पुत्र	नवीं	अवि.	
८६१—	श्री दीनानाथ जैसवाल	५७	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती कोंसाबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	२६	पुत्र	इन्टर	वि.	अध्यापक-श्री दि० जैन पाठशाला,
	श्रीमती मायादेवी	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	मुरार
८६२—	श्री शंकरलाल जैसवाल	४२	मुखिया	इन्टर	वि.	व्यवसाय-मंज, मुरार
	श्रीमती कस्तूरीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	कु० सरोज	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
८६३—	श्री विधीचन्द जैसवाल	४५	मुखिया		विधुर	व्यवसाय-सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती रमकोबाई	६५	मां		विधवा	
८६४—	श्री सोनपाल जैसवाल	५२	मुखिया		वि.	व्यवसाय-आदि
	श्रीमती सहोदराबाई	५७	बहिन		विधवा	
	श्रीमती सक्कोबाई	४९	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२२	पुत्र	एम० ए०	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती गुणमाला	२०	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री कलशचन्द	१९	पुत्र	इन्टर	अवि.	
	श्री महावीरप्रसाद	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८६५—	श्री धनश्यामदास जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स, रवा०
	श्रीमती द्रोपदीबाई	५४	पत्नी		वि.	
	श्री गणेशीलाल	३०	पुत्र	ग्यारहवीं	वि.	तिलक फाईनेन्स ट्रेडिंग कारपोरेशन
	श्रीमती विद्यादेवी	२६	पुत्रवधू		वि.	जैन बिजिनेस गंगामाई सन्तर, मुरार
	श्री सुरेशकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८६६—	श्री रामकिशन जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	फर्म-जालिमचन्द रामकिशन, मंज
	श्रीमती पांखोबाई	४२	पत्नी		वि.	मुरार
	श्री रमेशचन्द	१८	पुत्र	बी० एससी०	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पुत्र	नवीं	अवि.	
८६७—	श्री गोपीचन्द जैसवाल	३५	मुखिया	इन्टर	वि.	फर्म-सल्लूराज नन्दराम जैन, मंज

गंगामाई संस्तर व शम्भूमल की बगीची, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती अमूरीदेवी	३१ पत्नी	मिडिल	वि.	
८६८—	श्री दुर्गाप्रसाद जैसवाल	३७ मुखिया	मिडिल	वि.	कर्म-घृत स्टोर सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती लज्जावती	३२ पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१५ पुत्र	हा० मे०	अवि.	
८६९—	श्री किशनस्वरूप जैसवाल	२४ मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-ग्रान्तागत विभाग लश्कर
	श्रीमती इन्द्रादेवी	२१ पत्नी	मिडिल	वि.	
९००—	श्री टिल्लेभगवान जैसवाल	४० मुखिया		अवि.	व्यवसाय-मिष्ठान
	श्रीमती जानकीबाई	८० मा		विधवा	
९०१—	श्री मुन्शीलाल जैसवाल	५५ मुखिया		विधुर	व्यवसाय
	श्रीमती ओछीबाई	७० मा		विधवा	
	श्री पदमचन्द	२० पुत्र	मेट्रिक	वि.	जैन आर्ट स्टूडियो, सदर बाजार
	श्रीमती चन्द्रेश	१९ पुत्रवधू	मिडिल	वि.	मुरार
९०२—	श्री मुन्शीलाल जैसवाल	४५ मुखिया		वि.	कर्म-मुन्शीलाल महेशचन्द, गंजगेट
	श्रीमती सोनाबाई	३६ पत्नी		वि.	
	श्री महेशचन्द्र	१९ पुत्र बी० ए० प्रथम		अवि.	
	कु० मनोरमा	१६ पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
९०३—	श्री ज्ञानचन्द गोलालारे	३२ मुखिया	बी० कॉम०	वि.	
	श्रीमती ज्ञानकुमारी	२८ पत्नी		वि.	
९०४—	श्री हरगोविन्ददास पत्नीवाल	५० मुखिया	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती विमलादेवी	३५ पत्नी		वि.	
	श्री रामअवतार	२१ पुत्र	नवीं	वि.	
	श्रीमती कमलादेवी	१९ पुत्रवधू		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	१९ पुत्र		अवि.	
	श्री महेशचन्द	१७ पुत्र	नवीं	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१४ पुत्र	मिडिल	अवि.	

शम्भूमल की बगीची :-

९०५—	श्री सुरेन्द्रकुमार गर्ग अवतार	३२ मुखिया	बी ए.	वि.	सर्विस:-ब्रे. एण्ड के. सेन्टर, केन्टीन,
	श्रीमती प्रफुल्लता	२४ पत्नी	मेट्रिक	वि.	मुरार
९०६—	श्रीमती राजबेटी	३२ मुखिया	मेट्रिक	विधवा	अध्यापिका:-प्राइमरी कक्षा स्कूल
९०७—	श्रीमती अनेकाबाई	६० मुखिया		विधवा	
९०८—	श्री चेतारामजी	५० मुखिया		विधुर	मुनीम:-हिम्मताराम चासीराम जी

शम्भूमल की बगीची, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६०६—	श्री मुन्शीलाल जैसवाल	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	कर्म:-मुलाराम चतुर्भुज जैन,
	श्रीमती सहोदराबाई	५०	मां		विधवा	गंज मुरार
	श्रीमती केलाबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	२८	भाई	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती किरनदेवी	२२	भ्रातावधू	मिडिल	वि.	
	श्री अनिलकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६१०—	श्री कपूरचन्द जैसवाल	४२	मुखिया		वि.	कर्म:-भोलाराम प्रेमराज जैन,
	श्रीमती राजेश्वरी	४०	पत्नी		वि.	गंज मुरार, फोन नं. ६६४, ८१७
	श्रीमती बासोबाई	६०	मां		विधवा	भोलाराम प्रेमराज जैन, इन्दरगंज
	कुमारी गुणमाला	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	फोन नं. २६५, लश्कर
	कुमारी वनमाला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती सरोजदेवी	३२	भ्रातावधू	मिडिल	विधवा	
६११—	श्री हजारीलाल जैसवाल	२१	मुखिया	बी. ए. I	वि.	संसि.-एल. आर डिपॉटमेंट
	श्रीमती गंगाबाई	५५	मां		विधवा	
	श्रीमती गुणमाला	१८	पत्नी		वि.	
	श्री विमलकुमार	१८	भाई	बी. ए. II	अवि.	
६१२—	श्री श्रीलाल जैसवाल	५५	मुखिया		विधुर	कर्म:-मोतीलाल नेमीचन्द,
	श्रीमती वनकोबाई	८२	मां		विधवा	गंज मुरार
	श्रीमती रमकोबाई	६२	बहिन		विधवा	
	श्री नेमीचन्द	३०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती कमलादेवी	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री महेशचन्द	१६	पुत्र	बी. एस-सी.	अवि.	
६१३—	श्री दीपचन्द	४६	मुखिया	मिडिल	विधुर	व्यवसाय गंज, मुरार
६१४—	श्री ज्ञानचन्द जैसवाल	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	कर्म:-ज्ञानचन्द पदमचन्द जैन,
	श्रीमती अस्फोदेवी	४५	पत्नी		वि.	गंज मुरार, फोन. नं. ६१६
	श्री पदमचन्द	२०	पुत्र	बी. ई. III	अवि.	
	श्री केवलचन्द	१८	पुत्र	बी. एस सी. II	अवि.	
	कुमारी सुधा	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
६१५—	श्री लूबचन्द जैसवाल	५५	मुखिया		वि.	कर्म:-लूबचन्द रमेशचन्द, सदरबाजार
	श्रीमती विट्ठोबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री सार/चन्द	३२	पुत्र		अवि.	
	श्री रमेशचन्द	२६	पुत्र	मिडिल	वि.	

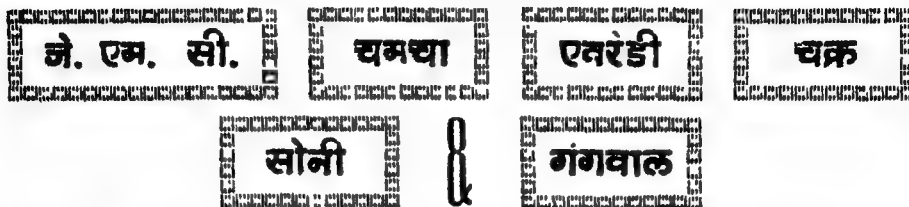
शम्भूमल की बगीची, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कुसुमदेवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुमतिचन्द	२१	पुत्र	एम.कॉम.	वि.	सबिस
	श्रीमती महेन्द्री	१६	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
६१६—	श्री ओछेलाल जैसवाल	६५	मुखिया	मिडिल	विधुर	कर्म-ग्यासीलाल ओछेलाल, गंज
	श्री कपूरचन्द	३५	पुत्र	मिडिल	वि.	मुरार
	श्रीमती कपूरचन्द	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कमलकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६१७—	श्री मातादीन जैसवाल	४५	मुखिया		वि.	अवसाय
	श्रीमती धनवन्ती	४०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२६	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती अंगूरीबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मन्नीलाल	२०	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती विमला	१८	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री रमेशचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६१८—	श्री फूलचन्द जैसवाल	७०	मुखिया		विधुर	कर्म-फूलचन्द जैनेन्द्रकुमार, गंज मुरार
	श्री रामचरण	३७	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सबिस-मन्डी कमेटी मुरार
	श्रीमती किरनदेवी	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	२१	पौत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१६	पौत्र	बी०एस०सी०/	अवि.	
	श्री नरेशकुमार	१६	पौत्र	इन्टर	अवि.	
	श्री सुभाषचन्द	१४	पौत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री जैनेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	कर्म-फूलचन्द जैनेन्द्रकुमार
	श्रीमती राजमती	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	२४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती हेमलता	२१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२२	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	दुकान-मुरार
	कु० कमला	१७	पुत्री		अवि.	
६१९—	श्री नत्थीलाल जैसवाल	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	सबिस
	श्रीमती अंगूरीदेवी	२८	पत्नी		वि.	
	श्री दिनेशकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	कु० शकुन	१५	पुत्री	नवी	अवि.	अध्ययन
	श्री चन्द्रसेन	२४	भाई	मेट्रिक	वि.	

जे. एम. सी. उत्पादन के सिलाई एवं कढ़ाई के घागे सदैव प्रयोग करें।
जो आपके वस्त्रों की सिलाई एवं कढ़ाई को सदैव मजबूत, आकर्षक व
टिकाऊ बनाये रखते हैं। जिससे आपके सौन्दर्य-प्रसाधनों में हमेशा वस्त्रा-
लंकृत नजर आते हैं।

हमसेना याद रखिये :-

हमारे प्रसिद्ध ट्रेड मार्कों को !



उत्पादक :-

जैन मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी

चराफा बाजार, ग्वालिअर-१

शुभ कामनाओं सहित,

याद रखने हेतु निवेदन !

आधुनिकतम फैशन में अग्रणी

काल सिल्क टेरीन शूटिंग

अत्कृष्ट डिजायनें, मोहक रंग, टिकाऊ

व एन्टीक्रीज वस्त्रों के निर्माता :-

कलकत्ता सिल्क मेन्यू. कं. लि., कलकत्ता

अधिकृत विक्रेता :-

मुन्शीलाल महेन्द्र कुमार जैन

माधोगंज, लखनऊ • फोन नं० : २५७१

शम्भूमल की बगीची व ठण्डी सड़क, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सुमनदेवी	२१	भाईबच्चा	नहीं	वि.	
६२०—	श्री भजनलाल	६०	मुलिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती जनकाबाई	५४	पत्नी		वि.	
	श्री गुलाबचन्द	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती लोंगाबाई	२४	पुत्रबच्चा		वि.	
	श्री कीमलचन्द	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री राकेशकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	

ठण्डी सड़क :-

६२१—	श्री कैलाशचन्द जैसवाल	३६	मुलिया	मिडिल	वि.	सर्विस-म्युनिसिपैलटी, लक्कर
	श्रीमती स्वर्णीदेवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री मेरीचन्द	३२	भाई	नहीं	वि.	दलाल-मंज, मुरार
	श्रीमती शान्तीदेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	कु० सुन्दरी	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री महेंद्रकुमार	१३	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती भूरीबाई	६०	माँ		विधवा	
६२२—	श्री भदनलाल जैसवाल	२५	मुलिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती निमलादेवी	२२	पत्नी		वि.	
६२३—	श्री गोकुलचन्द नायक	५०	मुलिया	मिडिल	विधुर	अवसाव
	श्री हरीशचन्द	२१	पुत्र	बी. एस्. सी.	वि.	
	श्रीमती गुनमाला	१६	पुत्रबच्चा	मेट्रिक	वि.	
६२४—	श्री कैलाशचन्द	३२	मुलिया	एम० ए०	वि.	अध्यापक, गव० हायर० से० स्कूल,
	श्रीमती शान्तीदेवी	२६	पत्नी		वि.	मुरार
६२५—	श्री हरलाल मूँजी	४६	मुलिया		वि.	अवसाव
	श्रीमती कलावती	४०	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	३२	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सरलादेवी	२८	पुत्रबच्चा		वि.	
६२६—	श्रीमती रमकोबाई	७०	मुलिया		विधवा	
	श्रीमती बारोली	५०	बहू		विधवा	
६२७—	श्री भागचन्द मोलामारे	६०	मुलिया		वि.	अवसाव-सबर बाजार
	श्रीमती केसरबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	३२	पुत्र		वि.	

ठण्डी सड़क, गर्म सड़क व घास मण्डी मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कमलाबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सरलादेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६२८—	श्री श्यामलाल	६२	मुखिया		विपुल	
गर्म सड़क :-						
६२९—	श्री शान्तीलाल कोहिले	३८	मुखिया	बी० ए०	वि.	सर्विस-पंजाब नेशनल बैंक, मुरार
	श्रीमती लीलादेवी	३२	पत्नी		वि.	
	कु० ऊषा	१४	पुत्री	मेट्रिक	अ.वे.	
घास मण्डी :-						
६३०—	श्री कन्हेरीलाल परमार	६५	मुखिया		वि.	व्यवसाय-बजाज खाना, मुरार
	श्रीमती नन्दीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री भीमचन्द	१८	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती राजकुमारी	१४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६३१—	श्री श्यामलाल जैसवाल	५२	मुखिया		अवि.	
	श्रीमती भगोबाई	४७	पत्नी		वि.	
	श्री दीपचन्द	२६	पुत्र		अवि.	सर्विस
	श्री प्रेमचन्द	२४	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस-जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती प्रेमवती	२१	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
६३२—	श्री महेन्द्रचन्द	१८	पुत्र	बी० ए० /	अवि.	
६३२—	श्री हरीशचन्द जैसवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	दलाली-इम्बर राज, लखर
	श्रीमती केशरबाई	४८	मां		विधवा	
	श्रीमती प्रेमवती	२५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री विनोदकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६३३—	श्री बालाराम जैसवाल	४५	मुखिया		अवि.	ठेकेदारी.
	श्री राजाराम	४०	भाई		वि.	तेल-मिल
	श्रीमती श्यामोबाई	३२	साईवधू		वि.	
६३४—	श्री अकरबलाल परमार	५०	मुखिया		वि.	व्यवसाय-बजाज खाना, मुरार
	श्रीमती रामप्यारी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	

घास मण्डी, गंज, अनाज मण्डी व सिंहपुर रोड, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६३५—	श्री छोटेबाल जैसवाल	५८	मुलिया	मिडिल	वि.	किराना मर्चेट सहर बाजार, मुरार
	श्रीमती आनन्दीबाई	५०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री महेशचन्द	३२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कपूरीदेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	कु० मधु	१५	पुत्री		अवि.	
गंज :-						
६३६—	श्री गनेशीलाल बोशी	६१	मुलिया		वि.	हजारीमल गुलाबचन्द, ठेकेदार
	श्रीमती गुल्लोबाई	५७	पत्नी		वि.	फोन न० ६६७, ६०७
	श्री बाबूलाल	३८	पुत्र	एम० ए०	वि.	एटको टाईल्स-इन्डस्ट्रियल ऐरिया,
	श्रीमती कमलाबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	ग्वालियर, फोन १२६५
	श्री महेशकुमार	३०	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२८	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री प्रेमकुमार	२८	पुत्र	टे. टा. डिप्लोमा	वि.	सर्विस-ग्वालियर रेयन
	श्रीमती शोभादेवी	२५	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	पुत्र	इन्टर	अवि.	
	श्री प्रदीपकुमार	१४	पुत्र	नवी	अवि.	
अनाज मण्डी :-						
६३७—	श्री कालीचरण जैसवाल	४६	मुलिया		वि.	व्यवसाय-गंज मुरार
	श्रीमती रूपादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री गेंदालाल	२६	भाई	मिडिल	वि.	
	श्रीमती रत्नदेवी	२३	भाईवधू		वि.	
	श्री भीलमचन्द	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री हरीशचन्द	१४	पुत्र		अवि.	
सिंहपुर रोड :-						
६३८—	श्री लक्ष्मीराम जैसवाल	७०	मुलिया		वि.	
	श्रीमती रम्मोबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	४०	पुत्र		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स, बिरलानगर
	श्री ज्ञानचन्द	३५	पुत्र		वि.	
	श्री जैनोबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री श्रीलाल	३०	पुत्र	मिडिल	वि.	पटवारी
	श्रीमती/लक्ष्मीबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	

सिंहपुर रोड, बजाज खाना व कोतवाली सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री बाबूलाल	२५ पुत्र	मिडिल	वि.	पटवारी
	श्रीमती फूलबाई	२१ पुत्रवधू		वि.	
	श्री तेजीबन्द	२३ पुत्र	हा० से०	वि.	ध्यवसाय
	श्रीमती रतनदेवी	२० पुत्रवधू		वि.	
१३६—	श्री कन्हैयालाल जैसवाल	५८ मुखिया	इन्टर का. एरन	वि.	सूचना एवं प्रकाशन विभाग
	श्रीमती सुमद्राबाई	४८ पत्नी		वि.	(रिटायर्ड)
	श्री पूरनचन्द	२५ पुत्र	नवीं	अवि.	सैनिक सेवा ३-डॉगारेजीमेंट
	श्री विनेशचन्द	१७ पुत्र	नवीं	अवि.	अध्ययन-आई० टी० आई० वैलिटिंग
	श्री टेकचन्द	१५ पुत्र	दसवीं	अवि.	

बजाज खाना :—

१४०—	श्री श्यामलाल जैसवाल	७० मुखिया		वि.	कर्म-श्यामलाल रघुवरदयाल, पास
	श्रीमती केसरबाई	५५ पत्नी		वि.	मन्डी, मुरार
	श्री रघुवरदयाल	३३ पुत्र		वि.	
	श्रीमती विमलादेवी	३० पुत्रवधू		वि.	
१४१—	श्री रामचरण जैसवाल	५० मुखिया		विधुर	कर्म-रामचरण बट्टीप्रसाद, पास मन्डी
	श्री बट्टीप्रसाद	३४ पुत्र	प्रथमा	वि.	
	श्रीमती केलादेवी	३० पुत्रवधू		वि.	
	श्री अशोककुमार	१४ पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
१४२—	श्री कैलाशचन्द जैसवाल	२४ मुखिया	एम. कॉम.	वि.	सर्विस
	श्री विजयदेवी	१८ पत्नी	हा० से०	वि.	
१४३—	श्रीमती राधाबाई जैसवाल	४५ मुखिया		विधवा	
	श्री महावीर प्रसाद	११ पुत्र		अवि.	

कोतवाली सन्तर :—

१४४—	श्री मोतीलाल जैसवाल	५० मुखिया		वि.	ध्यवसाय
	श्रीमती बदामीबाई	३५ पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	४५ भाई		अवि.	
	कु० लीलाबाई	१४ पुत्री	नवमी	अवि.	
१४५—	श्री श्यामलाल पाण्डेय	७० मुखिया	इन्टर, विचारद	विधुर	सामाजिक कार्यकर्ता, लेखक
	श्री रघुवरदयाल	६५ भाई एचएल० बी०		वि.	एडवोकेट, म. प्र. हाईकोर्ट
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	६० भ्रातावधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	३५ भतीजा	बी.एससी.	वि.	सि.स-जे.सी. मिक्स बायर हाऊस

कोतवाली सन्तर, सौदागर सन्तर व सुदामा पुरी कॉलोनी, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती शान्तीदेवी	३०	भतीजा बच्चा		वि.	
	श्री मानवेन्द्रकुमार	२५	भतीजा	बी० ई०	अवि.	इन्जीनियर
	श्री मणीन्द्रकुमार	२३	भतीजा	M B. B.S.	अवि.	हाउस सर्वेय, जे. ए. हास्पीटल
६४६—	श्री कुन्जीलाल जैसवाल	५५	मुखिया		वि.	अध्यक्ष
	श्रीमती राजोबाई	४०	आई		वि.	
	श्री बाबूलाल	३०	भतीजा	इन्टर	वि.	अध्यापक-प्राथमिक पाठशाला
	श्रीमती शान्तीबाई	२५	भतीजाबच्चा		वि.	गिरमावि
६४७—	श्री रतनलाल सिंघल	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	टेकेदार
	श्रीमती रुक्मिणी देवी	३८	पत्नी		वि.	
	कु० इन्द्रा	१८	पुत्री	बी.ए० II	अवि.	अध्ययन
	कु० गुनमाला	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	कु० मन्जु	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
६४८—	श्री मानिकचन्द सिंघल	२३	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	
	श्रीमती पूनवती	५१	मां		वि.	
	श्रीमती सुशीलाबाई	२०	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री राजकुमार	१६	आई	हा० से०	अवि.	

सौदागर सन्तर मुरार—

६४८—	श्री किशोरीलाल जैसवाल	४८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	कर्म-किशोरीलाल राजकुमार जैसवाल
	श्रीमती शान्तीदेवी	४४	पत्नी		वि.	
	श्री राजकुमार	२३	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	२२	पुत्रबच्चा	मिडिल	वि.	
	श्री चेताराम	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	

सुदामा पुरी कॉलोनी :—

६४९—	श्री अतुलमल जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती जेमेलीबाई	३५	पत्नी		वि.	
६५०—	श्री विशाराम जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती सुखनीदेवी	४२	पत्नी		वि.	
	श्री छोटारमल	२२	पुत्र	मिडिल	अवि.	अभिलेख
	श्रीमती रामकली	१८	पुत्रबच्चा		वि.	
	श्री साधनाप्रसाद	१८	पुत्र		अवि.	सर्विस

महारानी लक्ष्मीबाई रोड, मालरोड, नदी सन्तर, खुला सन्तर, रिसाला बाजार, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
महारानी लक्ष्मीबाई रोड:—						
६५१—	श्री गणेशराम जैसवाल	३२	मुखिया		विधुर	हलवाई की दुकान
	श्री नेमीचन्द	२६	भाई		वि.	
	श्रीमती मूलीदेवी	१८	भाईवधू		वि.	
माल रोड:—						
	श्री रतनलाल जैसवाल	५६	मुखिया	मिडिल	वि.	क्लाथ मर्चेट गंजगेट, मुरार
	श्रीमती रम्मीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री दिनेशकुमार	२४	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती पुष्पलता	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री विनोदकुमार	२१	पुत्र	इन्जीनियरिंग	अवि.	
	कु० उमा	१४	पुत्री	नवमी	अवि.	
६५२—	श्री जिनेंद्रकुमार सिंघल	२६	मुखिया	इन्टर	वि.	ए. एस. जैन कं., मालरोड, मुरार
	श्रीमती ओमवती	२३	पत्नी	विद्याविनोदनी	वि.	
	श्री अशोककुमार	२०	भाई बी० कॉम० II		अवि.	
	कु० स्नेहलता	१६	भानजी	इन्टर	अवि.	
६५३—	श्री प्रेमचन्द शाहवजाज	३२	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती प्रेमचन्द	२६	पत्नी		वि.	
नदी सन्तर:—						
६६४—	श्री नंदलाल जाह	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	पटवारी
	श्रीमती काशीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री रामेश्वरदयान	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
खुला सन्तर मुरार:—						
६६५—	श्री मंगलचन्द डिलवारिया	५५	मुखिया		वि.	कृषि कार्य
	श्रीमतीदेवकुशर	५०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती मुरलीधर	२५	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस-कोपरेटिव स्टोर्स, मुरार
	श्रीमती केलादेवी	२२	पुत्रवधू		वि.	
६६६—	श्री वृषचन्द डिलवारिया	२८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-कोपरेटिव बैंक भांडेर
	श्रीमती जमुनीबाई	६०	माँ		विधवा	
	श्रीमती ज्ञानदेवी	२२	पत्नी		वि.	
रिसाला बाजार मुरार:—						
६६७	श्री प्राणनारायण	३४	मुखिया	बी.ई. IV	अवि.	विद्यापीठ इन्जीनियरिंग कालेज
६६८—	श्री रत्नचन्द	२२	मुखिया	बी.ई. IV	अवि.	

मन्दिर मार्गी जैन श्वेताम्बर समाज, लश्कर

(१४ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का विवरण)

परिवार संस्था	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
सराफा बाजार:—						
१—	श्री भवरलाल सूया	३८	मुखिया	मिडिल	वि.	कर्म:—आसकरज भवरलाल, मरीफ
	श्रीमती राजबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्रीमती बीसीबाई	८०	माँ		विधवा	
२—	श्री बीसूलाल पारल	५६	मुखिया	मिडिल	वि.	कर्म:—भैरोंदान बीसूलाल सराफ, फोन : नं० २१६८
	श्रीमती अमरदेवी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री पारसमल	२५	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	
	श्रीमती ज्योति	२२	पुत्रवधू	बी. कॉम.	वि.	
	श्री बीरचन्द	२२	पुत्र	बी. कॉम. II	अवि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० पया	१४	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	श्री मनोहरमल कोफलिया	५०	मुखिया	B.A., LL.B.	वि.	अभिभावक
३—	श्रीमती कंचनबाई	४७	पत्नी		वि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	२३	पुत्र		अवि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र		अवि.	
	श्री अजयकुमार	१२	पुत्र		अवि.	
	श्री दिव्य कुमार	१०	पुत्र		अवि.	
	कुमारी शरोज	१८	पुत्री		अवि.	
	श्री सुमनराज चारीवाल	३८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	अभिभावक
४—	श्रीमती कमलाबाई	३३	पत्नी	मिडिल	वि.	
	कुमारी निजक	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती पुष्पीबाई	५०	माँ		विधवा	
५—	श्री सूरजराज चारीवाल	५३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	आजीविकार-अनसेवक कायने. रजि०, सेवक आदि, फोन नं० : २३६४
	श्रीमती सुमना चारीवाल	४७	पत्नी		वि.	

सराफा बाजार, लखनऊ

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६—	श्री काममल काठेड़	५५	मुखिया		वि.	व्यवसाय-रेस्टोरेन्ट
	श्रीमती हीरादेवी	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री बोलतकुमार	२९	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस:-पी० डब्ल्यू० डी०,
	श्रीमती विमला	२२	पुत्रवधू		वि.	नवगांव, म० प्र०
	श्री विजयकुमार	२१	पुत्र	मिडिल	अवि.	व्यवसाय-कपड़ा
	कुमारी ज्ञान	१८	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	नवीं	अवि.	
७—	श्री मुन्नालाल कोठारी	४७	मुखिया		बिधुर	कोठारी रेस्टोरेन्ट, सराफा बाजार
	श्री कान्ति कुमार	२१	पुत्र		अवि.	
	श्री ज्ञान्ति कुमार	१९	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री लक्ष्मीकुमार	१७	पुत्र		अवि.	
	कुमारी सुशीला	१५	पुत्री		अवि.	
८—	श्री हजारीमल भूषा	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शासकीय ठेकेदारी
	श्रीमती कमलाबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	६०	माँ		विधवा	
९—	श्री मेमोचन्द मन्डारी	३३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती पुष्पा	२८	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री सुमेरचन्द	२५	भाई	मेट्रिक	वि.	सर्विस:-जे. सी. मिल्स, ग्वालियर
	श्रीमती तारादेवी	२०	भाई की पुत्री	हा. से.	वि.	
	श्री सान्तीलाल	२१	भाई	बी. ए.	अवि.	
	कुमारी कंचन	१४	बहिन	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती साधरकंवर	६०	माँ		विधवा	
१०—	श्री कानमल बच्छावत	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-टोडरमल सिफारिसमल
	श्रीमती तारादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द्र	२८	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस-सेशन कोर्ट ग्वालियर
	श्रीमती पुष्पा	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री गोकुलचन्द	२४	पुत्र	बी. ए. II	अवि.	सर्विस-सहकारी बाजार
११—	श्री पद्मलाल तलिव	४५	मुखिया		वि.	वस्त्र व्यवसायी
	श्रीमती जीवनकंवर	४०	पत्नी		वि.	
	श्री विमलचन्द	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
१२—	श्रीमानकचन्द तलिव	३८	मुखिया		वि.	वस्त्र व्यवसायी
	श्रीमती नर्करीबाई	३६	पत्नी		वि.	

सराफा बाजार, लखनऊ

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	व्यावसायिक विवरण
	श्रीमती मिथीबाई	७०	माँ		विधवा	
	श्री जवाहरलाल	२६	भाई		अवि.	
१३—	श्री गुमानमल लच्छावत	५५	मुलिया		वि.	सर्विस:—साँ ज़ररस पब्लिकेशन
	श्रीमती गुमानबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री निहालचन्द	२८	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस:—भगवती प्रिन्टिंग, प्रेस
	श्री ज्ञानचन्द	२३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कश्मीरी देवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नरेन्द्र	१५	पुत्र		अवि.	
१४—	श्री हीराचन्द मेहता	४५	मुलिया	मिडिल	वि.	बरेल व्यवसाय
	श्रीमती भवरीबाई	३८	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२४	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	२०	पुत्र	बी. ए. II	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१८	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री हेमकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती इमरतीबाई	६०	माँ		विधवा	
१५—	श्री गुमानमल लोढ़ा	६२	मुलिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती आदबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री चन्दनमल	३५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विस कलेक्ट्रेट न्यायिकर,
१६—	श्री हंसराज कोठारी	४०	मुलिया	मेट्रिक	वि.	कोठारी सन्त,
	श्रीमती प्रेमकुमारी	३७	पत्नी		वि.	महावीर गोटा फैक्ट्री,
	श्री अमरकुमार	२०	पुत्र	B.S.C. III	अवि.	फोन : नं० २४३२
	श्री अजीतकुमार	१६	पुत्र	बी. कॉम. III	अवि.	
	श्रीमती गैदाबाई	६५	माँ		विधवा	
१७—	श्री बागमल कोठारी	६६	मुलिया	मिडिल	वि.	सर्विस:—कोठारी सन्त
	श्रीमती गुलाबबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री दीनतमल	३३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस:—प्रसिस्टेण्ट हेड केमिस्ट,
	श्रीमती राजेन्द्रकुमारी	३०	पुत्रवधू		वि.	स्टेट बैंक आफ इण्डिया, न्यायिकर
	श्री सरदारमल	२५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री कपूरचन्द	१६	पुत्र	बी. कॉम II	अवि.	
	कुमारी लीला	१७	पुत्री	नवी	अवि.	
१८—	श्री नेपालसिंह लज्जानी	५०	मुलिया	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय—सोना चांदी, नया सराफा

सराफा बाजार, लखनऊ

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती चम्पाबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	३०	पुत्र		वि.	सबिस:-सार निर्माता कारखाना,
	श्रीमती सुशीलाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	फरीदाबाद
	श्री नरेन्द्रकुमार	२५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सबिस:-जे. सी. मिल्स ग्यालियर
	श्री मनोदकुमार	२१	पुत्र	नवी	अवि.	
	श्री सुरेशकुमार	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	नवी	अवि.	
	श्री चैतन्यकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
१६—	श्री मांगीनाल कोठारी	५२	मुखिया	नवी	वि.	सबिस
	श्रीमती फूलबाई	४६	पत्नी		वि.	
	श्री भवरलाल	२६	पुत्र	नवी	अवि.	
	कुमारी सुशीला	२३	पुत्री	नवी	अवि.	
	कुमारी इन्द्रा	१६	पुत्री		अवि.	
२०—	श्री रतनचन्द वपसरी	६५	मुखिया	मिडिल	वि.	शासकीय पुस्तक बिक्रेता
	श्री मानिकचन्द वपसरी	४७	भ्राता		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२८	भतीजा	मेट्रिक	वि.	सबिस:-हेड केशियर, रोडवेज ग्वा.
	श्रीमती पुष्पा	२६	भतीजावधू	मिडिल	वि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	२४	भतीजा	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कशिप्रभा	२०	भतीजावधू	मिडिल	वि.	
	श्री आजाद कुमार	१६	भतीजा	बी.कॉम. II	अवि.	सबिस:-केशियर रिटेल शॉप
२१—	श्री बस्तीमल नायटा	४६	मुखिया	एम. कॉम.	वि.	ऐजेन्ट:-कृष्णराम बलदेव बैंक लि.
	श्रीमती मालकबाई	४४	पत्नी	मिडिल	वि.	कोलारत
	कुमारी आशा	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
२२—	श्री देवेन्द्रकुमार लूनिया	१८	मुखिया	इन्टर	अवि.	
	श्रीमती कमेलीबाई	६५	बड़ी माता		विधवा	
	श्रीमती सम्पतबाई	५०	माता	मिडिल	विधवा	
२३—	श्री तेजमल हर्षावत	५६	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	पार्टनर्स:-कम. एजे. फो. नं. २५७७
	श्रीमती सुशीलाबाई	४८	पत्नी	मिडिल	वि.	मकॅन्टाइल एजेन्सीज फो. नं. ७२५
	श्री बरधनकुमार	२२	पुत्र	बी.ई. कावगल	वि.	ग्वा. अमरेला फॅक्ट्री, फो. नं. २५५१
	श्री पारसकुमार	२०	पुत्र	M. B., B. S. II	अवि.	रामप्रसाद तेजमल फोन नं २३६५
	श्री अजीतकुमार	१७	पुत्र		अवि.	
२४—	श्री लक्ष्मीचन्द शोडिया	३६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	जैन बुक्स ट्रांसपोर्ट ऐजेन्सी,

सरफा बाजार, लइकर

परिवार संस्था	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	बाजीबिका विवरण
	श्रीमती रोशनबाई	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	दालबाजार
	श्री कमलचन्द	३३	भ्राता	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सुमीला देवी	२८	भ्रातावधू	मिडिल	वि.	
	श्री ताराचन्द	२२	भ्राता	इन्टर	अवि.	मिठ बुतल, कला मन्दिर, कमशियल,
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	६०	मा		विधवा	मार्गटस्ट
२५—	श्री छबीलदास गुजराती	४२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	अवसायी
	श्रीमती रमा बहिन	३६	पत्नी		वि.	
	श्रीमती मणी बहिन	६०	माता		विधवा	
	कुमारी प्रफुल्ला	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री हरीश	२३	पुत्र इलेक्ट्रिक मेकनिक	अवि.	इ० मे० जामनगर, गुजरात, सौराष्ट्र	
२६—	श्री कमलाबाई दूवेडिया	४५	मुखिया	विधवा		
२७—	श्री सोहनलाल पूंगलिया	६०	मुखिया		विधुर	जवाहरात व सोना चांदी के व्यापारी
	श्री विजयकुमार	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	वस्त्र-व्यवसायी बहादुर पुर
	श्रीमती बनवती	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
२८—	श्री बुभोलाल पारख	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	भागीदार-कर्म मैरोदान बीसूलाब,
	श्रीमती रूपबाई	५०	पत्नी		वि.	सर्वाफ फोन : नं० २१६८
	श्री सन्तोषकुमार	३०	पुत्र	बी. क्रॉम	वि.	गल्ला व्यवसाय
	श्रीमती मानिकबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२६	पुत्र	हा० से०	वि.	कर्म:-प्रेमचन्द मानिकचन्द सर्वाफ
	श्रीमती मोनाबाई	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री जेमचन्द	२४	पुत्र	बी० ई०	वि.	
	श्रीमती कुमुद	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मानिकचन्द	२१	पुत्र	बी. कॉम.	अवि.	कर्म:-पारख बरबर् क्लॉथ मर्चेन्ट,
	कुमारी शीला	१८	पुत्री	बी. ए. I	अवि.	सोल एजेन्ट मफतलाल गुप
	कुमारी चन्द्रकला	१६	पुत्री	हा० से०	वि.	
	कुमारी शशि कला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
२९—	श्री बाबूलाल पारख	४२	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	कर्म:-पारख एण्ड सन्स क्लॉथ,
	श्रीमती मैनादेवी	३२	पत्नी		वि.	मर्चेन्ट फोन : नं० २३२१
	श्री रिखचन्द	१८	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	कुमारी विमला	१४	पुत्री	हा० से०	अवि.	
३०—	श्री अनिकचन्द शांतेड	४६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	एजेन्ट-हालकीय प्रकाशन
	श्रीमती चन्नाबती	४१	पत्नी		वि.	

Phone No. 701

with best compliments form :-

PRAKASH

Rolling Shutters

Manufacturers :

PRAKASH IRON INDUSTRIES

LOHIA BAZAR,
LASHKAR - GWALIOR (M. P.)

With best compliment from :-

Phones { Factory. 1295
Resi. 997, 1206

DECORATE YOUR FLOORS WITH :

ACTO TILES

(PLAIN, MOSAIC & TERRAZZO)

Most Durable & Cheaper in Attractive Colours & designs

Approved by the Govt. Test House, Alipore, Calcutta

AND

On the approved list of C. P. W. D., P. W. D. & M. E. S.

Manufactured on

Automatic plant under Technical supervision

BY

The Associated Tiles & Cement Industries

25B/26A, Industrial Estate, Gwalior-4 (M. P.)

सराफा बाजार व दानाघोली, लहकर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कुमारी कुसुम	१८	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	कुमारी पुष्पा	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
३१—	श्रीमती ताराबाई	२४	मुखिया	बी. ए. II	विधवा	अध्या. हा. से. स्कूल, रेल्वे कारीनी
दानाघोली:—						
३२—	श्री बागमल सिंधी	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	अ्यवसाय, जैन देन, खेती बाड़ी
	श्रीमती ज्येकंबर	४८	पत्नी		वि.	
	श्री हस्तीमल	२०	पुत्र	बी. एस-सी.	वि.	
	श्रीमती कंचन	१६	पुत्रवधू		वि.	
	कुमारी शकुन्तला	१६	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३३—	श्री बांदमल सिंधी	७०	मुखिया	मिडिल	वि.	पेन्शनर एवं स्टेशन विक्रेता
	श्रीमती हुकुम देवी	६५	पत्नी		वि.	
३४—	श्री सोमग्यमल सिंधी	५२	मुखिया	बी. ए.	वि.	सर्विस:-एम. पी. स्टेट कॉ. बैंक
	श्रीमती ताराबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री जीतमल	२२	पुत्र	बी. ई. IV	अवि.	
	श्री कमलचन्द	१८	पुत्र	बी. एस-सी. I	अवि.	
	श्री छगनमल	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३५—	कन्हैयालाल गोठी	६३	मुखिया	मेट्रिक	विधुर	
	श्री दुर्गा प्रसाद	३२	पुत्र	एम. ए.	वि.	सर्विस:-स्टेट बैंक ऑफ इन्डिया, स्वा.
	श्रीमती पद्मा	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री हेमचन्द	२४	पुत्र	हा० से०	अवि.	
३६—	श्री कुशलचन्द गुगलिया	५३	मुखिया	७ वीं	वि.	सर्विस:-जे. ए. ग्रुप ऑफ हस्पिटल
	श्रीमती मानकुवर	५०	पत्नी		वि.	
३७—	श्री विजयराम लुनावत	३५	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	पत्रकार
३८—	श्री दानचन्द सेठिया	३५	मुखिया	इन्टर	वि.	एजेन्ट बारदाना आदि
	श्रीमती बसन्तीबाई	२६	पत्नी		वि.	
३९—	श्री भागचन्द हरड़ा	४०	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	वस्त्र व्यवसायी
	श्रीमती नानीबाई	४७	माता		विधवा	
	श्री निहालचन्द	१६	भतीजा	मिडिल	अवि.	
४०—	श्रीमती सुमनबाई कुचेरिया	६०	मुखिया		वि.	
४१—	श्री मानमल पुराना	६५	मुखिया		वि.	दलाली-सोना चांदी
	श्रीमती पानबाई	५८	पत्नी		वि.	

बालशिक्षी, लखनऊ

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४२—	श्री नथमल सुराना	६०	मुन्निदा		वि.	दलाली-सोना चादी
	श्रीमती छोटीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री मागचन्द	२१	पुत्र	बी. ए.	वि.	सर्विस
	श्रीमती कमलकान्ता	१८	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	कुमारी आशा	१४	पुत्री	नवीं	अवि.	
४३—	श्रीमती लालबाई सचेती	६५	मुलिया		विधवा	
४४—	श्री पूरनचन्द कोठारी	६५	मुलिया		विधुर	सोने चांदी का व्यवसाय
	श्री प्रेमचन्द	४५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सावरदेवी	४०	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री कान्ति कुमार	२०	पौत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री निर्मल कुमार	१७	पौत्र	B. A. I	अवि.	
	श्री ऋषभ कुमार	१५	पौत्र	मेट्रिक	अवि.	
४५—	श्री सैजमल भंसाली	५५	मुलिया	मेट्रिक	विधुर	सर्विस:-पोस्ट मास्टर
४६—	श्री रतिलाल गुजराती सेठ	६७	मुलिया	मेट्रिक	विधुर	फर्म:-रतिलाल वेबरदास-मोटर
	श्री भोगीलाल	४२	पुत्र	नवीं	वि.	पाटंस् डीलर फोन : २००६
	श्रीमती चन्द्रावती	३८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री चन्द्रकान्त	३२	पुत्र		वि.	फर्म:-बालियर मोटर हाऊस,
	श्रीमती जसुमती	२८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	फोन : न० १६८३
	कुमारी बीना	१५	पौत्री	मेट्रिक	अवि.	
४७—	श्री उत्तमचन्द सिंघी	३२	मुलिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस:-जे. सी. मिल्स बालियर
	श्रीमती मन्वरबाई	२७	पत्नी		वि.	
	श्री देवेन्द्र कुमार	२७	भ्राता	मेट्रिक	वि.	सर्विस:-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	२२	भ्रातावधू	मिडिल	वि.	
	श्री हेमराज	१४	भ्राता	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती चम्पाबाई	४८	माता		विधवा	
४८—	श्री सुपार्श्वमल भंसाली	५३	मुलिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस:-कमलियल एजेन्सीज
	श्रीमती रतनबाई	४७	पत्नी		वि.	
	श्री कमल कुमार	२०	पुत्र	बी. ई. III	अवि.	
	कुमारी पुष्पा	१५	पुत्री		अवि.	
४९—	श्री सौभाग्यमल कोठारी	५०	मुलिया		वि.	फिराना व्यवसाय
	श्रीमती राजादेवी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री विजय कुमार	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	

बानाघोली, नया बाजार, लोहिया बाजार, कम्पू रोड लहर

परिवार संख्या	नाम	आयु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	२४ पुत्रवधू		वि.	
	श्री नानकचन्द	२३ पुत्र	बी. कॉम. I	अवि.	
	श्री भानिकचन्द	२० पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	१४ पुत्र		अवि.	
	कुमारी रतनबाई	१४ पुत्री		अवि.	
नया बाजार:—					
५०—	श्री केशरीमल भंसाली	५० मुखिया	मिडिल	वि.	सोमा चांदी व्यवसायी
	श्रीमती कमलादेवी	३८ पत्नी		वि.	
	श्री सतीशकुमार	१७ पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
लोहिया बाजार :—					
५१—	श्री हीराचन्द कोठारी	५५ मुखिया		वि.	लोहे का व्यवसाय
	श्रीमती सुरजकुमारी	५० पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२४ पुत्र	D.H.B., B.A. II	अवि.	मेडीसिन व्यवसाय
	श्री निर्मलकुमार	२३ पुत्र	बी. कॉम.	अवि.	
	श्री हेमन्तकुमार	२० पुत्र	बी. कॉम. I	अवि.	
	कुमारी पद्मा	२० पुत्री		अवि.	
	कुमारी शशिबाला	१४ पुत्री	मिडिल	अवि.	
५२—	श्री देवेन्द्रकुमार कोठारी	३५ मुखिया	B.Sc., LL.B.	वि.	अभिभावक
	श्रीमती कमलादेवी	३० पत्नी		वि.	
५३—	श्री प्रतापचन्द कोठारी	५० मुखिया		वि.	
	श्रीमती लीलादेवी	४५ पत्नी		वि.	
कम्पू रोड लहर :—					
५४—	श्री ज्ञानचन्द भंसाली	४७ मुखिया	इन्टर	वि.	पार्टनर- कमिश्नल एजेंसी,
	श्रीमती प्रेमलता	४२ पत्नी	मेट्रिक	वि.	जयभारत मोटोमोबाईल्स
	कुमारी सुभा	२२ पुत्री	M. B. B. S.	अवि.	
	कुमारी मन्धु	२० पुत्री	बी. ए.	अवि.	
	कुमारी आशा	१८ पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	श्री अनिलकुमार	१६ पुत्र	बी. ई. II	अवि.	
	कुमारी सरोज	१४ पुत्री	मेट्रिक	अवि.	

जवाहर कालोनी

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
------------------	-----	-----	---------	--------	-------------------	---------------

जवाहर कालोनी :—

५५—	श्री जीवनमल कोचर	५७	मुखिया	एल.एल.बी.	वि.	रिटायर्ड-आई. एस. ऑफिसर
	श्रीमती रतनदेवी	५४	पत्नी		वि.	फोन : नं० १४६८
	श्री सत्येन्द्रकुमार	३५	पुत्र	केमि. इजी	वि.	केमिकल्स व्यवसायी, देहली
	श्रीमती दर्शनदेवी	३२	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	३३	पुत्र	सिविल इजी.	वि.	सिविल इन्जीनियर-बम्बई
	श्रीमती सञ्जन	२७	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री भूपेन्द्रकुमार	३१	पुत्र	M.B.B.S., M.B.	वि.	प्राइवेट प्रेजिडन्स-कलकत्ता
	श्रीमती कुसुम	२४	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	
	कुमारी डॉ० सन्तोष	२६	पुत्री	M.B.B.S.	वि.	फोडिओटिक डिपा. क. रा. हाट.
	कुमारी पद्मा	२४	पुत्री	M. Sc.	अवि.	टोम्बे ट्रेनिंग स्कूल, बम्बई
	कुमारी सरोज	१७	पुत्री	B. Sc. II	अवि.	
	कुमारी मन्जु	१५	पुत्री	नवीं	अवि.	
५६—	श्री मन्वरलाल डड्डा	४०	मुखिया	इन्टर	वि.	पार्टनर-मर्कन्टाइल ऐजेन्सीज फोन
	श्रीमती इन्दुरानी	३६	पत्नी		वि.	नं० ७२५
	कु० कुसुमलता	२०	पुत्री	M.B.B.S.(F.)	अवि.	
	कु० स्नेहलता	१८	पुत्री	M.B.B.S. (Pre)	अवि.	
	कु० पूर्णिमा	१६	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	कु० मधु	१५	पुत्री	नवीं	अवि.	
५७—	श्री प्रतापसिंह तीपानी	४०	मुखिया	M.A., LL.B.	वि.	असिस्टेंट सेल्स मैनेजर, जे० सी०
	श्रीमती बीसीबाई	५५	माँ		विधवा	मिल्ल
	श्रीमती पद्मकुमारी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	३५	भाई	एम. ए.	वि.	व्याख्या-काबुबा (म० प्र०)
	श्रीमती स्नेहलता	३२	भाई वधू	एम. ए.	वि.	
	श्री भीतलकुमार	२८	भाई	M. Sc. (P.)	वि.	व्याख्याता, भिन्ड (म० प्र०)
	श्रीमती यशवन्तकुमारी	२५	भाई वधू	हा. से.	वि.	
	श्री जीबनसिंह	२२	भाई	हा. से.	अवि.	सर्विस-म० प्र० कॉन्सपेरेटिव बैंक
	कु० मदनप्रसा	१६	बहिन	B. Sc. I	अवि.	जबलपुर
	श्री विजयसिंह	१५	भाई	मेट्रिक	अवि.	
५८—	श्री जुगराज भारीवाल	४२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-म० प्र० स्टेट कोऑपरेटिव
	श्रीमती कमला	३६	पत्नी		वि.	बैंक लि०, ग्वालियर

जवाहर कॉलोनी, माधोगंज, लक्ष्मी कॉलोनी, लाला का बाजार

परिवार संस्था	नाम	आयु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कु० सुशीला	१६ पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री प्रेमराज	१७ पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० तारा	१८ पुत्री	हा० से०	अवि.	
माधोगंज :—					
५६—	श्री इन्दरचन्द नायटा	५० मुखिया	मेट्रिक	वि.	कर्म-नेमीचन्द छोटेसाल सराफ
	श्रीमती रतनबाई	४० पत्नी	हिन्दी	वि.	
	कु० स्नेहलता	१४ पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
६०—	श्री बुधराज धारीवाल	४३ मुखिया	मिडिल	वि.	नविस-जैन कोल डिपो
	श्रीमती जीवनबाई	४० पत्नी		वि.	
	श्री कुशलराज	२२ पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० इन्द्रा	१७ पुत्री	मिडिल	अवि.	
६१—	श्री विजयराम धारीवाल	३१ मुखिया	हा. से.	वि.	सविस-जिला सहकारी मंथ. मुरेना,
	श्रीमती कमलाबाई	२१ पत्नी	मेट्रिक	वि.	म० प्र०
	श्री अक्षयराज	२० आता	B. A. M. S. III	अवि.	
	श्रीमती धनकुंवर	६३ माता	मिडिल	विधवा	
६२—	श्री अनूपचन्द दफ्तरी	५५ मुखिया	बी० ए०	वि.	दिपो मैनेजर बेंरागढ़, भोपाल
	श्रीमती कमलादेवी	४५ पत्नी	मिडिल	वि.	
	कु० आशाकुमारी	१६ पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
लक्ष्मी कॉलोनी :—					
६३—	श्री बद्धमान पारख	३५ मुखिया	P. A., LL. B.	वि.	एक्साईज इन्स्पेक्टर
	श्रीमती सुशीला	२७ पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती केशरबाई	५५ मा		विधवा	
लाला का बाजार :—					
६४—	श्री मंगलचंद श्रीमाल	३५ मुखिया		वि.	सविस-सारडा क्लाय स्टोम
	श्रीमती ज्ञानबाई	२५ पत्नी		वि.	
	श्रीमती धन्यकुमारी	७० मा		विधवा	
	श्री प्रदीपकुमार	१४ पुत्र		अवि.	
६५—	श्री बागमल धारीवाल	६५ मुखिया	मिडिल	वि.	धारीवाल ग्रैड कम्पनी
	श्रीमती धांपूबाई	६० पत्नी		वि.	
	श्री फतेहचन्द	३५ पुत्र	मेट्रिक	वि.	सराफी व्यवसाय
	श्रीमती प्रेमलता	३० पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री शेरसिंह	३० पुत्र	मेट्रिक	वि.	जैकर्स, हुन्डी परचे की दलाली

लाला का बाजार, जीवाजीगंज

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सुशीला	२७	पुत्रवधू	मैट्रिक	वि.	
	श्री सुल्तानसिंह	२५	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	
	श्रीमती राजकुमारी	२२	पुत्रवधू	मैट्रिक	वि.	
	श्री मांगीलाल	२०	पुत्र बी. कॉम.	द्वितीय	अवि.	
	श्री कमलचन्द	१६	पुत्र	मैट्रिक	अवि.	
	श्री गुलाबदेवी	८५	मां		विधवा	
६६—	श्री सूरजमल मारीबाल	५४	मुलिया	मिडिल	वि.	हुन्डी पर्व की दलाली
	श्रीमती ज्ञान्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री जैमप्रकाश	२१	पुत्र बी. ए.	द्वितीय	अवि.	
	श्री बिमलचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१७	पुत्र	नवी	अवि.	
जीवाजीगंज :—						
६७—	श्री मानमल सांड	५१	मुलिया	मैट्रिक	वि.	सर्विस-सेन्ट्रल रेलवे
	श्रीमती कमलाबाई	४६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री सरदारमल	२८	पुत्र	बी. ए.	वि.	सर्विस-जैन पेट्रोल पम्प
	श्रीमती पुष्पाबाई	२२	पुत्रवधू	मैट्रिक	वि.	
	श्री विजयमल	२४	पुत्र	मिडिल	वि.	ठेकेदारी
	श्रीमती ज्ञान्तीबाई	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री अजयमल	२२	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस-बस कन्डक्टर
	श्री सुभाषचन्द्र	२०	पुत्र	मिडिल	अवि.	व्यापार
	श्री अशोककुमार	१७	पुत्र बी०ए०	कायनल	अवि.	
	कु० हेमलता	१५	पुत्री	मैट्रिक	अवि.	
६८—	श्री बीरेश्वरकुमार नायट	३६	मुलिया	बी. कॉम.	वि.	ट्रैफिक मैनेजर, डी० टी० यू०
	श्रीमती सजनकुमारी	३३	मां	मिडिल	विधवा	
	श्रीमती भीमाकुमारी	३३	पत्नी	मैट्रिक	वि.	
	श्री राजेश्वरकुमार	३४	भ्राता	बी० ए०	वि.	जैन ब्रदर्स पेट्रोल पम्प, मोपाल
	श्रीमती सोमण्य सुम्हरी	२८	भ्रातावधू	मैट्रिक	वि.	
	श्री गणेशकुमार	३२	भ्राता	बी० ए०	वि.	जैन ब्रदर्स पेट्रोल पम्प, लखर
	श्रीमती आनारानी	२७	भ्रातावधू	मैट्रिक	वि.	
	श्री महेश्वरकुमार	३०	भ्राता	B.Sc. Engg.	वि.	अवसाय-जैन मोटर्स इन्जीनियर
	श्रीमती मधुरानी	२६	भ्रातावधू	बी० ए०	वि.	विकास लखर

जीवाजीगंज, जनकगंज, बोलतगंज व नई सड़क

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री सुरेन्द्रकुमार	२८	भ्राता	बी० ए०	वि.	जैन मोटर्स-सेल विभाग, लखनऊ
	श्रीमती प्रभाकुमारी	२३	भ्रातावतु	मैट्रिक	वि.	
	कु० आशारानी	१६	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	कु० लखारानी	१४	पुत्री	मैट्रिक	अवि.	
जनकगंज लड़कर :—						
६६—	श्री हरसद गुजराती	२८	मुलिया	मैट्रिक	अवि.	ओटोमोबाइल डीलर
	श्री धीरेन्द्रकुमार	२१	भतीजा	डी.पी.टी.	अवि.	
बोलतगंज लड़कर :—						
७०—	श्री केशरीमल तातेड़	३३	मुलिया		वि.	फर्म-राजस्थान गोटा केवटरी
	श्रीमती मनोहरबाई	५५	माँ		विधवा	बोलतगंज फोन न० २४०१
	श्रीमती समन्धरबाई	२८	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२५	भाई	बी० ए०	वि.	सर्विस-अजमेर स्टेट कोऑपरेटिव
	श्रीमती उगमबाई	२२	भाईवतु		वि.	बैंक, अजमेर
नई सड़क लड़कर :—						
७१—	श्री उत्तमचन्द कांस्टया	५१	मुलिया	मैट्रिक	वि.	सर्विस-सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया,
	श्रीमती केशरबाई	४५	पत्नी	मिडिल	वि.	ग्वालियर
	कु० सुर्मेगला	१६	पुत्री	बी. ए.	अवि.	
	श्री हेमचन्द	१६	पुत्र	मैट्रिक	अवि.	
ग्वालियर रेयन, बिरला नगर :—						
७२—	श्री हीरालाल श्रीमाल	४३	मुलिया	बी० कॉम०	वि.	मैनेजर, ग्वालियर रेयन
	श्रीमती प्रेमलता	४०	पत्नी		वि.	
	कु० मन्जु	१६	पुत्री	इन्टर	अवि.	
	श्री भुकेशकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती दुर्गाबाई	६५	माँ		विधवा	
७३—	श्री अंबरलाल श्रीमान	३७	मुलिया	मैट्रिक	वि.	वेयर हाऊस
	श्रीमती लालबाई	३२	पत्नी		वि.	
७४—	श्री छोटनलाल श्रीमाल	३५	मुलिया	मैट्रिक	वि.	असिस्टेन्ट टाईम कीपर
	श्रीमती अंगूरीबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्रीमती लीलाबाई	६०	माँ		विधवा	
७५—	श्री जोगेन्द्रकुमार	२७	मुलिया	बी० ए०	वि.	मेनिंग इन्चार्ज
	श्रीमती लज्जन	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	

ग्वालियर रेयन, बिरलानगर व जीवाजीराव कॉटन मिल्स बिरलानगर

पन्निवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७६—	श्री पदमचन्द गर्ग	३१	मुखिया	B. Tec.	वि.	बीविंग असिस्टेन्ट
	श्रीमती सरोजबाई	२५	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
७७—	श्री रमेशचन्द तातेड	२७	मुखिया	एम० कॉम०	वि.	प्रतिनिधि ग्वालियर रेयन
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	२१	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
जीवाजीराव कॉटन मिल्स, बिरलानगर :—						
७८—	श्री पर्वतमल मंडारी	४५	मुखिया	इन्टर	वि.	गोडाउन इन्चार्ज, स्टील फाऊन्ड्री
	श्रीमती गुलाबकमल	४०	पत्नी		वि.	
	श्री बीरेन्द्रमल	२४	पुत्र	बी० कॉम०	वि.	सेल्स, टेक्स, इन्कमटेक्स-जे० सी०
	श्री राजेन्द्रमल	२२	पुत्र	डिप्लोमा	अवि.	मिल
	श्री गजेन्द्रमल	२०	पुत्र	इन्टर	अवि.	
७९—	श्री अनिलकुमार मुराना	३२	मुखिया	बी० कॉम०	वि.	फाईवर पर्चेजर
	श्रीमती कैलाशकुमारी	२५	पत्नी	बी० ए०	वि.	
८०—	श्री सरदारसिंह कोठारी	३१	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल
	श्रीमती सुधा	२८	पत्नी		वि.	
८१—	श्री बिमलसिंह मेहता	३०	मुखिया	बी० ई०	वि.	सिविल इन्जीनियर
	श्रीमती श्यामा	२२	पत्नी	बी० ए०	वि.	
	श्री भद्रेशकुमार	१४	भाई	मेट्रिक	वि.	
८२—	श्री अक्षयसिंह राका	६५	मुखिया		विधुर	पे-जनर-उदयपुर
	श्री भवरलाल राका	३४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल
	श्रीमती प्रेमलता	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री भगवतीलाल	२६	पुत्र	बी० ई०	वि.	इन्जीनियर, जे० सी० मिल
	श्रीमती शकुन्तला	२२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
८३—	श्री चन्द्रभानसिंह ढावरिया	३०	मुखिया	एम.एस.सी.	वि.	नेल्स विभाग, जे० सी० मिल
	श्रीमती सुशीला	२७	पत्नी	मिडिल	वि.	
८४—	श्री त्रिलोकचन्द श्रीमान	४६	मुखिया	बी.एस.सी.	वि.	जनरल ड्राइंग असिस्टेन्ट
	श्रीमती स्वरूप	४२	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री भवरलाल	२५	पुत्र	बी० ए०	वि.	मास्टर-जे० सी० मिल स्कूल
	श्रीमती प्रेमलता	२२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२३	पुत्र	बी० ए०	अवि.	सेल्समेन-ग्वालियर रेयन
	श्री बीरेन्द्रकुमार	२१	पुत्र	B. Sc. II	अवि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	B. Sc. II	अवि.	

जीवाजी राव काटन मिहस खिरला नगर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री महेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	क० मरोज	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
८५—	श्री आनन्दमन अड़वत्या	६४	मुखिया		विधुर	पेन्शनर
	श्री शिखरमन	३५	पुत्र	बी० ए०	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल
	श्रीमती नवरत्नबाई	३०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
८६—	श्री कचनलाल भंडारी	५४	मुखिया	इन्टर	वि.	डाइंग मास्टर-जे० सी० मिल
	श्रीमती मालतीदेवी	४६	पत्नी		वि.	
	श्री कृष्णचन्द	१८	पुत्र	डाइंग डिप्लोमा	अ.व.	
८७—	श्री रणवीरसिंह धारीवाल	२१	मुखिया	बी० ए०	अवि.	ट्रेनिंग

फर्म रजि० नं० १२२६

गोल्ड डीलर लायसेंस नं० ६६/६३

फोन नं० २५२६

मै० गनपतलाल किशनलाल ज्वेलर्स

हमारे यहाँ भवन निर्माण के लिये डेवलपमेंट व सुधारन्यास से मान्यता प्राप्त फ्री होल्ड प्लोट्स निम्न स्थानों पर उपलब्ध हैं :

- * गांधी रोड
- * जीवाजी यूनिवर्सिटी रोड
- * स्टेशन रोड (फूलबाग के सामने)
- * मेला ग्राऊन्ड (गोले का मन्दिर)

हमारे यहाँ २२ कंस्ट शुद्धता के आभूषण हमेशा तैयार मिलते हैं। आर्डर देने पर अच्छे कारीगर द्वारा तैयार करवा दिये जाते हैं।

लैंड एन्ड प्रोपर्टी डीलर्स, कॉलोनाइजर्स एन्ड फाइनेंसर्स

सराफा बाजार, लखनऊ (ग्वालिअर)

साधु मार्गी श्वेताम्बर जैन समाज

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
---------------	-----	-----	---------	--------	----------------	---------------

माधवगंज:—

८८	श्री ज्ञानचन्द गूगल्या	४७	मुलिया		वि.	जंगलात ठेकेदारी
	श्रीमती कमलादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री मूलचन्द	२३	पुत्र	बी० कॉम०	वि.	
	श्रीमती मूलचन्द	१८	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	
	श्री नवलचन्द	२०	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० चन्द्रकांता	१५	पुत्री	हा० से०	अवि.	
८९	श्री प्रतापचन्द गूगल्या	४०	मुलिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-प्रतापचन्द रिलवचन्द ब्रदर्स,
	श्रीमती कपूरीबाई	५०	माँ		विधवा	पिछाडी शितोले, माधवगंज
	श्रीमती हीराबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रिलवचन्द	३३	भाई	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	२६	भाई वधू		वि.	
	श्री बालचन्द	२४	भाई	बी एस सी.	वि.	
	श्री यशवन्त	१९	भाई	हा० से०	अवि.	
	कु० मुकुला	१८	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१७	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० ऊषा	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
९०	श्री सखनमल नायटा	६०	मुलिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिस्स
	श्रीमती तेजकुमारी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री हस्तीमल	३९	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती शांतीबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	

सरफा बाजार लवकर:—

९१	श्री डीपचन्द केहूता	५५	मुलिया	मिडिल	वि.	फर्म-हमीरमल खानमल सराफ,
	श्रीमती इन्द्राबाई	५०	पत्नी		वि.	सरफा बाजार फोन नं० २४१४
	श्री भानिकचन्द	३४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२९	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	

सराफा बाजार लवकर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री प्रेमचन्द	३३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	जीन ब्रदर्स, ५५ मारवाड़ी बाजार,
	श्रीमती तिलक सुन्दरी	२८	पुत्रवधू		वि.	बम्बई फोन नं० ३२४५६८
	श्री पद्मचन्द	३१	पुत्र	एम० कॉम०	वि.	सर्विस-जे० सी० मिस्स
	श्रीमती पारसकुमारी	२६	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री हेमचन्द मेहता	२५	पुत्र	बी० कॉम०	वि.	
	श्रीमती पुवराज	२२	पुत्रवधू	बी० ए०	वि.	
६२—	श्री उदयचन्द बापना	७४	मुलिया		विधुर	फर्म-उदयचन्द बागमल बापना
	श्री टीकमचन्द	४१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	फर्म-बापना क्लोथ स्टोर्स
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	३८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	आर० बापना ब्रदर्स, बस्न व्यव-
	कु० धीरकान्ता	२१	प्रपौत्री M.A.		वि.	साय, सराफा बाजार, फोन २४३६
	कु० हेमलता	१७	प्रपौत्री बी० ए० II		अवि.	
	श्री धीरेन्द्रकुमार	१६	प्रपौत्र	बी० कॉम०	अवि.	
६३—	श्री सुगनचन्द मूया	५८	मुलिया		वि.	सोने-चादी के दलाल
	श्रीमती जलनबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	एम० कॉम०	वि.	सर्विस-यू. फो० बैंक सराफा बाजार
	श्रीमती विमलेश	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	२४	पुत्र	हा० से०	अवि.	सर्विस-ऐयर फोर्स
	कु० ललेश	२०	पुत्री	बी० ए० II	अवि.	
	कु० शुषमा	१७	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	कु० स्नेहलता	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती सुगनबाई	७०	मा		विधवा	
६४—	श्री सुगनचन्द मेहता	८१	मुलिया		वि.	
	श्रीमती सुगनबाई	६१	पत्नी		वि.	
	श्री पीरचन्द	४०	पुत्र	मिडिल	वि.	हुण्डी-पच्चे के दलाल
	श्रीमती अंगूरीबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नवलचन्द मेहता	३३	पुत्र		अवि.	सर्विस
	श्री नेमीचन्द	३०	पुत्र		अवि.	कृषि कार्य
६५—	श्री स्वर्णचन्द मेहता	५५	मुलिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-ग्वालियर अस्मिता कंबट्री
	श्रीमती भगवती	५०	पत्नी		वि.	फोन नं० २५५१
	श्री विजयकुमार	३१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	फर्म लक्ष्मी ट्रेडर्स
	श्रीमती माकुलता	२६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री हरीशचन्द	२४	पुत्र	एम० ई० टी०	अवि.	

सराफा बाजार, लडकर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कु० बिमला	१८	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	कु० सरोज	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६६—	श्री मोतीलाल मोहता	५५	मुखिया		वि.	
	श्रीमती भवरबाई	५०	पत्नी		वि.	
६७—	श्री सूरजमल सचेती	७०	मुखिया		विधुर	फर्म-टोडरमल सिकाशिमल,
	श्री चन्द्रकुमार	४०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	जय भारत ओटोमोबाईल,
	श्रीमती चन्द्रकुमारी	३६	पुत्रवधू		वि.	घर फोन न० २२८४
	श्री राजेन्द्रकुमार	३४	पुत्र	इन्टर	वि.	दुकान फोन न० २१६७
	श्रीमती शकुन्तला	३०	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री सुभाष	२३	प्रपौत्र B Sc., L. L. B.		अवि.	
	श्री सतीशकुमार	२०	प्रपौत्र B. Sc. I		अवि.	
	श्री अजीतकुमार	१८	प्रपौत्र बी०एस सी०		अवि.	
	कु० बीन	१६	प्रपौत्री	नवी	अवि.	
	श्री प्रमोद	१४	प्रपौत्र	मिडिल	अवि.	
६८—	श्री श्रीचन्द रियावाले	२७	मुखिया	मेट्रिक	वि.	काश्तकारी
	श्रीमती बाई जी	५१	दादी		विधवा	
	श्रीमती बुझाई साव	४१	माँ		विधवा	
	श्रीमती मुशीला	२२	पत्नी		वि.	
	श्री अजीत	२०	भाई	बी. एस सी.	अवि.	
	कु० ऊषा	१६	बहिन	मेट्रिक	अवि.	
	कु० चन्द्रप्रभा	१८	बहिन	मेट्रिक	अवि.	
	कु० विजया	१६	बहिन	मेट्रिक	अवि.	
	कु० मधु	१४	बहिन	मिडिल	अवि.	
६९—	श्री दीपचन्द भडकतिया	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-जैन आभूषण भंडार, सराफा
	श्रीमती जतनबाई	३५	पत्नी		वि.	बाजार
१००—	श्रीमती पद्मलाल कोचेटा	६०	मुखिया		विधवा	
१०१—	श्री सागरमल	६०	मुखिया	मिडिल	विधुर	मुनीम-भेरोशन बीसलाल सराफ
१०२—	श्री मुन्नालाल भडकतिया	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-धन्नालाल मुन्नालाल सराफ,
	श्रीमती सैफजीबाई	६०	माँ		विधवा	सराफा बाजार
	श्रीमती निर्मलाबाई	२४	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२४	भाई	मेट्रिक	अवि.	ओसवाल इलेक्ट्रिक स्टोर्स, सराफा

सरपंचा बाबत व जनकगंज, लखकर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री हरीशचन्द	२२	भाई	मैट्रिक	अवि.	
	श्री कमलचन्द	२०	भाई	C. A. (Pre.)	अवि.	
१०३	श्री जगदीशचन्द मित्तल	४८	मुखिया	इन्टर	वि.	अवसाय
	श्रीमती सरोजलता	४२	पत्नी	इन्टर, विशारद	वि.	
	श्री ऋषभकुमार	२४	पुत्र	बी. ए.	अवि.	सर्विस-स्टेट बैंक आफ इन्दौर
	श्री अरुणकुमार	२१	पुत्र	बी० कॉम०	अवि.	ऐजेंट-इन्सुरेण
	कु० श्रीभारानी	२०	पुत्री	बी० ए० प्रथम	अवि.	
	श्री प्रदीपकुमार	१६	पुत्र	मैट्रिक	अवि.	

जनकगंज, लखकर :—

१०४—	श्री कमलचन्द मेहता	४३	मुखिया	मैट्रिक	वि.	लजान्ची-सेन्ट्रल बैंक ऑफ इडिया
	श्रीमती मेनाबाई	६५	मा		विधवा	रवानियर
	श्रीमती आशारानी	३७	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री नरेशकुमार	१८	पुत्र	बी. कॉम. प्रथम	अवि.	
	कु० हेमलता	१६	पुत्री	मैट्रिक	अवि.	
१०५—	श्री फूलचन्द	४७	मुखिया	मैट्रिक	वि.	मेसर्स-कुशलचन्द जैन, टोपी बाजार
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	४३	पत्नी	मिडिल	वि.	लखकर फोन न० २०२२
	श्री मानकचन्द	२७	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती सुशीता	२४	पुत्रवधू	मैट्रिक	वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	पुत्र	बी. एस सी.	अवि.	
	श्री सुभाष	१८	पुत्र	बी० कॉम०	अवि.	
	श्री हंसन्तकुमार	१६	प्रयोग	बी. एस सी. II	अवि.	
१०६—	श्रीमती कमलादेवी	६५	मुखिया	मिडिल	विधवा	मेसर्स-कुशलचन्द जैन, घर फोन न० २५५०, दुकान २०२२
	श्री महेश्वरकुमार	२५	पुत्र	बी० ए०	वि.	
	श्रीमती पुष्पलता	२४	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	
१०७—	श्री विनयचन्द कोचेटा	४६	मुखिया		वि.	ट्रान्सपोर्ट अवसाय फोन न० २०८४
	श्रीमती उमरावदेवी	४४	पत्नी		वि.	
	श्री निहानचन्द	२०	पुत्र	बी० ई० IV	अवि.	
	कु० रतन	२०	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	कु० पवन	१८	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	श्री सुरेश	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
१०८	श्री पी० एन० जैन	४२	मुखिया	बी० ए०	वि.	मर्सि-ए० जी० आफिस

जनकगंज लइकर, जीयाजीराव काँटन मिल्स व सिमको, बिरलानगर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती संतोषकुमारी	३७.	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती फूल भड़िया	६३	माँ		विधवा	
१०६—	श्री मुन्शीराम जैन	७५	मुखिया	बी० ए०	विधुर	शिन्दे की छावनी
	श्री राजकुमार	५१	पुत्र	बी० ए०	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती रत्नप्रभा	४७	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुभाषचन्द	२४	प्रपौत्र	हा० से०	अवि.	
११०—	श्री ध्रुवचन्द चन्द्रावत	४८	मुखिया	बी० ए०	वि.	अध्यापक-डी० ए० बी०, हा० से०
	श्रीमती पुष्पादेवी	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	स्कूल लइकर
१११—	श्री फतेहचन्द दरडा	५१	मुखिया	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती बरुवारी	४७	पत्नी		वि.	
	कु० पुष्पा	१६	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० प्रेमलता	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	

जीयाजीराव काँटन मिल्स, बिरलानगर :—

११२—	श्री सरदारसिंह नीरडिया	४६	मुखिया		वि.	जनरल मैनेजर फोन न० ८३३
	श्रीमती मायादेवी	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री वसंतकुमार	१८	पुत्र	B. Sc.	अवि.	
	कु० नीलम	१५	पुत्री	इन्टर	अवि.	
	श्रीमती गेंदाबाई	६०	माँ		विधवा	
११३—	श्री सठजनसिंह नीरडिया	३६	मुखिया	इन्टर	वि.	असिस्टेंट प्रोडक्शन मैनेजर, म्यू
	श्रीमती चन्द्रा	३२	पत्नी		वि.	स्पिनग मिल्स
	कु० कृषा	१६	पुत्री	हा० से०	अ. व.	
	श्री अशोककुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
११४—	श्री श्रीचन्द भंसाली	३१	मुखिया	B. Sc.	वि.	डाय हाऊस सुपरिन्टेन्डेन्ट
	श्रीमती मनोरमा	२८	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
११५—	श्री विक्रमसिंह नीरडिया	३२	मुखिया	बी० ए०	वि.	वेयर हाऊस, जे० सी० मिल्स
	श्रीमती कलादेवी	३०	पत्नी		वि.	
११६—	श्री चन्द्रभानसिंह डारिया	३०	मुखिया	M. Sc.	वि.	पड़ता विभाग-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती सुखीलाबाई	२७	पत्नी	मिडिल	वि.	

सिमको बिरलानगर :—

११७—	श्री सोहनसिंह माक	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-सिमको स्टोर
	श्रीमती सन्तोष	४८	पत्नी		वि.	

सिमको व ग्वालियर रेयन, बिरलानगर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री राजेन्द्रसिंह	३०	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	एजेन्ट-हिन्द साईकिल बम्बई
	श्रीमती कमला	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	बी० कॉम०	अवि.	
	श्री कुशलसिंह	१८	पुत्र	बी० ए० II	अवि.	
	कु० आणा	१६	पुत्री	बी. ए I	अवि.	
	श्री गजेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
११८—	श्री रत्नसिंह पानगढ़िया	३५	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	चीफ एकाउन्टेन्ट
	श्रीमती सुशीलाबाई	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
११९—	श्री प्रकाशचन्द कोठारी	४१	मुखिया	बी ए.	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती चम्बल	३६	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	कु० नलिनी	१६	पुत्री।	इन्टर	वि.	
	कु० जालिनी	१४	पुत्री	इन्टर	वि.	
१२०—	श्री आनन्द भट्टारी	२४	मुखिया	M. Sc.	वि.	सर्विस-सेल्स विभाग
	श्रीमती पुष्पा	२०	पत्नी	B. A. II	वि.	
१२१—	श्री कन्हैयालाल चौरड़िया	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मैनेजर सिमको
	श्रीमती सरला	३५	पत्नी		वि.	रेस० फोन ८३६, आफिस ६७०

ग्वालियर रेयन बिरलानगर :—

१२२—	श्री वृन्मचन्द सरावगी	२५	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	सर्विस-ग्वालियर रेयन
	श्रीमती विद्यादेवी	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	

वरैया आभूषण भंडार

दुकान नं० ५, राधाकृष्ण मार्केट, ग्वालियर-१

हमारी दुकान की विशेषताएँ:—

ग्राहक की सन्तुष्टी व माल की गारन्टी

एक बार दुकान पर आकर सेवा का उचित समय दें !

संचालक—मकखनलाल लालप्रसाद जैन

तेरापन्थी साधुमार्गी श्वेताम्बर जैन समाज

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
माधवगंज, लक्ष्मण :-						
१२३—	श्री गंगाधर सरावगी	४२	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-गंगाधर इन्दरचन्द, माधवगंज
	श्रीमती विद्यादेवी	४०	पत्नी		वि.	थोक वस्त्र व्यवसायी, फोन न०
	श्री जगदीशप्रसाद	१८	पुत्र बी० कॉम० II		अवि.	२२७६
	कु० विनोद	१४	पुत्री	हा० से०	अवि.	
१२४—	श्री इन्दरचन्द सरावगी	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-इन्दरचन्द जगदीशप्रसाद थोक
	श्रीमती मणिदेवी	६०	मा		विधवा	वस्त्र व्यवसायी, माधवगंज फोन
	श्रीमती सावित्री	२०	पत्नी		वि.	न० २२७६
	कु० ज्ञानवती	१६	पुत्री	हा० से०	अवि.	
१२५—	श्री गोरीशंकर सरावगी	३५	मुखिया		वि.	फर्म-गोरीशंकर ओमप्रकाश, थोक
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	६५	मा		विधवा	वस्त्र व्यवसायी फो० न० २०६६
	श्रीमती सारदादेवी	३२	पत्नी		वि.	
	श्री इन्दरचन्द तौनवा	५१	मुखिया		वि.	फर्म-छगनलाल कन्हैयालाल, वस्त्र
१२६—	श्री छगनलाल	३६	भाई		वि	व्यवसायी, माधवगंज
	श्रीमती राईबाई	३४	पत्नी		वि.	
	श्री जमयकुमार	१८	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री कन्हैयालाल	१७	भाई पुत्र	हा० से०	अवि.	
१२७—	श्री कमला	१४	भाई पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री देवरचन्द बैद्य	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि	फर्म-देवरचन्द पवनकुमार, वस्त्र
	श्रीमती सरोजदेवी	२२	पत्नी		वि.	व्यवसायी, माधवगंज
	श्री माणिकचन्द	१६	भाई	बी० कॉम०	अवि.	
१२८—	श्री बादमल बैद्य	४२	मुखिया		वि.	फर्म-चम्पालाल अशोककुमार, वस्त्र
	श्रीमती मोतीदेवी	४०	पत्नी		वि.	व्यवसायी, माधवगंज
	कु० कमला	१६	पुत्री	इन्टर	अवि.	
	श्री चम्पालाल	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
१२९—	श्री सुन्दरमल छाजंड	४५	मुखिया		वि.	फर्म-जयहिन्द स्टोर्स, वस्त्र व्यव-
	श्रीमती मालतीदेवी	४२	पत्नी		वि.	सायी, माधवगंज
	श्री सन्तोषकुमार	१६	पुत्र	बी० कॉम.	अवि.	
	कु० पुष्कराज	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	

चिटनीश की गोठ व दही मण्डी, बौलतगंज, लडकर

परिवार संख्या	नाम	आयु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
---------------	-----	-------------	--------	----------------	---------------

चिटनीश की गोठ :—

१३०—	श्री कमलाप्रसाद सरावगी	५०	मुखिया	वि.	फर्म—कमलाप्रसाद ओमप्रकाश
	श्रीमती सीतादेवी	४८	पत्नी	वि.	थोक वस्त्र व्यवसायी; माधवगंज
	श्री ओमप्रकाश	२६	पुत्र	बी. कॉम.	फर्म—गौरीसकर ओमप्रकाश थोक
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२४	पुत्रवधू	मेट्रिक	वस्त्र व्यवसायी, माधवगंज
	श्री प्रेमचन्द	२०	पुत्र	बी. ई. [] []	फोन नं० २०६६
	कु० विमला	१५	पुत्री	इन्टर	अवि.
१३१—	श्री नेमीचन्द बेद्य	४८	मुखिया	वि.	फर्म—नेमीचन्द मंवरलाल, वस्त्र
	श्रीमती इमरतीबाई	४२	पत्नी	वि.	व्यवसायी, चिटनीश गोठ
	श्री मंवरलाल	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.
	श्रीमती सुशी गदेवी	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.
	कु० कंचन	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.

दही मण्डी, बौलतगंज :—

१३२—	श्री सूरजमल छाजेड	६०	मुखिया	विधुर	फर्म—जयचन्द निहालचन्द, वस्त्र
	श्री जयचन्द	३६	पुत्र	वि.	व्यवसायी, दही मण्डी
	श्रीमती पानाबाई	३०	पुत्रवधू	वि.	
१३३	श्री शुभकरण सेठीया	३०	मुखिया	बी० ए०	फर्म—एस० के० जैन एण्ड क०, दही
	श्रीमती तारादेवी	२३	पत्नी	मिडिल	वि. मण्डी
१३४—	श्री राजकुमार छाजेड	१६	मुखिया	मिडिल	अवि. फर्म—राजकुमार छाजेड, दहीमण्डी
१३५—	श्री लक्ष्मीचन्द छाजेड	७०	मुखिया	वि.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	६०	पत्नी	मिडिल	वि.
	श्री गोपालचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.
१३६...	श्री कादर्सिंह बंद्य	३०	मुखिया	इन्टर	वि.
	श्रीमती मानजीबाई	५७	मा	विधवा	
	श्रीमती रूपवती	२८	पत्नी	वि.	
	श्री चम्पसिंह	२०	भाई	बी० एस सी०	अवि.
१३७—	श्री रामचन्द्र बोडावत	४४	मुखिया	मिडिल	वि. फर्म—राजकुमार क्लोथ स्टोम, दही
	श्रीमती सरलादेवी	३८	पत्नी	वि.	मण्डी, लडकर
	श्री राजकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.
१३८—	श्री रावतमल लूणावत	५४	मुखिया	वि.	फर्म—रावतमल, कमलकुमार, वस्त्र
	श्रीमती सुगनीदेवी	४०	पत्नी	वि.	व्यवसायी, दही मण्डी

दही मन्डी व माधवगंज लहकर

परिवार संख्या	नाम	आय सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री चम्पालाल	२६ पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती कमलाकुमारी	१६ पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री अबरलाल	२० पुत्र	हा० से०	अवि.	
१३६...	श्री ताराचन्द लूणावत	२६ मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-ताराचन्द प्रवीणकुमार, वस्त्र व्यवसायी, दही मन्डी
	श्रीमती ध्वरीदेवी	२४ पत्नी		वि.	
१४०...	श्री मेमीचन्द सेठीया	५० मुखिया		वि.	
	श्रीमती केसरबाई	३० पत्नी		वि.	
	श्री अबरलाल	१४ पुत्र	मिडिल	अवि.	

माधवगंज :—

१४१—	श्री दुरगावत सरावगी	८० मुखिया		विधुर	फर्म-दुरगावत कुन्दनमल, माधवगंज
	श्री कुन्दनमल	४५ पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्री बिसवालाल	४० पुत्र	मेट्रिक	वि.	होजरी बक्स
	श्री बाबूलाल	३८ पुत्र		वि.	
	श्री मालयाचन्द	३२ पुत्र	मेट्रिक	वि.	
१४२—	श्री गोविन्दप्रसाद	२४ मुखिया	मेट्रिक	अवि.	
	श्री ओमप्रकाश	२० भाई		अवि.	

दिगम्बर जैन समाज :—

१४३—	श्री श्यामलाल, माधवगंज	३० मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-मुलाबचन्द रेशमचन्द
१४४—	श्री रामस्वरूप त्रिपाठी	५० मुखिया	शास्त्री	विधुर	अध्यापक इन्देताम्बर जैन पाठशाला

इन्देतरंगज :—

१४५—	श्री हरप्रसाद पल्लीवाल	४४ मुखिया		विधुर	व्यापार, जये-इंगंज
	श्रीमती ग्यासोदेवी	६५ माँ		विधवा	
	श्री जनश्यामदास	२५ पुत्र M. Sc (Phy)		वि.	व्याख्याता-शासकीय विज्ञान महा-
	श्रीमती ऊषादेवी	२० पुत्रवधू		वि.	विद्यालय, इन्दालियर
	श्री राधेश्याम	२५ पुत्र बी० एस सी०		अवि.	
	श्री रमेशचन्द	२१ भतीजा	इन्टर	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१४ पुत्र		अवि.	
	श्री अजनमाल	१४ भतीजा		अवि.	
१४६—	श्री मोतीलाल	४० मुखिया		वि.	दलाल
	श्रीमती कलावती	३१ पत्नी		वि.	
	श्री दूरनचन्द	१६ पुत्र	मिडिल	अवि.	



रेलवे पार्सलों की घर पहुँच

सेवा से लाभ उठाईयेगा

अनेक मण्डियों व शहर के व्यापारी
आपकी सेवा से सन्तुष्ट हैं। आप भी
सेवा का अवसर वीजिये।

देवचन्द जैन, रेलवे दलाल

मामा का बाजार,

ग्वालियर—१

जन्म तिथि : माघ सुदी ५ वि० सं० १९६६

चम्पालाल जैन एण्ड कं०

श्री चम्पालाल जी जैन—'दी होनसेल क्लॉथ मरकनटाइल एसोसिएशन', नया बाजार, ग्वालियर के प्रख्यात और विश्वासनीय कपड़े के प्रमुख दलाल हैं। साथ ही, म० प्र० चेम्बर आफ कार्मर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, ग्वालियर के भी आप सम्माननीय सदस्य हैं।

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा आदि कपड़ा-मण्डियों के बड़े-बड़े व्यापारी कपड़ा खरीद कर चम्पालाल जी की सेवाओं से लाभ उठा रहे हैं। आप भी एक बार अवश्य उनकी निष्काम सेवाओं से लाभान्वित हों।

आपके यहाँ—व्यापारी भाइयों के ठहरने के लिए सुविधा-जनक और उत्तम प्रबन्ध है। आपके माध्यम से कपड़े खरीदने में अनेक लाभ हैं—जैसे कि कपड़े की खरीदी परिश्रम के साथ, ताकि व्यापारियों को अधिकारिक लाभ हो। साथ ही, माघ महीना द्वारा पैकिंग होकर, शीघ्र भेजा जाता है। पत्रों का उत्तर अविलम्ब दिया जाता है।

आपके द्वारा—व्यापारी भाइयों के लाभ के लिए—'वस्त्र-व्यापार-समाचार' के माध्यम से, कपड़ों के भाव शीघ्र और निःशुल्क भेजे जाते हैं।

सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में आपकी विशेष रुचि और योगदान सर्वविदित है। आपके द्वारा—मन्वत् २०१५ से—'जैन-तिथि-दर्पण' प्रति वर्ष छपवाकर, हजारों की संख्या में निःशुल्क वितरित किया जाता है। साथ ही, आप के द्वारा—मानागिर जी के मेले के अवसर पर—स्पेशल बसों का प्रबन्ध प्रतिवर्ष किया जाता है।

चम्पालाल जैन एण्ड कं० कपड़ा कमिशन एजेंट, नया बाजार, ग्वालियर-१



विभिन्न छात्रावासों में स्थिति जैन छात्र

न०	विद्यार्थी का नाम	उम्र	शिक्षा	वि. अवि.	पिता का नाम	स्थायी पता
----	-------------------	------	--------	-------------	-------------	------------

श्री जैन बीर नवीन छात्रावास, कटोराताल, लखनऊ—

१	श्री अशोककुमार गोलालारे	१६	B. Com.F.	अवि.	श्री पद्मलाल	सिविल लाईन, ललितपुर
२	श्री कैलाशचन्द गोलालारे	१७	B. Sc. I	अवि.	श्री पूरनचन्द	जैन क्लाय मर्चेन्ट, कटनी
३	श्री राजेन्द्रकुमार खरीभा	२२	B.A.M.S. (F.)	वि.	श्री बाबूराम	पुराना सराफा, भिन्ड
४	श्री अनिलकुमार गोलसि.	२०	B. A M S-II	अवि.	श्री उल्फतराय	राज कम्पनी गांधी मार्केट, भिन्ड
५	श्री प्रकाशचन्द परवार	१६	बी० कॉम. II	अवि.	श्री मूलचन्द नायक	तांगा स्टैण्ड, ललितपुर
६	श्री शिशुपाल बुलारिया	१६	बी० कॉम. III	अवि.	श्री कपूरचन्द	नवाई बाजार, ललितपुर
७	श्री सुमनचन्द परवार	२१	B.Com LL.B I	अवि.	श्री मानिकचन्द	सराफा बाजार, ललितपुर
८	श्री बीरेन्द्रकुमार गोलालारे	१६	बी. ए. (फा.)	अवि.	श्री जुगलकिशोर	कटरा बाजार, ललितपुर
९	डॉ. बीरेन्द्रकुमार जैसवाल	२३	B.Sc., M. B.B.SIV	अवि.	श्री बालमुकुन्द	जैन मन्दिर रोड, मुरैना
१०	श्री रतनचन्द जैसवाल	२२	M.Sc. (F.)	अवि.	श्री बिधुचन्द	धूल कोट, बोलपुर
११	श्री चौधरी सनतकुमार	२१	B. Com. (F.)	अवि.	श्री मानिकचन्द	कटरा बाजार, ललितपुर
१२	श्री अरुणकुमार परवार	२२	बी० कॉम० (F)	अवि.	श्री गुलाबचन्द	डा० निर्मलकुमार जैन, ललितपुर
१३	डा० विमलकुमार एरन	२०	M. B. B.S. III	अवि.	श्री बाबूलाल	पचायती क्लोथ मर्चेन्ट, कोलागम
१४	डा० विजयकुमार परवार	१६	M.B. B. S. III	अवि.	श्री पूरनचन्द	पी० सी० जैन वकील, गुना
१५	डा० बीरेन्द्रकुमार गोल०	२२	M. B. B. S. III	वि.	श्री कम्पनलाल	४८ महावीर गज, भिन्ड
१६	श्री अशोक कुमार खरीभा	१८	I. Sc. (F.)	अवि.	श्री जे० जैन	मोजाव (मैनपुरी)
१७	श्री आनन्दकुमार लमेचू	२१	M. B. B. S. III	अवि.	श्री रिषभदास	क्लोथ मर्चेन्ट, भिन्ड
१८	श्री अरुणकुमार लमेचू	२३	M. Sc. (F.)	वि.	श्री रिषभदास	क्लोथ मर्चेन्ट, भिन्ड
१९	श्री शिखरचन्द सिधल	२२	B.A. M. S.	वि.	श्री सुगतचन्द	लुक्वासा, जिला शिवपुरी
२०	श्री नवीनचन्द	२१		अवि.	श्री ताराचन्द	७० नर्मदामार्ग, बड़वाहा
२१	श्री सोहनलाल	२३	M. Sc. (P.)	अवि.	श्री कपूरचन्द	जैन साईकल स्टोर्स, इयोपुर

शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, ग्वालियर—

१	श्री विमलचन्द परवाल	२१	B. Sc. Final	अवि.	श्री लखमीचन्द	७७ सरदारपुरा, ललितपुर झांसी
२	श्री विजयकुमार परवार	१६	B. Sc. II	अवि.	"	"
३	श्री चन्द्रकुमार गोलालारे	२१	M.Sc (P) Math	अवि.	श्री भैयालाल	महावीर पुरा, ललितपुर झांसी
४	श्री सुरेन्द्रकुमार परवार	२२	B. Sc. Final	अवि.	श्री आनन्दीलाल	ललित पुस्तक भण्डार, ललितपुर
५	श्री राजेन्द्रकुमार परवार	१६	B. Sc. II	अवि.	श्री मानिकचन्द	सराफा बाजार, ललितपुर
६	श्री राजेन्द्रकुमार परवार	१६	B. Sc. II	अवि.	श्री लखमीचन्द	साबरकर चौक, ललितपुर
७	श्री विजयकुमार परवार	२२	B. Sc. Final	अवि.	" "	" "
८	श्री सुरेन्द्रकुमार परवार	१६	B. Sc. II	अवि.	श्री ध्यारेलाल	बी मर्चेन्ट, कटरा बाजार, ललितपुर

बिभिन्न छात्रावासों व स्थानों पर रहने वाले छात्र—

१ श्री प्रकाशचन्द खण्डेलवाल	२३	M. Com (P.)	अवि. श्री जानकीलाल	कछवाया, जिला गुना
२ श्री कन्होदीलाल परवार	२३	M BB.S. Final	अवि. श्री दयाचन्द	कलाश मचेंट, अशोक नगर
३ श्री बीरेन्द्रकुमार परवार	२०	इन्टर	अवि. श्री रतनलाल	गांधी पार्क, अशोक नगर
४ श्री राजेन्द्रकुमार परवार	१८	इन्टर	अवि. श्री बाबूलाल चौ.	रामचन्द बाबूलाल, कछवाया गुना
५ श्री प्रकाशेन्द्रकुमार परवार	१६	B. Sc. I	अवि. श्री कालूराम	छोटी मुहारी, जिला शिवपुरी
६ श्री राजेन्द्रकुमार परवार	१६	B. Sc. I	अवि. श्री बालचन्द्र	अनियाधाना, शिवपुरी
७ श्री रूपचन्द खरीआ	२२	M. Com.Final	अवि. श्री राजाराम	कैलाशचन्द प्रेमचन्द, जैन मिन्ड
८ श्री बुद्धसैन खरीआ	२४	M.Com LL B.	वि. श्री गोपीचन्द	नया बाजार, लखर
९ श्री जयकुमार खरीआ	२०	B Com Final	अवि. श्री गुलाबचन्द	कलाश मचेंट, मो
१० श्री पदमचन्द	१७	B. Com. I	अवि.	मिन्ड
११ श्री जिनेन्द्रकुमार	१७	B. Com.	अवि.	मो, (मिन्ड)
१२ श्री राजकुमार काला	२१	D-M E, B'A. II	अवि. श्री प्रकाशचन्द	नया बाजार, जोरा
१३ श्री पदमकुमार काला	१६	B.A.M.S II	अवि. श्री प्रकाशचन्द	नया बाजार, जोरा
१४ श्री नरेन्द्रकुमार बैरिया	२०	हा० से०	अवि.	शिवपुरी
१५ श्री सूर्यकुमार	२०	B. Com., LL.B.	अवि. श्रीमहावीरप्रसाद	शिवपुरी

कृषि महाविद्यालय ग्वालियर—

१ श्री वज्रसैन जैन	२२	B. Sc. Ag (F.)	वि. श्री नेमोचन्द	ग्राम जामना, पो० मिन्ड
२ श्री दयाचन्द जैन	२१	B. Sc. Ag (F.)	वि. श्री मादीलाल	गोहद (जिला मिन्ड)
३ श्री ताराचन्द जैन	२३	M Sc. Ag. (F.)	अवि. श्री रामलाल	धुठारसी
४ श्री इन्द्रसैन जैन	२१	B.Sc. Ag. (F.)	वि. श्री जयचन्द	गोहद (जिला मिन्ड)

शासकीय प्रार्थु वेदिक महाविद्यालय ग्वालियर—

१ श्री महेन्द्रकुमार बांफल	२०	B. A. M.S. IV	अवि.	नया छात्रावास, कमरा न० ४
२ श्री सुरेशचन्द गोयल	२०	B. A. M.S. IV	अवि.	नया छात्रावास, कमरा न० ४
३ श्री मुन्नालाल जैन	२०	B. A. M.S. IV	अवि.	नया छात्रावास, कमरा न० ४

जैन छात्रावास, नई सड़क लखर—

१ श्री आनन्दकुमार गोयल	२३	चार्टर्ड एकउन्टेन्सी	अवि. श्री फूलचन्द	मानवीगज, मिन्ड
२ श्री उग्रसैन जैन	२३	C.T.C.I	वि. श्री गाढेराम	गौद व रोष्ट फूप, जिला मिन्ड
३ श्री डालचन्द परवार	२३	M. B.B.S. (F.)	अवि. श्री फूलचन्द	बामोरा (सागर)
४ श्री ताराचन्द खरीआ	२२	M Com. (F)	अवि. श्री राजाराम	सदर बाजार, मिन्ड
५ श्री सत्यप्रकाश गोयल	२१	M. Sc. (P.)	वि. श्री तातागाम	जीवाजीगज, मुरेना
६ श्री हरिहरनाथ	२३	M.B. B.S. (F.)	वि. श्री रामेश्वरदयाल	दत्तपुरा, मुरेना
७ श्री बीरेन्द्रनाथ परवार	१८	B. Sc. I	अवि. श्री रामप्रसाद	मुहारी, जिला शिवपुरी
८ श्री केदारशरण गोयल	२१	B. A. M. S. II	वि. श्री कृपालीशम	करैरा
९ श्री राजकुमार परवार	२२	M. Sc. (F.)	अवि. श्री कन्हैयालाल	कटरा बाजार, ललितपुर
१० श्री राजेन्द्रकुमार परवार	१८	B. Sc. I	अवि. श्री बालचन्द	मुहारी (शिवपुरी)
११ श्री राजेन्द्रप्रसाद	२१	M. Sc. (P)	वि.	अम्बाह, मुरेना
१२ श्री रमेशचन्द गोवालारे	१७	इन्टर	अवि. श्री कुन्दनलाल	लखपुरा अवधन्त नगर, इटावा
१३ श्री प्रकाशचन्द	१७	C. T. T. I	अवि. श्री ज्ञानचन्द	बगसा बाजार, खन्डा रोड, मिन्ड
१४ श्री पवनकुमार	२३	B. E. Engg	अवि. श्री राजवहादुर	राजा की मण्डी, आगरा

अनगराना-विवरण क्रमिका, लश्कर

क्रम	बाजार	पेज नम्बर दिगम्बर/प्रवेताम्बर	क्रम	बाजार	पेज नम्बर दिगम्बर/प्रवेताम्बर
१	गुड़ी-गुडा का नाका	१	२६	गस्त का साजिया	४५
२	तिलक नगर	२	२७	डीडवाना ओली	४८
३	कम्पू रोड	२	२८	मोची ओली	५१
४	सिकन्दर कम्पू	३	२९	मनीराम का बाड़ा	५३
५	रायसिंह का बाग	३	३०	चोसी बाड़ा	५६
६	जामदार खाना	३	३१	पारल जी का बाड़ा	५७
७	हेमसिंह की परेड़	३	३२	सराफा बाजार	५७, ६५
८	मामा का बाजार	४	३३	नई सड़क	६२
९	माधवगंज	६, २०, ६६	३४	गेड़े वाली सड़क	६३
		१४७, १५२, १५८, १६०	३५	दीलतगंज	६५, ६६
१०	कमाठीपुरा	१६	३६	हुजरात मार्ग	६९
११	गाढ़वे की गोठ	१६	३७	नया बाजार	७०
१२	आपागंज	१६	३८	लोहिया बाजार	७३
१३	बापू खन्डी की गोठ	१६	३९	इन्दर गंज	७६, १६०
१४	पुलिस चौकी	१७	४०	सलितपुर कॉलोनी	८०
१५	बिटनीस की गोठ	१७	४१	जिम्सी नाला	८०
१६	बालाबाई का बाजार	१९	४२	मिन्दे की छावनी	८३
१७	लाला का बाजार	२०	४३	चन्द्रबदनी नाका	८२
१८	वासगी बाजार	२०	४४	पाटनकर बाजार	८२
१९	फडनीस की गोठ	२१	४५	फालके का बाजार	८३
२०	डीली बुआ का पुल	२१	४६	जरीपटका	८४
२१	छत्री बाजार	२१	४७	कमलसिंह का बाग	८४
२२	बीबाजीगंज	२२	४८	जबाहर कॉलोनी	१४६
२३	जनकगंज	२३	४९	ग्वालियर रेयन, बिरलानगर	१४६, १२२
२४	भाऊ का बाजार	२४	५०	बीबाजीराव कॉटन मिल	१५०, १५६
२५	दानाओली	२५	५१	सिमको, बिरलानगर	१५६

क्रम	बाजार	पेज नं०	क्रम	बाजार	पेज नं०
ग्वालियर			मुरार		
१	सखाराम का मोहल्ला	६७	१	ठाठीपुर कॉलोनी	११३
२	लोहा मण्डी	६७	२	सदर बाजार	११५
३	कोटा वाला मोहल्ला	१०२	३	चिक सन्तर	११६
४	गंज	१०३	४	मत्थनारायण सन्तर	११६
५	पक्कीपाड़ा	१०४	५	जैन मन्दिर सन्तर	१२१
६	फोर्ट रोड	१०४	६	गगमाई सन्तर	१२३
७	चौक बाजार	१०५	७	शम्भूमल की बगीची	१२७
८	सोडा का कुआ	१०७	८	ठण्डी सड़क	१३१
९	लखेरा गली	१०८	९	गर्म सड़क, घास मण्डी	१३२
१०	छोटा बाजार	११०	१०	गंज, बजाज मण्डी, सिंहपुर रोड	१३३
११	घास मण्डी	१११	११	बजाज खाना, कोतवाली सन्तर	१३४
१२	तामेश्वर महादेव	११२	१२	मौदागर सन्तर, सुदामा पुरी कॉलोनी	१३५
१३	बिरला नगर	११२	१३	महारानी लक्ष्मीबाई रोड	१३६
			१४	माल रोड, नदी सन्तर, खुना सन्तर	१३६

नम्र निवेदन

इस निर्देशिका में यदि:—

- * कोई विवरण प्रकाशित होने से छूट गया है,
- * प्रकाशित विवरण अधूरा है,
- * प्रकाशित विवरण में त्रुटियाँ हैं,
- * प्रकाशित विवरण में कोई परिवर्तन हुआ है—

तो कृपया शीघ्र ही निम्नलिखित पते पर पूरा व सही विवरण भेजने का कष्ट करें। साथ ही भविष्य में होने वाली शासकीय जनगणना में नाम के आगे केवल "जैन" ही लिखवायें, जिससे भारत में जैनों की वास्तविक जनगणना जानी जा सके।

बिनीत :

मन्त्री : वर्तमान १६० जम नवयुवक सघ

पाटली भवन, जाबबगंज, ग्वालियर—१

सहयोगी

त

विज्ञापनदाताओं

की

सूची

क्रम	फर्म का नाम व पता	पेज नं०
१	इन्डो कॉपीयर, इन्दौर	कवर पर
२	कोठारी मन्स, सराफा बाजार, लखर	कवर पर
३	भावना केमिकल एण्ड परफ्यूमरी प्रॉडक्टस्, सराफा बाजार	४२
४	बहुजात्या ट्रेडर्स, विजय नगर, हाथरस	५०
५	दि. बैंक ऑफ बड़ोदा लि. पाटनकर बाजार, लखर	५०
६	मे. सूरजलाल सुमेरचन्द, चाँदनी चौक, देहली	५८
७	मे. मिट्ठोमल एण्ड संस, चावड़ी बाजार, देहली	६६
८	मे. गुलामचन्द रेशम चन्द जैन, सराफा बाजार, लखर	६६
९	मै सोभाग्यमल जी लुकमान जी, राजादरवाजा, वाराणसी	७४
१०	गगवान इण्डस्ट्रीज व मे. गणेशीलाल फूलचन्द, लखर	८२
११	मे. बन्शीधर विमल चन्द, लोहिया बाजार, लखर	८६
१२	मे. रतनालाल बेचरदास, सराफा बाजार, लखर	८६
१३	मे. चन्दरलाल गम्पुलाल, डोडवाना ओली, लखर	९०
१४	मे. रत्नचदास मोतीलाल, सराफा बाजार, लखर	९०
१५	मे. गोपीलाल लक्ष्मीचन्द सराफा बाजार, लखर	९८
१६	ग्वालियर गोटा फेक्ट्री, सराफा बाजार, लखर	९८
१७	बूल कानेर, जैन स्टोर्स, जयाजी चौक, लखर	१०६
१८	बापना क्लोथ स्टोर्स, आर बापना ब्रदर्स, सराफा बाजार	१०६
१९	मे. जैन आयरन स्टोर्स, लोहिया बाजार, लखर	१०६
२०	मे. कमला प्रसाद ओमप्रकाश, माधवगंज, लखर	११४
२१	मे. गमाधर इन्दर चन्द, माधवगंज, लखर	११४
२२	मे. इन्दरचन्द फूलचन्द, दीलतगंज, लखर	१२२
२३	जैन मैन्यू. फैक्ट्रिंग क., सराफा बाजार, लखर	१३०
२४	मे. मुन्शीलाल महेन्द्रकुमार, माधवगंज, लखर	१३०
२५	प्रकाश आयरन इण्डस्ट्रीज, लोहिया बाजार, लखर	१४२
२६	एटको टाईल्स, इण्डस्ट्रियल ऐरिया, ग्वालियर	१४२
२७	मे. गनपतलाल किशन लाल, सराफा बाजार, लखर	१५१
२८	मे. वरंदा आभूषण भण्डार सराफा बाजार, लखर	१५७
२९	देवचन्द जैन रेलवे दलाल व चम्पालाल जैन वस्त्र दलाल	१६१
३०	मे. महावीर जैन स्टोर्स, जयेंद्र गंज, लखर	१६९
३१	ऐपकी पिस्टन, जैयलाल प्रेमचन्द व जैन पुस्तक सदन	१७०
३२	जे. बी. मंगाराम, ग्वालियर	१७१
३३	मे. जैन ब्रदर्स टोपी बाजार लखर	१७२
३४	ग्वालियर रेयन बिरलानगर	कवर
३५	जे. सी. मिस्स बिरलानगर	कवर

प्रकाशकीय परिचय !

✻ वर्तमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ,
श्रीश्रवणा ओली, ग्वालियर-१

प्राचीन काल से ही ग्वालियर भारत का प्रमुख नगर रहा है। यह नगर प्राचीन जैन साहित्य एवं कला का केन्द्र है। ग्वालियर दुर्ग यहाँ की कलाकृतियों एवं संस्कृतियों का जीता-जागता प्रमाण है। ग्वालियर के इतिहास से ज्ञात होता है कि यहाँ राजकीय व सामाजिक क्षेत्रों में जैनों का ऊँचा स्थान रहा है। प्राचीन परम्परा को बनाये रखने व सामाजिक कार्यों में गतिशीलता लाने का कार्यभार नवयुवकों के कंधों पर होता है, उसी उत्तरदायित्व को समझते हुए समाज, धर्म, व राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए २ अक्टूबर सन १९६६ को वर्तमान दिगम्बर जैन नवयुवक मण्डल की स्थापना की गई। जिसका प्रथम नेतृत्व अध्यक्ष प्रो० शान्तिलाल जी गिरधरवाल, उपाध्यक्ष श्री उत्तमचन्द्र गगवाल, मन्त्री श्री धर्मचन्द्र बाकसीवाल कोषाध्यक्ष श्री केशरीमल पाटनी ने किया। इसके अतिरिक्त ४५ उत्साही सदस्यों ने मिलकर मण्डल का प्रारम्भिक गठन कर, कार्य प्रारम्भ किया। द्वितीय वर्ष में अध्यक्ष प्रो० लालचन्द्र जी, मन्त्री श्री केशरीमल पाटनी व कोषाध्यक्ष श्री मोतीलाल जी बज्र के नेतृत्व में कार्य किया गया। वर्तमान के पदाधिकारी और सदस्यों की विस्तृत सूची पृष्ठ न० एक पर दी गई है।

समाज के युवकों का शारीरिक नैतिक, आध्यात्मिक, नैतिक, सांस्कृतिक विकास करना। तन, मन, धन से समाज व धर्म की सेवा करना, कुरीतियों को दूर कर व्यवहारिक उचित प्रवृत्तियों को कार्यान्वित करना, गरीबों की शिक्षा आदि आवश्यक कार्यों में मदद करना, बन्धुत्व, सामाजिक एकता, मानवता आदि गुणों को जागृत करते हुए जैन धर्म का प्रचार-प्रसार करना, मण्डल के मुख्य उद्देश्य हैं। सबधित वातावरण उपस्थिति करने के लिये समय-समय पर गोष्ठियाँ व समाज आयोजित की जाती हैं। यथा समय बाहर के प्रतिष्ठित बक्ताओं को आमन्त्रित कर समाज व सदस्यों को उनके अनुभवों व ज्ञान से साभान्वित

किया जाता रहा है। वर्तमान में वर्तमान पुस्तकालय एवं वाचनालय, पुस्तक-कोष स्पोर्ट्स क्लब आदि विधिवत रचनात्मक कार्य मण्डल द्वारा किये जा रहे हैं। पृथक-पृथक जातियों व सम्प्रदायों में बटे हुए जैन समाज को नगर के भिन्न भिन्न भागों में रहने सहने और उनका ग्वालियर-व्यापी असांख्यिक संगठन न होने के कारण आपस में जानकारी नहीं के बराबर है। इस कारण बहुत समय से आवश्यकता अनुभव की जा रही थी कि ग्वालियर के जैनों के बारे में एक निर्देशिका प्रकाशित की जावे जिससे उनकी सांस्कृतिक सामाजिक, आर्थिक राजनैतिक तथा मन्दिरों धर्मशालाओं, पाठशालाओं संस्थाओं आदि का जनसाधारण को परिज्ञान हो ताकि पारस्परिक जानकारी हो और सम्पर्कों में वृद्धि हो सके। इसी प्रेरणा ने मण्डल को ग्वालियर निर्देशिका प्रकाशित करने को प्रेरित किया।

निर्देशिका में सम्पूर्ण सामग्री के अनुक्रम को नियत करने और विवरण को प्रस्तुत करने में सम्प्रदायिक भेद को गौण रखा गया है। दिगम्बर, श्वेताम्बर जैनवाल आदि सभी की जानकारी बिस्तृत दृष्टिकोण रखते हुये दी गई है। अपने ढंग का नया और ग्वालियर जैन समाज के लिये इस तरह का पहिला प्रयास होने से अनेक प्रारम्भिक जटिल समस्याओं का सामना करना पडा, बारबार रूप रेखा बदलना पड़ी। कार्य सभी को सुन्दर और उपयोगी लगने पर भी पूरी सामग्री एकत्रित करने में हर किसी का पर्याप्त सहयोग प्राप्त न हो सका। निर्देशिका को पूर्णतया स्वावलम्बी बनाने हेतु जैन व्यापारियों व उद्योग पतियों से विज्ञापन प्राप्त किये हैं। विज्ञापन दाताओं ने बड़ी उदारता से विज्ञापन देकर हमें आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। जिसके कारण हम इस निर्देशिका को समाज में प्रचारार्थ लागन के एक चौथाई मूल्य पर देने में सफल हुए हैं।

इसमें ग्वालियर के जैन के अतीत व वर्तमान की जाँकी प्रस्तुत की गई है जिससे समाज को अपनी स्थिति

सामाजिक महत्व व प्रगतियों पर दृष्टिपात करने का अवसर प्राप्त होगा। वैवाहिक सम्बन्धों को तय करने शासकीय और वास्तविक जैन जनगणना की तुलना करने, जैन ध्यापारियों डॉक्टरों, वकीलों आदि से सम्पर्क स्थापित करने में यह निर्देशिका सहायक सिद्ध होगी। और अन्त में संघ के रचनात्मक कार्यों के लिये आधार स्तम्भ होगी। यह समाज के सहयोग व सदस्यों के अथक परिश्रम का फल है। संघ उन सभी बन्धुओं का अत्यन्त आभारी है जिनसे परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से इस कार्य में किसी भी प्रकार की सहायता मिली है। सम्पादक मण्डल सराहना का पात्र है जिसके सुप्रयत्नों से निर्देशिका का प्रस्तुत रूप उपलब्ध हुआ है। सभी ने किसी न किसी रूप में बहुमूल्य योग दिया है। फिर भी कुछ विनिष्ट साधियों व महानुभावों का उल्लेख करना मैं अपना कर्तव्य समझता हूँ।

संघ के अध्यक्ष प्रो. लालचन्द जी सम्पूर्ण योजना के पीछे शास्त्रोक्त रहें हैं। श्री मिश्रीलाल जी पाटनी के सार्वजनिक अनुभव व उनके सुलझे हुये विचारों का प्रकाशन में पूर्ण उपयोग किया गया है। वे बयोवृद्ध हैं किन्तु उनका उत्साह युवकों से कहीं अधिक है। प्रधान सम्पादक प्रो. एन. एल. जैन ने कर्तव्य परायणता का परिचय देते हुये हर समय प्रकाशन की सफलता के लिये प्रत्येक संभव प्रयास किया है। सह सम्पादक श्री कपूरचन्द जी बरैया की आकर्षक शुद्ध सीसी ने बिलरी हुई सामग्री को क्रमबद्ध प्रस्तुत कर सम्बन्धित विषयों का रूप ही बदल दिया है। श्री रविन्द्र मालव, श्री जरेन्द्र कुमार सोनी ने यथा समर्थ अकथनीय सम्भव सहयोग प्रदान किया है श्री कैलाशचन्द जैन व श्री अर्धचन्द्र बाकलीवाल ने विज्ञापन कार्य में अमूल्य योग दिया है। संघ के समस्त सदस्यों द्वारा किये गये सम्बन्धित प्रयास अनुकरणीय हैं जो भविष्य में प्रेरणा के स्रोत रहेंगे।

इस कार्य में रूप रेखा बनने के समय से पूर्ण होने तक अनेक कठिनाईयाँ उपस्थित हुई हैं किन्तु सबसे बड़ी कठिनाई व्यक्तियों द्वारा सम्बन्धित सामग्री देते समय बिलम्ब करना है। मुझे खेद है अब भी ऐसे अनेक व्यक्ति हैं जिन्होंने अनेकों बार मौखिक लिखित और व्यक्तिगत रूप से की गई प्रार्थनाओं पर भी जानकारी देने या भेजने का कष्ट नहीं किया। कठिनायों से निश्चित सामग्री प्रारम्भ से ही प्रेस में नहीं दी जा सकी, अन्तिम स्टेज तक नवीन सामग्री आने पर संशोधन करने पड़े। प्रेस के व्यवस्थापक भी जाँच कार्य की अधिकता के कारण यथोचित समय इस ओर न दे सके। इसी कारण निर्देशिका देर से प्रकाशित हो सकी है। इसके लिये मुझे खेद है।

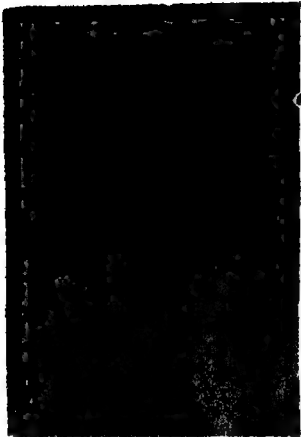
प्राचीन शास्त्रों, लेखों, राज्य पत्रों, बयोवृद्ध व्यक्तियों के अनुभवों व संकलित तथ्यों के आधार पर यत्र तत्र बिल्वे मोलियों की अतीत की धूल व वर्तमान की परिस्थिति से जो कुछ भी हम उठा सके हैं आपके समक्ष प्रस्तुत हैं। सुझाव, अनुद्धियाँ संशोधन आदि के लिये आपके विचार भविष्य में मार्गदर्शन करायेंगे ऐसी आशा है। यदि समाज व सदस्यगण अतीत के आदर्शों से प्रेरणा और वर्तमान परिस्थिति से शिक्षा लेते हुये विकासशील प्रवृत्ति को अपनावेंगे और भविष्य के निर्माण में लगेंगे तो संघ अपने इस श्रम को सफल समझेगा।

संघ के भावी-कार्यक्रम—

- ✿ मेरिज ब्यूरो, की स्थापना
- ✿ जैन कॉलोनी का निर्माण
- ✿ गरीब व विधवाओं के लिए सधु उद्योग की स्थापना
- ✿ प्रतिष्ठित व्यक्तियों का जीवन परिचय प्रकाशित करना

महामन्त्री
केशरीमल पाटनी

सम्पादक



प्रधान सम्पादक व उपाध्यक्ष
प्रो. एन. एल. जैन



अध्यक्ष—

प्रो. लाल चन्द्र जैन

मण्डल



सलित मन्त्री व सम्पादक सदस्य
रविन्द्र 'मालव'



सह सम्पादक
कपूरचन्द बरैया



सम्पादक सदस्य व सहमन्त्री
कैलाशचन्द्र जैन

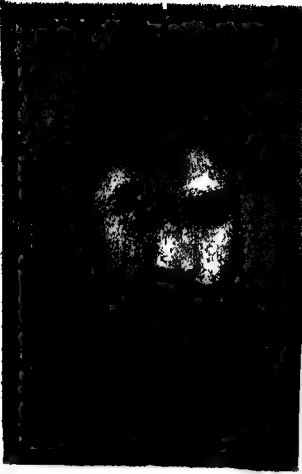


प्रधान संपादक व महामन्त्री
केशरीमल पाटनी



सम्पादक सदस्य
नरेन्द्र कुमार सोनी

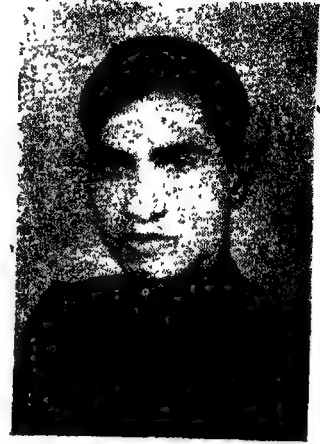
कर्मठ कार्यकर्ता



कमलकिशोर गोधा



होतोलाल जैन



प्रमोदकुमार पाटनी



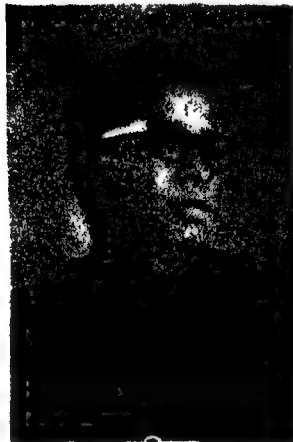
भर्मचन्द बाकलोवाल



रतनचन्द जैन



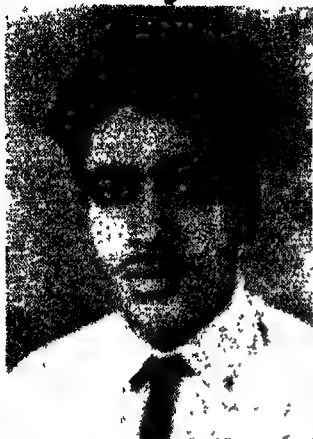
अश्वभ कुमार



मोतीलाल बज्र



शान्तिकुमार जैन



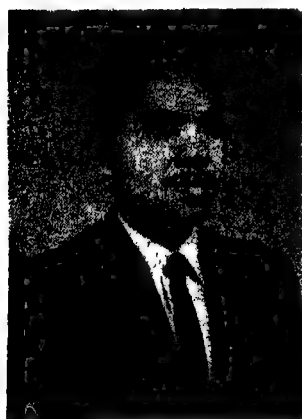
प्रकाशचन्द वरेया



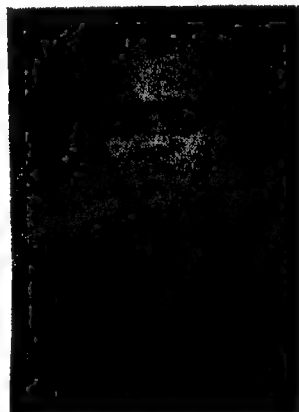
नरेन्द्र कुमार पाटीदी



ताराचन्द बाँठिया
कवर डिजाईनर



श्रीमप्रकाश सरावगी



राजेन्द्र कुमार पांड्या



श्रीरेन्द्र कुमार वापना



अजीतकुमार रियांवाला

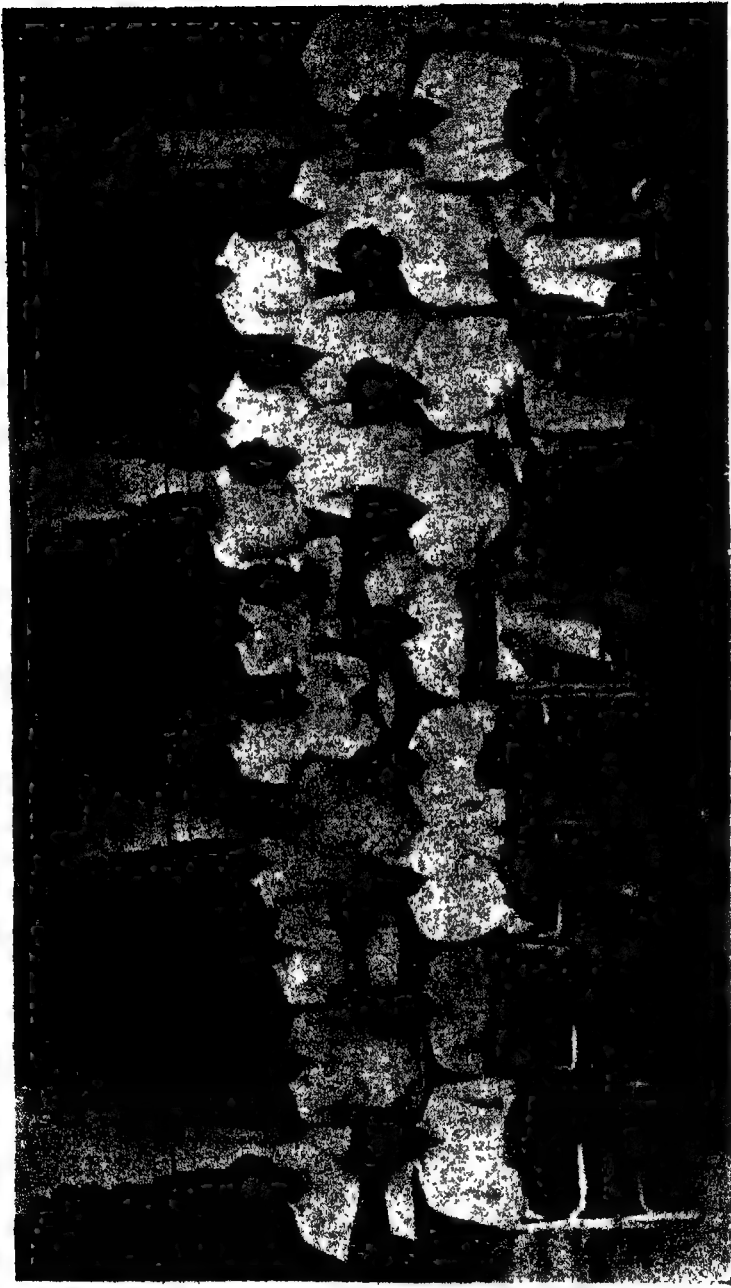


अजीत कुमार बड़जात्या



रमेशचन्द जैन, मुरार

वस्त्रभानव दि० जैन नवयुगक संघ, छीछवाडा ओली, ग्वालिअर-१
साधारण सदस्य १८६८-६९



कै० दुये सदस्य—सर्वश्री नरेन्द्र कुमार सोनी, प्रो जी. डी. जैन, अखिलकुमार बड़वाल्ला, धर्मचन्द शाकसीवाल, प्रो. सातचन्द,
प्रो. एल. एल. जैन, केजरीयल पाटनी, रविन्द्र यातव, प्रमोद कुमार पाटनी ।
प्रथम पंक्ति में खड़े दुये सदस्य—सर्वश्री ऋषभ कुमार, कमल किशोर गोवा, सुरेशचन्द, निर्मल कुमार विमलचन्द पाटनी, कपूरचन्द सोनी,
विनोद कुमार गंगवाल, अनिल कुमार गोवा, सन्तोष कुमार सेठी, वसन्त कुमार पाटनी ।
द्वितीय पंक्ति में खड़े सदस्य—सर्वश्री सुरेशचन्द पाटनी, सुरेशचन्द जैन, सुरेन्द्र कुमार, नरेन्द्र कुमार पाटोही, नरेन्द्र कुमार जैन, बाबूलाल चौबरी,
एबम् अनुपस्थित ४५ सदस्यगण ।

For your Requirement please Contact :

Ramchand Phundilal & Co.

Stockists :

Imperial Chemical Industries (India) Pvt. Ltd.

The Cement Marketing Co. of India Ltd.

Millick Nixon & Co. Ltd.

Swastik Oil Mills Ltd.

Cables :

HIMACHAL, GWALIOR.

Telephone :

57

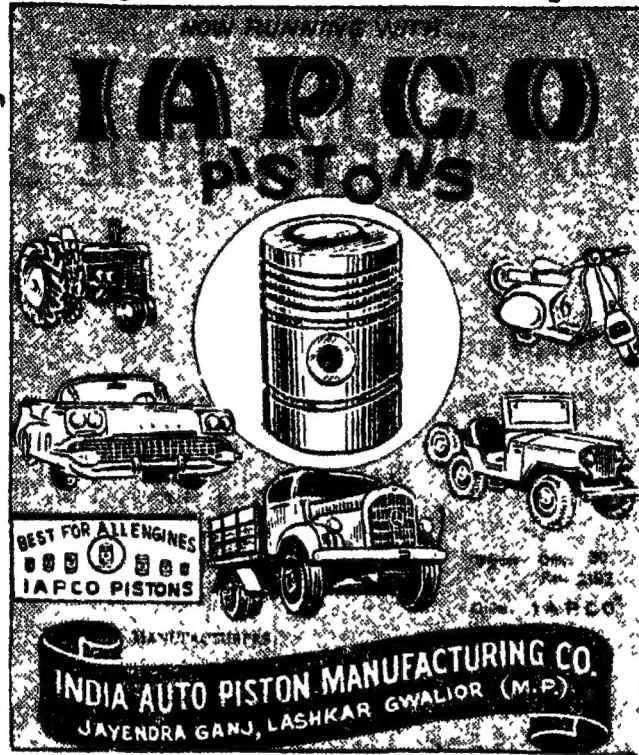
Office :

**INDERGANJ, LASHKAR
GWALIOR-1**

Our other Consigns:

MAHAVIR JAIN STORES

HOTEL GUJRI MAHAL



शुभ कामनाओं सहित :—

फोन न १२०२

सवाई सिंघई अभिनन्दन कुमार सुरेन्द्र कुमार
होलसेल क्लॉथ मर्चेन्ट

नया बाजार, ग्वालियर-९

डिग्री कलेज के कोर्स की पुस्तकें मिलने का एकमात्र स्थान :—

जैन पुस्तक सदन

पाटनकर बाजार, ग्वालियर-१

दुकान, भवन आदि को चमकाने के लिये
यदि पेन्ट्स वारनिस खरीदना है तो केवल

शालीमार पेन्ट्स

ही खरीदें

- लकड़ी के फर्नीचर आदि—शालीमार बुडकोट
- स्टील के फर्नीचर आदि—शालीमार स्टील कोट
- दीवारों छतों आदि—शालीमार ड्राई डिस्टेम्बर ६६६६
ऑयल बाउंड, डयूरोडोल, सुपर
लैक व प्लास्टिक एमलसन का
ही प्रयोग कीजिये।

हर कार्य के लिये शालीमार पेन्ट्स आपको सेवा करता है।

मिलने का एक मात्र स्थान

जैन ब्रदर्स

टोपी बाजार लखनऊ

फोन नं० २५६७

अच्छे प्रिन्टर्स (रंग-साज) की आवश्यकता के लिये फोन नम्बर २५६७

से सम्पर्क स्थापित कीजियेगा।

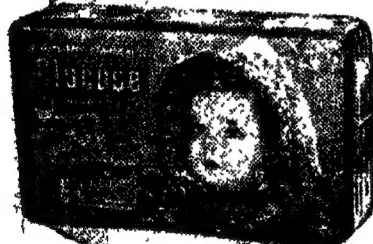
निर्देशिका मूल्य : एक रुपया, सजिल्द १)५० पैसे



J. B. MANGHARAM'S
BISCUITS
&

SWEETS

WHEREVER
You go
HOWEVER
You enjoy



Choice of millions!

J. B. MANGHARAM & CO.

**who
is he ?**



what
m
what
m
GW

बोर सेवा मन्दिर
पुस्तकालय
काल सं० ०५८-७/५५५१९) ५३५
लेखक जैन नरेश प्रहलाल
वीथक जवाहर लाल जैन निदेशिका
१९८५



TING
BWS